खण्ड–521, अंक–06
शनिवार, 06 फाल्गुन, शक संवत् 1944
(दिनांक 25 फरवरी, 2023 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(अट्ठारहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2023)

(खण्ड 521 में 10 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2023

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय			पृष्ठ संख्या
उपस्थित सदस्य	...	...	1-6
प्रयागराज में घटित हत्याकाण्ड पर सर्वप्रथम चर्चा कराने की मांग		...	7-11
माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा		...	11-42
आय-व्ययक पर साधारण चर्चा देर तक कराये जाने की सूचना		...	43
याचिकाओं का उपस्थापन	...	...	43-44
श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)		...	44-45
श्रीमती जय देवी, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...		...	45
श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)		...	45
श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)		...	46
डॉ0 रागिनी, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)		...	46
श्री सचिन यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)		...	46-47
डॉ0 अमित सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)		...	47-48
डॉ0 एम0पी0 आर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)		...	48
डॉ0 नीरज बोरा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)		...	48-49
डॉ0 मुकेश वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)		...	49

विषय	पृष्ठ संख्या
डॉ0 विनोद कुमार बिन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद मिर्जापुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)	49-50
डॉ0 सुनील पटेल सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	50
डॉ0 मंजू शिवाच, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजियाबाद से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	50-51
श्री राहुल राजपूत उर्फ ''राहुल लोधी'', सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	51
श्री अखिलेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	51-52
श्री अताउर्रहमान, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	52
श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	52-53
श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद सन्तकबीरनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	53
श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद चित्रकूट से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	53-54
श्री अनिल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 04 याचिकाएं एवं लखनऊ से सम्बन्धित एक याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	54
श्री अमरेश कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	54
श्री अरमान खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	55
श्री अशरफ अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	55-56
श्रीमती ओममणी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बांदा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	56

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	56-57
श्री गणेश चन्द्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद सन्तकबीरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	57
श्री गुलाम मोहम्मद, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	58
श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	58-59
श्री चन्दन चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	59
श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत) ...	59-60
श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	60-61
श्री जय प्रकाश चंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	61
श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित 03 याचिकाएं तथा जनपद खीरी व जनपद लखनऊ से सम्बन्धित एक-एक याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	61-62
श्री जियाउर्रहमान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (व्यपगत) ...	62
श्री जै किशन साहू, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	62
श्री दुधराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	63
श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	63
श्री देवेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	63-64
श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत) ...	64-65

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री पल्टूराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलरामपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	65
श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	65-66
श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर व जनपद बांदा से सम्बन्धित एक-एक याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	66
श्री प्रदीप शुक्ला, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोरखपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	66-67
श्री प्रभु नारायण सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	67
श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	67-68
श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	68
श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	68-69
श्री बावन सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	69
श्री बेचई सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	69-70
श्री बेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	70
श्री मनीष रावत, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 01 याचिका एवं जनपद सीतापुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)	70
श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	71
श्री मनोज कुमार पारस, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	71-72
श्री मूलचन्द सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	72

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री मो0 हसन ''रूमी'', सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	73
श्री मौ0 फहीम इरफान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	73-74
श्री रमेश जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद चन्दौली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत) ...	74-75
श्री रवि शर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	75
श्री राजीव तरारा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	75-76
श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत) ...	76-77
श्री राम अवतार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	77
श्री राम रतन कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद ललितपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	77
श्री लकी यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	78
श्री लक्ष्मी राज सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	78-79
श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखीमपुर खीरी से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	79
श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	79-80
श्री विपुल दुबे, सदस्य, विधान सभा की जनपद भदोही से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	80
श्री विवेक कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	81
श्री विवेकानन्द पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	81
श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	81-82

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री वीरेन्द्र कुमार यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	82-83
श्री श्याम सुन्दर, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	83
श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	83
श्री संग्राम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	84
श्री संदीप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	84-85
श्री सौरभ श्रीवास्तव, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	85
श्री स्वामी ओउमवेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	86
श्री हंसु राम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	86-87
श्री हरि ओम वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	87
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं ...	88
जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी में बेतवा नदी के किनारे किसानों के खेतों में अवैध बालू खनन को रोके जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद चतुर्वेदी द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर, मुख्य मंत्री का वक्तव्य ...	88-89
जनपद फिरोजाबाद में आलू के उत्पाद को ओ0डी0ओ0पी0 उत्पाद में सम्मिलित किये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष असीजा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर सूक्ष्म, लघु, मध्यम एवं उद्यम मंत्री का वक्तव्य ...	89-90
जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार में गंग नदी के जर्जर पुल की मरम्मत के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर जल शक्ति मंत्री का वक्तव्य ...	90-91

विषय		पृष्ठ संख्या
जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र छावनी में कतिपय वार्डों में पानी व सीवर लाइन पूर्णतया विकसित न होने से हो रही समस्या के सम्बन्ध में श्री मो0 हसन रूमी द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर नगर विकास मंत्री का वक्तव्य	...	91-94
वर्ष दर वर्ष उत्तर प्रदेश सरकार के घटते हुये पूँजीगत व्यय के सम्बन्ध में श्री सचिन यादव नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर वित्त मंत्री का केवल वक्तव्य	...	94-95
वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा हेतु सूचना	...	95-96
जनपद रायबरेली के वि0स0 क्षेत्र ऊँचाहार में गंग नदी के जर्जर पुल की मरम्मत के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर जल शक्ति मंत्री का वक्तव्य पर स्पष्टीकरण	...	96-99
वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा	...	99-180
मा0 सदस्यों के लिये दिनांक 26-02-2023 को मा0 अध्यक्ष की तरफ से मध्याह्न भोज हेतु सूचना	...	180-181
नत्थियाँ	...	182-205

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

शुक्रवार, दिनांक 25 फरवरी, 2023

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 11:00 बजे अध्यक्ष श्री सतीश महाना की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-334

1. अंकित भारती, श्री — गाजीपुर
2. अंकुर तिवारी, श्री — सन्तकबीरनगर
3. अखिलेश, श्री — आजमगढ़
4. अखिलेश यादव, श्री — मैनपुरी
5. अजय, श्री — गोण्डा
6. अजय कुमार, श्री — बागपत
7. अजय सिंह, श्री — बस्ती
8. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
9. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
10. अताउर रहमान, श्री — बरेली
11. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
12. अतुल प्रधान, श्री — मेरठ
13. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
14. अनिल प्रधान, श्री — चित्रकूट
15. अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री — सन्तकबीरनगर
16. अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
17. अनिल कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
18. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
19. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
20. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
21. अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री — अलीगढ़
22. अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती — हाथरस
23. अभय सिंह, श्री — अयोध्या
24. अभिजीत सिंह 'साँगा', श्री — कानपुर नगर
25. अमन गिरि, श्री — लखीमपुर खीरी
26. अमरेश कुमार, श्री — लखनऊ
27. अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
28. अमित सिंह चौहान, डा0 — अयोध्या
29. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
30. अरमान खान, श्री — लखनऊ
31. अरुण कुमार, डॉ0 — बरेली
32. अलका सिंह, श्रीमती — हरदोई
33. अवधेश प्रसाद, श्री — अयोध्या
34. अवधेश सिंह, डॉ0 — वाराणसी
35. अविनाश चन्द्र द्विवेदी, श्री — चित्रकूट
36. अशरफ अली खान, श्री — शामली
37. अशोक कुमार, श्री — रायबरेली
38. आकाश सक्सैना (हनी), श्री — रामपुर
39. आनन्द कुमार यादव, श्री — बहराइच
40. आर0 के0 पटेल, डॉ0 — जौनपुर
41. आशा मौर्य, श्रीमती — सीतापुर
42. आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी', श्री — लखनऊ
43. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री — बदायूं
44. आशु मलिक, श्री — सहारनपुर
45. इन्द्रजीत सरोज, श्री — कौशाम्बी
46. इन्द्राणी देवी, श्रीमती — श्रावस्ती
47. उमर अली खान, श्री — सहारनपुर

48. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
49. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
50. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
51. एम0पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
52. ओमकुमार, श्री बिजनौर
53. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
54. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
55. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
56. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
57. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
58. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
59. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
60. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
61. कैलाश, श्री चंदौली
62. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
63. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
64. गणेश चन्द्र, श्री सन्तकबीरनगर
65. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
66. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
67. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
68. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
69. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
70. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
71. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
72. चंदन चौहान, श्री मुजफ्फरनगर
73. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
74. चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), श्री फतेहपुर
75. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
76. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
77. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
78. जय कुमार सिंह जैकी, श्री फतेहपुर
79. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
80. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
81. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
82. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
83. जयमंगल, श्री महराजगंज
84. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
85. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
86. जाहीद, श्री भदोही
87. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
88. जियाउर्रहमान, श्री मुरादाबाद
89. जीत लाल पटेल, श्री प्रतापगढ़
90. जै किशन साहू, श्री गाजीपुर
91. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
92. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
93. डी0सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
94. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
95. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
96. दयाशंकर सिंह, श्री बलिया
97. दारा सिंह चौहान, श्री मऊ
98. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
99. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
100. दीपक कुमार मिश्र ''शाका'', श्री देवरिया
101. दुधराम, श्री बस्ती
102. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
103. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
104. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलंदशहर
105. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
106. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
107. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
108. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
109. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद

110. नासिर कुरैशी, हाजी मुरादाबाद
111. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
112. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
113. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
114. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
115. पंकज, श्री जौनपुर
116. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
117. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
118. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
119. पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), श्री कुशीनगर
120. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
121. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
122. पिंकी सिंह, श्रीमती सम्भल
123. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
124. पूजा, श्रीमती आजमगढ़
125. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
126. प्रकाश द्विवेदी, श्री बांदा
127. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
128. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
129. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
130. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
131. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
132. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
133. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चंदौली
134. प्रसन्न कुमार, श्री शामली
135. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
136. प्रेम पाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
137. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
138. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
139. बाबूराम, श्री पीलीभीत
140. बाबूलाल, श्री आगरा
141. बावन सिंह, श्री गोण्डा
142. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
143. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
144. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
145. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
146. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
147. बेदी, श्री गाजीपुर
148. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती आगरा
149. ब्रजभूषण राजपूत, श्री महोबा
150. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
151. ब्रजेश यादव, श्री बदायूं
152. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
153. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
154. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
155. मदन भैया, श्री मुजफ्फरनगर
156. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
157. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
158. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री कुशीनगर
159. मनीष रावत, श्री सीतापुर
160. मनीषा, श्रीमती हमीरपुर
161. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
162. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
163. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 हमीरपुर
164. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
165. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
166. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री अमेठी
167. महबूब अली, श्री अमरोहा
168. महेन्द्र, श्री अमरोहा
169. महेन्द्र नाथ यादव, श्री बस्ती
170. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
171. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
172. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थ नगर

173. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरदोई
174. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
175. मीनाक्षी सिंह, श्रीमती बुलंदशहर
176. मुकेश चौधरी, श्री सहारनपुर
177. मुकेश चन्द्र वर्मा, डा0 फिरोजाबाद
178. मूल चन्द्र सिंह, श्री जालौन
179. मेघश्याम, श्री मथुरा
180. मो0 ताहिर खान, श्री सुल्तानपुर
181. मोहन वर्मा, श्री कुशीनगर
182. मोहम्मद हसन 'रूमी', श्री कानपुर नगर
183. मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', श्री कानपुर नगर
184. मौहम्मद फहीम इरफान, श्री मुरादाबाद
185. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
186. योगेश धामा, श्री बागपत
187. योगेश वर्मा, श्री खीरी
188. योगेश शुक्ला, श्री लखनऊ
189. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
190. रत्नाकर मिश्रा, श्री मिर्जापुर
191. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
192. रमा शंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
193. रमेश, श्री जौनपुर
194. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
195. रमेश जायसवाल, श्री चन्दौली
196. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
197. रवि शर्मा, श्री झांसी
198. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
199. रश्मि आर्य, डॉ0 झांसी
200. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
201. आर0के0 वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
202. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
203. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
204. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
205. रागिनी, डॉ0 जौनपुर
206. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
207. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री इटावा
208. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
209. राजपाल सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
210. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
211. राजबाला सिंह, श्रीमती रामपुर
212. राजमणि, श्री प्रयागराज
213. राजीव कुमार, श्री अमरोहा
214. राजीव गुम्बर, श्री सहारनपुर
215. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
216. राजीव सिंह ''पारीक्षा'', श्री झाँसी
217. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
218. राजेन्द्र कुमार, श्री मऊ
219. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
220. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
221. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
222. राजेश चौधरी, श्री मथुरा
223. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
224. राजेश्वर सिंह, श्री लखनऊ
225. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
226. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
227. रामकृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
228. रामकेश निषाद, श्री बांदा
229. रामचन्द्र यादव, श्री अयोध्या
230. रामदुलार, श्री सोनभद्र
231. रामनरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
232. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
233. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
234. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर

235. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
236. राम बिलाश चौहान, श्री मऊ
237. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
238. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
239. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
240. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
241. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
242. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
243. लकी यादव, श्री जौनपुर
244. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
245. लक्ष्मी राज सिंह, श्री बुलन्दशहर
246. लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
247. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
248. वाचस्पति, श्री प्रयागराज
249. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
250. विजमा यादव, श्रीमती प्रयागराज
251. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
252. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
253. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
254. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
255. विनोद कुमार बिन्द, डॉ0 मिर्जापुर
256. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
257. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
258. विनोद सिंह, श्री सुल्तानपुर
259. विपिन कुमार डेविड, श्री एटा
260. विपुल दुबे, श्री भदोही
261. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
262. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
263. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
264. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
265. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
266. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री अयोध्या
267. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
268. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
269. शशांक वर्मा, श्री खीरी
270. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली
271. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
272. शिव प्रताप यादव, डॉ0 बलरामपुर
273. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
274. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
275. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
276. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थनगर
277. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
278. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव
279. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
280. श्रीराम चौहान, श्री गोरखपुर
281. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
282. संग्राम सिंह, श्री बलिया
283. संजय कुमार शर्मा, श्री बुलन्दशहर
284. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
285. संजीव अग्रवाल, श्री बरेली
286. संजीव कुमार गोंड, श्री सोनभद्र
287. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
288. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
289. संदीप सिंह, श्री प्रयागराज
290. सचिन यादव, श्री फिरोजाबाद
291. सतीश चन्द्र शर्मा, श्री बाराबंकी
292. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
293. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
294. सभाकुंवर, श्री देवरिया
295. समरपाल सिंह, श्री अमरोहा
296. सरवन कुमार निषाद, इंजी0 गोरखपुर
297. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा

298. सरोज कुरील, श्रीमती कानपुर नगर
299. सरोज सोनकर, श्रीमती बहराइच
300. सर्वेश सिंह, श्री फिरोजाबाद
301. सलोना कुशवाहा, श्रीमती शाहजहांपुर
302. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
303. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री प्रयागराज
304. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
305. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
306. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
307. सुनील पटेल, डॉ0 वाराणसी
308. सुभाष त्रिपाठी, श्री बहराइच
309. सुरभी, डॉ0 फर्रुखाबाद
310. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री कुशीनगर
311. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री देवरिया
312. सुरेन्द्र मैथानी, श्री कानपुर नगर
313. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
314. सुरेश राही, श्री सीतापुर
315. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
316. सुशांत सिंह, कुँवर बिजनौर
317. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
318. सुशील सिंह, श्री चन्दौली
319. सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री गाजीपुर
320. सैय्यदा खातून, श्रीमती सिद्धार्थनगर
321. सोमेन्द्र सिंह तोमर, डॉ0 मेरठ
322. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
323. सौरभ सिंह सोनू, श्री खीरी
324. स्वामी ओउमवेश, श्री बिजनौर
325. हंसु राम, श्री बलिया
326. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री खीरी
327. हरिओम, श्री कासगंज
328. हरिप्रकाश वर्मा, श्री शाहजहांपुर
329. हरीश चन्द्र, श्री बदायूं
330. हरेन्द्र सिंह, श्री हापुड़
331. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री प्रयागराज
332. हाकिम लाल बिन्द, श्री प्रयागराज
333. हिमान्शु यादव, श्री बदायूं
334. हृदय नारायण सिंह पटेल, श्री आजमगढ़

नोट :-दिनांक 25 फरवरी, 2023 के उपवेशन में श्री आशीष पटेल (प्राविधिक शिक्षा मंत्री), श्री दानिश आजाद अंसारी (वक्फ, हज एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री), श्री धर्मवीर प्रजापति (कारागार एवं होमगार्ड्स राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार), श्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर (सहकारिता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार), श्री नरेन्द्र कश्यप (पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री), श्री संजय निषाद (मत्स्य विभाग कैबिनेट मंत्री) श्री जितिन प्रसाद (लोक निर्माण कैबिनेट मंत्री) तथा श्री स्वतंत्र देव सिंह (जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण कैबिनेट मंत्री) भी सदन में उपस्थित रहे।

श्री अध्यक्ष-

कृपया सभी लोग स्थान ग्रहण करें।

[11:00] प्रयागराज में घटित हत्याकाण्ड पर सर्वप्रथम चर्चा कराने की मांग

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, इलाहाबाद की कल की बहुत ही निन्दनीय घटना है।

श्री अध्यक्ष-

यह जो आप बताना चाह रहे हैं वह घटना सरकार के संज्ञान में है और सरकार उस घटना पर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

नेता विरोधी दल (श्री अखिलेश यादव)-

अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से सदन की जानकारी में लाना चाहता हूँ कि इलाहाबाद जैसा महानगर और जहां हमारा उच्च न्यायालय है और वहां पर इस तरीके से शूटिंग हो रही है कि दिन दहाड़े गोलियां चल रही हैं और बम चल रहे हैं और धुआं उड़ते हुए दिख रहा हो और मुख्य गवाह की दिन दहाड़े हत्या हो जाय और सुरक्षा कर्मियों की हत्या हो जाए, तो मैं पूछना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश की पुलिस क्या कर रही है। अगर अस्पताल में समय से पहुंचा दिया जाता तो किसी की जान बच जाती। आप ही बताइये कि ये दोनों डबल इंजन कहां घूम रहे हैं। आपकी सिक्योरिटी फेलियर, आपका इंटलीजेंस फेलियर और ये एक शहर की घटना नहीं हैं, अगर कल की ही हम जानकारी करें, तो उत्तर प्रदेश में तो बहुत सारी घटनाएं हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से नेता सदन से यह जानना चाहता हूँ कि सबसे पहले आप जीरो टारलेंस शुरू करें। हमें नहीं पता आपका जीरो टॉलरेंस की नीति कैसी है जहां पर बम चल रहे हों, सामने से शूट कर दिया हो, क्या शूटिंग के लिए आप ऐसा करवा रहे हैं।

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

मा0 अध्यक्ष जी, कल की घटना जो प्रयागराज की हुई वह बहुत ही दुःखद है और सरकार ने उसका संज्ञान लिया है और मैं इस पूरे सदन को इस बात के लिए आश्वस्त करता हूँ कि जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सरकार जो कार्रवाई करती रही है, उसके परिणाम भी बहुत ही शीघ्र आपके सामने आ जायेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए, लेकिन जो ये अपराधी और माफिया हैं आखिर ये पाले किसके द्वारा गये हैं। जिस माफिया के खिलाफ पीड़ित परिवार ने एफ0 आई0 आर0 खिलवाई है क्या यह सच नहीं है कि समाजवादी पार्टी ने उन्हें सांसद बनवाया था और आप अपराधियों को पालेंगे।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, नेता सदन बताएं कि वह अपराधी किस पार्टी का था।

श्री योगी आदित्यनाथ-

मान्यवर, वह चाहे किसी भी पार्टी का रहा हो, क्या यह अपराधी नहीं था ? आप सारे अपराधियों को पालेंगे उनका माल्यार्पण करेंगे और उसके बाद तमाशा बनाते हैं आप लोग और एक तरफ आपराधियों को संरक्षण देंगे और उनके गले में हार पहनायेंगे और दूसरी तरफ दोषारोपण भी करेंगे।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, ये बताएं कि वह किस पार्टी का सदस्य है और बहुजन समाज पार्टी से इनकी दोस्ती है, इसलिए ये बहुजन समाज पार्टी का नाम नहीं ले रहे हैं।

श्री योगी आदित्यनाथ-

मान्यवर, हम भी उन्हीं बातों पर कह रहे हैं, क्या यह सच नहीं है कि जिस अतीक अहमद के खिलाफ पीड़ित परिवार ने मुकदमा दर्ज कराया, क्योंकि वह समाजवादी पार्टी का पोषित माफिया है और उसकी कमर को तोड़ने का काम हमारी सरकार ने किया है और मैं इसी हाउस में कह रहा हूँ, इस माफिया को हमारी सरकार मिट्टी में मिला देगी। हम सभी माफियाओं के मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे। मैं आपकी गलतफहमी दूर कर रहा हूँ। हमारी सरकार में ये चीजें नहीं हो सकती हैं।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, अपराधी आप क्या हैं ? हम नहीं सुनेंगे इनकी बात।

(समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के सदस्य सदन के वेल में आकर सरकार विरोधी नारे लगाने लगे, जिससे सदन में घोर व्यवधान।)

श्री योगी आदित्यनाथ-

माननीय अध्यक्ष जी, आप जानते हैं कि इनको बहाना चाहिये था। यह लोग पेशेवर माफिया और अपराधियों के सरपरस्त हैं और यह लोग लगातार यही करते रहे हैं। इनके रग-रग में अपराध भरा हुआ है, अपराध के अलावा इन्होंने कुछ सीखा ही नहीं है। क्या यह सच नहीं है। पूरा प्रदेश इस बात को जानता है और यह लोग अपनी साफगोई की सफाई देने के लिए यहां पर आये हैं। क्या सच नहीं है कि यह अपराधियों के संरक्षक रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

मननीय नेता सदन अपनी बात कह रहे हैं, इसलिये समाजवार्दी पार्टी के माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर चलें। अभी आप सुनिये। आप लोगों को भी अपनी बात कहने का अवसर मिलेगा, तब आप अपनी बात कह लीजिएगा।

श्री अखिलेश यादव-

मननीय अध्यक्ष जी, आज प्रदेश में जिस तरह से अपराध हो रहे हैं, उससे प्रदेश की जनता सुरक्षित नहीं है, उनके जनप्रतिनिधि सुरक्षित नहीं हैं, मुकदमों के गवाह सुरक्षित नहीं हैं

और उनको न्याय दिलाने वाले वकील सुरक्षित नहीं हैं। इलाहाबाद में जिस प्रकार से दुस्साहस करके गवाह और उनके सुरक्षा कर्मियों को मारा गया वह बहुत ही गम्भीर है।

(समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के सदस्य सदन के वेल से सरकार विरोधी नारे लगाते रहे, जिससे सदन में घोर व्यवधान बना रहा।)

श्री योगी आदित्यनाथ-

मननीय अध्यक्ष जी, जिस माफिया ने कल यह कृत्य किया है वह माफिया उत्तर प्रदेश के बाहर का है। वह माफिया समाजवादी पार्टी के सहयोग से ही बार-बार एम0एल0ए0 और एम0पी0 बना है। क्या यह सच नहीं है कि वर्ष 1996 में वह माफिया समाजवादी पार्टी के सहयोग से इलाहाबाद से एम0एल0ए0 बना था, वर्ष 2004 में भी वह माफिया इन्हीं लोगों के सहयोग से एम0पी0 बना था, फिर वर्ष 2009 में उस माफिया को सांसद बनाने का कुख्यात कार्य इन्होंने ही किया था। यह लोग चोरी और सीनाजोरी करने का काम कर रहे हैं। मैं फिर इस बात को कह रहा हूँ कि माफिया कोई भी हो सरकार की जीरो टॉलरेन्स की नीति है। उन माफियाओं को मिट्टी में मिलाने का काम हमारी सरकार करेगी और पूरी मजबूती के साथ उनसे निपटने का कार्य करेगी, लेकिन चोरी और सीनाजोरी दोनों एक साथ नहीं चल सकती है।

(सदन में घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग नेता सदन की बात सुनिये और जब आपकी बारी आये तो आप बताइये कि आपने विधायक और सांसद बनाया था या नहीं बनाया था। आपको इसके लिए अवसर दिया जायेगा तब नेता सदन जो कह रहे हैं आप उसका जवाब दीजियेगा।

(वेल से समाजवादी और राष्ट्रीय लोकदल के सदस्य सरकार विरोधी नारे लगाते रहे, जिससे सदन में घोर व्यवधान बना रहा।)

मेरा निवेदन है कि माननीय सदस्यगण अपने-अपने स्थान पर चलें। पूर्व निर्धारित था कि माननीय नेता प्रतिपक्ष किस दिन बोलेंगे और माननीय नेता सदन किस दिन बोलेंगे। आज 11:00 बजे माननीय नेता सदन को महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देना था। उससे पहले आपने एक विषय उठाया जिसका जवाब माननीय मुख्य मंत्री जी ने दे दिया। जो भी बात माननीय मुख्य मंत्री ने कही है और अगर आपको लगता है कि वह असत्य है तो जब आपको अवसर मिले तो आप अपनी बात कहना। आपको भी मैं पूरा अवसर दूंगा। यह मंच सब लोगों के लिए खुला है। आप सब लोग अपने-अपने स्थान पर चलिये।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, यह कह रहे हैं कि हम आपको मिट्टी में मिला देंगे।

श्री अध्यक्ष-

मननीय नेता सदन ने कहा है कि माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगे। इन्होंने इसमें कौन सी गलत बात कह दी। माफियाओं को तो मिट्टी में मिला ही देना चाहिये। आप भी यही

चाहेंगे और यह भी यही चाहेंगे। पूरा प्रदेश चाहेगा कि कोई भी माफिया हो उसे समाप्त होना ही होगा। इसमें तो आपको प्रसन्न होना चाहिए। उन्होंने आप में से किसी का नाम नहीं लिया है।

(सदन में घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष महोदय, हम भी यही चाहते हैं कि माफिया समाप्त हों, लेकिन यह भाषा कौन सी है कि मिट्टी में मिला देंगे। यह कौन सी भाषा है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता सदन ने कहा है कि माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगे।

श्री अखिलेश यादव-

यह न्यायालय का विषय है। कानूनन जेल भेजेंगे। किसी को हम सजा नहीं दे सकते। उसके लिए न्यायालय है। क्या इलाहाबाद की घटना मामूली है।

श्री अध्यक्ष-

देखिये माफियाओं को महिमा मण्डित नहीं किया जा सकता है।

श्री अखिलेश यादव-

आप प्रदेश में इन्वेस्टमेण्ट लाना चाहते हो और देश को फाइव ट्रिलियन की इकोनॉमी बनाना चाहते हो तो अगर इस तरह से प्रदेश में अपराध होंगे तो इन्वेस्टमेण्ट कैसे आयेगा ?

श्री अध्यक्ष-

प्रदेश की जनता अपेक्षा करती है कि माफिया समाप्त हों और कानून का राज स्थापित हो।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, कानून का राज स्थापित करने से किसने मना किया है।

श्री अध्यक्ष-

जो भी घटना का सूत्रधार होगा और जिसने घटना की होगी उसको मिट्टी में मिला ही देना चाहिए, इसमें कौन सी गलत बात कह दी है। जो बात मुख्य मंत्री जी ने कही है अगर आपको लगता है कि उसमें कुछ सही नहीं है, तो मैं आपको अवसर दूंगा। उस समय आप कह लीजियेगा। आप लोग जाकर अपने-अपने स्थान पर बैठ जाइये।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा अनुरोध है कि आप सोमवार को इस विषय पर चर्चा कराइये और इसमें सरकार भी तैयारी के साथ आये।

श्री अध्यक्ष-

सोमवार को जब आप विषय को उठायेंगे तो देखा जायेगा।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, इस पर सदन में सोमवार को चर्चा होनी चाहिए।

संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि ...

श्री अध्यक्ष-

अब इस विषय के ऊपर आगे बात करेंगे। आज जब इस पर कोई नोटिस नहीं है इसलिये इस विषय के ऊपर तब बात करेंगे जब वह नोटिस देंगे। माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर चले जायें तो मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि वह राज्यपाल जी के अभिभाषण के ऊपर चर्चा जारी रखें।

(समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल के सदस्य वेल से अपने-अपने स्थान पर चले गये)

[11.10] मा0 राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा[†]

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने माननीया राज्यपाल महोदया द्वारा दिनांक 20 फरवरी, 2023 को समवेत् सदन में दिये गये अभिभाषण पर मुझे इस सदन में माननीय सदस्य डॉ0 नीलकण्ठ तिवारी जी द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर बोलने के लिए अवसर दिया है। मैं धन्यवाद दूंगा कि नेता विरोधी दल और सभी माननीय दलीय नेताओं का और उन सभी माननीय सदस्यों का जिन्होंने इस पूरी चर्चा में भाग लेकर अपनी बातों को मजबूती के साथ इस सदन के सामने रखा है। मैं हमेशा इस बात को मानता रहा हूँ कि आप हमारी बातों से सहमत होंगे या नहीं होंगे। लेकिन लोकतांत्रिक तरीके से सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। हम उन कार्यक्रमों के साथ ही संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और उसके गौरव को आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं। जब सदन की कार्यवाही 11:00 बजे प्रारम्भ हुई तो एक दृश्य हम सबको देखने को मिला। प्रयागराज की कल की घटना अत्यन्त दुःखद है और इस घटना का जो भी दोषी होगा उसे बख्शा नहीं जायेगा। यह तो आप जानते ही हैं कि जब कार्यवाही होती है तो बहुत अच्छे तरीके से होती है। लेकिन यह माफिया और पेशेवर अपराधी आखिर किसके द्वारा पाले-पोसे गये हैं और हमारे नेता विरोधी दल को आखिर इतनी परेशानी क्यों हो रही है। इससे पहले कि मैं अपनी बात को आगे बढ़ाऊं मुझे महाकवि दिनकर की कुछ पंक्तियां याद आ गईं :-

''चोरों के जो हैं हित, ठगों के बल हैं,
जिनके प्रताप से पलते पाप सकल हैं,
जो छल प्रपंच सबको प्रश्रय देते हैं,
या चाटुकार जिनकी सेवा लेते हैं,
यह पाप उन्हीं का है।''

[†] दिनांक 22 फरवरी, 2023 की कार्यवाही से।

माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश की पच्चीस करोड़ की जनता की पहचान का जो संकट खड़ा हुआ वह इन्हीं पेशेवर माफिया और अपराधियों के कारण हुआ है, जो सत्ता के द्वारा पोषित होते थे। जिन्हें महिमा मण्डित करके यह लोग अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते थे और जिन पेशेवर माफिया और अपराधियों के सामने सत्ता नतमस्तक होती थी। पूरा उत्तर प्रदेश इस बात को जान रहा है और देश और दुनिया भी जान रही है कि उन पेशेवर माफिया और अपराधियों के खिलाफ जो कर्रवाई चली है, वह एक नजीर भी बनी है।

नेता विरोधी दल (श्री अखिलेश यादव)-

आप प्रदेश के टाप-10 माफियाओं की सूची जारी कर दीजिये मालूम हो जायेगा कि वह किसके द्वारा पोषित हैं।

श्री योगी आदित्यनाथ-

इसमें हम सूची जारी करेंगे। मैं आज इसी पर आ रहा हूँ। मैं इस पर पूरी चर्चा में भाग लूंग। मैं इसके लिए माननीय अध्यक्ष जी को धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने इसके लिए मुझे आज का दिन दिया है और मुझे लगता है कि आज और कोई बिजनेस नहीं होगा। तो थोड़ा आज इसी पर चर्चा हो जाये और आज इसी पर चर्चा करा ली जाये।

मान्यवर, संवैधानिक प्रमुख होने के नाते और मातृ शक्ति की प्रतीक होने के नाते राज्यपाल महोदया ने जो सदन में अपना अभिभाषण दिया था, उनका इतना सम्मान तो होना चाहिए था। हम बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन जब सदन में राज्यपाल महोदया सदन को सम्बोधित करने के लिए आ रही हैं। आपको अपनी बात रखने के लिए तो मौका मिलना ही है, सहमति और असहमति के लिए सदन है, लेकिन हम विरोध करें, गो-बैक के नारे लगायें, अशिष्ट और असंसदीय आचरण करें, यह सदन की गरिमा को तार-तार करता है। दूसरा मातृशक्ति की प्रतीक एक महिला राज्यपाल के द्वारा सदन को सम्बोधित किया जा रहा हो, हमारे लिए तो गौरव एवं हर्ष की बात होनी चाहिए थी, उस समय नारे लगाकर पूरे सदन को बाधित करने का प्रयास हो, हम देश के अन्दर किस प्रकार का संदेश देना चाहते हैं, यह किस प्रकार का संसदीय आचरण है, आप फिर किस लोकतंत्र की बात कर रहे हैं, आप किन संसदीय परम्पराओं की बात कर रहे हैं, हम सबने उस दृष्य को देखा है जो एक महिला राज्यपाल उत्तर प्रदेश की सर्वोच्च संवैधानिक प्रमुख का सम्मान नहीं कर सकते हैं, मान्यवर, उनसे यह उम्मीद करना कि वह प्रदेश की आधी आबादी का सम्मान करेंगे। यह तो उनके शासनकाल के समय हुआ ही था, जब स्टेट गेस्ट हाउस की घटना घटित हुई थी। उनका आचरण तो उस समय भी सामने आया था कि लड़के हैं, गलती कर देते हैं, ऐसे भी बयान आए थे। ऐसे ही अन्य तमाम वक्तव्य उस समय भी आए थे। वह लोग लोकतंत्र की बातें करें तो मुझे बड़ा आश्चर्य होता है।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, चिन्मयानन्द किसके गुरू हैं ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

मान्यवर, यह बड़ी ही आश्चर्यजनक स्थिति है और मुझे देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ कि यह लोग प्रदेश के अन्दर सुरक्षा की बात करते हैं।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, दिल्ली वाली सरकार मा0 नेता जी को सम्मान देती है, आपको शर्म आनी चाहिए।

श्री योगी आदित्यनाथ-

मान्यवर, शर्म तो तुम्हें करनी चाहिए जो अपने बाप का सम्मान नहीं कर पाये, कम से कम इस बात पर शर्म करनी चाहिए। किस प्रकार का आचरण होना चाहिए, हमने किसी का नाम नहीं लिया है, लेकिन जो कभी वक्तव्य बोले गये हैं उन वक्तव्यों पर चर्चा तो होनी ही चाहिए, क्यों नहीं चर्चा होनी चाहिए। आप किस प्रकार की बात करते हैं, आप कुछ भी बोल लें लेकिन कोई दूसरा व्यक्ति नहीं बोलना चाहिए। जब चर्चा होगी तो फिर सभी मुद्दों पर चर्चा होगी।

मान्यवर, अक्सर जब हम लोग अभिभाषण की चर्चा करते हैं तो कोई भी संवैधानिक प्रमुख सरकार की उपलब्धियों के बारे में चर्चा करता है, तो अपनी भावी योजनाओं की और सरकार की भावी योजनाओं की भी चर्चा करता है। यह केवल उत्तर प्रदेश के अन्दर ही नहीं हो रहा है, बल्कि पूरे देश के अन्दर हो रहा है। संसदीय परम्पराएं यही हैं। संसद के समवेत् सदन को महामहिम राष्ट्रपति जी सम्बोधित करती हैं, तो वह सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ भावी योजनाओं का भी चित्रण करती है। अभिभाषण ही दिग्दर्शन होता है शासन की उपलब्धियों का और भावी योजनाओं का आपकी सहमति और असहमति के लिए सदन में चर्चा होती है। आप अपनी उपलब्धियों को बताइये और कौन सा ऐसा दल है जिसको प्रदेश के अन्दर सत्ता में रहने का अवसर न मिला हो। आपको कई-कई बार जनता ने अवसर दिया, लेकिन अगर आज आपके कारनामों से जनता आपको ठुकरा रही है, तो इसके लिए आप अपने कारनामों को दोषी ठहराइये, उत्तर प्रदेश की जनता को दोषी न ठहराइये। महोदय मुझे आश्चर्य इस बात का हुआ है कि उत्तर प्रदेश जिन-जिन उपलब्धियों में नम्बर एक पर है। जिन बातों में पिछले छः वर्षों में उत्तर प्रदेश ने नम्बर एक का सीान प्राप्त किया है तो उन उपलब्धियों के बारे में हर उत्तर प्रदेशवासी को गौरव की अनुभूति करनी चाहिए, चाहे वह सत्ता पक्ष का हो, चाहे विपक्ष का हो या कोई भी उत्तर प्रदेश का वासी हो, हर एक को गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। हमारा उत्तर प्रदेश आगे बढ़े हम सबको गौरव होना चाहिए, लेकिन हम कहें कि यह गलत है, हम यह कहें कि उत्तर प्रदेश तो अभी 50वें स्थान पर है, तो देश में तो 50 राज्य ही नहीं हैं, आश्चर्य होता है हमें। उन्हें यह दिखाने में कि उत्तर प्रदेश तो अभी पिछड़ा है, उत्तर प्रदेश बीमारू है यह बोलने में गौरव की अनुभूति होती है।

उत्तर प्रदेश के बारे में इनकी मंशाओं को उजागर करता है, क्योंकि जब इनका शासन था तो वह कुछ कर नहीं पाए। आज डबल इंजन की सरकार, डबल स्पीड के साथ उन योजनाओं को धरातल पर उतार करके उत्तर प्रदेश के अन्दर 25 करोड़ की जनता को बिना भेद-भाव के शासन की योजनाओं का लाभ दे रही है, तो उनको बुरा लगता है और फिर उसको ले करके तमाम प्रकार की चर्चाएं शुरू हो जाती हैं, तमाम प्रकार की बातें शुरू होती हैं होना तो यह चाहिए कि हर सदस्य को हर मा0 सदस्य को चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का हो उसको उत्तर प्रदेश की उपलब्धि पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। डबल इंजन की सरकार ने ज्यादा एग्रेसिव तरीके से उसे आगे बढ़ाया है श्रेय उसको ज्यादा मिलेगा, लेकिन थोड़ा बहुत योगदान हो सकता है कि किसी न किसी सरकार ने कुछ नींव रखने में अपना योगदान किया होगा। जैसे यह हर चीज के लिए बोलते हैं वह तो हम भी करना चाहते थे, लेकिन हम कर नहीं पाये। चलो बोल दो भाई कि उत्तर प्रदेश आज खाद्यान्न उत्पादन में नम्बर एक पर है तो हमने भी योगदान देने का प्रयास किया था। उस समय हम भी डाटा नहीं फीड कर पाये हम भी यह बोल दें, कम से कम यह तो न बोलें कि उत्तर प्रदेश में ऐसा नहीं हो रहा है। आप तो अन्नदाता का अपमान कर रहे हैं। यू0पी0 के नौजवानों के बारे में हम कहते हैं कि यू0पी0 में सबसे अच्छा युवा है, स्किल मैन पावर हमारे पास है। नहीं-नहीं ऐसा नहीं है कि उत्तर प्रदेश में तो सब विश्वविद्यालय खराब हैं अब आप यह कहकर क्या साबित करना चाहते हैं, उत्तर प्रदेश के बारे में। उत्तर प्रदेश का जो परसेप्शन बना था क्या उसमें कोई परिवर्तन ही नहीं आया, इसलिए छः वर्ष के अन्दर कोई परिवर्तन ही देखने को नहीं मिला और उन योजनाओं के बारे में उनको नकारने की जो इनकी आदत है, इनकी नकारने की इस आदत ने उत्तर प्रदेश को किस स्थिति में पहुंचाया था। यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। हम इस बारे में जानते हैं कि उत्तर प्रदेश आज जिन योजनाओं में नम्बर एक पर है, खाद्यान्न उत्पादन में आज उत्तर प्रदेश पूरे देश के अन्दर नम्बर एक पर है। मैं तो कहता हूं, बार-बार कहता हूँ कि उत्तर प्रदेश प्रकृति और परमात्मा की अपार कृपा का राज्य है। देश की कुल कृषि योग्य भूमि की 11 फीसदी भूमि हमारे पास है, लेकिन इसमें उत्पादन हम करते हैं, 20 फीसदी खाद्यान्न का उत्पादन करते हैं, यह उत्तर प्रदेश की उपलब्धि है। आज यहां पर खाद्यान्न उत्पादन में गेहूँ है, आलू है, मटर है, आम है, आँवला है, दुग्ध उत्पादन है, उत्तर प्रदेश इसमें नम्बर एक पर है। महोदय, गन्ना उत्पादन में उत्तर प्रदेश नम्बर एक पर है। उज्ज्वला योजना के कनेक्शन देने में यू0पी0 में 01 करोड़ 74 लाख परिवारों को फ्री में रसोई गैस का कनेक्शन दिया गया। यानी हम देश के अन्दर नम्बर एक पर हैं। हम एक्सप्रेस-वे में नम्बर एक पर है। उत्तर प्रदेश श्रमिकों, स्ट्रीट वेण्डर्स इन सबको भरण-पोषण भत्ता देने में नम्बर एक पर हैं। हम अटल पेंशन योजना में नम्बर एक पर हैं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना में नम्बर एक पर हैं।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की 96 लाख यूनिट यू0पी0 के अन्दर है, जो परम्परागत उद्यम हैं, यह यू0पी0 के औद्योगिक विकास की आधारशिला है। उत्तर प्रदेश कृषि निवेश पर किसानों को देय अनुदान में डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान करने वाला देश का नम्बर एक राज्य है। यू0पी0 देश में सर्वाधिक मेडिकल कालेज का निर्माण करने वाला राज्य है और वन

डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कालेज के निर्माण की तरफ अग्रसर हुआ है। यह उत्तर प्रदेश ऐसा पहला राज्य है। हर गरीब के घर में शौचालय भी बने तो इसमें सर्वाधिक शौचालय उत्तर प्रदेश ने बनाए हैं, तो हम इसमें भी नम्बर एक हैं। मानव वन्य जीव संघर्ष को आपदा घोषित करने वाला देश का पहला राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास नीति को लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। गवर्नमेण्ट ई-मार्केट से सबसे अधिक प्रिक्योरमेण्ट करने वाला पहला राज्य उत्तर प्रदेश है। प्रधानमंत्री आवास योजना में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में 52 लाख 77 हजार गरीबों को एक-एक आवास मिला है, बिना किसी भेद-भाव के मिला है। हम इसमें भी देश के अन्दर नम्बर एक हैं। उत्तर प्रदेश राज्य स्वास्थ्य नीति को लागू करने वाला देश का नम्बर एक राज्य है। महोदय, ई-प्रॉजक्यूशन प्रणाली के प्रयोग में देश के अन्दर नम्बर एक का राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में नम्बर एक का राज्य है। प्रधानमंत्री जन-धन एकाउण्ट के मामले में यहां 08 करोड़ 51 लाख खाता धारक हैं यानि ये 08 करोड़ 51 लाख खाता धारक वे लोग हैं जिनके कभी बैंक में एकाउण्ट नहीं खुल पाए थे। डबल इंजन की यह सरकार आने के बाद ही उन बेचारों के बैंक एकाउण्ट खुल पाए और डी0बी0टी0 के माध्यम से उनके पास शत-प्रतिशत पैसा पहुंचा। स्वामित्व योजना में गांव में जिसका घर जहां पर उसका मालिक वहीं पर, के आधार पर मालिकाना अधिकार दिया गया। महोदय, ऐसी 50 लाख 37 हजार से अधिक घरौनी उन गरीबों को अब तक प्रदेश में उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। अभी 50 लाख से ज्यादा जिन गरीबों को उपलब्ध कराया गया है, क्या वह किसी जाति के थे। उत्तर प्रदेश का वासी था। हर जाति, हर मत, हर मजहब का, यही तो है ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास''.....

(मेजों की थपथपाहट)

यही है, लेकिन इस पर गौरव की अनुभूति करने के बजाय इसके बारे में लोग नकार ही दें, कहें नहीं साहब यू0पी0 में तो ऐसा कुछ नहीं है। यू0पी0 को पूरी तरह नकार दिया जाए। यू0पी0 को आज भी हम वही, आज से 7 साल, 10 साल पहले जो यू0पी0 था, जहां का यूथ अपनी पहचान छिपाने के लिए मजबूर होता था। अगर वही दिखाने का प्रयास कर रहे हैं तो आखिर हम क्या उत्तर प्रदेश के हितैषी हैं और इसीलिए मुझे महोदय, एक बहुत बड़े विचारक हुए हैं, उन्होंने एक बात कही थी कुछ लोगों को भले ही बुरा लगेगा, उन्होंने कहा था कि सत्य देना तो आसान था, लेकिन बुद्धि देना बहुत कठिन है....

(मेजों की थपथपाहट)

अगर इसको सरल भाषा में मैं कहूँ कि विरासत में सत्ता तो मिल सकती है, लेकिन बुद्धि नहीं मिल सकती....

(मेजों की थपथपाहट)

(नेता प्रतिपक्ष श्री अखिलेश यादव जी के द्वारा बीच में टोका-टाकी करने पर)

मैं उसी पर आ रहा हूँ, आपकी भावनाओं का पूरा सम्मान करूंगा। महोदय, वास्तव में नेता विरोधी दल थोड़ा गुस्सा कम कर दें तो प्रदेश को तो एकजुट नहीं कर पाये, लेकिन परिवार को एकजुट कर पायेंगे...

(मेजों की थपथपाहट)

नेता विरोधी दल द्वारा परमानेन्ट डी0जी0पी0 तो बना लें। परमानन्ट चीफ सेक्रेट्री बना लें, इस पर भी बता दें, कहने पर।)

श्री अध्यक्ष-

अभी बतायेंगे।

श्री योगी आदित्यनाथ-

अभी उसी पर आ रहे हैं। चिन्ता मत कीजिए आराम से थोड़ा सुन लीजिए, धैर्य से थोड़ा सुन लीजिए। महोदय, जब हम उत्तर प्रदेश की बात करते हैं। अब एक विडम्बना देखिए आप, उत्तर प्रदेश जिन चीजों से निकला है, जब हम उससे उबारने का प्रयास करते हैं पूरी टीम यू0पी0 जब उसके साथ जुड़ती है, एक साथ मिल करके काम करती है। हमने कभी नहीं कहा कि मैंने यह किया। मैं तो कहता हूँ कि हमारी टीम काम कर रही है, यह टीम वर्क है...

(मेजों की थपथपाहट)

टीम वर्क का एक लघु उदाहरण अभी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देखने को मिला। हमारे मंत्री समूह दुनिया के 16 देशों में गये, 21 सिटी को कवर किया। हर वरिष्ठ मंत्री गया था। हमारे दूसरे मंत्रियों की एक टीम देश के 8 शहरों में गई, रोड-शो किया और हमारा हर सांसद, विधायक अपने-अपने जनपदों के रोड शो में जाकर उन्होंने एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को जन्म दिया, यह है टीम वर्क .....

(मेजों की थपथपाहट)

तब उत्तर प्रदेश में निवेश का एक भारी-भरकम प्रस्ताव आया। यह परसेप्शन यू0पी0 का किसने खराब किया था, जिन लोगों ने जाति के नाम पर, मत और मजहब के नाम पर बांटा था। तमाम मतों के आधार पर समाज को बांटा था। हम प्रदेश में ईज ऑफ लिविंग की बात करते हैं, वह जाति की बात करते हैं। हम कहते हैं ''सबका साथ, सबका विकास'' शौचालय मिलेगा तो सबको मिलेगा, हर गरीब हर जरूरतमंद को मिलेगा। गरीब की कोई जाति नहीं होती है, उसका कोई मत और मजहब नहीं होता है उसको शौचालय मिलना चाहिए, उसको आवास मिलना चाहिए। उसको विद्युत का कनेक्शन मिलना चाहिए, उसको रोजगार मिलना चाहिए उसके खेत तक पानी पहुंचना चाहिए और उसको शासन में रोजगार में कोई भेद-भाव नहीं मिलना चाहिए ....

(मेजों की थपथपाहट)

हम इस बात की शिकायत करते हैं कि हम शौचालय देने की बात करते हैं, वह जाति की बात करते हैं। हम मकान देने की बात करते हैं, यह लोग जाति की बात करते हैं। हम रोजगार की बात करते हैं, यह जाति की बात करते हैं। हम एक अन्नदाता किसान के खेत में पानी पहुंचाने की बात करते हैं, यह लोग जाति की बात करते हैं। हम किसान की उपज को दोगुना दाम देने की बात करते हैं, यह लोग जाति की बात करते हैं। हम बात करते हैं कि 'ईज ऑफ डूडंग

बिजनेस' के माध्यम से उत्तर प्रदेश का औद्योगिकीकरण हो, यह लोग जाति की बात करते हैं। परम्परागत उद्यम को प्रोत्साहित करने के लिए हम कार्य करना चाहते हैं और कर रहे हैं परन्तु यह लोग जाति की बात करते हैं। उत्तर प्रदेश को जहां से निकालकर आगे बढ़ाने का प्रयास हुआ है, यह लोग उसे फिर पीछे धकेलने का काम करते हैं। महोदय, जाति के नाम पर फिर इन्होंने क्या किया है ? मुझे दूर मत करिए। यह एक कटिंग मेरे पास है, 'यू0पी0एस0सी0 का मायाजाल, 86 एस0डी0एम0 में से 56 एक जाति विशेष के'। यह है राजभर जी, देखिए एक कमाल। यह कमाल आपने भी देखा होगा न। यही कमाल है, अब देख लो, क्यों जाति की बात कर रहे हैं। यह देखो, 86 एस0डी0एम0 उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयन होते हैं और 86 में से 56 एक जाति विषेष के होते हैं, यही है, इनका सामाजिक न्याय ? यह लोग न्याय की बात करते हैं।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष, महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि इसकी सूची जरूर ऑन द फ्लोर अब हाउस आ जाये, सभी मा0 सदस्य की जानकारी में आ जाये।

श्री योगी आदित्यनाथ-

सदन के फ्लोर पर ही हम उसको टेबल करेंगे।

श्री अध्यक्ष-

हो गया टेबल। आपने जो कहा तो हो गया टेबल।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय, पेपर नहीं चाहिए मुझे, मैं सूची चाहता हूँ कि ऑन द फ्लोर आफ हाउस आ जाये, जिससे पूरे सदन की जानकारी में आ जायें।

श्री अध्यक्ष-

वह तो मुख्य मंत्री जी ने कहा कि वह टेबल कर देंगे।

श्री योगी आदित्यनाथ-

अध्यक्ष महोदय, यह सच्चाई है, उस समय के युवाओं के साथ क्या भेद-भाव होता था।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष महोदय, जो 56 सिलेक्ट हुए हैं, उनकी सूची मुख्य मंत्री जी जारी कर दें।

श्री अध्यक्ष-

उन्होंने बोला है तो आएगी।

श्री योगी आदित्यनाथ-

महोदय, उस समय के युवाओं के साथ क्या भेद-भाव होता था ? कौन सा ऐसा आयोग था, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, माध्यमिक शिक्षा चयन

आयोग, उच्चतर शिक्षा चयन आयोग, पुलिस की भर्ती और कौन-कौन सी भर्ती होती थी, उस समय क्या होता था, यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। हां उसी में लेखपाल सेवा चयन आयोग में यह सब होता था, उस समय हो जाता था। यह उस समय की स्थिति थी। महोदय, तब फिर उत्तर प्रदेश की जनता के पुरुषार्थ पर मुझे वास्तव में गौरव की अनुभूति होती है जिसने प्रधानमंत्री मोदी जी के आह्वान पर वर्ष 2014, 2017, 2019, 2022 में बार-बार जनादेश देकर इस बात को सिद्ध किया। आप पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी की बात करते हैं, पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी क्या होता है ?

श्री अखिलेश यादव-

आप दूसरे के गुस्से के लिए कह रहे हैं, अपना तो चेहरा देखिए थोड़ा।

श्री योगी आदित्यनाथ-

मैं गुस्से में नहीं कह रहा हूँ, मैं तो बहुत शांति के साथ आपको बता रहा हूँ, आप जो कर रहे थे, उसका अहसास करा रहा हूँ मैं, कि बार-बार देखिए, संसदीय लोकतंत्र में पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी का सबसे बड़ा माध्यम है, जनता का जनादेश और दूसरा पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी का सबसे बड़ा माध्यम है, देश का दुनिया का विश्वास। यह जो लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुए हैं, यह 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी का सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। जनादेश के अलावा यह सबसे बड़ा इसका उदाहरण हो सकता है और आप प्रश्न खड़ा कर रहे हैं ? आप निवेशकों के उत्तर प्रदेश पर विश्वास पर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं ? आप अपने समय में कुछ नहीं कर पाये। उत्तर प्रदेश के अन्दर उस समय जो इन्वेस्टर समिट के नाम पर कोई भी उद्यमी यू0पी0 में नहीं आना चाहता था तो इन्वेस्टर समिट कहां करते थे, दिल्ली और मुम्बई में। तो पूछा जाता था कि भई, वहां क्यों कर रहे हैं कहा कि साहब, यू0पी0 में कौन आयेगा। तो मुझे एक बात बताओ कि जो उद्यमी यू0पी0 के अन्दर समिट में नहीं आना चाहता है। आपके इन्वेस्टर्स समिट में नहीं आना चाहता है, तो क्या वे निवेश करने के लिए आयेंगे। ये लोग यही करते थे और इसलिए महोदय दिनकर जी ने बहुत अच्छी बात कही इस पर, उन्होंने कहा था :-

''मूल जानना बड़ा कठिन है, नदियों का, वीरों का,
धनुष छोड़ कर और गौत्र क्या होता रणधीरों का ?
पाते हैं सम्मान तपोबल से भू-तल पर शूर,
जाति-जाति का शोर मचाते केवल कायर क्रूर।''

और यही है सच्चाई। यानि इनको यू0पी0 की उपलब्धियों पर गौरव नहीं है, उत्तर प्रदेश के नौजवानों को रोजगार मिले इसकी चिन्ता नहीं, उत्तर प्रदेश के किसानों की आमदनी कई गुना बढ़े इसकी चिन्ता नहीं, हर खेत में पानी जाये, इसकी चिन्ता नहीं, बस अवसर मिले तो एक

नया महाभारत रचाने की तैयारी हो जाती है, यही तो यू0पी0 के अन्दर इन्होंने किया है और यही सब कर रहे थे।

(सदस्य द्वारा टोका-टाकी करने पर)

श्री रविदास मेहरोत्रा-

विधायक निधि हमको कब मिलेगी ? आपने एलान किया था।

श्री योगी आदित्यनाथ-

अभी उस पर भी आ रहे हैं, चिन्ता मत करिये। ज्यादा तेज से बोलेंगे तो तबियत खराब हो जायेगी क्या फायदा। शान्ति रखिये, मैं बोल रहा हूँ मुझे बोलने दीजिए। आपका भी समय आएगा बोलने का। महोदय, क्या विचित्र सी स्थिति है ? कैसे ये लोग भरमाने का काम करते हैं ? हम भी चाहते हैं कि हर गरीब तक, हर दलित तक, हर पिछड़े तक, हर वंचित तक शासन की योजनाओं का लाभ जाय। मैं हूं, मेरे कैबिनेट के तमाम साथी हैं और यहां पर हमारे सहयोगी दलों के नेता हैं, सभी हमारे माननीय जन-प्रतिनिधि हैं। पी0एम0 आवास योजना का लाभ 52,77,000 गरीबों को मिला है। हमने कोई पिक एण्ड चूज नहीं किया है, वह उत्तर प्रदेश का ही गरीब व्यक्ति है। ये सूची कबकी बनी है, वर्ष 2011-12 की और उस सूची के अनुसार यह आवास मिल रहे हैं इन सबके बावजूद जो गरीब बचे हुए हैं जो सूची से वंचित हुए थे, जिन लोगों की उस समय सरकार थी उन लोगों ने जो भेद-भाव किया था उनके लिए हमने मुख्य मंत्री आवास योजना चलाई। मुसहर, बनटांगिया, कोल, शहरिया, थारू, चेरो और इस बार हम बिजनौर की बुक्सा जाति को भी उसमें जोड़ रहे हैं। सम्भवतः हमारे नेता विरोधी दल को इन सब जातियों के नाम पता नहीं होंगे क्योंकि उनको तो केवल एक ही जाति का नाम याद है। इसलिए उनको पता ही नहीं होगा कि ये भी जातियां हैं यू0पी0 के अन्दर।

महोदय, वंचित थे यह लोग, मार्च, 2017 में मैंने यहां पर मुख्य मंत्री पद की शपथ ली थी। मैं उन गरीबों के बीच प्रदेश के अन्दर दिसम्बर, 2016 और जनवरी, 2017 में विधान सभा चुनाव के दौरान भी जाता था। जो गरीब खाद्यान्न से वंचित किये गये थे, कुशीनगर जिला उसका एक उदाहरण है, सोनभद्र जिला है, चित्रकूट जिला है, जहां भूख से मौतें होती थीं। महोदय, मैं आज कह सकता हूँ कि इस सदी की सबसे बड़ी महामारी आयी, हर महामारी के साथ एक दूसरी महामारी साथ में चलती थी कि महामारी अगर ठीक भी हो जाती थी तो भूख से बड़ी संख्या में मौतें होती थी। पहली बार हुआ है कि हमने देश के अन्दर, दुनिया के अन्दर सबसे अच्छा परिणाम इस महामारी के समय दिया की मृत्यु दर सबसे कम रही, लेकिन मैं कह सकता हूँ कि कोई भी व्यक्ति भूख से नहीं मरा है और यह भी मैं दावे के साथ कह सकता हूँ वर्ष 2017 कि पहले भूख से मौतें होती थी। यह सच्चाई है, लेकिन यह स्वीकार करने को तैयार नहीं है। वनटांगिया कौन है, इनको पता नहीं होगा, मुसहर कौन है, इनको पता ही नहीं होगा, बुक्सा कौन है, इनको पता ही नहीं होगा। महोदय, इसीलिए यह लोग उसकी चर्चा नहीं

करेंगे। जब हम राष्ट्र-गौरव की बात करते हैं, याद करिये, जब राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल जी की पावन जयन्ती को आदरणीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर हम लोगों ने राष्ट्रीय गौरव दिवस के रूप में मनाया, राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया। हम सब उस अभियान के साथ जुड़े थे। तब समाजवादी पार्टी, जिन्ना का महिमा-मण्डन कर रही थी। यानी उनको पता ही नहीं एक तरफ 31 अक्टूबर की तिथि राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में पूरे देश के अन्दर मनायी जा रही है। केवड़िया, जहां पर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित हुई है और हर एक जनपद में कार्यक्रम हो रहे थे, अलग-अलग स्तर पर कार्यक्रम हो रहे थे, एक तरफ सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के एकता के शिल्पी जब हम उन्हें सम्मान देने का काम कर रहे थे, उस दिन समाजवादी पार्टी, जिन्ना की आरती उतार रही थी, यह तो इनकी स्थिति है। इनको राष्ट्र को जोड़ने वाला और राष्ट्र को तोड़ने वाला, उसमें भी अंतर महसूस नहीं है। इसलिए मैंने कहा कि शक्ति देना आसान है, लेकिन बुद्धि देना कठिन है, बहुत कठिन है। हर व्यक्ति इसको नहीं कर सकता है। महोदय, यहां पर इसके अलावा एक नई चर्चा में परसों नेता विरोधी दल खेल के बारे में कह रहे थे, कह रहे थे कि आप अकेले-अकेले क्यों कर रहे थे, मैं तो अकेले ही हूँ और अकेले ही आया हूँ और अकेले ही जाना है।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, फुटबाल अकेले नहीं खेली जाती है।

श्री योगी आदित्यनाथ-

मान्यवर, लेकिन यह कैसे खेलते थे, मैं समाचार-पत्रों को देख रहा था। मैंने कहा कि नेता विरोधी दल बहुत बड़े खिलाड़ी होंगे तो हो सकता है कि हम इनका नाम किसी पुरस्कार के लिए भेज दें। यू0पी0 के किसी खिलाड़ी को मिले तो यह हमारे लिए बहुत अच्छी बात होनी चाहिए। हमने अभी तमाम खिलाड़ियों को नौकरी दी। अभी आप याद करिये, हमने एक लड़के को नायब तहसीलदार बनाया है, वह लड़का यादव है। वह यू0पी0 का अच्छा खिलाड़ी है। हमने भेद-भाव नहीं किया क्योंकि वह योग्य था। हमने ललित उपाध्याय को दिया, जो ओलम्पिक में मेडल जीते थे, हमने उन्हें डिप्टी एस0पी0 बनाया है। हमने खेल से सम्बन्धित सैकड़ों नौजवानों के लिए नौकरी के द्वार खोले हैं। मैंने कहा राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार जो दिया जाता था, आज हमारी डबल इंजन सरकार ने जिसे मेजर ध्यानचन्द पुरस्कार के रूप में घोषित किया है, तो यू0पी0 के भी किसी व्यक्ति का नाम डालें। मैं तो यह मानूंगा कि मेरे पूर्ववर्ती सी0एम0 का नाम अगर उसमें आ जाये तो अच्छी बात होगी। मैंने कहा देखो लगता है कि अच्छे खिलाड़ी हैं। दखिये क्या आया था दृश्य। महोदय, मैं थोड़ा इसको पढ़ लेता हूँ। देखिये उसमें औरों के कोटेशन नहीं हैं। कोटेशन में आपके सामने ही पढ़ूंगा। इसमें था कि सी0एम0 के आते ही बरसे रन, बारहवें ओवर में सी0एम0 का शॉट सीधे कप्तान आलोक रंजन के हाथ में चिपक गया। ये क्रिकेट खेल रहे हैं, पहली बाल में कैच आउट हो रहे हैं। (हंसी) लेकिन वहां से कह दिया

जाता है कि यह तो नो बाल है और अगर यह [x x x] मारते न, तो कहते नहीं है कि छक्का मार दिया, तो ये ऐसे ही [x x x] हैं। सदन में हंसी नो बाल को [x x x] से आप जोड़ देंगे और तब शिवपाल जी ने फिर टिप्पणी की थी, शिवपाल जी उस समय कैबिनेट मंत्री थे।

मान्यवर, कुछ चीजें तो बहुत होती हैं। मैं भगवान श्री राम जी की एक चौपाई सुना देता हूँ।

बिनय न मानत जलधि जड़ गए तीनि दिन बीति।
बोले राम सकोप तब भय बिनु होइ न प्रीति।।

इधर के भय से ही सही लेकिन कम से कम काका श्री को सम्मान मिलना प्रारम्भ तो हो गया। उन्होंने उस समय बहुत अच्छी टिप्पणी की थी। यह अखबार दिनांक 16 फरवरी, 2014 का है। उन्होंने उस समय कहा था। हमेशा अच्छी नियत से खेलना चाहिए। मेरे पास भी खेल का सर्टीफिकेट है, हालांकि मंजिल तक पहुंचने के लिए खेल के साथ-साथ दांव पेंच भी आने चाहिए। इनके एक और चाचा जान थे उनका बयान भी आया, सी0एम0 साहब अच्छी बात है, आपको खेलने का वक्त मिल जाता है। खुदा न खास्ता आप हार जाते तो मैं यही कहता कि अधिकारियों का ध्यान खेल पर ज्यादा है काम पर कम। अधिकारी हार गये तो माना जा सकता है कि थोड़ा बहुत काम कर रहे हैं। यह इनका खेल होता था। खेल तो इनके कई और जगह होते थे। प्रदेश में खेल ही खेल होते थे। खेल तो प्रदेश की जनता ने बहुत देखे हैं। लैपटाप घोटाले का खेल, खाद्यान्न घोटाले का खेल, गोमती रिवर फ्रंट घोटाले का खेल। अभी एक कैग की रिपोर्ट आई है। एक कार्यकाल का 97 हजार करोड़ रुपये के घोटाले का उल्लेख उन्होंने किया है। प्रदेश के अन्दर भर्ती घोटाले का खेल भी हुआ है। चयन आयोग पर हाई कोर्ट की टिप्पणी, भर्तियों में जमकर भ्रष्टाचार और प्रतिभा के साथ छल, यह भी खेल होता था और मुजफ्फरनगर के दंगे। मथुरा में राम वृक्ष काण्ड का खेल। मान्यवर, खन्ना जी के जनपद में एक पत्रकार जोगेन्द्र सिंह को जिन्दा जला दिया गया था। आतंकियों पर लगे मुकदमों को वापस लेने का खेल भी चल रहा था। यह सभी खेल उत्तर प्रदेश के अन्दर चलते थे। यह खेल कहां तक लेकर जायेंगे यह लोग। मुझे ऐसा कुछ नहीं खेलना है, क्योंकि मैं एक सामान्य व्यक्ति हूँ और हर एक के साथ बहुत सद्भावना के साथ पेश आता हूँ। सम्मानजनक व्यवहार करता हूँ। 'सबका साथ, सबका विकास' की बात करता हूँ। मैंने कह दिया कि कम से कम इधर के बहाने आपने काका श्री को ही सम्मान देना शुरू कर दिया। शिवपाल जी, सचमुच जब मैं आपको देखता हूँ तो मुझे महाभारत का दृश्य याद आ जाता है। आप जैसा अनुभवी व्यक्ति, सचमुच आप हर बार छले जाते हैं, बार-बार अपमानित होते हैं। आपके अनुभव, आपके संघर्षों का लाभ समाजवादी पार्टी नहीं ले रही। मा0 शिवपाल जी का सम्मान करते हैं। वे हमारे वरिष्ठ सदस्य हैं और उनको ये सम्मान मिलना भी चाहिए।

नोट :-[x x x] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

श्री अखिलेश यादव-

नेता सदन, आप तो काका श्री से मिलते ही हैं।

श्री योगी आदित्यनाथ-

जैसे हम आपसे मिलते हैं, वैसे मैं इनसे भी मिलता हूँ और क्यों नहीं मिलेंगे ?

श्री अखिलेश यादव-

तो आपने उनकी सिक्योरिटी क्यों वापस ले ली ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

सिक्योरिटी भी उनको दी जानी चाहिए और आप कह रहे हैं आपने सिफारिश कर दी है, तो जरूर इनको मिलना चाहिए। चाचा को भी अपने स्वाभिमान को बनाये रखना चाहिए।

श्री अवधेश प्रसाद-

मा0 नेता सदन, सांड़ पर भी बोल दीजिए।

श्री योगी आदित्यनाथ-

आखिर काका श्री का इतना अपमान क्यों कर दिया ? मैं सच बता रहा हूं कि जब मैं शिवपाल जी को देखता हूँ तो वे बेचार सम-विषम परिस्थितयों में जिस किसी के साथ रहते हैं। उनको जब मैं देखता हूँ तो मुझे महाभारत का दृश्य याद आता है। उनका जो सरल स्वभाव उस सरल स्वभाव के नाते मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ। उनका अपमान करना बन्द करें, सम्मान देना शुरू करें और उनकी गरिमा के अनुरूप उनके लिए करना भी चाहिए।

महोदय, एक और प्रकरण जो इन्होंने इस दौरान उठाया। जब पूरी दुनिया, पूरा देश यू0पी0 के अन्दर आया हुआ था जैसे ही 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' शुरू हुआ और पूरे देश और दुनिया के अन्दर हमारे वरिष्ठ सहयोगी मंत्रीगण की टीम रोड शो के लिए जाने लग गयी, तो उस समय समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर नया शिगूफा छोड़ने का प्रयास किया।

महोदय, मध्यकाल के बहुत प्रसिद्ध धार्मिक ग्रन्थ ''श्री रामचरित मानस'' को ले करके, तुलसीदास जी को ले करके। महोदय, संत 'तुलसीदास' जी ने जिस कालखण्ड में 'श्री रामचरित मानस' की रचना की थी। उन जैसा साधक/सन्त को उस समय की सत्ता का बुलाया आया था ? अकबर ने उनको बुलाया था। 'तुलसीदास' जी ने उनसे एक ही बात कह दी थी ''हम चाकर रघुवीर के पट्यौ लिख्यौ दरबार, तुलसी अब का होहिंगे नर का मनसबदार'' उन्होंने उनको बहुत अच्छा संदेश दे दिया था। उन्होंने कहा था कि हमारा तो एक ही राजा है, 'राम' है। 'राम' के अलावा मैं किसी को राजा नहीं मानता। आज भी जो रामलीलाओं का प्रचलन है, यह संत 'तुलसीदास' जी की देन है समाज को एकजुट करने के लिए। मध्यकाल के उस कालखण्ड में 'तुलसीदास' जी रामलीलाओं के माध्यम से पूरे समाज को एकजुट किया था 'तुलसीदास' जी ने उस समय कहा था बोलो राजा 'रामचन्द्र' की जय। ये तुलसीदास की देन है। लेकिन

तुलसीदास जी को और रामचरित मानस को कुछ लोगों ने फाड़ने का काम किया है, यह जो कृत्य हो रहे हैं वह अगर किसी और के साथ हुआ होता या अन्य मजहब के साथ किया होता तो फिर क्या होता है ? क्या स्थिति होती ? यानी जिसकी भी मर्जी आए वह हिन्दुओं को अपमान कर ले, जिसकी मर्जी आए वह शरारत कर ले, अपने अनुसार शास्त्रों की विवेचना कर ले, आप पूरे समाज को अपमानित करना चाहते हैं। महोदय, मैं मरीसस प्रवासी भारतीय दिवस के कार्यक्रमों में गया हूँ, पूर्वी उत्तर प्रदेश व बिहार से पौने 200 वर्ष पहले जो लोग वहां गिरमिटिया मजदूर बनकर वहां पर गये थे, आज वह लोग अध्यक्ष के रूप में हैं, अलग-अलग देशों में उन्होंने समारोह किया, भारत सरकार ने उस समय मुझे वहां पर भेजा था, जब मैं वहां पर गया तो मैंने उनसे पूछा था कि आपके पास अभी कुछ है जिसे आपके पूर्वज विरासत में लेकर के आये थे। मैंने देखा कि उनके पास श्री रामचरितमानस का गुटका था। मैंने उनसे कहा कि आप पढ़ना जानते हैं ? तब उन्होंने कहा कि नहीं पढ़ना नहीं जानते हैं, लेकिन हमने जो विरासत में सीखा है वही हम याद रखते हैं। शुद्ध अवधी में भोजपुरी में यह लोग बोलते हैं और वही में यहां बोलना चाहता हूं। यहां पर हमारे मा0 सदस्य समाज पार्टी के भी हैं क्या ये अवधी भाषी हैं और इनके आगे पीछे राकेश सिंह भी हैं। हम इस बात को जानते हैं कि रामचरित मानस अवधी में रची है और अवधी का ही एक वाक्य है कि (भैया इतनी देर से ई का ताड़त रहा) इसमें ताड़त का मतलब क्या है, क्या ताड़त का मतलब मारने से है इसका मतलब देखने से है।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय, आपसे संरक्षण है क्योंकि आपने मुझे रोका था, मा0 नेता सदन को परिदृश्य के बाहर भाषण नहीं बोलना चाहिए।, मेरा आपसे यही निवेदन है।

श्री अध्यक्ष-

यह परिदृश्य में ही है।

संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मा0 अध्यक्ष जी, जब नेता विरोधी दल बेल रहे थे, तब क्रिकेट का जो विषय आया था, क्या वह परिदृश्य से बाहर नहीं था, वह भी परिदृश्य से बाहर था इनको टोकना नहीं चाहिए था।

श्री योगी आदित्यनाथ-

हमारे बुन्देलखण्ड के कितने मा0 सदस्य हैं ? हमारे तुलसीदास जी का जन्म चित्रकूट जनपद के अन्दर राजापुर गांव में हुआ है और वहां पर बुन्देलखण्डी में अगर हम बात करेंगे तो इस पर भी मैं कुछ कहना चाहूँगा लेकिन शब्द वही है (भैया हमरे लरकन को ताड़े रखियो) यानि उसकी देखभाल करते रहो, इसका मतलब उसको संरक्षण दो, उसका लालन-पालन करके जो जिस लायक है उसे प्रशिक्षित करो, इसका मतलब यह है। लेकिन इस समय समाजवादी

पार्टी कार्यालय में संत तुलसीदास जी के खिलाफ अभियान चल रहा है, रामचरित मानस जैसे पावन ग्रंथ का जगह-जगह अनादर किया जा रहा है और महोदय यह चौपाई है कहां पर ? अगर आप रामचरित मानस के 'सुन्दर काण्ड' में जायेंगे तो यह प्रसंग तब आता है जब भगवान राम तीन दिन तक समुद्र से लंका में जाने के लिए रास्ता मांगते हैं। जब रास्ता नहीं मिला तो पहली चौपाई तो मैंने पहले बता दी, जब उन्होंने कहा कि 'भय बिन होय न प्रीति'। और तब लक्ष्मण जी धनुष और बाण ले करके रामचन्द्र जी के पास जाते हैं और भगवान राम को देते हैं, भगवान राम तीर का संधान करके फिर समुद्र को चेतावनी दे करके आगे की कार्यवाही करते हैं। तब समुद्र खड़ा होता है और भगवान राम के सामने फिर कहता है, महोदय, यह वही पंक्ति है :-

'प्रभु भल कीन्हि मोहि सिख दीन्हीं। मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं'।।

'ढोल गंवार शूद्र पशु नारी। सकल ताड़ना के अधिकारी'।।

यह सीख शिक्षा से है। मैंने शुरू में कहा यह विरासत में नहीं मिलती।

(मेजों की थपथपाहट)

ढोल एक वाद्य यंत्र है, गंवार का मतलब अशिक्षित से है, शूद्र का मतलब श्रमिक वर्ग से है, किसी जााति विशेष से नहीं है।

बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर भी इस बात को कह चुके हैं कि दलित समाज को अब शूद्र मत बोलो। आपने तो बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी के प्रति इस प्रकार का व्यवहार किया था जो जग जाहिर है। उनके नाम से बने हुए संस्थाओं के नाम बदल दिये गये, क्या कुछ नहीं किये थे। आपने तो घोषणा भी की थी, हम आयेंगे तो बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के सारे स्मारकों को हटा देंगे। वहां टेण्ट हाउस, मैरिज हाल खोल देंगे। (शेम, शेम की आवाजें आयीं।) आज सामाजिक न्याय की बात करते हैं। नारी का मतलब स्त्री से, मातृ शक्ति से है। मध्य काल में जब यह रचा गया था उस समय महिलाओं की स्थिति क्या थी ? रामचरित मानस की रचना जिस काल खण्ड में हुई थी उस समय महिलाओं की स्थिति क्या थी, किसी से छुपा नहीं है। बाल विवाह की विकृतियां भी उस समय पनपी थी। इसलिए पनपी थी क्योंकि जिस प्रकार की शासन सत्ता थी, जिस प्रकार की अराजकता थी उसको ध्यान में रख करके और उसको इस रूप में ले करके मैं वही बोलना चाहता हूँ कि आखिर विरोधी दल से जुड़े हुए समाजवादी पार्टी, विरोधी दल को मैं दोष नहीं दे सकता लेकिन मैं समाजवादी पार्टी से कहना चाहूँगा कि आखिर आप इसके नाम पर, जिस पर उत्तर प्रदेश को गौरव की अनुभूति होनी चाहिए कि राम की धरती है, कृष्णा की धरती है, गंगा-यमुना की धरती है, संगम की धरती है और उत्तर प्रदेश की धरती पर रामचरित मानस और वाल्मीकि रामायण जैसे पवित्र ग्रन्थ रचे गये। जिस पर उत्तर प्रदेश वासी को गौरव की अनुभूति होनी चाहिए, उस पवित्र ग्रन्थ को जला करके क्या देश और दुनिया में रहने वाले 100 करोड़ हिन्दुओं को अपमानित करने का काम नहीं कर रहे हैं ? इस प्रकार की अराजकता को कैसे कोई स्वीकार कर सकता है।

इसलिए महोदय, मुझे तो केवल एक पंक्ति याद आती है कि-जाको प्रभु दारुण दुःख दीन्हा। ताकी मति पहले हर लीन्हा।

(मेजों की थपथपाहट)

विरासत में तो नहीं मिली थी। लेकिन जो बचा-खुचा था वह भी स्वाहा। अटल जी ने इस सम्बन्ध में बहुत अच्छी बात कही थी। उन्होंने कहा था-

हिन्दू तन मन, हिन्दू जीवन,
रग-रग हिन्दू मेरा परिचय।
हिन्दू कहने में शरमाते,
दूध लजाते, लाज न आती।
घोर पतन है, अपनी मां को,
मां कहने में फटती छाती।
जिसने रक्त पिलाकर पाला,
क्षण भर उसका भेष निहारो,
उसकी खूनी मांग निहारो,
बिखरे-बिखरे केश निहारो,
जब तक दुःशासन है,
बेड़ी कैसे बंध पायेगी,
कोटि-कोटि संतति है,
मां की लाज न लुट पायेगी।

(मेजों की थपथपाहट)

माननीय अध्यक्ष जी, मातृ शक्ति की बात हो रही थी। नेता विरोधी कह रहे थे कि हेल्प डेस्क कहां पर बनी है। प्रदेश के सभी 1537 थानों में, जी0आर0पी0 के थानों को मिलायेंगे तो 1584 थाने आते हैं, इन सब में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना हो चुकी है। प्रत्येक जनपद में एक अतिरिक्त महिला थाना के साथ-साथ एक अतिरिक्त महिला परामर्श चौकी की स्थापना हो चुकी है। प्रदेश के सभी 1537 थानों में 10 हजार 417 महिला बीट गठित की गयी हैं। प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में जहां पर ग्राम सचिवालय का निर्माण हो चुका है, वहां एक मिशन शक्ति कक्ष का निर्माण भी किया जा चुका है। 2017 तक उत्तर प्रदेश पुलिस में महिला कार्मिकों की संख्या मात्र 13 हजार थी, आज यह संख्या 32 हजार से अधिक है। महिला और बाल अपराधों में प्रभावी अभियोजन के फलस्वरूप अब तक 35 अपराधियों को मृत्यु दण्ड की सजा, 1200 से अधिक अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक की सजा, 1445 से अधिक को व्यापक अर्थदण्ड की सजा, 1325 से अधिक को आजीवन कारावास की सजा और 3420 से अधिक लोगों को 10 वर्ष से कम की सजा दी जा चुकी है, यह कार्यवाही अब तक की जा चुकी है। लगभग 5 हजार से अधिक अपराधियों को जो महिला अपराध में संलिप्त थे, जिला बदर की कार्यवाही करके अन्य प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के अन्दर पाक्सो

और महिला सम्बन्धी अपराध में ई-प्रॉसिक्यूशन के मामले में उत्तर प्रदेश पूरे देश के अन्दर नम्बर एक पर है। आज प्रदेश के अन्दर सभी नगर निगमों को और गौतमबुद्धनगर को सेफ सिटी के रूप में हम लोग डेवलप कर रहे हैं। स्मार्ट सिटी मिशन और यू0पी0 पुलिस मिलकर इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है। 3 महिला पी0ए0सी0 बटालियन के गठन की कार्यवाही युद्ध स्तर पर चल रही है। 7 पुलिस कमिश्नरेट का गठन भी इस दौरान हुआ है। 1 लाख 53 हजार 728 पुलिस की भर्तियां अब तक सकुशल सम्पन्न हो चुकी हैं। 244 थाने, 133 चौकियां, 78 जिलों में एंटी थेप्ट पुलिस थाने, 40 एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थाने, 74 जिलों में 79 महिला पुलिस चौकियां और परामर्श केन्द्रों की स्थापना भी की गयी है। हर रेंज में साइबर क्राइम थाने की स्थापना हुई है। हर रेंज में फारेंसिक लैब की स्थापना के साथ-साथ लखनऊ में स्टेट इन्स्टीट्यूट आफ फोरेंसिक साइंसेज का भी निर्माण कार्य प्रगति पर है, इसी सत्र में हम वहां पर पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ करने जा रहे हैं। अब तक एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स ने 64 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त करायी है। महोदय, इसका परिणाम क्या है। अगर 2016 के सापेक्ष हम देखेंगे, मैं एन0सी0आर0बी0 के आंकड़ों को ही बता रहा हूँ। डकैती में 80.31 प्रतिशत, लूट में 61.51 प्रतिशत, हत्या में 32. 45 प्रतिशत, बलवा में 51.65 प्रतिशत, अपहरण में 43.18 प्रतिशत और बलात्कार में 21.75 प्रतिशत की कमी आयी है। उत्तर प्रदेश के अन्दर 2016 की तुलना में यह आज की स्थिति है। उत्तर प्रदेश के अन्दर जिन अन्य कार्यों को लेकर नवाचार हुये हैं उनमें परम्परागत उद्यम जो उत्तर प्रदेश की पहचान थी, उसको प्रोत्साहित करने का कार्य हुआ है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम में उत्तर प्रदेश देश के अन्दर बहुत अच्छा स्थान रखता था और इसने उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया, लेकिन पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण यह दम तोड़ रहा था, बन्दी की कगार की ओर जा रहा था। तमाम अन्य मामले थे।

2018 में आदरणीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम लोगों ने परम्परागत उद्यम को प्रोत्साहित करने के लिए 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' के अपने कार्यक्रम को आगे बढ़ाया था। महोदय, आज उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों का अपना एक यूनिक प्रोडक्ट है। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' की इस योजना ने उत्तर प्रदेश के अन्दर अपने निर्यात को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की है। यहां पर भदोही से एक मा0 सदस्य परसों अपनी बात कह रहे थे और उस दिन वह कारपेट के बारे में कह रहे थे। उनको यह मालूम होना चाहिए कि हम लोग वहां से कारपेट आज एक्सपोर्ट कर रहे हैं। लगभग 4 से 5 हजार करोड़ रुपये का कारपेट अकेले भदोही से ही एक्सपोर्ट हो रहा है और यह सुविधा भी इसी सरकार के समय की देन है। मुरादाबाद में जो ब्रॉस का कार्य है, उसमें 14 से 15 हजार करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट हो रहा है। फिरोजाबाद से ग्लास एक्सपोर्ट हो रहा है। उत्तर प्रदेश के हर एक जनपद से कुछ न कुछ चीजें आज प्रारम्भ हुयी हैं। उत्तर प्रदेश एक्सपोर्ट का हब बने, यह आज देखने को मिल रहा है। आज लोग आकर्षित हो रहे हैं और उत्तर प्रदेश की इसी उपलब्धि को ले करके

आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने 2018 में उत्तर प्रदेश को डिफेन्स मैन्यूफैक्चरिंग कॉरिडोर भी दिया और मैं नेता विरोधी दल को बताना चाहता हूँ कि इसी लखनऊ में ब्रहमोस मिसाइल भी बन रही है, फुर्सत मिले तो कभी जाकर थोड़ा देखिये। भारत डायनामिक्स की यूनिट झांसी में लग रही है। कानपुर में भी डिफेन्स मैन्यूफैक्चरिंग में निवेश बहुत अच्छे ढंग से आ रहा है। अलीगढ़ में पूरा हो चुका है और उसमें नयी जमीन ली जा रही है। चित्रकूट में पूरा एक कॉरिडोर तथा झांसी के लिये भी एक पूरा नया कॉरिडोर बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से हम वहां के लिये दे रहे हैं, आपने बजट में देखा। यह सभी चीजें हम उसके साथ जोड़ रहे हैं। प्रदेश के अन्दर बेसिक शिक्षा परिषद् की स्थिति क्या थी। अगर मैं सही आंकड़े इनको दूं तो 2017 से पहले बेसिक शिक्षा परिषद् के अधिकतर विद्यालय बन्दी की कगार पर थे और मैं आप सभी मा0 सदस्यों को धन्यवाद दूंगा कि आपने रुचि ली और ऑपरेशन कायाकल्प में एक-एक विद्यालय को गोद लिया, उस विद्यालय के रिनोवेशन के लिये उनकी फ्लोरिंग के लिये, बालक-बालिकाओं के लिये टॉयलेट, पेयजल के लिये, स्मार्ट क्लास के लिये, लाइब्रेरी के लिये सहयोग किया, सपोर्ट किया। आज आप देख सकते हैं कि बेसिक शिक्षा परिषद् के एक लाख तीस हजार से अधिक विद्यालय आज दर्शनीय हो गये हैं। आज आप देख सकते हैं कि उनकी स्थिति दर्शनीय है। कुछ लोग कहते थे कि नकल करना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। उत्तर प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। आज उत्तर प्रदेश में नकल विहीन परीक्षा हो रही है। उत्तर प्रदेश के अन्दर पूरे पारदर्शी तरीके से कार्यक्रम आगे बढ़ रहे हैं और बेसिक शिक्षा परिषद् में 01 करोड़ 34 लाख जो बच्चे थे आज उनकी संख्या बढ़ करके 01 करोड़ 91 लाख पार कर चुकी है और इस संख्या को आगे बढ़ाते हुए हम लोग बैग, बुक्स, यूनिफार्म, स्वेटर, जूता एवं मोजा के लिए 1200 रुपये हर छात्र को डी0बी0टी0 के माध्यम से उनके अभिभावक के खाते में दे रहे हैं। पहले हमने विद्यालय में ही छात्रों को यह सुविधा उपलब्ध कराने की शुरुआत की थी, लेकिन संख्या ज्यादा होने के कारण यह सम्भव नहीं हो पा रहा था, इसलिए हमने यह निर्णय लिया कि लोकल स्तर पर ही अभिभावक स्वयं परचेज करें इससे पारदर्शिता रहेगी। अब सभी अभिभावकों के खाते में पैसे उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। आखिर यह पैसा उन गरीबों के लिए पहले क्यों नहीं दिया जाता था ? इसमें तो कोई भेद-भाव नहीं है। यही है सबका साथ, सबका विकास, भेद-भाव किसी के साथ नहीं है। उत्तर प्रदेश का बच्चा है उसको भी पढ़ने का पूरा अधिकार है, उसके अधिकार से उसको कोई वंचित नहीं कर सकता है। सरकार ने जाति देखकर तो वहां पर योजना नहीं दी है ? इन योजनाओं का लाभ सबको दिया जा रहा है।

'ईज आफ लिविंग' में जब उत्तर प्रदेश देश के अन्दर नम्बर एक पर होता है। हर उत्तर प्रदेश वासी के बारे में लोगों की धारणा बनती है उत्तर प्रदेश में काम होगा, उत्तर प्रदेश विकास के बारे में सोच रहा है, गरीब कल्याण के बारे में सोच रहा है, उत्तर प्रदेश के अन्दर योजनायें जिस तेजी के साथ आगे बढ़ी हैं हर एक व्यक्ति उसके बारे में देख रहा है। ईज

ऑफ डूइंग बिजनेस अगर हम 14 से अपनी संख्या को घटाकर 2 पर नहीं लाए होते, हमारी रैंकिंग वहां तक नहीं आई होती, तो क्या स्थिति होती ? कोई निवेश के लिए नहीं आता, लेकिन प्रयास किये गये और प्रयास के परिणाम आज हम सबके सामने हैं। उच्च शिक्षा में नेता विरोधी दल कह रहे थे कि कुछ अच्छे विश्वविद्यालय भी होने चाहिए। अब हमारे विश्वविद्यालय ही श्रीमन, हमारे विश्वविद्यालय ही वर्ल्ड क्लास के विश्वविद्यालय बनने जा रहे हैं और कुछ नये विश्वविद्यालयों की घोषणा हम लोगों ने इस बजट में की है। उस पर भी चर्चा होगी और कुछ पुराने विश्वविद्यालयों में अगर आप देखेंगे तो लखनऊ विश्वविद्यालय और गोरखपुर विश्वविद्यालय को नैक रैंकिंग में डबल प्लस की श्रेणी प्राप्त हुई है। के0जी0एम0यू0 को और मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय गोरखपुर को यह श्रेणी प्राप्त हुई है और भारत में पहली बार किसी कृषि विश्वविद्यालय को नैक रैंकिंग प्राप्त हुई है वह कानपुर कृषि विश्वविद्यालय को जाता है। 4 निजी विश्वविद्यालयों को एम0टी0 शारदा विश्वविद्यालय, गलगोटिया और जी0एल0ए0 विश्वविद्यालय को भी ए प्लस की श्रेणी प्राप्त हुई है। प्रथम बार 11 विश्वविद्यालयों द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन0आई0आर0एफ0) की तैयारी के लिए भी अपनी कार्यवाही को आगे बढ़ाया है। यह उत्तर प्रदेश की प्रोग्रेस है और महोदय, लोग इस प्रोग्रेस में सहभागी नहीं बनना चाहते हैं। इस प्रोग्रेस को प्रोत्साहित करने का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं, इसलिए उस पर टिप्पणी करते हैं, बार-बार टिप्पणी करते हैं। किसी भी स्तर पर उत्तर प्रदेश को आज भी देश के अन्दर उसकी परसेप्शन को बिगाड़ने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते हैं। लेकिन मैं कह सकता हूँ इस बात को कहते हैं कि **'का बा उत्तर प्रदेश में, अरे बाबा बा न'** कुछ नहीं तो हम तो हैं। (सदन में हंसी) उससे भी परेशान हैं, परेशानी तो हर व्यक्ति की समझी जा सकती है।

महोदय, हेल्थ में वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल आज उधर जा चुका है, इस बारे में कोई सोचता तक नहीं था। 1947 से 2016 तक उत्तर प्रदेश के अन्दर कुल 12 गवर्नमेंट मेडिकल कालेज बन पाये थे। उत्तर प्रदेश के अन्दर 16 जनपदों को छोड़ दें तो सभी जनपदों में एक मेडिकल कालेज की स्थापना हो चुकी है और 16 में भी हम लोग युद्ध स्तर पर कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। कुछ में गवर्नमेन्ट देगी कुछ में पी0पी0पी0 मॉडल पर हम बनायेंगे। अच्छी हेल्थ सुविधा मिलनी चाहिए। क्वालिटी हेल्थ सुविधा मिलनी चाहिए। गोरखपुर और रायबरेली एम्स आज क्रियाशील हो चुके हैं। हमारे जितने पुराने 6 मेडिकल कालेज बने थे। वे पुराने हो चुके थे। सरकारों ने कभी पैसे देने का प्रयास नहीं किया। हम आभारी हैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी के उन्होंने सुपर स्पेशिलिटी का ब्लाक उन सभी में दिया। वे सब क्रियाशील हो चुके हैं। चाहे गोरखपुर हो, चाहे मेरठ हो, चाहे प्रयागराज, चाहे कानपुर हो। झांसी, आगरा इन सभी में मेडिकल कालेज को क्रियाशील किया जा चुका है। उन्होंने कोरोना कालखण्ड में बहुत अच्छा काम किया। वहां पर बहुत अच्छे परिणाम आये। डिस्ट्रिक्ट स्तर पर, जिला स्तर पर जो हमारे चिकित्सालय थे उनकी स्ट्रेन्थेनिंग पर काम हो रहा है। 2020 में जब कोरोना आया था उस

समय तक 36 जिले ऐसे थे जहां पर एक भी आई0सी0यू0 या वेन्टीलेटर की सुविधा नहीं थी। आज हम कह सकते हैं कि हर जिले में आई0सी0यू0 की सुविधा है। मैन पावर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। हर प्रकार की सुविधाओं से युक्त किया जा रहा है। धीरे-धीरे करके इसकी स्ट्रेन्थेनिंग होगी। जहां पर अभी भी मैन पावर का अभाव दिखता है वहां पर टेली कन्सलटेशन की सुविधा के साथ मेडिकल कन्सलटेशन के साथ हम जोड़ने की कार्यवाही को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके परिणाम भी सामने आये हैं। मिशन इन्द्र धनुष में जो सात प्रकार की विभिन्न बीमारी हैं। उनसे सम्बन्धित जो टीकाकरण के कार्यक्रम होने हैं। अगर इसमें देखेंगे तो उत्तर प्रदेश में चार अभियान तीन चरणों में चले। 7 मार्च, 4 अप्रैल, 2 मई में अलग-अलग अभियान चले हैं जिसमें छत्तीस लाख बयासी हजार बच्चों को और दस लाख इकत्तीस हजार गर्भवती माताओं को टीकाकरण से आच्छादित किया गया। इस अभियान में शून्य से दो वर्ष तक के बच्चों को ई0सी0जी0, ओ0पी0पी0, रोटा वायरस, आई0बी0पी0, मिजल्स एवं रूबेला, जापानी इन्सेफेलाइटिस आदि के डोज और गर्भवती महिलाओं को टिटनेस और डिफथीरिया का टीका लगाकर उन्हें प्रतिरक्षित करने का कार्य किया गया। रिजल्ट क्या है अगर 2016 की दृष्टि से हम देखेंगे। जो रिपोर्ट हमारे सामने आती है यह हमारी अपनी रिपोर्ट नहीं है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट है। 2016 से 2019-20 के बीच आप देखेंगे तो मातृ मृत्यु दर 197 से घटकर अब 167 पर आई है। यह उपलब्धि है। कितनी माताएं उस दौरान मृत्यु की शिकार होती थीं। शिशु मृत्यु दर जो नवजात शिशु थे 30 से घटकर 28 पर लाने में सफलता प्राप्त की है। इन्फैन्ट मारटैलिटी रेट यानि जन्म से एक वर्ष की अवधि के बीच जो मृत्यु होती है वह 43 से घटकर 2020 में 38 हुई है। इसके अलावा संस्थागत प्रसव यह 67 प्रतिशत से बढ़कर आज लगभग 84 फीसदी से ऊपर जा चुका है। फुल इम्यूनाईजेशन 51 फीसदी से बढ़कर 70 प्रतिशत जा रहा है। सकल प्रजनन दर 2.7 से घटकर 2.4 तक आया है। यह उत्तर प्रदेश के बारे में हर व्यक्ति देखता है और उत्तर प्रदेश के प्रति सकारात्मक दृष्टि लोगों के मन में आई है। किस आधार पर आ रही है। लेकिन इन लोगों को इन सबकी फुरसत नहीं थी। आखिर सत्ता में रहने का अवसर तो इन लोगों को भी मिला था। इन लोगों ने कभी इसकी चर्चा नहीं की होगी। कभी इसकी समीक्षा नहीं की होगी। कभी इसको गम्भीरता से नहीं लिया होगा।

मान्यवर, गोरखपुर समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश और प्रदेश के 38 जनपद इन्सेफेलाइटिस से प्रभावित थे और यह बीमारी 40 वर्ष से अधिक समय तक इन जनपदों के बच्चों को निगल रही थी और 40 वर्ष में 50 हजार से अधिक मासूम बच्चे इस बीमारी की चपेट में आये थे और मौत यानि कालकलवित हुए। इसमें 90 फीसदी जो बच्चे थे वह अल्पसंख्यक और अनुसूचित जाति से जुड़े हुए बच्चे थे अगर वह जीवित रहते तो प्रदेश और देश के विकास में योगदान देते इसके कौन लोग दोषी जिनके कारण वह बच्चे काल कलवित हुए और 40 वर्ष में 50 हजार बच्चे को खोया है पूर्वी उत्तर प्रदेश में और आज मैं कह सकता हूँ हमारी डबल

इंजन सरकार ने 96 फीसदी मौतों को कंट्रोल कर लिया है और जो लोग बड़े-बड़े वादे करते थे वह देख लें आज वहां पर कौन-कौन से कार्य हुए हैं। उत्तर प्रदेश के अन्दर जो जी-20 से सम्बन्धित बैठकें हो रही हैं उसके लिए भी हम आदरणीय प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं कि 11-12 मीटिंग उत्तर प्रदेश के अन्दर होने जा रही हैं जिनमें से दो सम्पन्न हो चुकी हैं आगरा व लखनऊ में। मैं धन्यवाद दूंगा आगरा और लखनऊ वासियों को जहां पर हर व्यक्ति ने उत्तर प्रदेश के अन्दर होने वाली किसी भी इवेन्ट के साथ जुड़ना या जी-20 दुनिया के 20 वह बड़े देश हैं जिनमें दुनिया की 65 फीसदी आबादी निवास करती है और 75 फीसदी ट्रेड पर जिनका अधिकार है और 85 फीसदी जी0डी0पी0 पर जिन देशों का अधिकार है और दुनिया के 90 फीसदी पेटेंट और इनोवेशन पर जिनका अधिकार है उन 20 बड़े देशों का समूह है जी-20 अमृत काल के प्रथम वर्ष में और प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत इसकी अध्यक्षता कर रहा है, यह प्रत्येक देश वासियों के लिए गौरव की बात है और उससे सम्बन्धित बैठक उत्तर प्रदेश के अन्दर भी हो रही है अच्छा होता हमारे विपक्ष के साथी भी विदेशों से आने वाले मेहमानों के स्वागत के लिए सामने आते तो कितना अच्छा होता और हमारी राजनीति आमने-सामने होती और हमने तो आमंत्रण भी दिया था।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, हमें आमंत्रित ही नहीं किया न यहां के लिए न विदेश जाने के लिए।

श्री योगी आदित्यनाथ-

मान्यवर, अच्छा है इन्होंने बता दिया है अब अगली बैठकें होंगी तो हम उसमें इन्हें बुलायेंगे। अब हम चाचा नहीं चाचा के पूरे समूह को बुला देंगे, लेकिन देखिये चाचा को रहना अकेले ही है। चाचा आप इधर-उधर मत झांका करिए, क्योंकि जब आप-ताक झांक करते हैं तभी धोखा खा जाते हैं और आपको तो सीधे चलना चाहिए जैसे कि आप पहले चलते थे और जिसके लिए आप जाने जाते थे उसी तर्ज पर आपको चलना चाहिए। आगरा और लखनऊ में अतिथि देवो भवः की जिस अद्भुत मिसाल को प्रस्तुत किया गया और प्रत्येक डेलीगेट्स प्रसन्न थे और अभिभूत थे और एक संदेश लेकर गया भारत और उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य को लेकर गया। उत्तर प्रदेश और देश ने कैसे कोरोना जैसी महामारी के बावजूद अपनी इकोनामी को आगे बढ़ाया है और कैसे भारत आगे बढ़ रहा है और उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य है और इसके बारे में जो धारणाएं थीं। हमारे पास अवसर होते हैं और लखनऊ में जो समिट हुआ था उसमें 20 जी-20 के देश थे और नौ मित्र देशों के भी प्रतिनिधि आये थे और साथ अन्य देशों के संगठनों के प्रतिनिधि भी आये थे। हर व्यक्ति अभिभूत था, प्रसन्न था। उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में विजिट भी किया। अपनी आंखों से विकास की इस यात्रा को देखा। बाहर का व्यक्ति कह रहा है कि अच्छा हो रहा है और हमारे विपक्ष के साथी कहते हैं कि कुछ नहीं हो रहा है। उनको बोलने में भी संकोच आता है। निवेश कुम्भ के लिए ही आ गये होते। निवेश कुम्भ में तो हमारे दस पार्टनर कंट्री भी थे। नीदरलैण्ड, डेनमार्क, सिंगापुर,

जापान, कोरिया, आस्ट्रेलिया, इटली, यू0ए0ई0, यू0के0, मारीशस यह सभी थे। 40 देशों ने सहभागिता की। निवेश तो प्रदेश के लिए हो रहा है, केवल अपना दल, बीजेपी या निषाद पार्टी के लिए तो नहीं हो रहा है। कितना अच्छा होता कि विपक्ष के साथी भी आते, यह उत्तर प्रदेश के लिए हो रहा है हम भी सहभागी बनेंगे। लेकिन विकास का एजेण्डा हो तब न। विकास का एजेण्डा नहीं है और इसमें जो कार्यक्रम हुए हर व्यक्ति अभिभूत था।

हम आदरणीय प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं महामहिम राष्ट्रपति जी के आभारी हैं। 17 केन्द्रीय मंत्रियों ने 05 राजदूत ने 04 देशों के मंत्रियों ने और 25 हजार से अधिक डेलीगेट्स इस पूरे अभियान के साथ जुड़कर सफलता की एक नई ऊंचाई तक पहुंचाये और तब जाकर लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुए। उसके लिए कार्य किये गये। उत्तर प्रदेश ने सुरक्षा का माहौल दिया। उत्तर प्रदेश ने एक मैसेज परसेप्शन का दिया। इन्फ्रास्ट्रक्चर दिया। सेक्टोरियल पालिसीज बनायी, दुनिया को बताया। वह लोग आकर यहां देखे और जब उन्हें लगा कि जमीनी धरातल पर यह सब चीजें दिखायी दे रही हैं। जिन लोगों ने पहले निवेश किया और निवेश करने के बाद उन्होंने इसके मैसेज को आगे बढ़ाया कि यू0पी0 के बारे में हम लोगों की धारणा बदल चुकी है, अब हम लोग आयेंगे। अगर आप उस कार्यक्रम के साथ जुड़े होते तो कितना अच्छा होता। आज यू0पी0 एक्सप्रेस हाई-वे के रूप में जाना जाता है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पूर्वी उत्तर प्रदेश को जोड़ रहा है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे बुन्देलखण्ड को जोड़ रहा है। गंगा एक्सप्रेस-वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य उत्तर प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश को जोड़ रहा है। वाराणसी से हल्दिया के बीच वाटर-वे देश का नम्बर एक वाटर-वे है, जो हमें पूर्वी बन्दरगाह के साथ जोड़ता है। रेल नेटवर्क प्रदेश के अन्दर सबसे बेहतरीन है। 16 हजार किमी0 का रेल नेटवर्क यू0पी0 के अन्दर है। ईस्टर्न एण्ड वेस्टर्न फ्रंट कारीडोर उत्तर प्रदेश से होकर जाता है और इसका जंक्शन भी उत्तर प्रदेश के पास है। जिसे हम लॉजिस्टिक हब और लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित करने की कार्रवाई कर रहे हैं। एयर कनेक्टिविटी के लिए बहुत सारे लोग बोलेंगे कि हम भी करना चाहते थे। यह वही बात हो गयी कि परीक्षा देने के लिए गये, भूल गये, पढ़ा ही नहीं था तो उसके बाद कहते हैं कि यह मुझे याद था, लेकिन मैं भूल गया। तो यह आदत कुछ लोगों की है। यही वह दिखाने का प्रयास करते हैं कि अरे साहब हम भी करना चाहते थे कर नहीं पाये। आपको किसने रोका था। हम तो पांच साल का शासन सफलतापूर्वक चलाये और उसमें दो साल कोरोना महामारी का सामना करते हुए भी डंके की चोट पर जनता जनार्दन के आशीर्वाद से फिर से यहां पर आये। पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी का इससे बड़ा उदाहरण नहीं हो सकता है कि पांच साल तक शासन चलाने के बाद बिना रुके, बिना डिगे, बिना झुके सरकार चली हो और फिर से थम्पिंग मेजोरिटी के साथ जनता जनार्दन का आशीर्वाद पाकर वापस आ रही हो। यह एक उदाहरण है। इतना भारी निवेश पॉलीटिकल क्रेडिबिलिटी का सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। मुझे लगता है कि नेता प्रतिपक्ष इसको समझने का प्रयास करेंगे तो अच्छा होगा।

महोदय, इंटनस्टेट कनेक्टिविटी, आज हमारी मित्र राष्ट्र नेपाल के साथ सीमा जुड़ी है फोर लेन की कनेक्टिविटी के साथ जुड़ रहे हैं। बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखण्ड, दिल्ली या जो भी हमारी कनेक्टिविटी है यह फोर लेन की कनेक्टिविटी है। दिल्ली से मेरठ की दूरी में तीन से चार घण्टे लगते थे। आज 12 लेन का एक्सप्रेस हाई-वे बनने के बाद मात्र 45 मिनट लगता है। हर जिला मुख्यालय को फोर लेन के साथ तो जोड़ा ही जा रहा है। बेहतरीन सड़कों का निर्माण हो रहा है, ब्रिज बन रहे हैं। फ्लाईओवर बन रहे हैं, युद्ध स्तर पर इन कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। एयर कनेक्टिविटी आज देश के अन्दर यू0पी0 की एयर कनेक्टिविटी बेहतर हो रही है। आजमगढ़ से नेता विरोधी दल मा0 सांसद के रूप में रहे हैं। कुछ दे नहीं पाये। हम तो आजमगढ़ के बीच से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे भी निकाल दिये। वहां पर महाराज सुहेलदेव के नाम पर विश्वविद्यालय का निर्माण भी कर दिये हैं और एयरपोर्ट की सौगात भी आजमगढ़ वासियों को दे रहे हैं। आप समाजवादियों का कोई भरोसा नहीं है। अगर आप ट्रक को जहाज बना रहे हैं तो यह मैं नहीं मान सकता हूँ। आप भैंस को गाय बना लेते हैं तो हम क्या कर सकते हैं। महोदय, चित्रकूट, सोनभद्र, एयर कनेक्टिविटी के साथ जुड़ रहा है। ललितपुर के लिए एयर कनेक्टिविटी की तैयारी की जा रही है। अलीगढ़, मुरादाबाद, सहारनपुर को, हमने तो मेरठ के लिए भी एन0ओ0सी0 मांगी है। यह सभी एयरपोर्ट जब एक बार चलेंगे तो उत्तर प्रदेश के पास आने वाले समय में एक-डेढ़ वर्ष में 05 इंटरनेशनल एयरपोर्ट होंगे और डोमेस्टिक एयरपोर्ट को मिलाकर उत्तर प्रदेश में कुल 21 एयरपोर्ट होंगे। वर्ष 2017 के पहले केवल दो एयरपोर्ट लखनऊ और वाराणसी एयरपोर्ट क्रियाशील थे। लखनऊ और वाराणसी आज प्रदेश के अन्दर 80 गन्तव्यों के साथ सभी 09 एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। गोरखपुर भी है। मान्यवर, डबल इंजन की सरकार का लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा है। आवागमन सरल और सहज हुआ है। लोगों को आसानी से इस सुविधा का लाभ मिल रहा है। हम लोग उन चीजों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। हर निवेशक इस चीज को आज स्वीकार करता है कि अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर उत्तर प्रदेश दे रहा है। लैण्डबैंक दे रहा है। टेक्नोलॉजी के साथ जोड़कर उत्तर प्रदेश ने सिंगल विंडो का निवेश मित्र पोर्टल हो चाहे एम0ओ0यू0 के लिए निवेश सारथी के रूप में अपना पोर्टल दिया हो, चाहे आनलाइन इंसेंटिव मैनेजमेन्ट सिस्टम को आगे बढ़ाने का कार्य किया हो यह सभी कार्य आज उत्तर प्रदेश के अन्दर चल रहे हैं। हर व्यक्ति आज उत्तर प्रदेश में आकर निवेश करना चाहता है। उत्तर प्रदेश निवेश के एक बेहतरीन गन्तव्य के रूप में आगे बढ़ रहा है और आदरणीय प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप देश की इकोनॉमी के ग्रोथ इंजन के रूप में उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है।

महोदय, उत्तर प्रदेश के अन्दर विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना है। हमारे हस्तशिल्पी थे, कारीगर थे इन बेचारों को कोई पूछता नहीं था। आज तो सरकार ने उनको प्रशिक्षण भी देना शुरू किया है और मानदेय भी देना शुरू किया। मान्यवर, प्रशिक्षण और मानदेय के साथ-साथ

उन्हें आज जिस योजना के साथ जोड़ा है, टूल किट, बैंको के साथ जोड़ना, बैंक के ऋण में सब्सिडी देना, यह सभी कार्य बड़े पैमाने पर चल रहे हैं। हम लोगों ने अब तक उत्तर प्रदेश के अन्दर वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट में 83,473 से अधिक हस्तशिल्पियों को न केवल प्रशिक्षण दिया है बल्कि उन्हें उससे सम्बन्धित टूल किट भी उपलब्ध करवाई है और अब तक हम लोगों ने 1 लाख 73 हजार से अधिक लाभार्थियों को प्रशिक्षण के साथ-साथ टूल किट उपलब्ध कराने और बैंको के साथ जोड़ने का कार्य भी प्रदेश के अन्दर सफलतापूर्वक आगे बढ़ा है। मुख्य मंत्री युवा स्व-रोजगार योजना के अन्तर्गत भी 1 लाख 37 हजार से अधिक लोगों को रोजगार से जोड़ने का भी काम हुआ है। कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत 4 लाख 88 हजार से अधिक यूथ को प्रदेश के अन्दर रोजगार के साथ जोड़ने का कार्य, उसमें सेवायोजित करने का कार्य भी किया गया है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के अन्तर्गत प्रदेश के अन्दर 17 हजार 559 इकाइयों में 1 लाख 96 हजार से अधिक लोगों को रोजगार की सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य भी किया गया है। इसके साथ ही हमारी सरकार ने प्रदेश के अन्दर हर प्रवासी कामगार और श्रमिक को 2 लाख रुपये के सामाजिक सुरक्षा की गारण्टी और 5 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा कवर को देने का भी काम किया है। जिससे कामगार/श्रमिक प्रदेश में हो या प्रदेश के बाहर हो, हम उसको सुरक्षा की पूरी गारन्टी दे सकें। प्रदेश के अन्दर विद्युत व्यवस्था में सुधार हुआ है और हमारी सरकार विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आगे कदम बढ़ा रही है, इस कार्यक्रम को हर स्तर पर करेंगे। अब भेद-भाव नहीं होता है, पिक एण्ड चूज नहीं किया जाता है कि इन चार जनपदों में विद्युत सेवाएं देंगे और शेष जनपद अंधेरे में रहेंगे। आज प्रदेश के अन्दर हर एक को इन सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है। हम लोगों ने शिक्षा में 1 लाख 64 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न किया है और प्रदेश के अन्दर यह कार्यक्रम पूरी मजबूती के साथ आगे बढे हैं।

प्रदेश के अन्दर सामाजिक सुरक्षा गारन्टी के लिए भरण-पोषण भत्ते में अगर हम देखेंगे तो दिव्यांगजन भरण-पोषण अनुदान में 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को आज 1 हजार रुपये मासिक पेंशन की व्यवस्था उपलब्ध करवा रहे हैं, पहले यह पेंशन मात्र 300 रुपये मिलती थी। फिर हमारी सरकार ने इसको 500 रुपये किया है और आज हम 12 हजार रुपया सालाना हर एक दिव्यांगजन को उपलब्ध करा रहे हैं। वृद्धावस्था पेंशन 3 हजार रुपये मासिक उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा प्रदेश के अन्दर निराश्रित महिला पेंशन योजना में वर्ष 2016 तक संख्या मात्र 17 लाख 31 हजार थी अब निराश्रित महिला पेंशन योजना में 15 लाख 31 हजार नये लाभार्थी जोड़े गये हैं यानि अब 32 लाख 62 हजार निराश्रित महिलाओं को 12 हजार रुपये सालाना पेंशन की सुविधा सरकार उपलब्ध करा रही है।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, लोकतंत्र सेनानियों की पेंशन क्यों नहीं बढ़ाई गयी है ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

मान्यवर, हमने लोकतंत्र सेनानियों की पेंशन 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दी है। आप लोगों ने इतना पैसा कमाया होगा कि अपना बैंक एकाउण्ट ही नहीं चेक करते होंगे। आप कभी देखिये तो आपको पता चलेगा कि हमारी सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों के लिए 5 हजार रुपये बढ़ाए हैं और लोकतंत्र की रक्षा हमारा पक्ष ही कर पायेगा, लेकिन भूले-भटके आप जैसे कुछ लोग जो अभी भी समाजवाद की कुछ विरासत लेकर चल रहे हैं उनको छोड़ दें तो बाकी लोग समाजवाद के नाम पर परिवारवाद पर उतर आए हैं।

महोदय, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि को देखें तो प्रदेश में कृषि विकास दर बढ़ी है। उत्तर प्रदेश की यह एक बड़ी उपलब्धि होगी और उत्तर प्रदेश जो अनन्त सम्भावनाओं का राज्य है, उसमें मैं बार-बार कहता हूँ कि बेहतर कनेक्टिविटी यूपी के अन्दर, एम0एस0एम0ई0 का बेस, यूथ पावर, सबसे युवा और स्किल मैन पावर हमारे पास है। प्रदेश के अन्दर एग्रीकल्चर और जल संसाधन की जो सम्भावना है, इन सबको अगर देखेंगे और थोड़ा भी प्रयास सब लोग मिलकर करेंगे तो यूपी की इकोनॉमी को वन ट्रिलियन की इकोनॉमी बनने में कोई देर नहीं लगेगी ....

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं)

अभी हम बजट पर भी, इस पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दिसम्बर, 2018 में प्रारम्भ हुई थी, अब तक उत्तर प्रदेश में 2 करोड़ 60 लाख अन्नदाता किसानों के खाते में 51 हजार 640 करोड़ रुपये की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से गयी है....

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयी)

यह वर्ष इंटरनेशनल मिलेट ईयर है, मिलेट ईयर के नाम पर, जो मोटा अनाज है जैसे- ज्वार, बजारा, रागी, कोदो, जौ आदि, को प्रोत्साहित करने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने इसे श्री अन्न नाम दिया है और सम्भवतः कल पूरे सदन को आप द्वारा भी दोपहर भोज में बुलाया गया है, मुझे लगता है और जो मैंने सुना है कि आप मिलेट का ही मेन्यू देने जा रहे हैं.....

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं)

इसके लिए भी हम लोगों ने इस वर्ष को इस रूप में मानने के लिए विशेष प्रोत्साहन देने के लिए एक कार्यक्रम कृषि विभाग भी मनाने जा रहा है। महोदय, प्रदेश के अन्दर बहुत बड़ा चैलेंज है हमारे सामने और केवल प्रदेश ही नहीं, देश के सामने भी है, वह है कैंसर, लिवर फेल, किडनी फेल्योर के जो मामले सामने आ रहे हैं। इसका एक कारण है- फर्टीलाइजर, केमिकल, पेस्टिसाइड। विषमुक्त खेती की तरफ हम कैसे जा सकते हैं यानि अगर इन सबसे आने वाली पीढ़ी को बचाना है, हम सब जानते हैं कि देश का एक राज्य जिसने केमिकल फर्टीलाइजर और पेस्टिसाइड में देश के अन्दर हरित क्रांति में एक बड़ा योगदान दिया था, उस राज्य में एक ट्रेन ही कैंसर ट्रेन के नाम से चलती है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी की अनुकम्पा से वाराणसी काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कैम्पस में महामना पंडित मदनमोहन मालवीय जी के नाम पर एक कैंसर संस्थान टाटा ट्रस्ट के सहयोग से बना है। मेरी एक दिन उनके साथ

बातचीत हो रही थी, विगत चार वर्ष के दौरान 21 हजार कैंसर के मरीज वहां पर आए और उन रोगियों के उपचार की कार्यवाही वहां पर सम्पन्न हुई। वर्तमान और भावी पीढ़ी को इससे बचाना है तो इसके लिए गौ आधारित खेती एकमात्र आधार है....

(सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं)

गाय भी बचेगी, आस्था का भी सम्मान होगा और विषमुक्त खेती के माध्यम से हम अन्नदाता किसान को ज्यादा दाम भी दे पाएंगे। सरकार उसके लिए कदम भी बढ़ा चुकी है। हमारी सरकार ने तय किया है कि गंगा के किनारे तटवर्ती 27 जनपदों में बुंदेलखण्ड में हम गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का कार्य करेंगे और उसके लिए हम वहां पर अन्नदाता किसानों का सहयोग करेंगे, सपोर्ट करेंगे और सब्सिडी भी देंगे.....

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गयीं)

इसके लिए कलस्टर बनाये गए हैं, गौ आधारित खेती के लिए। जिसमें 1714 कलस्टर बनाये जा चुके हैं और इसमें सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है, गौवंश को बचाने के लिए। नेता विरोधी दल बोल रहे थे, उन्हें साँड़ से परहेज था।

श्री अखिलेश यादव-

परहेज नहीं है।

श्री अवधेश प्रसाद-

मान्यवर, साँड़ जो है, वह हमारी खेती को चर रहा है।

श्री अध्यक्ष-

मुख्य मंत्री जी खड़े है, आप बैठिए ।

श्री योगी आदित्यनाथ-

मान्यवर, लेकिन ये जो गौवंश है, हमारी सरकार ने तो कार्यक्रम बनाया है। हमारी तीन प्रकार की योजनाएँ चल रही है। एक-शासन के द्वारा संचालित निराश्रित गौ आश्रय स्थल, 10 लाख से भी अधिक गौवंश की वहाँ पर देखभाल की जा रही है। दूसरा- कोई भी अन्नदाता किसान जो अपने घर में रख करके 04 गौवंश की देखभाल करेगा। उसे 04 गौवंश तक अनुमन्य है, उसे हम 900 रुपये प्रति गौवंश हर महीने देंगे। लगभग डेढ़ लाख के आस-पास किसान इसके साथ जुड़े हैं और 900 रुपये हर महीने उन्हें दे रहे हैं और तीसरा-निराश्रित गौ आश्रय स्थल से ब्याई हुई एक गाय उस कुपोषित परिवार को दी जा रही है, जिस परिवार में माँ या कोई बच्चा कुपोषित है या दोनों कुपोषित हैं, एक गाय और 900 रुपया हर महीने उन्हें उपलब्ध करवाने का काम भी किया जा रहा है। हमारी सरकार ने तो किया, लेकिन क्या 2017 के पहले यह समस्या नहीं थी ? 2017 के चुनाव में तो अन्ना प्रथा पर बड़ा हल्ला हुआ था बुन्देलखण्ड में, तब आप क्या कर रहे थे-एक, दूसरा है कि आज क्या यह सच नहीं है कि दूध आप निकालते हैं और सड़कों पर उन बेचारों को छोड़ देते हैं ? यह भी सच है। यह चीजें बहुत सारी जगह देखने को मिलती हैं। लेकिन हम देख-भाल करेंगे। आपका जो नारा था, 'जो प्लाट खाली है, वह प्लाट हमारा है।' ऐसा कुछ नारा चलता था। हमारा है कि जो गाय सड़क पर दिखेगी, उसकी देख-भाल की जिम्मेदारी हमारी है।

(सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)

क्योंकि अगर हमने उसको माँ का सम्बोधन दिया है तो सम्मान भी देंगे और इसके लिए अनेक उपाय किए जा रहे हैं। नस्ल सुधार की दिशा में भी कार्यक्रम प्रारम्भ हुए हैं, उसके सम्वर्धन की दिशा में कार्यक्रम प्रारम्भ हुए हैं। प्रदेश में डेयरी सेक्टर की स्ट्रेन्थनिंग के लिए कार्यवाही भी हो रही है और इस दिशा में अनेक कार्यक्रम आगे बढ़ाये जा रहे हैं।

बजट में हम लोगों ने अन्नदाता किसानों के लिए व्यवस्था बनायी है। पिछली बार हम लोगों ने उनके जो विद्युत कनेक्शन के दाम थे, उसको हाफ किया था और धीरे-धीरे करके अगले 4-5 वर्षों के अन्दर उसको हम जीरो पर पहुँचाने की कार्यवाही करने जा रहे हैं, जिससे हर एक अन्नदाता किसान को फ्री में बिजली से पानी मिल सके। इस दिशा में सरकार कार्यवाही कर रही है। कह रहे थे कि जो 20 हजार करोड़ का सिंचाई फण्ड बनना था, उसका क्या हुआ? यह जो बाण सागर की परियोजना पूरी हुई है, अर्जुन सहायक की परियोजना पूरी हुई है और सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना पूरी हुई है और ऐसी लगभग 20 से अधिक छोटी-बड़ी परियोजनाएँ पूरी हुई है, उनमें उसी पैसे का उपयोग किया जा रहा है, जिसके माध्यम से 22 लाख हेक्टेयर भूमि को प्रदेश के अन्दर अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। ये प्रदेश के अन्दर हुआ है और महोदय, हम लोगों ने अभी 2022-23 में शहजाद बाँध स्प्रिंकलर सिंचाई परियोजना, 2023-24 में तीन परियोजनाओं- मध्य गंगा, कसमौदा बाँध और लखेरी बाँध को भी पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है, उस दिशा में हम लोग काम कर रहे हैं। अन्नदाता किसानों के बारे में आप कह रहे थे कि क्या आय दोगुनी हुई है? मैं आपको बता रहा हूँ, आप अगर नोट कर सकेंगे तो अच्छा होगा। मान्यवर, 2012 से 2017 के बीच बिचौलियों के माध्यम से प्रदेश में 94 लाख मीट्रिक टन गेहूँ खरीद हुई और 12 हजार 8 सौ करोड़ रूपए का भुगतान हुआ यह भुगतान किसान के खाते में नहीं हुआ जिससे खरीदा गया उसके माध्यम से हुआ, लेकिन वर्ष 2017-18 से लेकर के 2021-22 के बीच हम लोगों ने अन्नदाता किसानों से 219.12 लाख मीट्रिक टन गेहूँ की खरीद की और 40 हजार 159 करोड़ रूपए का भुगतान किया। आप मुझे यह बताईये कि 12 हजार 8 सौ करोड़ से बढ़कर के 40 हजार 159 करोड़ रूपए जा रहा है तो यह पैसा सीधे किसान के खाते में गया, क्योंकि बीच में कोई मीडिएटर नहीं था। यही नहीं वर्ष 2012 से 2017 के बीच में समाजवादी पार्टी की सरकार के समय मीडिएटर के माध्यम से 123 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है और 17 हजार 190 करोड़ रूपए का भुगतान हुआ है। स्वाभाविक रूप से यह किसान से सीधे नहीं खरीद रहे तो पैसा भी उसके पास नहीं जाएगा, लेकिन भुगतान हुआ है और इसके सापेक्ष वर्ष 2017-18 से लेकर के वर्ष 2021-22 की अवधि में हम लोगों ने प्रदेश के अन्दर 280.09 लाख मीट्रिक टन धान का क्रय किया और 50 हजार 420 करोड़ रूपए का भुगतान डी0बी0टी0 द्वारा हर अन्नदाता किसान के खाते में किया। क्या 17 हजार 190 करोड़ और 50 हजार 420 करोड़ में कोई अंतर ही नहीं है और इस वर्ष भी वर्ष 2022-23 में 64.64 लाख मीट्रिक टन धान का क्रय किया गया है जिसके माध्यम से अब तक 13 हजार

192 करोड़ रूपए का भुगतान अन्नदाता किसान के खाते में किया गया है इसमें कोई मीडिएटर नहीं है और चीनी यानि प्रदेश के अन्दर गन्ना उत्पादक किसानों के साथ क्या व्यवहार होता था यह तो किसी से छुपा हुआ नहीं है। किसान अपने खेतों में आग लगा देते थे।

आज प्रदेश के अन्दर हमारी सरकार आई है और रमाला चीनी मिल चौधरी चरण सिंह जी की करम भूमि की चीनी मिल है हमने उसका पुनरोद्धार किया। मुंडेरवा की चीनी मिल यह नई चीनी मिलें लगाई गई हैं मुंडेरवा के नाम पर राजनीति आप करते थे, चीनी मिल हमारी सरकार ने वहां लगाया, डबल इंजन की सरकार ने वहां लगाया, पिपराइच चीनी मिल हमारी सरकार ने लगाया। मोउद्दीनपुर चीनी मिल हो या अन्य तमाम चीनी मिलों के पुनरोद्धार का कार्य किया गया और अब तक एक लाख 98 हजार 434.98 करोड़ रूपए के गन्ना मूल्य का भुगतान भी हमारी सरकार करवा चुकी है और जो अन्नदाता किसानों के खाते में गया है और अगर मैं पांच साल की तुलना करूं तो यह समाजवादी पार्टी की सरकार के समय के कुल गन्ना भुगतान से एक लाख 2 हजार करोड़ रुपया अधिक है, बकाया की बात कर रहे थे और अभी प्रदेश के अन्दर 5 हजार 8 सौ करोड़ रुपया बकाया है। सौ से अधिक चीनी मिलें जो आज के दिन पर 117 चीनी मिलें वर्तमान में चल रही है, सौ से अधिक चीनी मिलें ऐसी हैं जो दस दिन के अन्दर गन्ना मूल्य का भुगतान कर रही हैं। क्या यह कभी समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में हुआ, कभी नहीं हुआ है। आपके समय में तो चीनी मिलें बन्द होती थी और मैं फिर से इस बात को कह सकता हूँ कि कोरोना काल खण्ड में भी चीनी मिलें चलाई थीं और जब तक अन्नदाता किसान के खेत में गन्ना होगा तब तक चीनी मिलें प्रदेश के अन्दर चलेंगी। बुंदेलखण्ड में पानी पहले खेतों के लिए नहीं मिलता था और पीने के लिए भी जल उपलब्ध नहीं था। फरवरी से शुरू हो जाता था टैंकर भेजना पड़ता था राज्य सरकारें ध्यान नहीं देती थी यह आपने वर्ष 2015-16 में देखा होगा भारत सरकार ने ट्रेन भेजी उसके लिए बड़े-बड़े टैंकर उपलब्ध करवाए, लेकिन समाजवादी पार्टी की सरकार ने पानी लेने से इंकार कर दिया है। वहाँ के लोगों को तरसा रहे थे, एक बूँद जल के लिए तरसा रहे थे और आज हमारा बुन्देलखण्ड हर घर नल योजना से आच्छादित हो रहा है। प्रदेश भर में अब तक 82-85 लाख परिवारों को हर घर नल का कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है और इस बार के बजट में भी काफी भारी-भरकम राशि उपलब्ध कराई गई है, उसकी चर्चा उसी में करेंगे। हमने तो भेद-भाव नहीं किया, कोई भेद-भाव नहीं किया। गरीबों के स्वास्थ्य के लिए आप क्या कर रहे थे? और आज ये आयुष्मान भारत योजना किसके लिए है, उन्हीं गरीबों के लिए है जिन गरीबों को आप स्वास्थ्य सुविधा से वंचित करते थे। प्रदेश की 25 करोड़ जनता में से हर गरीब को आच्छादित करने के लिए है और जो आयुष्मान भारत में नहीं आ पाया, उसे मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना से कवर करने का काम किया जा रहा है।

महोदय, प्रदेश के अन्दर स्मार्ट सिटी मिशन नगरीय क्षेत्रों के लिए हैं। देश के अन्दर जो स्मार्ट सिटी बन रहे थे, उनमें से 10 उत्तर प्रदेश के अन्दर थे। शेष सात को राज्य सरकार अपने स्तर पर आगे बढ़ा रही है। अन्य कार्यक्रमों को भी आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा

है। अमृत योजना के अन्दर शार्प सिटी का विकास उनको बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। कहीं ड्रेनेज के लिए, कहीं सीवर के लिए, कहीं अन्य कार्यक्रमों के लिए किया जा रहा है। इस बार तो ग्रामीण क्षेत्र में 100 ब्लाक जो अभी तक पिछड़े हुए थे, उन्हें एसपिरेशनल विकास खण्ड के रूप में आगे बढ़ाने की कार्यवाही को जहाँ सरकार ने अपने हाथ में लिया है, ऐसे 100 नगर निकायों को भी एसपिरेशनल विकास खण्ड के रूप में बुनियादी सुविधाओं से आच्छादित करके आज प्रदेश के नगरीय विकास की एक नई तस्वीर को आगे बढ़ाने का कार्यक्रम भी किया जा रहा है। महोदय, इसके साथ ही प्रदेश के अन्दर पिछले अलग-अलग कार्यक्रमों के तहत कृषि के क्षेत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र है। वर्मा जी, मुझे पता नहीं कि आपकी रुचि कृषि में है कि नहीं है। हम जान रहे हैं कि नये समाजवादी आप भी हो गए हैं।

श्री लालजी वर्मा-

आपने अपने हाथों से नहीं किया होगा, मैंने अपने हाथों से खेत जोता है।

श्री योगी आदित्यनाथ-

जोता होगा अपने लिए, प्रदेश के लिए नहीं । आप एक जनप्रतिनिधि अपने लिए नहीं थोड़ा प्रदेश के लिए भी बनिए। प्रदेश के लिए बोलिए, थोड़ा प्रदेश के बारे में सोचिए । महोदय, केन्द्र सरकार 20 नये कृषि विज्ञान केन्द्र उत्तर प्रदेश को देना चाहती थी। समाजवादी पार्टी की सरकार ने लेने से इनकार कर दिया था । आज हमारी सरकार उन्हें लगा रही है। हर कृषि विज्ञान केन्द्र के पास अपने वैज्ञानिक होते हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र होते है, नेता विरोधी दल को नहीं पता होगा कि कृषि विज्ञान केन्द्र क्या होते हैं, हम उनको बता देते हैं। हर कृषि विज्ञान केन्द्र के पास भारत सरकार के खर्चे से अलग-अलग फील्ड के 06 से 08 तक कृषि वैज्ञानिक होते है, एग्रीकल्चर के, हार्टीकल्चर के, बागवानी के, वेटनरी साइंस के अलग-अलग फील्ड से जुड़े हुए विशेषज्ञ होते हैं और उसका जो भी पूरा खर्चा होता है, भारत सरकार उठाती है। राज्य सरकार को केवल लैण्ड देनी थी लेकिन इन्होंने लैण्ड नहीं दी। हमारी सरकार आई, हमने उनको लिया और आज वे सभी मिलाकर प्रदेश के अन्दर 89 कृषि विज्ञान केन्द्र है और ये केन्द्र आज प्रदेश के अन्दर किसानों को अच्छी तकनीक के साथ जोड़ने में अपना योगदान दे रहे हैं। इससे प्रदेश को आगे बढ़ाने काम किया जा रहा है। प्रदेश में तमाम अन्य तकनीकी विषयों से आगे बढ़ने का कार्य हो रहा है। महोदय, इसके साथ ही हम लोगों ने फैमिली आई0डी0 कार्ड जारी करने के लिए तय किया है। इस बार के बजट में फैमिली आई0डी0 कार्ड के लिए पैसे की व्यवस्था की जा रही है जिससे हर परिवार के पास अपना एक फैमिली आई0डी0 कार्ड होगा। उससे पता चल पाएगा कि कौन सी योजनाएँ इन्हें मिल गई हैं, किन योजनाओं को अभी तक उन्हें उपलब्ध नहीं कराया गया है। कोई भी गरीब, कोई भी वंचित, कोई भी पिछड़ा व्यक्ति जो जिन योजनाओं से वंचित होगा, उसे 100 परसेण्ट सैचुरेशन की तरफ बढ़ाना है। फैमिली आई कार्ड योजना उत्तर प्रदेश में बहुत शीघ्र सरकार लेकर आने वाली है।

हमने तीन विश्वविद्यालय और दिये हैं, 4 विश्वविद्यालय दिये हैं। एक माँ पाटेश्वरी के नाम पर, एक माँ विन्ध्यवासिनी के नाम पर, एक मुरादाबाद के अन्दर और एक महात्मा बुद्ध के नाम पर भी कृषि विश्वविद्यालय सरकार लेकर आने वाली है।

(मेजों की थपथपाहट)

एक फार्मा के लिए भी विश्वविद्यालय स्तर का संस्थान बनाने के लिए हम कार्यवाही करने जा रहे है। 5 नये संस्थान हम प्रदेश के अन्दर लेकर आने वाले हैं। आगरा और वाराणसी में साइंस सिटी, लखनऊ के बगल में ही सीतापुर है। महोदय पूरा वैदिक ज्ञान इसी सीतापुर के नैमिषारण्य में लिपिबद्ध हुआ था जिस पर हर भारतवासी गौरव की अनुभूति करता है । दिया तले अंधेरा, हम उसे ही भूल गये थे लेकिन आज वहाँ पर हमारी सरकार एक वैदिक विज्ञान केन्द्र की स्थापना करने जा रही है....

(मेजों की थपथपाहट)

बजट का प्रावधान भी उस हेतु किया गया है। कृषक बीमा दुर्घटना योजना के लिए दायरा बढ़ाया गया है और उज्ज्वला योजना के जो लाभार्थी थे उनको भी दो सिलेण्डर होली और दीपावली के अवसर पर उपलब्ध करवाने के लिए 1 करोड़ 74 लाख लाभार्थी हैं, उसके लिए बजट का प्रावधान हम लोगों ने कर दिया है....

(श्री सुरेश कुमार खन्ना जी के मध्य में बोलने पर)

आप बजट में बोलेंगे खन्ना जी, उस समय बोला करिए आपको बजट के समय थोड़ा बैटिंग करनी चाहिये, कायदे से और वहाँ कार्य किया जा रहा है। महोदय, दिव्य और भव्य कुम्भ का आयोजन वर्ष 2025 में प्रयागराज की धरती में होगा। प्रयागराज की धरती पर हम लोग इस कार्यक्रम को भव्यता के साथ करेंगे और मैं फिर चाहूँगा कि शुभ कार्य में सब लोग मिलकर के कार्य करें। जनता जान रही है, जनता से कुछ भी नहीं छुपा हुआ है और इसलिए हम लोग प्रदेश के विकास के बारे में, 25 करोड़ जनता के प्रति हमारी जवाबदेही है। प्रदेश सरकार की भी और इस सदन में बैठे हुए प्रत्येक मा0 सदस्य की भी। 25 करोड़ जनता के हितों के बारे में, उसके कल्याण के बारे में, उसके रोजगार के बारे में, उसके उत्थान के बारे में, उसके ईज ऑफ लिविंग के बारे में, उसके बेहतर भविष्य के बारे में हम में से कोई भी अपनी जिम्मेदारी से बाहर नहीं हो सकते हैं और इसलिए मुझे केवल यही अपील करनी है कि हम लोग इस दिशा में मिलकर कार्य करेंगे तो अच्छा होगा। महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाषण के माध्यम से इन्हीं बिन्दुओं की ओर सदन का ध्यान आकर्षण किया। उपलब्धियों के लिए भी और भावी योजनाओं के बारे में भी।

मैं आभारी हूँ आदरणीय राज्यपाल महोदया का कि उन्होंने कृपापूर्वक आकर के यहाँ पर इस समवेत् सदन को सम्बोधित किया, अपना मागदर्शन दिया और शासन को अच्छे कार्य के लिए प्रोत्साहित करते हुए उत्तर प्रदेश को अच्छी दिशा में आगे बढ़ने के लिए अपनी इच्छा भी दी और इसके लिए मैं अपने उन सभी मा0 सदस्यों का धन्यवाद देता हूँ। महोदय, 144 मा0 सदस्यों ने इस पूरी डीबेट में भाग लिया है। नेता विरोधी दल, हमारे सभी मा0 दलीय

नेताओं ने, बी0जे0पी0 से जुड़े हुए 79 मा0 सदस्यों ने, अपना दल के 4 मा0 सदस्यों ने, निषादराज पार्टी से 05 मा0 सदस्यों ने, समाजवादी पार्टी के 43 मा0 सदस्यों ने, राष्ट्रीय लोक दल के 06 मा0 सदस्यों ने, सुलेहदेव राजभर पार्टी के 4 मा0 सदस्यों ने कांग्रेस के 01 सदस्य ने, जनसत्ता दल से एक मा0 सदस्य ने, बी0एस0पी0 से 01 मा0 सदस्य ने कुल मिलाकर 144 मा0 सदस्यों ने इस पूरी चर्चा में भाग लिया, मैं इन सब के प्रति भी हृदय से धन्यवाद देता हूँ और महामहिम राज्यपाल का आभार व्यक्त करता हूँ और मैं तो सबसे अपील करूँगा कि हमें प्रदेश के बारे में सोचना चाहिए उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। अटल जी की एक कविता मुझे याद आती है कि-

''बाधाएँ आती हैं आयें, घिरे प्रलय की घोर घटायें,
पाँवों के नीचे अंगारे, सिर पर बरसे यदि ज्वालाएँ,
निज हाथों से हँसते-हँसते, आग लगाकर चलना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा, कदम मिलाकर चलना होगा । ''

(मेजों की थपथपाहट)

श्रद्धेय अटल जी की इस कविता के साथ मैं सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि राज्यपाल संवैधानिक प्रमुख होता है, राज्यपाल संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राज्यपाल जी के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करते हुए हमें अभिभाषण को एक स्वर से पारित करते हुए महामहिम राज्यपाल जी का आभार व्यक्त करना चाहिए। अध्यक्ष जी, उनके मार्गदर्शन के लिए और उनके दिशा-निर्देश के लिए आपने अवसर दिया, मैं इसके लिए आपका हृदय से आभारी हूँ। मैं विश्वास व्यक्त करता हूँ कि पूरा सदन महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव माननीय सदस्य डॉ0 नीलकण्ठ तिवारी जी ने प्रस्तुत किया है, इसको ध्वनिमत से पारित करते हुए महामहिम राज्यपाल के प्रति अपना आभार व्यक्त करेगा।

धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

मैं अब श्री राज्यपाल जी के द्वारा दिये गये अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर जो संशोधन के प्रस्ताव मा0 नेता विरोधी दल की ओर से प्रस्तुत किये गये।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय, थोड़ा-सा कंफ्यूजन है, नेता सदन को ।

श्री अध्यक्ष-

वह बजट पर होता है, इसमें कोई कंफ्यूजन नहीं है।

श्री अखिलेश यादव-

नहीं नेता सदन को है।

श्री अध्यक्ष-

इसमें चर्चा होती है, आपने अपनी बात कही।

श्री अखिलेश यादव-

यह क्रिकेट के [x x x] को, यह कुछ और [xxx] समझ गये ।

श्री अध्यक्ष-

नहीं, वही वाला समझे है, जो आप कह रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय, क्रिकेट के [xxx] को, क्रिकेट के [xxx] को, यह [xxx] समझ गये और फिर बोले कि मैं तो वो हूँ जो अकेला आया हूँ और अकेला ही चला जाता हूँ। हमने तो कभी नहीं पढ़ा कि [xxx] की भी शादियां हुआ करती हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब मेरा निवेदन है, आप मेरी बात सुनिए ।

श्री अखिलेश यादव-

और दूसरा ईज आफ लिविंग, ईज आफ लिविंग, यह गलत है।

श्री अध्यक्ष-

नहीं, अब आप बैठिए ।

श्री अखिलेश यादव-

यह गलत बात है।

(सदन में कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

अब आप लोग बैठिए । विवेकानन्द जी आप बैठिए ।

श्री अखिलेश यादव-

अगर ईज आफ लिविंग है, तो दूध की कीमत क्या है आज ?

श्री अध्यक्ष-

मैं प्रश्न प्रस्तुत कर रहा हूँ।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, बहुत अशोभनीय है।

श्री अखिलेश यादव-

सिलेण्डर की कीमत क्या है आज ? डीजल की कीमत क्या है? पेट्रोल की कीमत क्या है? रिफाइंड की कीमत क्या है?

नोट :-[x x x] श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार यह अंश कार्यवाही से निकाल दिया गया।

श्री अध्यक्ष-

चलिए वो बजट पर आयेगा तो पूछिएगा ।

श्री अखिलेश यादव-

आज अरहर दाल की कीमत क्या है?

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता विरोधी दल, वह बजट पर पूछ लीजिएगा । अब मैं श्री राज्यपाल द्वारा दिये गये अभिभाषण के लिए प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव में माननीय नेता विरोधी दल की ओर से प्रस्तुत किये गये संशोधन प्रस्ताव के लिए मतदान के लिए प्रश्न उपस्थित करता हूँ।

प्रश्न यह है कि श्री राज्यपाल के अभिभाषण के सम्बन्ध में जो संशोधन प्रस्ताव माननीय नेता विरोधी दल एवं अन्य सदस्यों के द्वारा प्रस्तुत किये गये हैं, यह सदन सहमत है?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

इसके अतिरिक्त अन्य संशोधन प्रस्ताव भी जो उपस्थित किये हुए माने गये हैं, वह अस्वीकृत समझे जाएंगे।

प्रश्न यह है कि सदन श्री राज्यपाल के अभिभाषण के लिए जो उन्होंने राज्य विधान मण्डल दल के एक साथ समवेत् दोनों सदनों के समक्ष दिनांक 20 फरवरी, 2023 को प्रस्तुत किया था, कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद देता है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

अब आज का जो एजेण्डा है, उसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 पर आय-व्ययक की साधारण चर्चा होगी।

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, हमारी जो परम्परा रही है कि जब कोई प्रस्ताव आता है, तो जो संशोधन पेश करता है, उस संशोधन पेश करने वाले को अंत में बोलने का अवसर मिलता है।

श्री अध्यक्ष-

नहीं, कभी बोलने का अवसर नहीं मिला। 32 सालों में तो नहीं मिला आज तक ।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, हमेशा मिलता है, आप कार्यवाही निकलवा कर दिखवा लें।

श्री अध्यक्ष-

मुझे मालूम है क्योंकि मैं उपस्थित रहता हूँ। पिछले 32 साल से तो मैं उपस्थित रहा, इस प्रकार का कुछ नहीं होता। वह अस्वीकार है।

आय-व्ययक पर साधारण चर्चा देर तक कराये जाने की सूचना

श्री अध्यक्ष-

वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा हम जारी रखेंगे, उसके पहले क्योंकि कुछ माननीय सदस्यों के द्वारा यह निवेदन किया गया है कि याचिकाओं का उपस्थापन पहले लें और नियम-51 की जो सूचनाएं है, इनमें आज सूचना आयी है, नियम-51 की सूचनायें नहीं ली जायेगी, जो सूचना है, उसको ले लिया जाये। ऐसा मेरे पास इधर से निवेदन हुआ है। अब मैं मद संख्या-4 लेता हूँ। उसके बाद जब तक कोरम रहेगा और माननीय सदस्य बैठने वाले होंगे, तब तक हम बजट पर चर्चा जारी रखेंगे।

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-3 में कुछ नहीं है। अब मद सं0-4 में कुछ नहीं है।

[01:19] याचिकाओं का उपस्थापन

श्री अध्यक्ष-

अब हम याचिकाएं लेते हैं।

श्रीमती अनुपमा जायसवाल (उपस्थित), श्रीमती जयदेवी (उपस्थित), श्रीमती मीनाक्षी सिंह (उपस्थित), श्रीमती सलोना कुशवाहा (उपस्थित), डॉ0 रागिनी (उपस्थित), श्री सचिन यादव (उपस्थित), डॉ0 अमित सिंह चौहान (उपस्थित), डॉ0 एम0पी0 आर्य (उपस्थित), डॉ0 नीरज बोरा (उपस्थित), डॉ0 मुकेश वर्मा (उपस्थित), डॉ0 विनोद कुमार बिन्द (अनुपस्थित), डॉ0 सुनील पटेल (उपस्थित), डॉ0 मन्जू शिवाच (उपस्थित), श्री राहुल राजपूत उर्फ ''राहुल लोधी'' (उपस्थित), श्री अखिलेश (उपस्थित), श्री अताउर्रहमान (उपस्थित), श्री अतुल प्रधान (उपस्थित), श्री अनिल कुमार त्रिपाठी (उपस्थित), श्री अनिल प्रधान (उपस्थित), श्री अमरेश कुमार (अनुपस्थित), श्री अरमान खान (उपस्थित), श्री अशरफ अली खान (उपस्थित), श्रीमती ओममणि वर्मा (उपस्थित), श्री कविन्द्र चौधरी (उपस्थित), श्री गणेश चन्द्र (उपस्थित), श्री गुलाम मोहम्मद (उपस्थित), श्री गौरी शंकर वर्मा (उपस्थित), श्री चन्दन चौहान (उपस्थित), श्री चन्द्रपाल सिंह (अनुपस्थित), श्री बाबूलाल (उपस्थित), श्री जय प्रकाश अंचल (उपस्थित), श्री जवाहर लाल राजपूत (उपस्थित), श्री जियाउर्रहमान (अनुपस्थित), श्री जै किशन साहू (उपस्थित), श्री दूधराम (उपस्थित), श्री देवेन्द्र सिंह लोधी (उपस्थित), श्री देवेन्द्र सिंह (अनुपस्थित), श्री पंकज कुमार मलिक (अनुपस्थित), श्री पल्टूराम (उपस्थित), श्री प्रदीप कुमार चौधरी (उपस्थित), श्री प्रदीप कुमार सिंह (उपस्थित), श्री प्रदीप शुक्ला (उपस्थित), श्री प्रभु नारायण सिंह यादव (उपस्थित), श्री प्रसन्न कुमार (उपस्थित), श्री प्रेम नारायण पाण्डेय (उपस्थित), श्री बम्बा लाल (उपस्थित), श्री बावन सिंह (उपस्थित), श्री बेचई सरोज (उपस्थित), श्री बेदी (उपस्थित), श्री मनीष रावत (अनुपस्थित), श्री मनोज कुमार पाण्डेय (उपस्थित), श्री मनोज कुमार पारस (उपस्थित), श्री मूल चन्द सिंह (उपस्थित), श्री मो0 हसन ''रूमी''

(उपस्थित), श्री मौ0 फहीम इरफान (उपस्थित), श्री रमेश जायसवाल (अनुपस्थित), श्री रवि शर्मा (उपस्थित), श्री राजीव तरारा (उपस्थित), श्री राम अचल राजभर (अनुपस्थित), श्री राम अवतार सिंह (उपस्थित), श्री राम रतन कुशवाहा (उपस्थित), श्री लकी यादव (उपस्थित), श्री लक्ष्मीराज सिंह (उपस्थित), श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह (उपस्थित), श्री विनोद चतुर्वेदी (उपस्थित), श्री विपुल दुबे (उपस्थित), श्री विवेक कुमार वर्मा (उपस्थित), श्री विवेकानन्द पाण्डेय (उपस्थित), श्री वीर विक्रम सिंह (उपस्थित), श्री वीरेन्द्र कुमार यादव (उपस्थित), श्री श्याम सुन्दर (उपस्थित), श्री श्रीकान्त कटियार (उपस्थित), श्री संग्राम सिंह (उपस्थित), श्री सन्दीप सिंह (उपस्थित), श्री सौरभ श्रीवास्तव (उपस्थित), श्री स्वामी आउमवेश (उपस्थित), श्री हंसु राम (उपस्थित), श्री हरिओम वर्मा (उपस्थित)।

श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर के अन्तर्गत नगर क्षेत्र के मोहल्ला बशीरगंज में रमेश चन्द्र गुप्ता के मकान से प्रेम नरायण पब्लिक स्कूल तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अखिलेश श्रीवास्तव व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

2-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर के अन्तर्गत नगर क्षेत्र मोहल्ला वजीरबाग में ब्रहम्णीपुरा गाँधी स्कूल के पास सामुदायिक शौचालय का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राहुल रस्तोगी, निवासी जनपद बहराइच की याचिका,

3-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर के अन्तर्गत नगर क्षेत्र मोहल्ला सरस्वती नगर में अजय शर्मा (पत्रकार) के घर से राहुल रस्तोगी के मकान होते हुए शेबेन्द्र श्रीवास्तव के मकान तक सी0सी0 रोड एवं नाली निर्माण के सम्बन्ध में श्री राहुल रस्तोगी, निवासी जनपद बहराइच की याचिका,

4-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर के अन्तर्गत मोहल्ला घसियारीपुरा स्थित अखलेश दुबे के मकान से रामराज राव के मकान तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सरद सिंह, निवासी जनपद बहराइच की याचिका तथा

† छापी नहीं गई।

5-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर के अन्तर्गत मोहल्ला नई बस्ती स्थित बक्शीपुरा समर्पण हास्पिटल से सुधीर श्रीवास्तव के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गौरव तिवारी, निवासी जनपद बहराइच की याचिका।

श्रीमती जय देवी, सदस्य विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित यचिका[†]

श्रीमती जय देवी, सदस्य विधान सभा की जनपद लखनऊ के अन्तर्गत ग्राम माढ़रमऊ कला स्थित चन्द्रलोक कालोनी (वर्तमान में नगर निगम लखनऊ का विस्तारित क्षेत्र) के प्रवेश द्वार से श्रीमती अंशू गुप्ता पत्नी श्री राहुल गुप्ता के मकान तक सीवर लाइन तथा आर0सी0सी0 सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रवि कुमार व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं[†]

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के एन0आर0ई0सी0 महाविद्यालय में एन0सी0सी0 का प्रशिक्षण प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजीव पाठक व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के खुर्जा नगर में कालिन्दीकुंज में बने आँगनबाड़ी केन्द्र में शिक्षण कार्य शुरू कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के ग्राम पंचायत गवां में शमशान घाट बनाये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती डौली त्यागी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के ग्राम पंचायत गवां में शमशान घाट बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री डौली त्यागी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के कालिन्दीकुंज में आंगनबाड़ी केन्द्र में शिक्षण कार्य एवं अन्य व्यवस्थाएं कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

[†] छापी नहीं गईं।

श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं †

श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद शाहजहाँपुर के विधान सभा क्षेत्र तिलहर के अन्तर्गत तिलहर निगोही एवं सिंधौली में खेल मैदान का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेश वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका तथा

2-जनपद शाहजहाँपुर के विधान सभा क्षेत्र तिलहर के अन्तर्गत नगर पंचायत निगोही में 11000 के0वी0 की विद्युत लाइन के विस्थापन के सम्बन्ध में श्री अभिषेक कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका।

डॉ0 रागिनी, सदस्य विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं †

डॉ0 रागिनी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जौनपुर में विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के अन्तर्गत ग्राम दाउदपुर पतुलकी में एन0 एच0-31 से मुस्लिम बस्ती तक सड़क का मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजयनाथ बिन्द व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

2-जनपद जौनपुर में विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के अन्तर्गत ग्राम खाखोपुर में खाखोपुर-करौदा मार्ग से वाया लोहरिका पूरा होते हुए हिकामुद्दीनपुर तक सड़क का मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जयप्रकाश यादव व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

3-जनपद जौनपुर में विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के अन्तर्गत ग्राम चितांव में इण्टर कालेज के बगल से रामचन्दर यादव (अध्यापक) के घर तक सड़क का मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री छोटेलाल यादव व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

श्री सचिन यादव, सदस्य विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री सचिन यादव, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के गांव गनेशपुर नगरिया में मुरारी लाल शर्मा जी के घर से शिव मंदिर तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण (लम्बाई

† छापी नहीं गईं।

लगभग 50 मी0) कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गौरव शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

2-जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के गांव न0 शादी में मुख्य मार्ग से राजकुमार जी के घर तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण कार्य (लम्बाई लगभग 500 मी0) कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजकुमार व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

3-जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के गांव जेडा में नये शहर पुल से बच्चन सिंह जी के घर तक (ल0 लगभग 800 मी0) एवं शिवराज सिंह जी के घर से अनिल जी के घर तक (ल0 लगभग 300 मी0) सी0सी0 मार्गों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री उदयपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

4-जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के गांव केकन में कुमरपाल सिंह पूर्व प्रधान जी के घर से प्राथमिक विद्यालय तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण (ल0 लगभग 200 मी0) कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हेमंत कुमार व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका तथा

5-जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के गांव फतेह से सैटई खोखटी तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण (ल0 लगभग 600 मी0) कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजीव कुमार व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका।

डॉ0 अमित सिंह चौहान, सदस्य विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित 05 याचिकाएं[†]

डॉ0 अमित सिंह चौहान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद अयोध्या के तहसील सोहावल में लोक निर्माण विभाग की सड़क कांटा चौराहा देवराकोट-करेरू-मिझौड़ा मार्ग के चौड़ीकरण/उच्चीकरण के सम्बन्ध में श्री कप्तान सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

2-जनपद अयोध्या के तहसील सोहावल के अन्तर्गत ग्राम लखौरी को जोड़ने वाली एन0 एच0 28 से लखौरी मार्ग का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

3-जनपद अयोध्या के तहसील सोहावल के अन्तर्गत ग्राम सभा सालारपुर स्थित प्राचीन बालापोखर हनुमान मंदिर का सौंदर्यीकरण व नवीनीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री समीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

---

[†] छापी नहीं गईं।

4-जनपद अयोध्या के तहसील सोहावल के अन्तर्गत सनाहा अलीगंज सम्पर्क मार्ग (गन्ना विकास विभाग द्वारा निर्मित) का पुनर्निर्माण/मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ज्वाला प्रसाद विश्वकर्मा व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका तथा

5-जनपद अयोध्या के तहसील सोहावल के अन्तर्गत ग्राम पलिया रिसाली को जोड़ने वाली हनुमत नगर भरतकुण्ड मार्ग से पलिया रिसाली तक पुनर्निर्माण/मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध मे श्री रामकुमार वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका।

डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं[†]

डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र नवाबगंज तहसील नवाबगंज के परेवा कुर्मियान में मेन रोड की पुलिया निर्माण के सम्बन्ध में श्री सोहनलाल एवं अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

2-जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र नवाबगंज तहसील नवाबगंज के ग्राम गुरूगावां से पूरब में बरा-बरौर मार्ग पर सड़क व पुलिया निर्माण के सम्बन्ध में श्री ओमपाल एवं अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

3-जनपद बरेली की तहसील नवाबगंज के अन्तर्गत नवाबगंज बाईपास जय गुरूदेव मार्ग से सुन्दरी मटकापुर तक सड़क मार्ग के चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रेमपाल व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

4-जनपद बरेली की तहसील नवाबगंज के अन्तर्गत नवाबगंज शहरी भाग से कि0मी0 1 से बहोरनगला होते हुए देशनगर मार्ग तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद दिवाकर व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका तथा

5-जनपद बरेली की तहसील नवाबगंज के अन्तर्गत बरौर से समुहा तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नितीश उपाध्याय व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका।

डॉ0 नीरज बोरा, सदस्य विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 02 याचिकाएं[†]

डॉ0 नीरज बोरा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद-लखनऊ के फैजुल्लागंज वार्ड में सीवर लाइन बिछाने के सम्बन्ध में श्री रामदेव सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका तथा

[†] छापी नहीं गईं।

2-जनपद-लखनऊ के फैजुल्लागंज वार्ड में सड़क निर्माण व नालियों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामदेव सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

डॉ0 मुकेश वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

डॉ0 मुकेश वर्मा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम चन्द्रवार में भू-माफियाओं के द्वारा अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती जमुना देवी एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

2-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम पंचायत अब्बासपुर में प्रमोद कुमार पुत्र रामखिलाड़ी के घर से दिलीप कुमार पुत्र राम सिंह के घर तक सी0सी0 निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रमोद एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

3-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम पंचायत अब्बासपुर में जतेन्द्र कुमार पुत्र मुकट सिंह के घर से फीटर तक सी0सी0 निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुकट सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

4-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम सन्दरपुर हरिहा में कल्यानपुर मार्ग से लेकर शिवकुमार के घर तक का नव निर्माण कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री शिव कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका तथा

5-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम पंचायत के उपग्राम नई नगरिया से माँ बेहड़ वाली माता मन्दिर तक सी0सी0 निर्माण कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री डोरी लाल एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका।

डॉ0 विनोद कुमार बिन्द, सदस्य विधान सभा की जनपद मिर्जापुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)†

डॉ0 विनोद कुमार बिन्द, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र मझवां के अन्तर्गत सिन्धोरा घाट गंगा नदी पर पीपा पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सन्तोष कुमार व अन्य निवासीगण जनपद मिर्जापुर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र मझवां के अन्तर्गत लोवर खजुरी बांध में हो रहे रिसाव को रोकने के साथ-साथ लोवर खजुरी बांध को बाड़ सागर परियोजना से जोड़े जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश मौर्या व अन्य निवासीगण जनपद मिर्जापुर की याचिका।

डॉ0 सुनील पटेल, सदस्य विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

डॉ0 सुनील पटेल, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र रोहनियां के अन्तर्गत अदलापुर मार्ग से कण्टीपुर बढैनी कला सरहद से होते हुए बढैनी कला हरिजन बस्ती तक सड़क (लगभग 4000 मी0) के निर्माण के सम्बन्ध में श्री चन्द्रशेखर व अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

2-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र रोहनियां के अन्तर्गत अदलापुर मार्ग से बढ़ैनी कला-बसन्तपुर से महावन (लगभग 4000 मी0) तक सड़क के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामधन वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

3-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र रोहनियां के अन्तर्गत रमना में पिच रोड से लक्ष्मीनारायण के प्लाट तक सड़क (लगभग 1000 मी0) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आनन्द प्रकाश व अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

4-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र रोहनियां के अन्तर्गत कपरफोरवाँ में ज्ञान सरोवर में विद्यालय के पास नहर से सीताराम के दुकान कपरफोरवाँ तिराहा तक नाली (लगभग 2000 मी0) के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल कुमार पटेल व अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका तथा

5-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र रोहनियां के अन्तर्गत सिहोरवाँ में प्राथमिक विद्यालय के मैदान से मोहन पाल के मकान तक नाली (लगभग 1000 मी0) के निर्माण के सम्बन्ध में श्री विरेन्द्र पटेल व अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका।

डॉ0 मंजू शिवाच, सदस्य विधान सभा की जनपद गाजियाबाद से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

डॉ0 मन्जू शिवाच, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद गाजियाबाद के ब्लाक मुरादनगर के अन्तर्गत ग्राम खिदौडा में वृद्ध गौशाला से मुख्य मार्ग तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनेश त्यागी व अन्य निवासीगण जनपद गाजियाबाद की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद गाजियाबाद के ब्लाक भोजपुर के अन्तर्गत ग्राम खंजरपुर में पुराने कन्या हाल को तोड़ने का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री करनवीर व अन्य निवासीगण जनपद गाजियाबाद की याचिका।

श्री राहुल राजपूत उर्फ ''राहुल लोधी'' सदस्य विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री राहुल राजपूत ''राहुल लोधी'' सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचंदपुर के अन्तर्गत वि0 ख0 हरचंदपुर में हरचंदपुर रोड से हनुमान मंदिर (लम्बाई लगभग 200 मी0) तक सी0सी0 रोड और नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में डॉ0 नौशाद व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

2-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचंदपुर के अन्तर्गत वि0 ख0 सतांव के ग्राम कोरिहर से छीट का पुरवा (लम्बाई लगभग 01 किलोमीटर) तक इण्टरलॉकिंग और नाली निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में डॉ0 रामलखन व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

3-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचंदपुर के अन्तर्गत वि0 ख0 हरचंदपुर के ग्राम कनहट में संजय यादव की दुकान से राम देव के खड़न्जा (लम्बाई लगभग 200 मी0) तक इण्टरलॉकिंग और नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नागेन्द्र यादव (गुड्डू) व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

4-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचंदपुर के अन्तर्गत वि0 ख0 सतांव के ग्राम अमवन में हनुमान मंदिर से बाग (लम्बाई लगभग 800 मी0) तक इण्टरलॉकिंग और नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री करन व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका तथा

5-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचंदपुर के अन्तर्गत वि0 ख0 सतांव के ग्राम पुरे दुर्गा मजरे कोरिहर में श्री रामनाथ के घर से श्री नन्कऊ के घर (लम्बाई लगभग 01 किलोमीटर) तक इण्टरलाकिंग और नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामनाथ पासवान व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका।

श्री अखिलेश, सदस्य विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री अखिलेश, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के समेदा-राजभर बस्ती से नहर होते हुए शाहगढ़ समेदा सम्पर्क मार्ग तक लेपन कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री रामचरन राम एवं अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका तथा

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद आजमगढ़ के बड़हलगंज, जहांनागंज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को उच्चीकृत कराने के सम्बन्ध में श्री राधेश्याम भारती निवासी जनपद आजमगढ़ की याचिका।

श्री अताउर्रहमान, सदस्य विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री अताउर्रहमान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र बहेड़ी के अन्तर्गत कस्बा रिछा जहानाबाद रोड से शारदा नहर पुलिया से चुरैली डाम तक मार्ग का लेपन कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भीमसेन व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

2-जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र बहेड़ी के अन्तर्गत ग्राम डंडिया नगला पुलिया से ग्राम भोगपुर तक मार्ग का लेपन कार्य कराए जाने के सम्बन्ध में श्री फूलशाह व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका तथा

3-जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र बहेड़ी के अन्तर्गत कस्बा रिछा में 33 के0वी0ए0 सब-स्टेशन के ट्रान्सफार्मर की क्षमता वृद्धि 5 के0वी0ए0 से बढ़ाकर 10 के0वी0ए0 कराये जाने के सम्बन्ध में श्री इरशाद अली व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका।

श्री अतुल प्रधान, सदस्य विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री अतुल प्रधान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना में फायर स्टेशन बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री ललित कुमार व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

2-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना में स्थित माता मरियम चर्च का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शहजाद मलिक व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

3-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत ग्राम पल्हैड़ा की सीलिंग जमीन खसरा न0-01 पर अवैध रूप से कब्जे को हटवाकर तथा जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में श्री योगेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

4-जनपद मेरठ सहित सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में उ0प्र0 परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस के द्वारा वाहन मालिकों एवं चालकों के साथ होने वाली असुविधा एवं

† छापी नहीं गईं।

कठिनाइयों को दूर करने के सम्बन्ध में श्री आदेश आर्य व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका तथा

5-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र के कस्बा लावड़ में मण्डी निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पिन्टु सैनी व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका।

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, सदस्य विधान सभा की जनपद संतकबीर नगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, सदस्य विधान सभा की भारत के संविधान में अनुसूचित जाति की सूची में सूचीबद्ध मझवार समुदाय को परिभाषित कर उसकी पर्यायवाची जातियों केवट, मल्लाह आदि को मझवार जाति का प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रशांत मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीरनगर की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

श्री अनिल प्रधान, सदस्य विधान सभा की जनपद चित्रकूट से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री अनिल प्रधान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद चित्रकूट के वि0ख0 पहाड़ी के ग्राम पंचायत अशोह में पंडा चौराहा से शिवशरण सिंह के घर तक सी0सी0 रोड एवं नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती मन्टू देवी एवं अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका,

2-जनपद चित्रकूट के वि0ख0 पहाड़ी के ग्राम पंचायत अशोह में नत्थू यादव के घर से सिघानिया तालाब, अशोक श्रमदान से ओमप्रकाश करवरिया के पुरवा, सूरज यादव के घर से उमरी तालाब तक सड़क का डामरीकरण व नव निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्रीमती मन्टू देवी एवं अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका,

3-जनपद चित्रकूट के वि0ख0 पहाड़ी के ग्राम पंचायत सुरवल के किशोर का पुरवा में सीताराम के घर से माफीदार का पुरवा पीपल के पेड़ तक और सुरवल माइनर नई पुलिया से माफीदार का पुरवा प्राइमरी विद्यालय मेन रोड तक सड़क नव निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री राजाराम एवं अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका,

4-जनपद चित्रकूट के वि0ख0 पहाड़ी के ग्राम हसता में बच्चू की चक्की से ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी के घर तक सड़क नव निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी एवं अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गईं।

5-जनपद चित्रकूट वि0ख0 कर्वी के ग्राम पंचायत कौहारी के गंगू पुरवा में रामफल यादव के घर से बरूवा बांध शिवरामपुर सम्पर्क मार्ग तक इंटरलॉकिंग निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रविकरन, निवासी जनपद चित्रकूट की याचिका।

श्री अनिल सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 04 याचिकाएं एवं जनपद लखनऊ से सम्बन्धित एक याचिका†

श्री अनिल सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा अन्तर्गत विकास खण्ड बिछिया के ग्राम पड़री खुर्द में पं0 द्वारिका प्रसाद मिश्र के भवन में लम्बे अर्से से संचालित पुस्तकालय के भवन निर्माण के सम्बन्ध में श्री दीपक त्रिवेदी एवं अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के विकास खण्ड पुरवा अन्तर्गत ग्राम सरसों में आँगनबाणी केंद्र बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री अमित त्रिवेदी एवं अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

3-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के विकास खण्ड हिलौली अन्तर्गत सेंट मैरिज स्कूल, ग्राम मोती खेड़ा से ग्राम सरैयां तक खड़न्जायुक्त अति जर्जर कच्चे मार्ग का नव निर्माण कार्य कराए जाने के सम्बन्ध में श्री अभिषेक सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

4-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के विकास खण्ड बिछिया अन्तर्गत ग्राम नेवरना स्थित प्राचीन बहार देवी धाम का सौंदर्यीकरण/जीर्णोद्धार कार्य कराए जाने के सम्बन्ध में श्री देवेश पाण्डेय एवं अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

5-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर के खरिका वार्ड प्रथम हिमालयन कालोनी देवी खेड़ा में इंटरलाकिंग/सी0सी0 मार्ग बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री ए0के0 तिवारी एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

श्री अमरेश कुमार, सदस्य विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री अमरेश कुमार, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद लखनऊ के द्वारिकापुरी वार्ड (वि0स0क्षे0 सरोजनी नगर) में सड़क निर्माण व नालियों के निर्माण के सम्बन्ध में श्री आनन्द कुमार व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका व्यपगत हुई।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री अरमान खान, सदस्य विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री अरमान खान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र-171, लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत काला पहाड़ शमशान घाट के पास से हबीबपुर मोड़ तक आर0सी0सी0 सड़क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मोहसिन खान व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

2-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र-171, लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत भवानीगंज वार्ड में लोधपुरवा मोहल्ले में सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शशिकांत कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

3-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र-171, लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत मुनेश्वरपुरम बादशाह खेड़ा में सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील कुमार व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

4-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र-171, लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका तथा

5-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र-171, लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विशाल रावत व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

श्री अशरफ अली खान, सदस्य विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री अशरफ अली खान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद-शामली की विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के ग्राम ताना में पुलिया से भारसी वाली पुलिया तक सड़क बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्रभान शर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

2-जनपद-शामली की विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के ग्राम गोमतीपुर मजरा तक सड़क बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री श्रीराम शर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

3-जनपद-शामली की विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के कस्बा जलालाबाद में मेन बाजार में विद्युत लाइन बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री वसीउल्ला खान एवं अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

---

† छापी नहीं गई।

4-जनपद-शामली की विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के ग्राम किरोड़ी के धर्मेन्द्र के घर से प्राथमिक विद्यालय तक सड़क का नवनिर्माण/विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विशाल चौधरी एवं अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका तथा

5-जनपद-शामली की विधान सभा क्षेत्र थानाभवन ऊन रोड रेलवे अण्डरपास ग्राम-खनपुर तक सम्पर्क मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जोगिन्दर एवं अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका।

श्रीमती ओममणी वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद बांदा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्रीमती ओममणी वर्मा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बांदा के ग्राम नीबी बिरोना के मध्य स्थित बरार नाले पर रपटा/छोटा पुल बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री मृगेन्द्र चतुर्वेदी व अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका,

2-जनपद बांदा के कस्बा-अतर्रा में रामलीला मैदान की ओर सी0सी0 रोड बनवाने के सम्बन्ध में श्री राजेश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका,

3-जनपद बांदा के ग्राम-तेराब व महुटा में बागै नदी पर पुल बनवाने के सम्बन्ध में श्री उमाकान्त मिश्र व अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका,

4-जनपद बांदा के कस्बा-अतर्रा में रेलवे स्टेशन मार्ग में सी0सी0 रोड बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री वेद निराला व अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका तथा

5-जनपद बांदा के ग्राम पंचायत सिंहपुर में राजकीय इण्टर कालेज की स्थापना के सम्बन्ध में श्री नीरज अनुरागी व अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका।

श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद-बस्ती, तहसील-हरैया, विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अर्न्तगत छोटी निपनिया चौराहे से राजेन्द्र चौधरी के घर तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री राजेन्द्र चौधरी, निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद-बस्ती, तहसील-हरैया, विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत पैकोलिया शिवाघाट मार्ग से सुजिया कुर्दा मार्ग तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री गुड्डू खान, निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

3-जनपद-बस्ती, तहसील-हरैया, विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत ग्राम कोदई मार्ग के बन्धे से समीर चौधरी के घर तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री समीर चौधरी, निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

4-जनपद-बस्ती, तहसील-हरैया, विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के बेलवरिया जंगल मार्ग से माझामानपुर मार्ग तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में डॉ0 वीरेन्द्र यादव, निवासी जनपद बस्ती की याचिका तथा

5-जनपद-बस्ती, तहसील-हरैया, विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत जलेबीगंज मार्ग से कुर्दा मार्ग तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री दीपांकर गौतम, निवासी जनपद बस्ती की याचिका।

श्री गणेश चन्द्र, सदस्य विधान सभा की जनपद सन्तकबीर नगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं[†]

श्री गणेश चन्द्र, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद सन्तकबीर नगर के विधान सभा क्षेत्र घनघटा ग्राम पानाराम से दंवकलां तक मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अतुल कुमार व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीर नगर की याचिका,

2-जनपद सन्तकबीर नगर के विधान सभा क्षेत्र घनघटा में ग्राम पंचायत बड़गो बजवारी गांव में स्थित प्राचीन शिव मंदिर का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीर नगर की याचिका,

3-जनपद सन्तकबीर नगर के विधान सभा क्षेत्र घनघटा में ग्राम मुखलिसपुर के जर्जर बस स्टैण्ड का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवम व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीर नगर की याचिका,

4-जनपद सन्तकबीर नगर के विधान सभा क्षेत्र घनघटा मार्ग में पीपा पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रशांत व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीर नगर की याचिका तथा

5-जनपद सन्तकबीर नगर के विधान सभा क्षेत्र घनघटा में ग्राम नाथनगर के जर्जर पशु चिकित्सालय भवन का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शुभम व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीर नगर की याचिका।

[†] छापी नहीं गईं।

श्री गुलाम मोहम्मद, सदस्य विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री गुलाम मोहम्मद, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद मेरठ के विकास खण्ड-सरूरपुर की ग्राम पंचायत खिर्वा में एक राजकीय महिला इण्टर कालेज बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री वाहिद एवं अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

2-जनपद मेरठ के विकास खण्ड-सरूरपुर की ग्राम पंचायत खिर्वा में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री मुजम्मिल एवं अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका तथा

3-जनपद मेरठ के विकास खण्ड-सरूरपुर की ग्राम पंचायत दबथुआ में कबड्डी खेल के लिए आधुनिक सुविधाए दिये जाने के सम्बन्ध में श्री सुन्दर कश्यप एवं अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका।

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जालौन के उरई विकास खण्ड में एक अतिरिक्त क्षेत्राधिकारी कार्यालय की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अभय प्रताप सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

2-जनपद जालौन के उरई विकास खण्ड में जालौन नगर में देवनगर चौराहे पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा लगाये जाने के सम्बन्ध में श्री गौरव गुर्जर एवं अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

3-जनपद जालौन के उरई विकास खण्ड क्षेत्र में जालौन नगर में फौजी पड़ाव पर केन्द्र सरकार द्वारा सैनिक स्कूल की स्थापना के सम्बन्ध में श्री उपेन्द्र गुर्जर निवासी जनपद जालौन की याचिका,

4-जनपद जालौन के उरई विकास खण्ड क्षेत्र में जालौन नगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का उच्चीकरण, अल्ट्रासाउण्ड, बर्न डिपार्टमेंट एवं आकस्मिक उपचार हेतु आक्सीजन प्लांट की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामचन्द्र गुप्ता निवासी जनपद जालौन की याचिका तथा

† छापी नहीं गईं।

5-जनपद जालौन के उरई विधान सभा क्षेत्र में जालौन नगर में निर्माणाधीन बस स्टैण्ड (रोडवेज) को जल्द पूर्ण कराये जाने तथा संचालन शुरू कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजीव मोहन मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका।

श्री चन्दन चौहान, सदस्य विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित

05 याचिकाएं†

श्री चन्दन चौहान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद-मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र-16, मीरापुर, ग्राम-रहडवा वि0ख0-जानसठ सुरेश के घर से बरात घर तक खड़न्जे मार्ग का सी0सी0 निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक प्रधान एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

2-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र-16, मीरापुर, के ग्राम-बेलडा से अथाई तक मार्ग की मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रभात तोमर एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

3-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र-16, मीरापुर, के ग्राम-रामराज से फरीदपुर तक मार्ग का मरम्मत/चौड़ीकरण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जसप्रीत प्रधान एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

4-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र-16, मीरापुर, के ग्राम-हंसावले से फरीदपुर तक क्षतिग्रस्त सड़क का चौड़ीकरण/नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मदन प्रधान एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका तथा

5-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र 16, मीरापुर के ग्राम-मोरना भोपा रोड से ग्राम तिस्सा तक क्षतिग्रस्त सड़क का चौड़ीकरण/मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नवेद एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका।

श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित

05 याचिकायें (व्यपगत)†

श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लाक दानपुर के अन्तर्गत गोविन्दपुर-अतरौली स्टेशन लिंक मार्ग से ग्राम विलौनी तक सड़क नव निर्माण के सम्बन्ध में श्री महीपाल व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लाक दानपुर के अन्तर्गत ग्राम भमरौआ से जमनपुर (बम्बे की पटरी) सम्पर्क मार्ग के नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कृष्ण लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लाक दानपुर के अन्तर्गत ग्राम चौगानपुर में हरप्रसाद के ट्यूबवेल से दानपुर राजकीय फॉर्म तक सड़क का नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नेमसिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लाक दानपुर के अन्तर्गत ग्राम भमरौआ से खेड़िया-बरेना लिंक मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीनेश लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लाक दानपुर के अन्तर्गत धर्मपुर रोड से ग्राम गोविन्दपुर तक सड़क का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीनेश लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री बाबूलाल, सदस्य विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री चौधरी बाबूलाल, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद आगरा के ब्लाक फतेहपुर सीकरी के अन्तर्गत ग्राम महदऊ से ग्राम नगलाढीमर तक पक्की सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका,

2-जनपद आगरा के ब्लाक फतेहपुर सीकरी के अन्तर्गत फतेहपुर सीकरी राजवाह से निकलने वाली जहानपुर गूल को औलेडा ग्राम तक बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में श्री रामबाबू शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका,

3-जनपद आगरा के ब्लाक फतेहपुर सीकरी के अन्तर्गत ग्राम जतौना से मन्दिर तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हिम्मत सिंह प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका,

4-जनपद आगरा के ब्लाक फतेहपुर सीकरी के अन्तर्गत ग्राम कठौरा से ग्राम दौलतावाद तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री छत्तर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका तथा

† छापी नहीं गईं।

5-जनपद आगरा के ब्लाक फतेहपुर सीकरी के अन्तर्गत फतेहपुर सीकरी राजवाह से निकलने वाली मड़ौली माइनर को डाबर ग्राम तक बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में श्री धर्मवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका।

श्री जय प्रकाश चंचल, सदस्य विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत श्रीनगर-दलछपरा मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश वर्मा, निवासी जनपद बलिया की याचिका,

2-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के सोनबरसा में नव निर्मित 100 बेड अस्पताल को जनहित में अतिशीघ्र चालू कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दशरथ यादव, निवासी जनपद बलिया की याचिका,

3-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत मानगढ़ पी0एम0जी0एस0वाई0 मार्ग से गोपालनगर पंचायत भवन तक जर्जर मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राज प्रताप यादव, निवासी जनपद बलिया की याचिका,

4-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत दल-छपरा-रामपुर कोड़रहा बिहार बार्डर मार्ग का उच्चीकरण एवं चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्रशेखर यादव, निवासी जनपद बलिया की याचिका तथा

5-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत दत्तहा दिमागी चट्टी से नूरपुर रेखहां पी0एम0जी0एस0वाई0 मार्ग तक विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महाबीर चौधरी, निवासी जनपद बलिया की याचिका।

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित 03 याचिकाएं तथा जनपद खीरी, जनपद लखनऊ से सम्बन्धित एक-एक याचिका †

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद झाँसी, गरौठा विधान सभा क्षेत्र में मोठ नगर में अन्त्येष्टि स्थल बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री कपिल मुदगिल एवं अन्य निवासीगण जनपद झाँसी की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद झाँसी के गरौठा नगर में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में श्री हरीश व्यास एवं अन्य निवासीगण जनपद झाँसी की याचिका,

3-जनपद झांसी की गुरसराय मुख्य नहर का चौड़ीकरण व गहरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अखिलेश तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका,

4-जनपद खीरी के ग्राम फूलबेहड़, परगना श्रीनगर, जनपद लखीमपुर खीरी की गाटा संख्या 2100 मि0/0.348 हैक्टेयर पट्टे की भूमि पर कब्जा दिलाये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका तथा

5-जनपद लखनऊ के सुपीरियर फील्ड वर्कर एवं कीट संग्रहकर्ता संवर्ग के कर्मचारियों को समूह-ग का दर्जा प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में श्री रवि शंकर चौहान व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

श्री जियाउर्रहमान, सदस्य विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री जियाउर्रहमान, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी के अन्तर्गत ब्लाक मुडापाण्डेय में ग्राम करनपुर से सिहगन खेड़ा मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आसिफ व अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका,

2-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी के अन्तर्गत ब्लाक मुडापाण्डेय में ग्राम बीरपुर थान में बिजली के तारों को बदलवाये जाने के सम्बन्ध में श्री रीयाजुल व अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका,

3-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी के अन्तर्गत ग्राम मचघरिया से रौडा मार्ग तक सड़क मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रियाजुल व अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका तथा

4-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी के अन्तर्गत ग्राम डिमरपुर से कुन्द्ररकी मार्ग तक सड़क मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जियाउल हसन व अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका।

श्री जै किशन साहू, सदस्य विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री जै किशन साहू, सदस्य विधान सभा की जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र सदर गाजीपुर के अन्तर्गत चोचकपुर-धरम्मरपुर चट्टी से गंगापुल (लगभग 03 किमी0) तक क्षतिग्रस्त मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में डॉ0 अवधेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री दुधराम, सदस्य विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री दुधराम, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र महादेवा के अन्तर्गत विकास खण्ड बस्ती सदर में जमराव से कुम्हीयां मचल कहांर के घर से सिकरा हकीम तक मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री फूलचन्द्र श्रीवास्तव व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका तथा

2-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र महादेवा के अन्तर्गत विकास खण्ड बस्ती सदर में जमराव से कुम्हीयां मचल कहांर के घर से सिकरा हकीम तक मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री असरफ व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका।

श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र स्याना, ग्राम कमालपुर में बम्बे के पुल गंगासरन के मकान से बनी सिंह की बैठक तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री तारा प्रधान जी एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र स्याना, ग्राम शेखूपुरा में भीम के मकान से सुरेन्द्र के मकान तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सचिन कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

3-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र स्याना, ग्राम नगला आलमपुर में रानी अवन्ती बाई लोधी पार्क से शिव मन्दिर तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री योगेन्द्र लोधी एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री देवेन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री देवेन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र कासगंज सदर के अन्तर्गत ग्राम मोहनी में लोक निर्माण विभाग से सी0सी0 रोड कार्य कराया गया था, वही आबादी क्षेत्र में टूटा हुआ शेष भाग में लोक निर्माण विभाग से सी0सी0 रोड कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सियाराम, निवासी जनपद कासगंज की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र कासगंज सदर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोहनी के मजरा नगला भीम में लोक निर्माण विभाग से सी0सी0 रोड का कार्य कराया गया था, वहीं आबादी क्षेत्र में टूटा हुआ शेष भाग में लोक निर्माण विभाग से सी0सी0 रोड के निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मदन लाल व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका,

3-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र कासगंज सदर के अन्तर्गत ग्राम नगला नन्दे में लोक निर्माण विभाग से सी0सी0 कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका,

4-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र कासगंज सदर के अन्तर्गत नदरई पुल की दोनों नहरों के पुल के बीच में डामर रोड की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लालता प्रसाद व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका तथा

5-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र कासगंज सदर के अन्तर्गत नदरई पुल के पास एक्वाडक्ट पर सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लालता प्रसाद व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका।

श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत) †

श्री पंकज मलिक, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र चरथावाल अन्तर्गत बघरा-हरसौली-माण्डी मार्ग के 10 किलोमीटर में लघु सेतु के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कविन्दर एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

2-जनपद मुजफ्फरनगर के ग्राम सोहजनी जाटान ब्लाक बघरा में मुजफ्फरनगर-शामली मार्ग से सोहजनी जाटान तक सड़क के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में श्री सचिन पुण्डीर व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

3-जनपद मुजफ्फरनगर के ग्राम छतेला ब्लाक बघरा में पानीपत खटोमा मार्ग से छतेला सड़क मार्ग (ल0 लगभग 3.6 किमी0) को बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री आलम व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

4-जनपद मुजफ्फरनगर के ग्राम तरपड़ी ब्लाक बघरा में बघरा से अलीपुर खुर्द (तरपड़ी होते हुए बुढ़ीनाखुर्द मार्ग) सड़क मार्ग (ल0 लगभग 2.65 किमी0) बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री जनेश्वर त्यागी व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका तथा

† छापी नहीं गईं।

5-जनपद मुजफ्फरनगर के ग्राम चरथावल से कुटेसरा मार्ग (ल0 लगभग 5 किमी0) को बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय त्यागी व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका।

श्री पल्टूराम, सदस्य विधान सभा की जनपद बलरामपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री पल्टूराम, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बलरामपुर की तहसील बलरामपुर सदर के अन्तर्गत रेहार-सोनार (ओ0डी0आर0) मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका,

2-जनपद बलरामपुर की तहसील बलरामपुर के अन्तर्गत नगर क्षेत्र में भगौतीगंज दक्षिणी वार्ड में मुरारीलाल शम्भू लाल के घर से बिट्टी सिंह के घर होते हुए आदर्श संस्कृत विद्यालय मेन रोड तक सी0सी0 निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अतुल गौरव व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका,

3-जनपद बलरामपुर की तहसील बलरामपुर सदर के अन्तर्गत बालपुर-तिलकपुर (ओ0डी0आर0) मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुक्ता तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका,

4-जनपद बलरामपुर की तहसील बलरामपुर सदर के अन्तर्गत कोयलरा बैजपुर-कल्ला भट्टा (ओ0डी0आर0) मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राज किशोर व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका तथा

5-जनपद बलरामपुर की तहसील बलरामपुर सदर के अन्तर्गत रामपुर-खगईजोत (ओ0डी0आर0) मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अपूर्व प्रताप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका।

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बुलन्दशहर के सदर विधान सभा क्षेत्र-65 के अन्तर्गत ग्राम ऐतमादसराय में रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में श्री माजिद अली व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद बुलन्दशहर के सदर विधान सभा क्षेत्र-65 के अन्तर्गत ग्राम काहिरा में रास्ता के निर्माण के सम्बन्ध में श्री ओमप्रकाश एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर के सदर विधान सभा क्षेत्र-65 के अन्तर्गत ग्राम जौलीगढ़ में रास्ता के निर्माण के सम्बन्ध में श्री लाला एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर के सदर विधान सभा क्षेत्र-65 के अन्तर्गत ग्राम अच्छेजाघाट में रास्ता के निर्माण के सम्बन्ध में श्री कृष्णपाल एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र बुलन्दशहर सदर के अन्तर्गत ग्राम काजीपुरा में काली सड़क से चामुडा वाली गली तक सड़क (लगभग 100 मी0) निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रमेश व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद जौनपुर व जनपद बांदा से सम्बन्धित एक-एक याचिका†

श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जौनपुर, वि0ख0-मछलीशहर, ग्राम-तिलोरा में ट्रांसफार्मर से होकर श्री विमल राव के घर तक सी0सी0 सड़क एवं दोनों ओर नाली निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विमल राव एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

2-जनपद-बांदा के विकास खण्ड-बड़ोखर के ग्राम-कनवारा में सन्तोष विश्वकर्मा के घर से गंगा बाबा नाली तक लगभग 300 मी0 अधूरी पड़ी कच्ची नहर पटरी का डामरीकरण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती रामदेवी व अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका।

श्री प्रदीप शुक्ला, सदस्य विधान सभा की जनपद गोरखपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री प्रदीप शुक्ला, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद गोरखपुर के पाली ब्लाक अन्तर्गत पीपे का कटका पुल को पक्का पुल निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में श्री धर्मराज गौड़ व अन्य निवासीगण जनपद गोरखपुर की याचिका,

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद गोरखपुर के विकास खण्ड-सहजनवा के अन्तर्गत एन0एच0-28 कालेसर 0 प्वाइंट सहजनवा चौराहा होते हुए भीटी रावत चौराहे तक ओवर ब्रिज के निर्माण के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद गोरखपुर की याचिका,

3-जनपद गोरखपुर के पाली ब्लाक में राप्ती नदी पर सुरगहना ग्राम में पक्का पुल निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में श्री शशि प्रताप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोरखपुर की याचिका,

4-जनपद गोरखपुर के सहजनवा ब्लाक के अन्तर्गत गहासाड क्रासिंग से पीपा पुल तक रोड निर्माण के सम्बन्ध में श्री मनोज जायसवाल व अन्य निवासीगण जनपद गोरखपुर की याचिका तथा

5-जनपद गोरखपुर के पिपरौली ब्लाक में उत्तरी कलोया से दक्षिण कलोया जोड़ने के लिये पीपा का पुल निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में श्री रवि प्रताप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोरखपुर की याचिका।

श्री प्रभु नारायण सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका†

श्री प्रभु नारायण सिंह यादव, सदस्य विधान सभा की जनपद लखनऊ, तहसील सरोजनी नगर अन्तर्गत नाई टोला चन्द्र विहार खरिका तेलीबाग में रोड व सीवर लाइन बनवाने के सन्दर्भ में श्रीमती सुशीला सिंह व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद शामली के विकास खण्ड कांधला के ग्राम गढ़ीदौलत में डुढार पुल से मतलू प्रधान के खेत तक लगभग 3 किमी0 मार्ग का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हम्माद व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

2-जनपद शामली के विकास खण्ड शामली के ग्राम कांबडौत से भिक्का माजरा, खेडी पट्टी वाया बहावडी होते हुए भाज्जू मार्ग का नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बीर सिंह मलिक व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

3-जनपद शामली के विकास खण्ड शामली के ग्राम रसूलपुर गुजरान से सल्फा मार्ग पर नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जसबीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

4-जनपद शामली के विकास खण्ड शामली में ग्राम रसूलपुर गुजरान से झाल मार्ग पर नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जसबीर व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका तथा

5-जनपद शामली के कस्बा शामली में नगर पालिका परिषद् के द्वारा किये गए विगत पांच वर्षों के कार्यकाल के दौरान बिना विकास कार्य कराये गलत तरीके से पैसे का दुरुपयोग करने के सम्बन्ध में श्री तुषार चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका।

श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत अत्याधिक आवागमन वाला मार्ग तरबगंज, करनीपुर, रानीपुर, चौबेपुर सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अश्वनी मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

2-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के विकास खण्ड बेलसर के अन्तर्गत जबरनगर तिवारीपुरवा के सामने गढ़ी माझा नाले पर सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध मे श्री वैभव सिंह प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

3-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के विकास खण्ड तरबगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रागी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की बाउण्ड्री एवं सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रूद्रपाल पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

4-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के विकास खण्ड तरबगंज असरथ शीशव सम्पर्क मार्ग में कुदराह नाला पर लघु सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामधोख मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका तथा

5-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के विकास खण्ड वजीरगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत हरिहरपुर में सिरसा सरहद खैरगाड़ा-हरिहरपुर पंडित हाता के मध्य सेतु निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनुज शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका।

श्री बम्बा लाल, सदस्य विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री बम्बा लाल, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा बीजीमऊ के मजरा चम्पाखेडा में माइनर से अजय के घर तक सी0सी0 रोड के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मखदूमनगर में सरकारी ट्यूबवेल स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिव बरन व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

3-जनपद उन्नाव के ग्राम पंचायत अम्बहरा के मजरा जगदीशपुर में जर्जर तार बदलवाने के सम्बन्ध में श्री प्रवीन कुमार प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

4-ग्राम्य विकास विभाग के मनरेगा निधि से राजकीय हाई स्कूल रायपुरगढ़ी की बाउण्ड्रीवाल के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सज्जन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

5-जनपद उन्नाव के वि0ख0 सफीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा बीजीमऊ के मजरा मिट्टू खेड़ा में सी0सी0 रोड का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में श्री अमर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

श्री बावन सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित याचिका †

श्री बावन सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद गोण्डा के ब्लाक रूपईडीह के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कोचवाँ के ग्राम जयरामपुरवा प्रा0 स्कूल के पीछे लक्ष्मणपुरवा होते हुए भैरमपुर सम्पर्क मार्ग को जोड़े जाने के सम्बन्ध में श्री ललित कुमार व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

श्री बेचई सरोज, सदस्य विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री बेचई सरोज, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद आजमगढ़ की विकास खण्ड लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा अगेहता पिच रोड से सिकरौरी सांई बाबा मंदिर तक 03 किमी0 तक कच्चे मार्ग पर डामर रोड बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक कन्नौजिया व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका,

2-जनपद आजमगढ़ की विकास खण्ड लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा मरहती में श्री नन्दलाल यादव के घर से भट्ठा होते हुए श्री पन्ना लाल मौर्या के चक तक 01 किमी0 तक कच्चे मार्ग को डामर रोड बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री रामलखन यादव व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका तथा

3-जनपद आजमगढ़ के विकास खण्ड लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा दौना शहरी बन्दा पुल से हटिया पोखरा होते हुए बनारपुर तिराहा तक 02 किमी0 तक

† छापी नहीं गईं।

कच्चे मार्ग पर डामर रोड बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री गुलसाद अन्सारी व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका।

श्री बेदी, सदस्य विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री बेदी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद गाजीपुर के विकास खण्ड जखनियां में बालिका इण्टर कालेज बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय कुमार व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

2-जनपद गाजीपुर के विकास खण्ड जखनियां के अन्तर्गत ग्राम धामूपुर में शहीद वीर अब्दुल हमीद पार्क का सुन्दरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गरीब व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

3-जनपद गाजीपुर के विकास खण्ड मनिहारी के अन्तर्गत ग्राम सुरहुपुर में विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामसनेही राजभर व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका तथा

4-जनपद गाजीपुर के विकास खण्ड जखनियां में ट्रामा सेण्टर बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री कमलेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका।

श्री मनीष रावत, सदस्य विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 01 याचिका एवं जनपद सीतापुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री मनीष रावत, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद लखनऊ, पिंक सिटी, मिर्जापुर बख्शी का तालाब जानकीपुरम् में श्री प्रकाश मिश्रा के घर से श्री शशांक सिंह के घर तक नाली व सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय कुमार वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

2-जनपद सीतापुर, विधान सभा क्षेत्र सिधौली के ग्राम सरांय में खरतोहना मार्ग पर पक्की पुलिया बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद सीतापुर की याचिका तथा

3-जनपद सीतापुर में महाराज छीता पासी के किले का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद सीतापुर की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद रायबरेली की विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के अन्तर्गत ग्राम रसूलपुर धरावॉ बस्ती से अन्दर तक लगभग 500 मी0 सड़क मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पप्पू सिंह, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

2-जनपद रायबरेली की विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खलीलपुर में मुराई का बाग से सलोन रोड दीनगंज तक लम्बाई लगभग 1.5 किमी0 सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पप्पू सिंह, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

3-जनपद रायबरेली की विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के अन्तर्गत ग्राम कमाजपुर से रसूलपुर तक एवं हनुमानगंज से बीबी का पुरवा तक सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुन्ना लाल यादव, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका तथा

4-जनपद रायबरेली की विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पूरवगांव के गाटा संख्या-203/0.54 हेक्टेयर की भूमि पर अवैध कब्जे की नीयत से कराये जा रहे निर्माण को रुकवाने एवं तालाब की भूमि प्रशासन द्वारा खुदवाने के सम्बन्ध में श्रीमती जुबेदा, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका।

श्री मनोज कुमार पारस, सदस्य विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री मनोज कुमार पारस, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना के ब्लॉक किरतपुर के अन्तर्गत ग्राम भनेडा जू0 हाई स्कूल के उच्चीकरण कराने के सम्बन्ध में श्री सुनील कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

2-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना के ब्लॉक किरतपुर के अन्तर्गत ग्राम मुबारकपुर खोसा उर्फ खुशियाकी जू0 हाई स्कूल के उच्चीकरण कराने के सम्बन्ध में श्री अशवाक बेग एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

3-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना में राजकीय कन्या इण्टर कालेज खोले जाने के सम्बन्ध में श्री काजी शहजाद एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

4-जनपद बिजनौर के ग्राम अकबराबाद में ट्रामा सेन्टर बनवाने के सम्बन्ध में मौ0 आकिल अहमद एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका तथा

5-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना के ब्लॉक किरतपुर के ग्राम श्यामपुर से मिर्जापुर के बीच पीरखला नदी पर आर0सी0सी0 बॉक्स कल्वर्ट पुल बनवाने के सम्बन्ध में श्री विकास कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका।

श्री मूलचन्द सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं[†]

श्री मूलचन्द सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र माधौगढ़ के अन्तर्गत कोंच नगर के नवीन बस्ती में विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील लोहिया व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

2-जनपद जालौन के तहसील कोंच के अन्तर्गत ग्राम सामी में 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री योगेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

3-जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र माधौगढ़ के अन्तर्गत उमरी नगर पंचायत में 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेंद्र बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपू सेंगर व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

4-जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र माधौगढ़ के अन्तर्गत रामपुरा से टीहर होकर मोहन तक मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराए जाने के सम्बन्ध में श्री संतोष प्रजापति व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका तथा

5-जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र माधौगढ़ के अन्तर्गत ग्राम गोपालपुरा में 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेंद्र बनवाए जाने के सम्बन्ध में श्री वीरू राजावत व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका।

[†] छापी नहीं गईं।

श्री मो0 हसन 'रूमी', सदस्य विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित

05 याचिकाएं †

श्री मो0 हसन 'रूमी', सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-कानपुर नगर के अन्तर्गत नई चुंगी स्थित चौराहे पर गंगा-जमुनी तहजीब के चिन्ह के रूप में स्मृति द्वार का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में हाजी अबरार व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

2-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र-216, छावनी के अन्तर्गत वार्ड सं0-102, बेगमपुरवा व अजीतगंज चाचा नेहरू पार्क में नये नलकूप लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री अकील शानू व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

3-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र-216, छावनी के अन्तर्गत वार्ड सं0-73 में अशर्फाबाद एवं जाजमऊ में ए0के0आई0 वाली गली व वार्ड सं0-29 में ओमपुरवा में हरियाणा दाल मिल के पास व चारजील के पास सीवर लाइन का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजमत मंजूर व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

4-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र-216, छावनी के अन्तर्गत वार्ड सं0-74 में भगवन टटिया व कतिपय क्षेत्रों में सड़कों का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वरूण यादव व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका तथा

5-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र-216, छावनी के अन्तर्गत वार्ड सं0-102, 105, 80, 36 में सीवर लाइन का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अकील शानू व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका।

श्री मौ0 फहीम इरफान, सदस्य विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित

05 याचिकाएं†

श्री मौ0 फहीम इरफान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जिला मुरादाबाद की तहसील बिलारी के नगर बिलारी में स्थित मंदिर पौड़ाखेड़ा को पर्यटन स्थल घोषित किये जाने के सम्बन्ध में श्री चिराग अग्रवाल, निवासी जिला मुरादाबाद की याचिका,

2-जिला मुरादाबाद की तहसील बिलारी व बिलारी विधान सभा क्षेत्र में ग्राम गाजीपुर में शमीम पुत्र जाहिद के मकान से मुशाहिद के मकान तक सड़क

† छापी नहीं गईं।

(लगभग 200 मी0) बनाने के सम्बन्ध में श्री रिजवान पुत्र छिद्दा, निवासी जिला मुरादाबाद की याचिका,

3-जिला मुरादाबाद की तहसील बिलारी व बिलारी विधान सभा क्षेत्र में ग्राम सिहाली माला से समाथल ज्यातरत होते हुए नया गांव तक सड़क (2 किमी0) बनाने के सम्बन्ध में श्री सौरभ यादव पुत्र अजीत सिंह, निवासी जिला मुरादाबाद की याचिका,

4-जिला मुरादाबाद की तहसील बिलारी व बिलारी विधान सभा क्षेत्र में ग्राम झकड़ा से ग्राम पैगारफातपुर तक सड़क (लगभग 1.0 किमी0) बनाने के सम्बन्ध में श्री भानूप्रताप यादव पुत्र चंपत सिंह यादव, निवासी जिला मुरादाबाद की याचिका तथा

5-जिला मुरादाबाद की तहसील बिलारी व बिलारी विधान सभा क्षेत्र में ग्राम उदरनपुर चक उर्फ बीरमपुर में अतीक पुत्र इतवारी के मकान से मुनब्बर पुत्र मंगू के मकान तक सड़क (186 फिट) बनाने के सम्बन्ध में श्री निसार पुत्र शराफत हुसैन, निवासी जिला मुरादाबाद की याचिका।

श्री रमेश जायसवाल, सदस्य विधान सभा की जनपद चन्दौली से सम्बन्धित

05 याचिकाएं (व्यपगत)[†]

श्री रमेश जायसवाल, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम सभा अमोघपुर में चकिया मेन रोड से श्यामलाल बिन्द के मकान से होते हुए ओ0पी0 दयाल के मकान तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बब्बन सिंह चौहान व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

2-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम पंचायत ताहिरपुर कन्हैया साहनी के मकान से सेवालाल पटेल के मकान तक सी0सी0 रोड व सीवर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गंगा राम साहनी व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

3-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम सभा गोपालपुर में आबिद हुसैन के मकान से मिर्जापुर बार्डर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मेराज अहमद व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

4-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम पंचायत बरहुली में गुलाब बिन्द के मकान से काली माता के मन्दिर होते हुए सम्पर्क मार्ग श्यामनन्दन के मकान तक इण्टरलॉकिंग व साइडवाल व नाली के निर्माण के सम्बन्ध में श्री विनोद कुमार व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका तथा

[†] छापी नहीं गईं।

5-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम सभा छिमयां में अशोक भारती के मकान, शिव मन्दिर व रमेश पासवान के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बब्बन सिंह चौहान व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका।

श्री रवि शर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित 04 याचिकाएं †

श्री रवि शर्मा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद झाँसी महानगर के वार्ड नं0-32, मोहल्ला महाराणा प्रताप नगर, पिछोर, गुमनावारा में सड़क एवं नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दयाशंकर अहिरवार एवं अन्य निवासीगण जनपद झाँसी की याचिका,

2-जनपद झाँसी महानगर के वार्ड नं0-31, अयोध्यापुरी कालोनी के ब्लाक-ए में सड़क एवं नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हेमन्त कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद झाँसी की याचिका,

3-जनपद झाँसी महानगर के वार्ड नं0-9, हंसारी के पुष्पा कान्वेण्ट स्कूल के पीछे सड़क एवं नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रमोद एवं अन्य निवासीगण जनपद झाँसी की याचिका तथा

4-जनपद झाँसी महानगर के वार्ड नं0-50, महेन्द्रपुरी कालोनी में सड़क एवं नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद झाँसी की याचिका।

श्री राजीव तरारा, सदस्य विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री राजीव तरारा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद अमरोहा के तहसील एवं विकास खण्ड-धनौरा में सरकारी भूमि पर हाई स्कूल तक स्कूल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धर्मवीर सिंह भाटी व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका,

2-जनपद अमरोहा के तहसील एवं विकास खण्ड-धनौरा के अन्तर्गत डॉ0 अम्बेडकर पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुनगढ़ माफी को शेरपुर रोड से गांव सुनगढ़ माफी तक पक्की सड़क बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री नन्हें सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

3-जनपद अमरोहा के ग्राम पंचायत शहजादपुर, ब्लाक धनौरा के अन्तर्गत ग्राम ताजपुर कल्लू में राजेन्द्र के मकान से चामुन्दा तालाब तक नाली व सी0सी0 या इण्टरलॉकिंग निर्माण के सम्बन्ध में श्री जितेन्द्र एवं अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका,

4-जनपद अमरोहा के ब्लाक धनौरा के अन्तर्गत ग्राम नीलीखेड़ी से चुचौला कला तक क्षतिग्रस्त हो चुकी सड़क व पक्की नाली निर्माण के सम्बन्ध में श्री समरपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका तथा

5-जनपद अमरोहा के तहसील एवं विकास खण्ड-धनौरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अहरौला माफी के ग्राम अहरौला माफी में सागर जाटव के घर से सोविन्द के घर तक एवं भूपेन्द्र के घर से मेन रोड तक रोड की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नवीन कुमार व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका।

श्री राम अचल राजभर, सदस्य विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत) †

श्री राम अचल राजभर, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर अन्तर्गत स्थित ग्राम सभा जोगापुर प्रधानमंत्री सड़क से सुरेश पाठक के घर तक जर्जर/क्षतिग्रस्त मार्ग के मरम्मत के सम्बन्ध में श्री जय प्रकाश व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

2-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर अन्तर्गत स्थित ग्राम सभा भगवानपुर जयराम के खेत से रामसेवक के घर तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुखराम राजभर व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

3-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर अन्तर्गत स्थित शिवराजपुर पिचमार्ग से अहलादे तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग की मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दर्शन भारती व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

4-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर अन्तर्गत स्थित ग्राम सभा मुसेपुर गिरण्ट बुढवा बाबा स्थान से राजभर बस्ती तक जर्जर सम्पर्क मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मदन लाल यादव व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गईं।

5-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर अन्तर्गत स्थित प्रा0वि0 डल्ला निजामपुर मन बहाल पाण्डेय के खेत से ग्राम सभा मानशाहपुर दलित बस्ती तक जर्जर सम्पर्क मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दिनेश राव व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका।

श्री राम अवतार सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री राम अवतार सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत ग्राम छजलैट मार्ग से रामपुर बिडरा मार्ग (लम्बाई लगभग 04 किमी0) तक मार्ग का मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नसीम व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

2-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत ग्राम रामखेड़ा से डेहरा नहर के पुल (लम्बाई 1.75 किमी0) तक मार्ग का मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय पाल चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

3-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत ग्राम खानपुर नहर के पुल से डेहरा बुलन्दी मार्ग (लम्बाई लगभग 1.2 किमी0) तक रोड की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

4-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत सहसपुर किवाड मार्ग से शेरपुर मजरा मार्ग (लम्बाई लगभग 2.35 किमी0) रोड की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महीपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका तथा

5-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत मकसूदपुर से कोला सागर मार्ग (लम्बाई लगभग 02 किमी0) तक रोड की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नसीम अहमद व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका।

श्री राम रतन कुशवाहा, सदस्य विधान सभा की जनपद ललितपुर से सम्बन्धित याचिका †

श्री रामरतन कुशवाहा, सदस्य विधान सभा की जनपद ललितपुर विकास खण्ड-जखौरा के ग्राम जखारा में जखौरा तालबेहट मार्ग से राजकीय महाविद्यालय तक सम्पर्क मार्ग लगभग 50 मी0 एवं बांसी जखौरा मार्ग से नगवास ग्राम तक 750 मी0 तक निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बलराम सिंह राजपूत एवं अन्य निवासीगण जनपद ललितपुर की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री लकी यादव, सदस्य विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री लकी यादव, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जौनपुर के विकास खण्ड सिकरारा के अन्तर्गत ग्राम जाम में पिचरोड से ग्राम पोखरियापुर तक सड़क (लगभग 02 किमी0) नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बबलू यादव व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

2-जनपद जौनपुर के विकास खण्ड सिकरारा के अन्तर्गत ग्राम सीठापुर में धन्ना के घर से हीरालाल टेलर के घर होते हुए अम्बेडकर पार्क तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय यादव व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

3-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मल्हनी के अन्तर्गत जौनपुर-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग से ग्राम सीठापुर में अमरनाथ यादव के घर होते हुए अमृत लाल प्रजापति के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रवेश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

4-जनपद जौनपुर के विकास खण्ड सिकरारा के अन्तर्गत ग्राम सीठापुर में रामलखन के खेत से बलिराम के घर तक पक्की सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजकुमार कनौजिया व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

5-जनपद जौनपुर के विकास खण्ड बक्शा के अन्तर्गत ग्राम बेल्छा में मरी माता मन्दिर से ग्राम बिरभानपुर तक सड़क (लगभग 02 किमी0) निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सतीश यादव व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

श्री लक्ष्मीराज सिह, सदस्य विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री लक्ष्मीराज सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम शेखपुर गेंदपुर में जगदीश पाल के मकान से विनोद तेवतिया के मकान तक इन्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम अमीनगर में वीरखेड़ा सम्पर्क मार्ग से अमीनगर प्राइमरी स्कूल तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र रावत व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

3-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम हदयपुर में श्रीचन्द के मकान से तालाब वाले बाबा तक पक्की सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रिंकू अधाना व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम गेसपुर में ग्राम गेसपुर से भराना सम्पर्क मार्ग तक पक्की सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में श्री विरेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम बेनीपुर में रजवाहे के पुल से नाले के पुल तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री योगेश प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद लखीमपुर खीरी से सम्बन्धित 04 याचिकाएं †

श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद लखीमपुर खीरी के विधान सभा क्षेत्र मोहम्मदी, जंग बहादुरगंज रोड पर बगरेठी सम्पर्क मार्ग से डेलखेड़ा अमुवापुर तक पक्के रोड के निर्माण के सम्बन्ध में श्री आदित्य सिंह व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका,

2-जनपद लखीमपुर खीरी के विधान सभा क्षेत्र मोहम्मदी के अन्तर्गत नगर पंचायत बरबर में जल निकासी की समस्या का निराकरण कराये जाने के निर्माण के सम्बन्ध में श्री पवन अर्कवंशी व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका,

3-जनपद लखीमपुर खीरी के ग्राम सभा कदमापुर को समाज कल्याण विभाग के द्वारा संचालित एकीकृत योजना में चयनित कराये जाने के निर्माण के सम्बन्ध में श्री रामजी व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका तथा

4-जनपद लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी को जिला बनाने के सम्बन्ध में श्री गोविन्द खरे व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका।

श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जालौन के विकास खण्ड महेवा के अन्तर्गत ग्राम पिथऊपुर के श्री रामबाबू पाठक के खेत में ट्यूबवेल लगवाने के सम्बन्ध में श्री रामबाबू पाठक, निवासी जनपद जालौन की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद जालौन के विकास खण्ड कदौरा के अन्तर्गत ग्राम पाल गुलौली के हातिम बेग के खेत में ट्यूबवेल लगवाने के सम्बन्ध में श्री हातिम बेग, निवासी जनपद जालौन की याचिका,

3-जनपद जालौन के विकास खण्ड महेवा के अन्तर्गत ग्राम बावई के श्री कैलाश भरद्वाज के खेत में ट्यूबवेल लगवाने के सम्बन्ध में श्री कैलाश भारद्वाज, निवासी जनपद जालौन की याचिका,

4-जनपद जालौन के विकास खण्ड महेवा के अन्तर्गत ग्राम पाल मड़ैया के रामजी तिवारी के खेत में ट्यूबवेल लगवाने के सम्बन्ध में श्री रामजी तिवारी, निवासी जनपद जालौन की याचिका तथा

5-जनपद जालौन के विकास खण्ड महेवा के अन्तर्गत निपनियां मौजा हिम्मतपुर के श्रीमती राममूर्ति देवी के खेत में ट्यूबवेल लगवाने के सम्बन्ध में श्रीमती राममूर्ति देवी, निवासी जनपद जालौन की याचिका।

श्री विपुल दुबे, सदस्य विधान सभा की जनपद भदोही से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री विपुल दुबे, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद भदोही के विधान सभा क्षेत्र ज्ञानपुर मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अखिल कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका,

2-जनपद भदोही के विधान सभा क्षेत्र ज्ञानपुर मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सतीश निगम एवं अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका,

3-जनपद भदोही के विधान सभा क्षेत्र ज्ञानपुर में मंदिर का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल मिश्रा एवं अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका,

4-जनपद भदोही के विधान सभा क्षेत्र ज्ञानपुर में धार्मिक स्थल का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश एवं अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका तथा

5-जनपद भदोही के विधान सभा क्षेत्र ज्ञानपुर के ग्राम सुजातपुर में बालिका इण्टर कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रघवेंद्र कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका।

† छापी नहीं गईं।

श्री विवेक कुमार वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री विवेक कुमार वर्मा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद पीलीभीत के ब्लाक-विलसण्डा के अन्तर्गत विलसण्डा गोला मार्ग से कलक्टरगंज गुरूद्वारा तक सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में श्री संजीव अवस्थी एवं अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका,

2-जनपद पीलीभीत के ब्लाक-बरखेड़ाकलां के अन्तर्गत ग्राम कोकिला से कबूलपुर तक सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में श्री रामकुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका,

3-जनपद पीलीभीत के ब्लाक-बीसलपुर के अन्तर्गत बीसलपुर-बरेली मार्ग पर ग्राम चुर्रासकतपुर में शाहजहाँपुर माइनर पर ग्राम धरलिया तक सड़क के चौड़ीकरण के सम्बन्ध में श्री राम प्रकाश मिश्र एवं अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका,

4-जनपद पीलीभीत के ब्लाक-बीसलपुर के अन्तर्गत बीसलपुर चौसरा मार्ग से ग्राम सादिया लाड़पुर की पुलिया तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री ताराचंद व अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका तथा

5-जनपद पीलीभीत के ब्लाक-विलसण्डा के अन्तर्गत ग्राम लिलहर को पर्यटक स्थल बनाने के सम्बन्ध में श्री सत्यपाल व अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका।

श्री विवेकानन्द पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित याचिका †

श्री विवेकानन्द, सदस्य विधान सभा की जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सदर रायबरेली के अन्तर्गत मोहल्ला पटेलनगर (जैतपुर) में बिना मानचित्र अनुमोदन के सार्वजनिक मार्ग पर कराये गये अवैध पक्के निर्माण एवं स्थापित गेट को ध्वस्त करने के सम्बन्ध में श्री रामनरेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड कलान में कुण्डरिया व ग्राम बोझी के मध्य राम गंगा नदी पर पैन्टून पुल के स्थान पर

† छापी नहीं गईं।

पक्का पुल बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री जयवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

2-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड खुदागंज में ग्राम कुलवा से हसनापुर नहर पुलिया तक कच्चे मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरपाल व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

3-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड जैतीपुर ग्राम कुआडॉड़ा व बझेड़ा भगवानपुर के मध्य रेवती नाला पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दुर्गविजय सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

4-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड खुदागंज में ग्राम रहीमपुर व उखली नवादा के मध्य वैवहा नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका तथा

5-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड जैतीपुर में ग्राम गढ़ियारंगीन स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा से कुबेर गौठिया तक कच्चे मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लालू प्रजापति व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका।

श्री वीरेन्द्र कुमार यादव, सदस्य विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं †

श्री वीरेन्द्र कुमार यादव, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के ग्राम कोड़री में कैलाश राम के घर से सुभाष चन्द्र के घर तक मिट्टी, खड़न्जा कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुभाष राय व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

2-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के ग्राम ताती में मरदह जलालाबाद मार्ग से ताती हरिजन बस्ती बलीराम के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

3-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के ग्राम भगीरथपुर एन0एच0-24 से सामुदायिक शौचालय तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका तथा

† छापी नहीं गईं।

4-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के ग्राम बहलोलपुर में विरेन्द्र यादव के घर से नाला तक नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संतोष यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका।

श्री श्याम सुन्दर, सदस्य विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 02 याचिकाएं †

श्री श्याम सुन्दर, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र बछरावां में बेडरू बाबा पक्की सड़क से बढ़ी मजरे देलही तक पक्की रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती गीता देवी, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका तथा

2-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र बछरावां में हैदरगढ़-बछरावां मार्ग भवानी गढ़ से गणेशगंज तक पक्की रोड बनाये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती गीता देवी, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका।

श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रनिया में फूलमती मंदिर से देब्बापुरवा तक मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अवधेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गढा डामर रोड से लक्ष्मीखेडा डामर रोड तक डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कृष्ण कुमार तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

3-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ, वि0ख0 गंजमुरादाबाद की ग्राम पंचायत सहसराय में लखनऊ आगरा सर्विस रोड टावर तक नवीन डामरीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरविन्द सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

4-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के अन्तर्गत ग्राम मवई घनश्याम से कांटागुलजापुर तक सड़क निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कैलाश चौरसिया एवं अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

5-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ, वि0ख0 गंजमुरादाबाद की ग्राम पंचायत चोरहा में राजकीय नलकूप लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री दिनेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री संग्राम सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री संग्राम सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत वि0ख0 सोहाव के ग्राम बघौना से रामापुर होते हुए सोहाव तक सम्पर्क मार्ग का मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

2-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत वि0ख0 सोहाव के ग्राम बीबीपुर से पलीगरा होते हुए नसीरपुर तक सम्पर्क मार्ग का मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री श्रीकान्त यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

3-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत वि0ख0 सोहाव के ग्राम कथरिया से टाड़ा ब्रह्म बाबा तक सम्पर्क मार्ग का मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनय राम व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

4-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत वि0ख0 सोहाव के ग्राम पलिया खास पुल पर से मनेन्दर मल्लाह के घर तक सम्पर्क मार्ग का मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सत्येन्द्र यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका तथा

5-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत वि0ख0 सोहाव के ग्राम बहादुरपुर कारी से कोपवाँ होते हुए जगदीशपुर तक सम्पर्क मार्ग का मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनीत यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका।

श्री संदीप सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री संदीप सिंह सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड मेजा के अन्तर्गत ग्राम सभा अखरी शाहपुर से प्राथमिक विद्यालय तक सड़क (लगभग 1.250 किमी0) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संगम लाल निवासी जनपद प्रयागराज की याचिका,

2-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड मेजा के अन्तर्गत ग्राम सभा मरहा से मेजिया प्राथमिक विद्यालय से प्रजापति बस्ती तक सड़क (लगभग 600 मी0) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल कुमार व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

3-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड माण्डा के अन्तर्गत ग्राम सभा सिकरा में नहर की पुलिया से सिकरा दलित बस्ती तक सड़क (लगभग 700 मी0) निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अखिलेश कनौजिया, निवासी जनपद प्रयागराज की याचिका,

4-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड मेजा के अन्तर्गत ग्राम सभा गुनई गहर में उधरेगा प्राथमिक विद्यालय होते हुए जमुना सम्पर्क मार्ग (लगभग 700 मी0) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश पासी, निवासी जनपद प्रयागराज की याचिका तथा

5-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड माण्डा के अन्तर्गत ग्राम सभा बरहा कला में दलित बस्ती होते हुए बबुरा पसियान बस्ती तक सड़क (लगभग 2 किमी0) निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम अचल पटेल, निवासी जनपद प्रयागराज की याचिका।

श्री सौरभ श्रीवास्तव, सदस्य विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री सौरभ श्रीवास्तव, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद वाराणसी के राम नगर में पक्के घाट का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय प्रताप सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

2-जनपद वाराणसी के सन्त रविदास घाट से परमहंस आश्रम के सामने घाट तक पक्के घाट का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमित कुमार सिंह व अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

3-जनपद वाराणसी के अस्सी घाट से सन्त रविदास घाट तक पक्के घाट का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शैलेश त्रिपाठी व अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

4-जनपद वाराणसी के शिवपुरवा वार्ड में सगरा जलाशय को सुरक्षित, संरक्षित व सौंदर्यीकरण कराने के सम्बन्ध में श्री सिन्धु सोनकर एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका तथा

5-जनपद वाराणसी के काजीपुरा श्रीखुर्द सोनिया पोखरी नामक स्थान पर जलाशय के निर्माण के सम्बन्ध में श्री मिथलेश कुमार गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका।

† छापी नहीं गईं।

श्री स्वामी ओउमवेश, सदस्य विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री स्वामी ओउमवेश, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र-23, चांदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जलीलपुर के ग्राम स्याऊ के प्राइमरी स्कूल से चांदपुर-जलीलपुर मार्ग तक डामर सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रूपराज चौहान व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

2-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र-23, चांदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जलीलपुर के ग्राम मुस्तफाबाद (डिप्टो वाली) से ग्राम टांडा तक डामर सड़क का निर्माण के सम्बन्ध में चौधरी समरपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

3-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र-23, चांदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जलीलपुर के ग्राम चौधेड़ी से ग्राम बमनौला तक डामर सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जगवीर व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

4-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र चाँदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड नूरपुर के ग्राम मझौला गुर्जर से ग्राम खैरपुर तक डामर सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रविन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका तथा

5-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र चाँदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जलीलपुर के ग्राम हिरनाखेड़ी से ग्राम हुसैनपुर कलां तक डामर सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में चौ0 रविन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका।

श्री हंसु राम, सदस्य विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री हंसु राम, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बलिया के ब्लॉक सीयर के अन्तर्गत बलिया-सोनौली मार्ग पर नटुआ ढाला से मुक्ती धाम रामपुर तक जर्जर रोड का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजकिशोर व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

2-जनपद बलिया के ब्लॉक नगरा के अन्तर्गत तुर्तीपार मार्ग पर गौवापार विशुनगर डण्डा (लगभग 1.5 किमी0) तक जर्जर रोड का पुनर्निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुन्ना यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

3-जनपद बलिया के ब्लॉक नगरा के अन्तर्गत सिकन्दपुर मार्ग पर भिटकूना मोड़ से देवरिया (लगभग 03 किमी0) तक जर्जर रोड का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्रमणी व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

4-जनपद बलिया के ब्लॉक सीयर के अन्तर्गत सतुहड़ी से मुहम्मदपुर (लगभग 07 किमी0) तक जर्जर रोड का पुनर्निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय राजभर व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका तथा

5-जनपद बलिया के ब्लॉक नगरा के अन्तर्गत रामपुर असढ़िया से धर्मपुर (लगभग 03 किमी0) तक जर्जर रोड का पुनर्निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरिनाथ राजभर व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका।

श्री हरि ओम वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं[†]

श्री हरि ओम वर्मा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र अमाँपुर के अन्तर्गत ग्राम मगथरा में रोहन सिंह के घर से प्राथमिक पाठशाला प्रथम तक सी0सी0 रोड बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री उमेश व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका,

2-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र अमाँपुर के अन्तर्गत ग्राम दरुआपुर में गोपाल के घर से प्राथमिक पाठशाला तक इण्टरलॉकिंग कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका,

3-जनपद कासगंज के अमाँपुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत सड़क का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लक्ष्मी नारायण व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका,

4-जनपद कासगंज के अमाँपुर के ग्राम किशोरपुर में अजय प्रकाश के घर से हनुमान मंदिर तक मार्ग पर सी0सी0/इण्टरलॉकिंग कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका तथा

5-जनपद कासगंज के अमाँपुर के ग्राम हसनपुर में वर्ष 2008 में मण्डी समिति द्वारा निर्मित मार्ग हसनपुर से नहर के पुल तक मार्ग पर सी0सी0 सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शाहरूख व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका।

[†] छापी नहीं गईं।

[01:24] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं

जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र काल्पी में बेतवा नदी के किनारे किसानों के खेतों में अवैध बालू खनन को रोके जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद चतुर्वेदी द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जिलाधिकारी जालौन....

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(मुख्य मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया।)

[के पत्र संख्या-1035/खनिज-एम0एम0सी0-30, दिनांक 22-02-2023 द्वारा उपलब्ध आख्या पर आधारित निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र दिनांक 24-02-2023 के अनुसार जनपद-जालौन की तहसील काल्पी के अन्तर्गत कुल 04 बालू/मोरम खनन क्षेत्रों में खनन पट्टा स्वीकृत हैं। स्वीकृत खनन पट्टों में निर्धारित जियो-कोआर्डिनेट के अन्तर्गत खनन क्षेत्र का सीमांकन कराकर खनन कार्य की अनुमति दी गयी है। जिलाधिकारी के आदेश सं0-361/ओ0एस0डी0, दिनांक 23-01-2023 के द्वारा तहसील काल्पी के अन्तर्गत बालू/मौरंग पथरेहटा खण्ड सं0-3, 5 व 6 की जाँच हेतु ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी कालपी, क्षेत्राधिकारी कालपी व खान निरीक्षक व कहटाहमीरपुर खण्ड सं0-1 की जांच हेतु तहसीलदार काल्पी, खान निरीक्षक जालौन, प्रभारी निरीक्षक थाना आटा को नामित किया गया। उक्त गठित टीम द्वारा क्रमशः दिनांक 10-02-2023 व 19-02-2023 को संबंधित खनन पट्टा क्षेत्रों की स्थलीय जाँच की गयी। जांच टीम की आख्यानुसार उक्त खनन क्षेत्रों में अवैध खनन का प्रकरण प्रकाश में नहीं आया और नदी की जलधारा में पोकलैण्ड मशीनों द्वारा खनन किया जाना नहीं पाया गया है।

जनपद जालौन के स्वीकृत बालू/मौरंग खनन क्षेत्रों में अवैध खनन/परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण रखे जाने हेतु निरन्तर निरीक्षण/जांच कराया जा रहा है, जिसके क्रम में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 में अवैध खनन के 07 एवं उपखनिजों के अवैध परिवहन के कुल 2357 प्रकरण संज्ञान में आये, जिसके विरुद्ध कार्यवाही करते हुये 15 प्रथम सूचना रिपोर्ट संबंधित थानों में दर्ज करायी गयी है, जो विवेचनाधीन है एवं संबंधित अवैध खननकर्ताओं/परिवहन कर्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुये कुल 11.35 करोड़ रुपये जुर्माने की धनराशि वसूल कर निर्धारित मद में जमा करायी गयी है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी में अवैध खनन/ओवरलोडिंग के कारण सड़कें ध्वस्त होने का कोई प्रकरण प्रकाश में नहीं आया है।]

जनपद फिरोजाबाद में आलू के उत्पाद को ओ0डी0ओ0पी0 उत्पाद में सम्मिलित किये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष असीजा द्वारा दिनांक नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

जनपद फिरोजाबाद के आलू उत्पादन/ ....

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[फूड प्रोसेसिंग उद्योग को जनपद फिरोजाबाद के द्वितीय ओ0डी0ओ0पी0 उत्पाद के रूप में सम्मिलित किये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि उ0प्र0 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन नीति-2017 के बिन्दु संख्या-4 (रणनीति) के अन्तर्गत एक जनपद एक उत्पाद अवधारणा का विकास, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पादों की पहचान बनाना भी शामिल था। उक्त रणनीति के अन्तर्गत एक जनपद एक उत्पाद योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में मा0 मंत्रि-परिषद् के अनुमोदनोपरान्त शासनादेश संख्या-123/18-4-2018-18 (विविध)/17, टी0सी0, दिनांक 25-01-2018 (छायाप्रति संलग्न) जारी किया गया।

उक्त शासनादेश के बिन्दु संख्या-1 के अनुसार एक जनपद एक उत्पाद योजनान्तर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद से एक उत्पाद विशेष का चिन्हांकन संबंधित उत्पाद की विशिष्टता, विपणन सामर्थ्य, विकास सम्भाव्यता तथा रोजगार सृजन शीलता के आधार पर किया जायेगा तथा जनपदवार उपलब्ध संसाधनों जैसे-रॉ मैटेरियल, डिजाइन, टेस्टिंग, ट्रेनिंग, एवं डिस्प्ले एवं मार्केटिंग से सम्बंधित सुविधाओं की मैपिंग करते हुए "SWOT" व गैप एनालिसिस के आधार पर क्रियान्वयन रणनीति तैयार की जायेगी।

ओ0डी0ओ0पी0 योजना का प्रमुख उद्देश्य जनपदों की परम्परागत एवं अनूठे हस्तशिल्प एवं उत्पादों को बढ़ावा देना है। उक्त योजना के माध्यम से ऐसे हस्तशिल्पियों/ उद्यमियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो इन परम्परागत उत्पादों को बनाने का कार्य कई वर्षों से कर रहे हैं !

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जिन जनपदों में कोई अनूठा एवं परम्परागत हस्तशिल्प अथवा उत्पाद नहीं हैं, वहाँ पर खाद्य उत्पादों को ओ0डी0ओ0पी0 उत्पाद के रूप में चिन्हित किया गया है। जनपद फिरोजाबाद में कई वर्षो से हस्तशिल्पी कांच के उत्पाद बनाते रहे हैं। जनपद फिरोजाबाद में कांच उत्पाद की विशिष्टता, विपणन सामर्थ्य, विकास सम्भाव्यता तथा रोजगार सृजन शीलता के आधार पर एक जनपद एक उत्पाद के रूप में कांच उत्पाद का चयन किया गया है।

अतः आलू को फिरोजाबाद का एक जनपद एक उत्पाद के अन्तर्गत चयनित करने का कोई अवसर एवं औचित्य नहीं पाया गया है।]

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार में गंग नदी के जर्जर पुल की मरम्मत के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर जल शक्ति मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

जनपद रायबरेली के विधान सभा ऊँचाहार में विकास खण्ड डलमऊ के अन्तर्गत....

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(जल शक्ति मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[उधनपुर व दीनगंज की क्षतिग्रस्त पुलिया, जो डलमऊ पम्प नहर के किमी0 4.230 वी0आर0बी0) दीनगंज एवं किमी0 8.260 (कदम पुलिया) उधनपुर पर स्थित है। उक्त कार्य डलमऊ पम्प नहर परियोजना [Restoration of Dalmau Pump CUnal (Left) from Km. 0.000 to 28.646 And T.F.C. from Km. 0.000 to 13.071 for Extended 6th New unit of N.T.P.C. Unchahar, Raebareli] के अन्तर्गत गठित एम0ओ0यू0 संख्या-03/षो0/2016-17, दिनांक 03-01-2017 द्वारा कार्यदायी संस्था परियोजना प्रबन्धक, यू0पी0पी0सी0एल0, यूनिट-8, लखनऊ द्वारा किया जाना है। विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के अन्तर्गत विकास खण्ड-डलमऊ में डलमऊ पम्प नहर के किमी0 4.230 पर स्थित ग्राम-दीनगंज एवं किमी0 8.260 ग्राम-उधनपुर के पुल की मरम्मत का कार्य एम0ओ0यू0 के अन्तर्गत प्राविधानित है। इस परियोजना का वित्त पोषण एन0टी0पी0सी0, ऊँचाहार द्वारा किया जाना है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अधिशासी अभियन्ता, रायबरेली खण्ड (दक्षिण), शारदा नहर, रायबरेली के पत्रांक-3317/रा0ख0द0/एन.टी.पी.सी./एम0ओ0यू0, दिनांक 16-11-2022 एवं पत्रांक-32/रा0ख0द0, दिनांक 05-01-2023 द्वारा भी परियोजना निर्माण एवं उक्त पुलों की मरम्मत हेतु धनराशि रु0 562.40 लाख की मांग एन0टी0पी0सी0, ऊँचाहार से की गई है, परन्तु अभी तक धन उपलब्ध नहीं हुआ है, एन0टी0पी0सी0 ऊँचाहार द्वारा शीघ्र धन उपलब्ध कराने हेतु अवगत कराया गया है।

डलमऊ पम्प नहर के किमी0 4.230 पर स्थित ग्राम-दीनगंज के क्षतिग्रस्त पुलिया में ह्यूम पाईप डालकर अस्थाई रूप से आवागमन हेतु मरम्मत का कार्य करा दिया गया है, जिस पर सुचारु रूप से आवागमन हो रहा है। तथा किमी0 8.260 पर स्थित कदम पुलिया पर स्लैब निर्माण का कार्य एन0टी0पी0सी0, ऊँचाहार, रायबरेली से धन उपलब्ध होने पर कराया जाना प्रस्तावित है।]

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र छावनी में कतिपय वार्डों में पानी व सीवर लाइन पूर्णतया विकसित न होने से हो रही समस्या के सम्बन्ध में श्री मो0 हसन रूमी द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर नगर विकास मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

अवगत कराना है कि जे0एन0एन0यू0आर0एम0 कार्यक्रम के अन्तर्गत....

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(नगर विकास मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[कानपुर नगर की पेयजल व्यवस्था हेतु दो नग पेयजल परियोजनाएं भारत सरकार द्वारा क्रमशः वर्ष 2007-08 एवं 2008-09 में स्वीकृत हुई थी। जिसमें से 01 योजना (फेज-I) जिसमें नगर के इनर ओल्ड एरिया के 67 वार्ड एवं दूसरी योजना (फेज-II) जिसमें नगर के पूर्वी क्षेत्र एवं अवशेष दक्षिणी क्षेत्र के 33 वार्डो को सम्मिलित किया गया था। उक्त परियोजनाओं के अन्तर्गत जनपद-कानपुर के छावनी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय वार्डो में कार्यों का सम्पादन कराया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

(क) इनर ओल्ड एरिया (फेज-I)

- **वार्ड संख्या-105 बाबू पुरवा एवं 36 मुंशी पुरवा :-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या सी0डब्लू0-45 निर्मित है, जिसमें 5000 कि0ली0 क्षमता का जलाशय एवं 17 किमी0 वितरण प्रणाली के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

- **वार्ड संख्या-102 बेगम पुरवा :-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या- सी0डब्लू0-46 निर्मित है, जिसमें 800 कि0ली0 क्षमता का भूमिगत जलाशय, 1200 कि0ली0 क्षमता का उच्च जलाशय एवं 9.0 किमी0 वितरण प्रणाली के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है।
- **वार्ड संख्या-80 बाबू पुरवा कालोनीः-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या-सी0डब्लू0-47 निर्मित है, जिसमें 500 कि0ली0 क्षमता का जलाशय एवं 4.00 किमी0 वितरण प्रणाली के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है।

(ख) पूर्वी क्षेत्र एवं अवशेष दक्षिणी क्षेत्र (फेज-II)

- **वार्ड संख्या-47 दहेलीसुजानपुरः-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या- ई0डब्लू0-8 निर्मित है, जिसमें 500 कि0ली0 क्षमता का भूमिगत जलाशय, 900 कि0ली0 क्षमता का उच्च जलाशय का निर्माण एवं 34.41 किमी0 वितरण प्रणाली बिछायी जा चुकी है, जिसकी टेस्टिंग की कार्यवाही प्रगति पर है।
- **वार्ड संख्या-62 स्वर्ण जयंती विहार :-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या- ई0डब्लू0-1 निर्मित है, जिसमें 500 कि0ली0 क्षमता का भूमिगत जलाशय, 1100 कि0ली0 क्षमता का उच्च जलाशय एवं 37.0 कि0ली0 वितरण प्रणाली के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है।
- **वार्ड संख्या-28 हरजेन्द्र नगर :-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या- ई0डब्लू0-5 निर्मित है, जिसमें 1200 कि0ली0 क्षमता का भूमिगत जलाशय का निर्माण एवं 10.00 कि0ली0 वितरण प्रणाली बिछायी जा चुकी है, जिसकी टेस्टिंग की कार्यवाही प्रगति पर है।
- **वार्ड संख्या-29 ओम पुरवा :-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या- ई0डब्लू0- 6 निर्मित है, जिसमें 900 कि0ली0 क्षमता का भूमिगत जलाशय का निर्माण एवं 16.15 किली0 वितरण प्रणाली बिछायी जा चुकी है, जिसकी टेस्टिंग की कार्यवाही प्रगति पर है।
- **वार्ड संख्या-73 जाजमऊ दक्षिणी :-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या- ई0डब्लू0-9 निर्मित है, जिसमें 200 कि0ली0 क्षमता का भूमिगत जलाशय का निर्माण एवं 7.29 किमी0 वितरण प्रणाली बिछायी जा चुकी है, जिसकी टेस्टिंग की कार्यवाही प्रगति पर है।
- **वार्ड संख्या-73 जाजमऊ उत्तरी :-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या- ई0डब्लू0-14 निर्मित है, जिसमें 200 कि0ली0 क्षमता का भूमिगत जलाशय का

निर्माण एवं 5.95 किमी0 वितरण प्रणाली बिछायी जा चुकी है, जिसकी टेस्टिंग की कार्यवाही प्रगति पर है।

- **वार्ड संख्या-74 श्याम नगर :-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या-ई0डब्लू0-17 निर्मित है, जिसमें 500 कि0ली0 क्षमता का भूमिगत जलाशय, 800 कि0ली0 क्षमता का उच्च जलाशय एवं 10.00 किमी0 वितरण प्रणाली के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है।
- **वार्ड संख्या-99 चन्दारी :-** इस वार्ड में पेयजल व्यवस्था हेतु जोनल पम्पिंग स्टेशन संख्या-सी0डब्लू0-16 निर्मित है, जिसमें 1000 कि0ली0 क्षमता का भूमिगत जलाशय, 1700 कि0ली0 क्षमता का उच्च जलाशय का निर्माण प्रस्तावित 12.67 किमी0 के सापेक्ष 3.5 किमी0 वितरण प्रणाली बिछायी जा चुकी है, शेष वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य प्रगति पर है।

(ग) यह भी अवगत कराना है कि उपरोक्त वार्डो में आबादी विस्तार हो जाने के कारण पाइप लाइन का नेटवर्क नहीं है तथा पाइप लाइन विहीन क्षेत्रों में पाइप लाइन विस्तार हेतु अमृत 2.0 योजनान्तर्गत प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

- वार्ड-105 बाबू पुरवा, वार्ड नं0-36 मुंशीपुरवा वार्ड नं0-102 बेगमपुरवा व वार्ड नं0-80 बाबूपुरवा कालोनी में पाइप लाइन विस्तार कार्यों का सिटी वाटर एक्शन प्लान धनराशि रु0 463.00 करोड़ तैयार अमृत-2.0 के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।
- वार्ड- 47 दहेलीसुजानपुर, वार्ड- 62 स्वर्ण जयंती विहार, वार्ड- 28 हरजेन्द्र नगर, वार्ड-29 ओम पुरवा, वार्ड 73 जाजमऊ दक्षिणी, वार्ड 96 जाजमऊ उत्तरी, वार्ड-74 श्यामनगर, एवं वार्ड 99 चन्दारी में पाइप लाइन बिछाने के कार्य को अमृत 2.0 कार्यक्रम के अन्तर्गत ट्रन्च -1 में सम्मिलित कर प्राक्कलन रु0 340.62 करोड़ तैयार किया गया है।

(घ) कैंटोनमेंट बोर्ड में पेयजल सुदृढ़ीरकण कार्यों का सिटी वाटर एक्शन धनराशि रु0 18.41 करोड़ तैयार कर अमृत 2.0 के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

उपरोक्त सिटी वाटर एक्शन प्लान/प्राक्कलन आदि की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

3-सीवरेज व्यवस्था

- वार्ड नं0-105, 36, 102, 80 में सीवर लाइन बिछाने का कार्य जे0एन0एन0यू0 आर0एम0 कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्व में सीवरेज वर्क्स इन इनर ओल्ड एरिया आफ कानपुर के अन्तर्गत आंशिक क्षेत्रों में ट्रंक सीवर एवं ब्रांच सीवर लाइनों के बिछाने का कार्य किया गया है। बिछाई गयी आंशिक सीवर लाइन को पूर्व बिछी ट्रंक लाइन में अंतः संयोजन का कार्य किया गया है। उल्लेखनीय है कि जे0एन0एन0यू0आर0एम0 कार्यक्रम की स्वीकृति योजना में सीवर गृह संयोजन का कार्य प्रावधानित नहीं था। पुनः वार्ड नं0 105, 36, 102 एवं 80 में सीवर

लाइन विस्तार एवं सीवर गृह संयोजन कार्यों का सिटी वाटर एक्शन प्लान धनराशि रु0 188.00 करोड़ सीवरेज वर्क्स इन सीवरेज वर्क्स इन सीवरेज डिस्ट्रिक्ट-2, पार्ट-ई एवं रु0 300.00 करोड़ सीवरेज वर्क्स इन सीवरेज वर्क्स इन सीवरेज डिस्ट्रिक्ट -2, पार्ट-सी तैयार अमृत 2.0 के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

- वार्ड नं0-99, 96, 73 28 एवं 29 में पूर्व बिछी सीवर लाइनों के जीर्णोद्धार का कार्य एवं नयी सीवर बिछाने का कार्य नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत कराया गया है। वर्तमान में उक्त वार्डों की सीवर लाइनों के संचालन एवं अनुरक्षण का कार्य उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण), कानपुर के अधीन है।
- वार्ड 74 की सीवर लाइन बिछाने का कार्य पूर्व में किया जा चुका है, जिसका संचालन एवं अनुरक्षण जलकल विभाग, नगर निगम, कानपुर द्वारा किया जा रहा है।
- वार्ड 46, 47 एवं 62 में सीवर लाइन बिछाने का कार्य कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा किया गया है, जिसका संचालन एवं अनुरक्षण जलकल विभाग, नगर निगम, कानपुर द्वारा किया जा रहा है। नई सीवर लाइन डालने हेतु वार्ड संख्या- 96,73,29,28 एवं 99 का क्षेत्र कानपुर सीवरेज डिस्ट्रिक्ट-1 वार्ड संख्या-74, 47, 62 का क्षेत्र डिस्ट्रिक्ट-4 एवं वार्ड संख्या-102, 105, 80, 36, 46 का क्षेत्र सीवरेज डिस्ट्रिक्ट-2 पार्ट-ई के अन्तर्गत आता है, जिनको संतृप्त करने हेतु अमृत 2.0 कार्यक्रम के अन्तर्गत ट्रेन्च-2 में सीवरेज डिस्ट्रिक्ट-1 के क्षेत्रों का सिटी वाटर एक्शन प्लान रु0 94.00 करोड़, सीवरेज डिस्ट्रिक्ट-4 के क्षेत्रों का सिटी वाटर एक्शन प्लान रु0 65.00 करोड़ एवं सीवरेज डिस्ट्रिक्ट-2 पार्ट-ई के क्षेत्रों हेतु सिटी वाटर एक्शन प्लान रु0 188.00 करोड़ तैयार किया गया है।

  उक्त सिटी वाटर एक्शन प्लान की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।]

वर्ष दर वर्ष उत्तर प्रदेश सरकार के घटते हुये पूँजीगत व्यय के सम्बन्ध में श्री सचिन यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर वित्त मंत्री का केवल वक्तव्य

वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

पूँजीगत व्यय में पूँजीगत परिव्यय, ऋणों का प्रतिदान तथा .....

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वित्त मंत्री का केवल वक्तव्य उन्होंने ही दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[राज्य सरकार द्वारा दिये गये ऋणों की वसूली सम्मिलित होती है। पूंजीगत व्यय के वर्षवार आंकड़े निम्नवत् हैं :-

वित्तीय वर्ष	धनराशि (रु0 करोड़ में)
2017-2018	55,599.36
2018-2019	89,482.66
2019-2020	84,518.65
2020-2021	80,167.21
2021-2022	1,02,381.85

2-उक्त आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2019-2020 एवं 2020-2021 में पूँजीगत व्यय में कमी परिलक्षित हो रही है, जिसका मुख्य कारण यह है कि वित्तीय वर्ष 2019-2020 के अन्तिम माह से कोविड लाकडाउन आदि का प्रभाव प्रारम्भ हो गया था, जोकि वित्तीय वर्ष 2020-2021 तक जारी रहा।

3-पूँजीगत निवेश को बढ़ाने के लिये केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों के लिये पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना प्रारम्भ की गयी है, जिसमें राज्यों को 50 वर्षीय ब्याज रहित ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। वित्तीय वर्ष 2022-2023 के पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार रुपये 15,573.84 करोड़ तथा आगामी वर्ष 2023-2024 में रुपये 17,939.00 करोड़ प्राप्त होने का अनुमान है।]

वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा हेतु सूचना

श्री अध्यक्ष-

अब हम आज से लेकर अगले 04 दिन, आज 25 तारीख है, 26 को रविवार है, कल सदन नहीं होगा, 27, 28 व 01 तारीख को बजट पर सामान्य चर्चा होगी। उसके बाद कार्य-मंत्रणा की सिफारिशों के अनुरूप विभागीय चर्चा होगी, विभाग के मद के ऊपर बजट प्रस्तुत किये जायेंगे, उस पर कटौती के प्रस्ताव विपक्ष की तरफ से रखे जायेंगे। कौन-कौन से विभाग की कब-कब सूचनाएं होंगी, यह माननीय संसदीय कार्य मंत्री और नेता प्रतिपक्ष, दोनों मिलकर इस पर विचार करेंगे, उसके अनुसार वह तिथि तय की जायेगी। मेरा सभी सदस्यों से निवेदन है कि बजट चर्चा के ऊपर अपनी भागीदारी जरूर करें। आज बजट के ऊपर चर्चा प्रारम्भ है। जिस प्रकार से श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण के ऊपर चर्चा थी, उसी के अनुरूप दो माननीय सदस्य इधर से और एक विपक्ष से और बीच में हमारे अन्य सम्मानित राजनीतिक

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

दल है, वह चर्चा करेंगे। अब मैं बजट के ऊपर चर्चा प्रारम्भ करने के लिए श्री लालजी वर्मा जी से कहता हूँ।

[01:26] जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार में गंग नदी के जर्जर पुल की मरम्मत के सम्बन्ध में भी मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर जल शक्ति मंत्री का स्पष्टीकरण

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, मुझे मद सं0-10 की अपनी सूचना पर कुछ पूछना है।

श्री अध्यक्ष-

मैंने आपका नाम लिया है, आप खड़े नहीं हुए।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, यह तो केवल सूचना है, हम अपनी बात तो कह लें। जो उत्तर आया है, उसमें उत्तर से हम संतुष्ट नहीं है, उत्तर गलत आया है।

श्री अध्यक्ष-

अगर उत्तर गलत आया है तो आप लिखकर दीजिए और उसका जवाब आयेगा। जो गलत उत्तर आता है, उसका जवाब आता है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, हमें मौका दे दीजिए। गलत उत्तर आया है। हम माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी से पूछना चाहते है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी के पास भी वही उत्तर है, जो आपके पास है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, गलत उत्तर दिया गया है, हम अपनी बात तो कह दें, यह परम्परा रही है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्यों से निवेदन है कि भोजन करने के बाद सभी लोग यहाँ पर उपस्थित रहें। अगर अपनी बात किसी को सुनानी है तो दूसरे की बात भी सुनिये। यह मैं दोनों पक्षों से कह रहा हूँ।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय जी, अब आप पूछ लीजिए।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको आभार प्रकट करूँगा कि नियम-51 के वक्तव्य के इस महत्वपूर्ण प्रश्न पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं इसमें माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी

को जानकारी भी देना चाहता हूँ कि यह मेरे विधान सभा क्षेत्र, ऊँचाहार के विकास खण्ड डलमऊ का प्रकरण है और यह सीधे जनता से जुड़ा हुआ है।

श्री अध्यक्ष-

आप लोग आपस में बात न करें। यहाँ पर प्लीज पंचायत मत करिये। आप लोग खड़े होकर ग्रुप में बात कर रहे हैं, क्या यह उचित है और पीठ की तरफ पीठ दिखायेंगे, कम से कम नियमावली पढ़िये, नियमावली के अन्तर्गत जो सदस्य का आचरण है, वह सभी को पता होना चाहिए। आप लोग पीठ को पीठ दिखायेंगे। किसी को बात करनी है तो वह पीछे जाये। माननीय मनोज जी, आप पूछिए।

***श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मुझे यह सूचना भी देनी थी और माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी के संज्ञान में भी लाना था। यह प्रकरण ऊँचाहार विधान सभा के विकास खण्ड डलमऊ में उधनपुर और दीनगंज में दो पुलियों के निर्माण के सम्बन्ध में था। आज अधिकारी कितनी झूठी सूचना और मिथ्या सूचना दे रहे हैं और सत्यता को छिपा रहे हैं। प्रकरण यह है कि हमारे यहाँ गंग नहर से यह पुलिया पोषित होती है। गंग नहर एन0टी0पी0सी0 तापीय परियोजना ऊँचाहार को पानी देता है तो कुछ फण्ड वह सिंचाई विभाग को भी मरम्मत के लिए देता है। इसके सापेक्ष एन0टी0पी0सी0, ऊँचाहार ने 3 करोड़ रुपये की धनराशि सिंचाई विभाग को दी और सिंचाई विभाग ने यह पैसा अपनी एक सिस्टर कंसर्न यू0पी0पी0सी0एल0 को बना दिया।

मान्यवर, यू0पी0पी0सी0एल0 ने इस पैसे का इस्तेमाल न करके पैसे को निकाल लिया। इसमें जांच के लिए आदेश दे दिया। इसमें टी0ए0सी0 की जांच हुई। टी0ए0सी0 की जांच में यह आया कि उस पैसे का उपयोग उस पुलिया के निर्माण में नहीं किया गया और मौके पर काम नहीं मिला। इसके उपरान्त दो विभाग के अधिकारियों को निलंबित किया गया, टी0ए0सी0 और शासन ने उनसे धन की वसूली के निर्देश दिये हैं। इसमें उत्तर यह आ रहा है कि यह काम एन0टी0पी0सी0 के द्वारा किया जाना है। एन0टी0पी0सी0 के अधिकारियों के साथ सिंचाई विभाग की बैठक हुई। एन0टी0पी0सी0 ने कहा कि जो पैसा हमने पहले आपको दिया है उसका आज तक समायोजन और बिल आपने नहीं दिया है। हम तब तक कोई पैसा नहीं दे सकते जब तक हमारे पैसे का जो दुरुपयोग किया गया है उसे वापस न किया जाये।

श्री अध्यक्ष-

माननीय पाण्डेय जी, नियम-51 पर इतना बड़ा भाषण नहीं होता है। कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण हो तो पूछ लिया जाता है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, पुलिया का निर्माण तो सिंचाई विभाग को करना है। वर्ष 2018 से यह पुलिया टूटी हुई है। इसके लिए हम लोगों को धरने पर भी बैठना पड़ा है। आज तक यह पुलिया नहीं बनी है। 20 हजार लोगों का आवागमन उस पुलिया से होता है। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी आप इस प्रकरण को समझते हैं हमें तो इस पुलिया के निर्माण से मतलब है।

संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, हम इसको दिखवा लेंगे। मान्यवर, एक बात आपने कैन्टीन के सम्बन्ध में कही थी। यहाँ से सदस्यों ने उठाया था। हमने आर0एस0ए0 को बता दिया है। उसका परीक्षण करने के बाद हमने उसको लिख भी दिया है कि परीक्षण करने के बाद ही फैसला होगा। दारूलशफा में कैन्टीन हैं अभी फिलहाल उससे काम चलाया जा सकता है जब तक न हो। उसके बारे में जैसे ही फैसला हो जायेगा वैसे ही हम आपको अवगत करा देंगे।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, मैं आपसे निवेदन कर रहा हूँ। आप उत्तर की अन्तिम लाइन पढ़ लें। इसमें लिखा हुआ है, एन0टी0पी0सी0 ऊँचाहार द्वारा शीघ्र धन उपलब्ध कराने पर अवगत कराया गया है।

श्री अध्यक्ष-

जो आपने बताया है, जब उसकी सूचना होगी तभी तो देंगे।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, आप इसको सोमवार को लगा दीजिये और एन0टी0पी0सी0 से रिपोर्ट मांग लीजिये। माननीय मंत्री जी को सच्चाई आ जायेगी।

श्री अध्यक्ष-

आप दे दीजिये। मैं भी उसको देख लूं। फिर उसके निर्णय सोमवार के लिए दे दूंगा। आपका जो उत्तर आया है उससे आप संतुष्ट नहीं हैं।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, इसमें झूठा उत्तर आया है।

श्री अध्यक्ष-

मनोज कुमार पाण्डेय जी, आप मेरा निवेदन सुन लीजिये। जो उत्तर आया है यह सही है या गलत यह आपने अपने हिसाब से बताया है। जो आपने बताया जब उसका डिटेल माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी के पास होगा तभी उसका उत्तर देंगे। अब जब उन्होंने कहा है मैं उसको दिखवा लूंगा। जब जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं है तो जानकारी ले करके ही तो बतायेंगे।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, आपकी पुलिया बनी है। तो इस वक्त इस्टीमेट नहीं मालूम है कि कितने का इस्टीमेट है। पुलिया को दिखवा लेंगे हम उसका जवाब भी दे देंगे।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, इसको सोमवार को लगा दीजिये। इसकी रिपोर्ट मंगा लीजिये।

श्री अध्यक्ष-

चलिये आप दे दीजिये।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने नियम-51 में वक्तव्य स्वीकार किया। ये व्यवस्था का प्रश्न है। उस पर अनुपूरक पूछने का हक है। आपने ये व्यवस्था क्यों खत्म कर दी ?

श्री अध्यक्ष-

आप अनुपूरक की बात कर रहे है, उस पर पूरा भाषण हो गया। जो खड़ा होगा, वो पूछेगा। आप किसी से जबरदस्ती नहीं पूछवा लेंगे। आप मा0 लालजी वर्मा के भाषण को क्यों डायलूट करना चाह रहे है। आप बैठ जाइए। मा0 लाल जी वर्मा जी।

[01:32] वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा

***श्री लालजी वर्मा-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे वर्ष 2023-24 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा में हिस्सा लेने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ मैंने इस पूरे बजट को अवलोकन करने का काम किया है। मान्यवर, ये बजट सपने बेचने वाला बजट है। यह बजट किसान विरोधी है, नव-जवान विरोधी है, महिला विरोधी है, मजदूर विरोधी है और इस प्रदेश को विकास की तरफ नहीं, बल्कि इसकी अवनति की तरफ ले जाने वाला बजट है। यह केवल आंकड़े और हवा-हवाई बात है।

मा0 मुख्य मंत्री जी ने अभी अपने सवा दो घण्टे के भाषण में प्रदेश की तस्वीर और अपने छः साल के कार्यकाल का इस तरह से चर्चा करने का काम किया कि जैसे वर्ष 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में कुछ था ही नहीं, जो कुछ किया, उन्होंने किया। मान्यवर, ये केवल हवा-हवाई बात करते हैं। इसका एक नमूना मैं इसी बजट से पढ़ कर आपको सुनाना चाहता हूँ। मान्यवर, मा0 मंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया, उसके पेज संख्या-4 पर इन्होंने कहा है कि गन्ना उत्पादकता में 1 लाख 8 सौ 75 टन प्रति हेक्टेयर की वृद्धि हुई। अब आप सोच लें कि अगर ये सही हो सकता है, तो हम सारे बजट को सही मान लेंगे। मान्यवर, हर साल ये

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सरकार चर्चा करती है कि हमने बहुत भारी-भरकम और ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत करने का काम किया है।

मान्यवर, ये बात सही है कि इनका भारी-भरकम बजट सूचना के मामले में रहता है। सूचना का बजट जहाँ वर्ष 2018-19 में 426 करोड़ था, वही वर्ष 2022-23 में बढ़कर 1545 करोड़ हो गया। मान्यवर, इसलिए कि इनकी कमियाँ उजागर न हो पाएं और केवल ये जो कहें, उसी को दिखाने का काम करें। मान्यवर, ये सदन की एक विश्वसनीयता होती है और सदन में जो बजट प्रस्तुत किया जाता है, वह कितना विश्वसनीय है, इस पर भी चर्चा होती है। मा0 अध्यक्ष जी, इसकी एक विश्वसनीयता होती है। मा0 मुख्य मंत्री जी, जो यहाँ आकर लच्छेदार भाषण देते है, दोनों में जमीन-आसमान का अन्तर है।

मान्यवर, पिछली बार मा0 खन्ना जी ने जब बजट प्रस्तुत किया, तो इन्होंने कहा कि हमने 4 लाख 50 हजार सरकारी नौकरियां दीं। उसी के तीन दिन बाद भाषण देते हुए मा0 मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हमने 5 लाख सरकारी नौकरियां दीं। यानी तीन दिन में 50 हजार नौकरियों की संख्या बढ़ गयी। ये इस बात को परिलक्षित करता है कि इस सरकार को वास्तविकता से कोई मतलब नहीं, जैसे बाहर भाषण दिया जाता है, उसी तरह से सदन में भी भाषण देने का काम करती है।

मान्यवर, मैं आंकड़ों के माध्यम से इनके बजट को आपके समक्ष रखना चाहता हूँ। वर्ष 2016-17 में जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो मा0 श्री अखिलेश यादव जी ने वित्त मंत्री की हैसियत से बजट प्रस्तुत किया था और वह बजट 3 लाख 46 हजार 954 करोड़ रुपये का था।

(इस समय 01 बजकर 39 मिनट पर अधिष्ठाता श्री मनीष असीजा पीठासीन हुए हुए)

और जब उसका वास्तविक आंकड़ा आया तो वह लगभग 3 लाख 33 हजार 425 यानी 96 प्रतिशत जो कि बजट का अनुमान था, उसके सापेक्ष रहा। 2017-18 से आपने बजट प्रस्तुत करना शुरू किया, 2017-18 में इन्होंने जो बजट प्रस्तुत किया, 3 लाख 84 हजार 659.71 करोड़ का और जब इसका वास्तविक आंकड़ा आया तो वह 3 लाख 21 हजार 822 करोड़ यानी वर्ष 2016-17 से भी कम हो गया और 83 प्रतिशत केवल खर्च हो पाया, जो अनुमान है।

वर्ष 2018-19 में इन्होंने बजट रखा था 4 लाख 28 हजार 384.52 करोड़ का खर्च हुआ 3 लाख 91 हजार करोड़, वर्ष 2019-20 में बजट रखा 4 लाख 79 हजार 701 करोड़ का खर्च हुआ 3 लाख 83 हजार 335 करोड़ जो कि 79 प्रतिशत यानी 21 प्रतिशत कम खर्च हुआ। वर्ष 2020-21 में इन्होंने बजट रखा 5 लाख 12 हजार 860 करोड़ का खर्च हुआ 3 लाख 78 हजार 710 करोड़ यानी केवल 73 प्रतिशत खर्च हुआ।

मान्यवर, इसी तरह से वर्ष 2021-22 में 5 लाख 50 हजार का मूल बजट था और खर्च हुआ 4 लाख 39 हजार यानी 79 प्रतिशत। इसी प्रकार वर्ष 2022-23 में 6 लाख 15 हजार 518 करोड़ का बजट रखा गया था। अभी बजट 2022-23 का चल रहा है, इसमें अभी तक जो इनका खर्च है। वह खर्च अगर आप देखेंगे तो वह लगभग 57 प्रतिशत खर्च हुआ है। आवास विभाग में 39 प्रतिशत, भारी और मध्यम विभाग में 29 प्रतिशत, ऊर्जा विभाग में 66 प्रतिशत कृषि विभाग में 55 प्रतिशत, ग्राम विकास विभाग में 57 प्रतिशत, चिकित्सा शिक्षा विभाग में 55 प्रतिशत, चिकित्सा एलोपैथी में 52 प्रतिशत, नगर विकास विभाग में 39.6 प्रतिशत और लोकनिर्माण विभाग में 33 प्रतिशत तथा सड़कों और रख-रखाव वाले मद में केवल 28 प्रतिशत। इसी तरह से नमामि गंगे और ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग में 39 प्रतिशत तथा सिंचाई विभाग में 26.6 प्रतिशत खर्च हुआ है। मान्यवर, अब केवल 1 महीना शेष है और 1 महीने में 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत खर्च होना सम्भव ही नहीं है और यह इसलिए भी है क्योंकि इसकी प्राप्ति भी नहीं हो रही है। मान्यवर, मैं यह भी निवेदन करना चाहता हूँ कि हमारी जो संपत्तियों का सृजन होती है वह प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण रोल निभाती हैं और बजट का मुख्य अंश विकास के मद में आता है वह पूंजीगत व्यय होता है और मैं आपके संज्ञान में लाना चाहूँगा कि अभी मा0 मुख्य मंत्री जी अपने सवा 2 घण्टे के भाषण में प्रदेश को कहां से कहां ले जाने की बात कर रहे थे, कितने हवाई अड्डों की बात कर रहे थे, कितने कृषि विज्ञान केंद्र की बात कर रहे थे। कृषि के मामले में पूरे देश के जो अन्य प्रांतों पर उनके बजट का जो प्रतिशत है वह लगभग साढ़े 5 प्रतिशत है और हमारे यहां बजट में जो आपने प्रस्तुत किया है, उसमें ढाई प्रतिशत है, आप इसी से ही अनुमान लगा लीजिए कि कृषि का क्या विकास होगा। दूसरा पूंजीगत के बारे में मैं आपको बताना चाहूँगा कि वर्ष 2016-17 में जो पूंजीगत व्यय पर वास्तविक आंकड़ा आया वह था, रु0 69 हजार 789.12 करोड़ और 2017-18 में आपने जो बजट प्रस्तुत किया तथा जब उसका वास्तविक पूंजीगत व्यय का 39 हजार 87.97 करोड़ आंकड़ा आया। यानी 69 से घटकर 39 हजार हो गया। अब आप कह रहे है कि हमने विकास कर लिया, हमने इतनी सड़कें बना डालीं, हमने इतने विज्ञान केन्द्र बना डाले।

मान्यवर, इसी तरह से 2018-2019 में 62 हजार करोड़, 2019-2020 में 59 हजार करोड़, 2020-2021 में 52 हजार करोड़ यानी सभी वर्षों में 69 हजार और 64 हजार जो माननीय अखिलेश जी ने पूँजीगत परिव्यय में वास्तव में खर्च किया उसको कहीं छू नहीं पाया जबकि मंहगाई दस गुना से ज्यादा बढ़ गयी है। इस तरह से यह बजट, अब विकास अगर केवल भभूत से हो रहा है तो सम्भव हो सकता है, अगर भभूत से विकास नहीं होता है तो पैसा दे नहीं रहे हैं और जो दे रहे हैं, वो खर्च नहीं हो रहा है तो सड़कें कहाँ से बन रही हैं? इसी तरह से इन्होंने विभेद किया। अभी माननीय मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास। मान्यवर, मैं उस पर आना चाहूँगा। जो अनुसूचित

जाति विभाग है उसमें वर्ष 2022-2023 के बजट में जहाँ 2109 करोड़ रुपये का परिव्यय 81 मद में था। 2023-2024 में 14.8 प्रतिशत कम कर दिया अर्थात 1797.66 करोड़ हो गया। इसी तरह से अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में 2022-2023 के बजट में 3039.47 करोड़ में 21.5 प्रतिशत की कमी करके वर्ष 2023-2024 में 2339.73 करोड़ रुपया किया गया। इस तरह से भेद-भाव करने का काम किया गया। दूसरी तरफ, अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति का जो छात्रवृत्ति मद है, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि पिछड़े वर्ग के लिए छात्रवृत्ति मद में वर्ष 2022-2023 में 1674.05 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया था और अब तक जो छात्रवृत्ति खर्च की गयी है, यह बड़ा ढिंढोरा पीट रहे हैं कि यह पिछड़ी जाति का है और जब हम उसकी जनसंख्या की बात करते हैं कि उसकी जातीय जनगणना होनी चाहिए तो यह जाति का नाम लेते हैं। मालपुआ ये खायेंगे और हमें कुछ भी नहीं देंगे।

मान्यवर, 1674 करोड़ में रु0 265.72 करोड़ वितरित हुआ है जो 15.9 प्रतिशत है। जितना पैसा दिया गया है उसमें वितरित किया गया 15.9 प्रतिशत। समाज कल्याण विभाग में अनुदान सं0 80 और अनुदान सं0 83 में छात्रवृत्ति हेतु वर्ष 2022-2023 में 1558.58 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया था, 1558.58 करोड़ रुपये में से अब तक 357.26 करोड़ रुपया वितरित किया गया, जो 22.9 प्रतिशत है। अनुसूचित जनजाति के छात्रवृत्ति मद में, हमारे एक मंत्री जी कल बड़ा ढिंढोरा पीट रहे थे कि माननीय योगी जी, मोदी जी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लिए बड़ा कार्य किये हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए दो सीटें रिजर्व कर दिया। अरे! सीटें रिजर्व करता है निर्वाचन आयोग, सरकार नहीं करती है। आप मंत्री भी हैं, जानते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर आयोग ने संख्या के आधार पर रिजर्वेशन दिया। अगर जनगणना न हुई होती तो आपका रिजर्वेशन न होता। इसलिए जनगणना होनी आवश्यक थी। अनुसूचित जनजाति के लिए छात्रवृत्ति हेतु 2022-2023 में 42 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया और वितरित एक नया पैसा भी नहीं हुआ है।

मान्यवर, इसी तरह से अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में छात्रवृत्ति हेतु वर्ष 2022-2023 में प्राविधानित 828 करोड़ रुपये में से अब तक 39.92 करोड़ रुपया वितरित हुआ है जो 4.8 प्रतिशत है। मान्यवर, अब इस तरह का भेद-भाव होगा ? माननीय अध्यक्ष जी, इसी तरह से अनुसूचित जाति की बेटियों को शादी में जो अनुदान दिया जाता था, वह बन्द कर दिया गया और यह कहते हैं कि हमने भेद-भाव नहीं किया, बिना भेद-भाव के हमने बजट प्रस्तुत करने का काम किया।

मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि यह सरकार केवल घोषणाएं करती है, भेद-भाव करती है, सबका साथ, सबका सम्मान के साथ भी भेद-भाव करती है। अभी मा0 मुख्य मंत्री जी चाचा मा0 शिवपाल यादव जी की चर्चा कर रहे थे जैसे ही यह समाजवादी पार्टी के साथ में आ गए, इनकी सुरक्षा घटा दी गयी। मा0 श्री ओम प्रकाश राजभर जी से हम

लोगों का जैसे ही साथ छूटा वैसे ही उनको वाई श्रेणी की सुरक्षा दे दी गयी। सत्तापक्ष के सभी विधायकों को दो-दो गनर मिले हुए हैं, किसी-किसी के पास तो चार-चार गनर है। मुझे शासन की मंजूरी से दो गनर मिले थे। अभी जब से बजट सत्र की बैठक प्रारम्भ हुई है तब से मेरा एक गनर वापस कर लिया गया और यह 'सबका साथ', 'सबका विकास' की बात करते हैं। भ्रष्टाचार की जो स्थिति है, इसका क्या कारण है ? यह हवा-हवाई घोषणाएं तो करते है, लेकिन प्राप्तियां नहीं हो पाती हैं। जो प्राप्तियां हैं, मैं उसका जिक्र करके दूसरी बात पर आना चाहूँगा। इस सरकार में वर्ष 2022-23 में जो प्राप्तियां हैं, जो इन्होंने स्वयं कर राज्यों से अनुमान लगाया था, जिसमें 2 लाख 20 हजार 665.655 की प्राप्तियों का अनुमान था, 11 महीने बीत जाने के बाद 1 लाख 49 हजार 276.68 करोड़ की प्राप्ति हुई है, एक महीना शेष रह गया है। 67.7 प्रतिशत की प्राप्ति हुई है। इसे इन्होंने वन ट्रिलियन डालर ग्रोथ कहा है। हमारा सकल राज्य घरेलू उत्पाद लगभग 20 लाख करोड़ के आस-पास है, 81 लाख करोड़ पहुंचाने में आज की दर से रुपये का अवमूल्यन होगा तो डालर की कीमत और बढ़ जायेगी। केवल वन ट्रिलियन-वन ट्रिलियन डालर कह रहे हैं। यह सब्जबाग दिखाकर जनता को धोखा देने का काम कर रहे हैं। यह सरकार पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण काम कर रही है। यह सरकार पूरी तरह से भेद-भाव के साथ, जातियों के साथ, धर्मों के साथ काम कर रही है। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने 25 फरवरी, 1949 को जब संविधान सभा में अपना अन्तिम भाषण दे रहे थे तो उन्होंने कहा था कि हमने बड़े बलिदानों के बाद इस देश की आजादी पायी है। मैं चिन्तित रहता हूँ कि कहीं फिर से दोबारा तो हम पुनरावृत्ति नहीं करेंगे? हमारे देश में सामाजिक, आर्थिक, गैर बराबरी बड़े पैमाने पर है। हमारे देश में अंधविश्वास और भक्ति, वीर पूजा बड़े पैमाने पर है। यह चीजें भक्ति और वीर पूजा व्यक्ति के लिए आवश्यक हो सकता है, अंधविश्वास व्यक्ति के लिए हो सकता है लेकिन लोकतंत्र के लिए घातक है। अगर लोकतंत्र को जीवित रखना है तो समतामूलक समाज की स्थापना करनी होगी। यह बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का कहना था। यह बाबा साहब को कोट करते हैं, लेकिन उनके विचारों के आधार पर यह एक भी काम नहीं करते है। अभी 69 हजार शिक्षकों की भर्ती हुई थी, उसमें किस तरह से पक्षपात हुआ। 69 हजार शिक्षकों की भर्ती हुई, उन 69 हजार शिक्षकों में जो पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर इन्होंने दिल्ली में बनाया, उस पिछड़ा वर्ग आयोग ने कहा कि 1994 में उत्तर प्रदेश में आरक्षण अधिनियम बिल पास किया था। मा0 श्री मुलायम सिंह यादव जी के नेतृत्व में यह सरकार थी, उन्होंने पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति के लिए यह अधिनियम बनाया था और उसमें यह व्यवथा की थी कि 50 प्रतिशत सामान्य की भर्ती होगी, उसके बाद जो शेष 50 प्रतिशत बचेंगे, उसमें से पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति की भर्ती होगी। इसका तात्पर्य यह है कि पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति के मुकाबले सामान्य कैटेगरी की कटआफ हमेशा ज्यादा होगी।

आज उल्टा हो गया। हम जो उसमें आ जाते हैं वह लिये नहीं जाते और उसी का परिणाम है कि उसने कहा कि 18598 सीट की जगह मात्र 3.86 यानी 2637 पद मात्र पिछड़ी जाति के और अनुसूचित जाति का 67 परसेंट केवल 21 परसेंट के अनुसार करीब 11490 पद भरे गये यानी उन्होंने माना कि 19000 पद पिछड़ी जाति तथा अनुसूचित जाति के और होने चाहिये। हमारे छात्रों ने लड़ाई लड़ने का काम किया। सरकार ने स्वयं स्वीकार किया कि 6800 पद के साथ नाइंसाफी हुयी है, इसमें पिछड़ों और अनुसूचित जाति के लोगों की और भर्ती होनी चाहिये थी। मान लिया लेकिन उसके बाद भी आज तक वह भर्ती करने का काम नहीं किया गया। मान्यवर, इस तरह से पक्षपात करने का काम किया जा रहा है। मान्यवर, कानून-व्यवस्था पर मैं नहीं जाना चाहूँगा वह इसलिये कि मा0 नेता प्रतिपक्ष जी उस पर विस्तार से चर्चा करने का काम करेंगे, लेकिन आज उत्तर प्रदेश की विभिन्न संस्थाओं में पिछड़े वर्ग की जो स्थिति है चाहे वह विश्वविद्यालय में प्रोफेसर पद को ले लें, चिकित्सा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर पद को ले लें, अन्य संस्थाएं हैं चाहे वह हाई कोर्ट हो, सचिवालय हो, आप कहीं भी ले लें, क्या उसमें पिछड़े वर्ग तथा अनुसूचित जाति का कोटा पूरा है? आप कहते हैं 'सबका साथ सबका विकास', आप गुमराह करके वोट तो ले लेंगे, लेकिन उसके बाद आप उनका साथ देने का काम नहीं करेंगे।

मान्यवर, दूसरी तरफ हमारे मंत्री जी ने अपने भाषण में कहा कि हम 24 करोड़ में 14 करोड़ लोगों को राशन दे रहे हैं। हम उनकी बात मान रहे हैं। अभी जनगणना हुयी नहीं तो 24 करोड़ का आँकड़ा कहाँ से आया? पहली बार इस देश में ऐसी स्थिति आयी है कि 2021 में जनगणना होनी चाहिये थी, लेकिन आज 2023 चल रहा है 02 साल बीत गये, लेकिन अभी तक जनगणना नहीं हुयी। मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में यह पहली बार हुआ है। उसके बावजूद भी 24 करोड़, 25 करोड़ जो भी जिसके मन में आता है बोल देते हैं। मैं उसको मानता हूँ और कह रहे हैं कि 14 करोड़ लोगों को हम राशन दे रहे हैं यानी आप 70 परसेंट से ज्यादा लोगों को राशन दे रहे हैं। इसका मतलब यह है कि 70 परसेंट लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं और आप वाहवाही लूट रहे हैं कि हमने यह कर दिया, हमने आसमान पर पहुँचा दिया। मान्यवर, इसी से यह बार-बार क्रेडिबिलिटी कहते हैं। क्रेडिबिलिटी के बारे में मा0 नेता प्रतिपक्ष जी ने बताया तथा हमारे तमाम मा0 सदस्यों ने भी बताया और यहीं पर मा0 मंत्री जी ने खड़े होकर स्वयं कहा कि मा0 मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की है तो वह पूरा होगा। पूरा तो नहीं हुआ, क्रेडिबिलिटी की बात छोड़ दीजिये। जहाँ तक चुनाव जीतने को अपनी क्रेडिबिलिटी मानते हैं तो 1951 में कांग्रेस जीती, 1957 में कांग्रेस जीती, 1962 में कांग्रेस जीती, 1967 में कांग्रेस जीती, 1969 में कांग्रेस जीती, 1974 में लगातार कांग्रेस जीती तो मान्यवर उसकी भी तो क्रेडिबिलिटी थी। आप उसकी आलोचना क्यों करते हैं कि कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। आप चार बार, 1977 में मा0 नेता जी के साथ जनता पार्टी थी उस समय जीते, 1989 में जीते, 1993 में जीते, 2012 में जीते और उसके बाद भी आप कहते हैं कि

क्रेडिबिलिटी नहीं है, इन्होंने काम नहीं किया इसलिये जनता ने नकार दिया। चार बार यह बने। आप तो अभी दो बार बने हो और पहला वाला मिला लीजिये तो तीन बार बने हो और आप क्रेडिबिलिटी की बात करते हो। आप जनता को अंधविश्वास में झोंककर धर्म के आधार पर उसको ऐसा पाठ पढ़ा रहे हैं कि उस पाठ में फंसकर वह अपने हितों को देखने में पीछे छूट जा रही है और उसके बाद उसके संसाधन को आप अपने लिये प्रयोग करने का काम कर रहे है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 वर्मा जी, अब आप संक्षिप्त करें।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, मैं संक्षिप्त कर रहा हूँ। यह क्रेडिबिलिटी है। बंगाल में ममता जी जीत रही है वह क्रेडिबिलिटी नहीं है। वहाँ जाकर विरोध करते हैं और कहते हैं कि इन्होंने कोई काम नहीं किया, कोई काम नहीं किया, तो फिर आप दुबारा जीतने पर इतना शोर क्यों मचा रहे हैं, वह भी सीटों की संख्या घट गयी। पहली बार 325 सीटों से जीत कर आए थे और इस बार 255 में ही सिमट कर रह गये, और आप इसको क्रेडिबिलिटी कह रहे हैं। इस तरह से ढिंढोरा पीटने का काम करते हैं। जहां तक जल जीवन मिशन का सवाल है। आप हर घर को नल देने की बात करते हैं। लखनऊ का ही उदाहरण ले लिया जाय यहां पर टंकियाँ लगी हुई है लेकिन एक घर बता दीजिए चाहे उसमें मा0 मंत्री जी रह रहे हों, चाहे विधायक अपना घर बनाकर रह रहे हों, क्या उस टंकी से पानी पाकर कोई स्नान कर पा रहा है? अगर यहां पर यह व्यवस्था सफल नहीं है तो फिर गांवों में यह व्यवस्था कैसे सफल हो सकती है? मेरे क्षेत्र में प्रतापपुर चमुर्खा है, मा0 नेता प्रतिपक्ष के समय में ही वहां पर टंकी स्वीकृत हुई थी वह टंकी बन के तैयार हुई और हर घर को कनेक्शन दिया गया लेकिन अब वहां पर सुबह दो घंटा पानी आता है, दोपहर दो घंटा पानी आता है, शाम को दो घंटा पानी आता है और कभी-कभी तो 15-15 दिन तक पानी नहीं आता है, यह है आपका जल जीवन मिशन। आपने सड़कों को हर जगह खोद डाला है, हर गांव में सड़कें खुदी पड़ी है। बड़ी मुश्किल से गांव की सड़कें बनती हैं। लोक निर्माण विभाग के मंत्री जी के साथ भेद-भाव करते हुए उनको पैसा नहीं दे रहे है, उनको पंगु बना दिया गया और सड़कें खोदे दे रहे हैं उन सड़कों के निर्माण के लिए कोई काम नहीं कर रहे हैं।

जहां तक विद्युत का सवाल है हम बड़ा ढिंढोरा पीटते हैं लेकिन हर तीसरे दिन, चौथे दिन ट्रांसफार्मर फुक जाता है, आज सर्वे कराकर ट्रांसफार्मर बदलने की जरूरत है लेकिन नहीं बदला जा रहा है। किसान की बात करते हैं, हमारे समय में किसान को ट्यूबवेल के लिए 300 यूनिट तक फ्री बिजली मिलती थी उसको सरकारी खर्चे पर बिजली पहुँचाने का काम किया जाता था। लेकिन आज अगर अपने ट्यूबवेल के लिए 300 यूनिट बिजली हमें लेनी पड़ जाये

तो कम से कम 2 लाख रुपया जमा करना होगा तब मिलेगी। इसी तरह से आज ट्यूबवेल के लिए बिजली नहीं मिल पा रही है। दूसरी तरफ ट्रांसफार्मर फुक रहे हैं अगर वह बदले जाते हैं तो तुरन्त फिर फुक जाते है, उसकी क्षमता वृद्धि के लिए पैसा नहीं है। किसान से ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए सामान्य योजना में 52 हजार, 65 हजार 63 हजार रुपया जमा करा लिया जाता है लेकिन मा0 मंत्री जी के द्वारा आज तक उन किसानों को बिजली उपलब्ध नहीं करायी जा रही है। किसान राह देख रहे है कि हमें कब बिजली मिलेगी? दो-दो साल, चार-चार साल हो गये उनको बिजली नहीं दी जा रही है, उनको कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है, हमने एक प्रश्न पूछा तो मा0 मंत्री जी ने कहा कि आप पूरा पुथन्ना जमा कर दें। मा0 वित्त मंत्री जी ने ऊर्जा विभाग को पैसा नहीं दिया कि जिससे सामान्य योजना के अन्तर्गत नलकूप का कनेक्शन कर दिया जाय मैं चाहता हूँ कि इस पर आप अपने विचार रख दें। इसी तरह से भ्रष्टाचार की बात आती है। आप भी विधायक हैं और सदन में सारे विधायक बैठे हैं। हमारे जिले में हर डेढ़ महीने पर थानेदार बदल दिए जाते हैं, किसलिए बदले जाते हैं ? शाम को पुलिस सस्पेंड की जाती है और सुबह बहाल हो जाती है, किस आधार पर बहाल किए जाते हैं? निश्चित तौर पर भ्रष्टाचार बढ़ा नहीं है, भ्रष्टाचार आसमान को छू रहा है और भ्रष्टाचार का ही एक उदाहरण देकर मैं अपनी बात समाप्त करूँगा। लखनऊ से आगरा एक्सप्रेस-वे बना है, आप रोज उसी से आते-जाते हैं। एक बार आप पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चलकर देख लें, अगर आप रफ्तार में चलें और आपका सर न फूट जाए तो कहिए। इस तरह से भ्रष्टाचार की भेंट हमारा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे चढ़ा है इसको आप स्वयं देख लें। हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी तो हवाई जहाज से चलते हैं।

इसके अलावा मान्यवर, उद्योगों की बड़ी चर्चा की गयी है। इस देश के किसानों के नेता चौधरी चरण सिंह थे उनका यह कहना था कि देश के विकास का रास्ता खेतों और खलियानों से होकर जाता है। उन्होंने एक किताब लिखी है जिसे मा0 मुख्य मंत्री जी को पढ़ लेना चाहिए, कि भारत की भयावह आर्थिक स्थिति तारण और निदान, उन्होंने कहा था कि हमारे देश में जापान की नकल करनी चाहिए। हमें छोटे-छोटे कुटीर उद्योग को बढ़ावा देना चाहिए। हमारे प्रदेश में बुनकर उद्योग बड़े पैमाने पर होता है। उसको 65 रुपये प्रति हार्स पावर सब्सिडी देकर बिजली देने का काम माननीय अखिलेश यादव जी कर रहे थे। इन्होंने समाप्त कर दिया। यानी कुटीर और लघु उद्योगों को मारकर बड़े-बड़े उद्योग बिहार में लगे थे। बिहार की आर्थिक स्थिति कहां पहुंच गयी। किस जिले में बड़े उद्योग लगे आप केवल उसकी सूची देने का काम करें। ऐसा आपसे निवेदन करते हुए अन्त में मैं यह कहना चाहता हूँ कि दिनकर जी के दोहे बहुत पढ़े होंगे। दिनकर जी की एक कविता यह भी है कि 'सिंहासन खाली करो, जनता आती है'। मान्यवर निश्चित रूप से अब आपको खाली करना पड़ेगा। दिल्ली से भी और लखनऊ से भी आप सत्ता से बेदखल होंगे। अब जनता गुमराह होने वाली नहीं है। इन्हीं शब्दों

के साथ आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करते हुए अपनी बात को विराम देता हूँ। धन्यवाद।

*** [02:05]श्री रामनरेश अग्निहोत्री-**

माननीय अधिष्ठाता जी, उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय और जनप्रिय मुख्यमंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में हमारे प्रदेश के यशस्वी वित्त मंत्री आदरणीय श्री सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा जो बजट प्रस्तुत किया गया है वह ऐतिहासिक एवं विकासपरक् है। बीते 6-7 वर्षों में न सिर्फ बजट का आकार दोगुना हुआ है बल्कि इस अवधि में उत्तर प्रदेश की अर्थ व्यवस्था का आकार सकल राज्य घरेलू उत्पाद जी0एस0डी0पी0 भी लगभग दोगुना होने जा रहा है। वर्ष 2016-17 में प्रदेश का जी0एस0डी0पी0 बारह लाख सैतालिस हजार छः सौ अट्ठावन करोड़ रुपये का था। जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर चौबीस लाख उन्तालिस हजार एक सौ इकत्तीस करोड़ के रिकार्ड पर पहुंचने का काम करने जा रहा है। इन 7 वर्षों में प्रदेश की जी0एस0डी0पी0 में 95.50 प्रतिशत की वृद्धि होने की प्रबल सम्भावना जताई जा रही है जो एक रिकार्ड कायम करने का काम करेगा। महोदय वर्ष 2017 के पहले यह प्रदेश बीमारू प्रदेश कहा जाता था। जहां भ्रष्टाचार, गुण्डाराज का बोल बाला था। विगत 6 वर्षों में माननीय योगी जी के सफल नेतृत्व में हमारा प्रदेश विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उसी का परिणाम है कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 10 से 12 फरवरी 2023 को देश के मध्य यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया है। जिसमें 16 देशों एवं 21 बड़े शहरों का प्रतिनिधि मण्डल निवेश की सम्भावनाओं के साथ सम्मिलित हुआ। 25 हजार निवेशकों के द्वारा लगभग 35 हजार करोड़ का समझौता ज्ञापनों का हस्ताक्षर करने का ऐतिहासिक काम प्रदेश के अन्दर पहली बार हुआ है। युवाओं की बात करें तो 2017 के पूर्व प्रदेश की बेरोजगारी दर 14.4 प्रतिशत थी जो आज घटकर 4.2 प्रतिशत रह गयी है। जो प्रदेश के विकास की सम्भावनाओं को दर्शाती है। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण के पात्र छात्र-छात्राओं को टैबलेट, स्मार्ट फोन देने हेतु बजट में 36 हजार करोड़ का बड़ा प्राविधान किया गया है। उत्तर प्रदेश स्टार्ट अप नीति के अन्तर्गत कृषि, चिकित्सा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, खादी, शिक्षा, पर्यटन एवं परिवहन आदि क्षेत्रों में स्टार्ट अप को बढ़ावा देने का काम तेजी से किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए एग्रीकल्चर एक्सलेरेटर फण्ड 20 करोड़ रुपये का प्रस्तावित किया गया।

मान्यवर, सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, कुष्ठावस्था पेंशन इस बजट में आंवटित करने का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में अब तक 35950 लोगों का विवाह धूमधाम से सम्पन्न कराया गया है और यह योजना बहुत ही सफल रही है और गरीबों को सीधा लाभ मिल रहा है और इन शादियों में

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

डी0एम0 एस0पी0 एस0डी0एम0 भी रहते हैं और शादियां धूम-धाम से मनाई जा रही है और गरीबों की शादियां कराने का काम प्रदेश सरकार कर रही है इन शादियों में अच्छा भोजन भी दिया जाता है और दहेज के रूप में भी कुछ सामान दिया जाता है।

चिकित्सा के सम्बन्ध में आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत प्रदेश में वर्ष 2018 से अब तक 2.34 करोड़ से अधिक लाभार्थी पंजीकृत किये जा चुके हैं और लाभार्थी परिवारों को पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा के लिए 400 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसके साथ ही आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य हेतु 250 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के द्वारा प्रदेश के सभी जनपदों में मेडिकल कालेज बनाने का काम तेजी से चल रहा है और 45 जनपद में मेडिकल कालेज स्थापित किये जा चुके हैं और 14 जनपदों में मेडिकल कालेज निर्माणाधीन हैं और 16 जनपदों में पी0पी0 माडल के आधीन मेडिकल कालेजों की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। पहले प्रदेश में तीन एयरपोर्ट हुआ करते थे और आज नौ एयरपोर्ट क्रियाशील हैं और 21 स्थानों पर नए एयरपोर्ट की स्थापना करने का काम तेजी से चलाया जा रहा है। ऊर्जा के क्षेत्र में वर्तमान में जिला मुख्यालयों पर 24 घण्टे और तहसील मुख्यालय पर 20 घण्टे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घण्टे बिजली की आपूर्ति दी जा रही है। वर्ष 2017-18 में 1 लाख 21 हजार 324 मजरे विद्युतीकरण किये जा चुके और कृषि एवं घरेलू फीडरों के पृथक्कीकरण का काम तेजी से चल रहा है। वर्ष 2019-2020 में विद्युत उत्पादन 40 हजार मेगावाट जो पहले 37 हजार 66 मेगावाट था अब उसका उत्पादन 40 हजार मेगावाट के लगभग हो गया है। किसान सम्मान निधि नवम्बर 2022 तक 12 किस्तों में 51 हजार 639 करोड़ रुपये डी0बी0टी0 के माध्यम से कृषकों के खाते में जमा करायी जा चुकी है। किसानों को निजी नलकूपों पर बिजली बिल के रियायती दर पर भुगतान हेतु 1950 करोड़ रुपये का प्रावधान बजट पर दिया गया है। गन्ना किसानों द्वारा रिकार्ड उत्पान किया गया। प्रदेश में 120 चीनी मिलों द्वारा लगभग 102 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश आज खाद्यान उत्पादन की दृष्टि से नम्बर एक का राज्य बन गया है और गन्ना उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश देश का आग्रणी व नम्बर एक का राज्य बनकर गौरव स्थापित करने का काम कर रहा है। प्रदेश में छुट्टे गौवंश एक विकराल समस्या है इसके निदान के लिए नए 187 गौशालाएं बनाया जाना प्रस्तावित है। नये 187 गौसंरक्षण केन्द्र अथवा गौशाला बनाया जाना प्रस्तावित है जिनमें से 171 केन्द्रों पर निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके अतिरिक्त छुट्टा गौवंश के रखरखाव हेतु 750 करोड़ रुपये की व्यवस्था बजट के अन्दर प्रस्तावित की गई है। इसी प्रकार वृहद गौसंरक्षण केन्द्रों की स्थापना हेतु 120 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में क्रान्तिकारी कार्य किया गया है। शहरी एवं ग्रामीण अंचल में विशेषकर सामान्य एवं निर्धन परिवारों के बच्चों को हमारी सरकार में बेहतरीन शिक्षा प्रदान की जा रही है। पहले प्रदेश में सरकारी प्राइमरी और जूनियर स्कूलों की हालत बेहद

खस्ता थी जिस कारण से अपने बच्चों को इन स्कूलों में पढ़ने के लिए भेजने से कतराते थे। इन विद्यालयों के भवन जर्जर थे और वहां पर ठीक ढंग से पढ़ाई नहीं होती थी, लेकिन हमारी सरकार के दौरान कायाकल्प योजना के अन्तर्गत इन विद्यालयों को चमचमाता हुआ बनाने का काम किया गया है जिससे पूरे प्रदेश के अन्दर पढ़ाई का माहौल बना है। आज गरीबों के बच्चों को जूता-मोजा, यूनीफार्म, पुस्तकें देकर पढ़ाने का काम किया जा रहा है जिसके कारण प्रदेश के अन्दर पढ़ाई का माहौल बना है। माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में हमारी सरकार द्वारा प्रदेश में पयर्टन की अपार सम्भावनाओं को तलाशने का काम किया गया है। अयोध्या, मथुरा, काशी के अतिरिक्त चित्रकूट, विन्ध्याचल, प्रयागराज, बटेश्वरधाम को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने के लिए सरकार भागीरथी प्रयास कर रही है। अयोध्या में राम मन्दिर निर्माण का कार्य प्रगति पर चल रहा है। जन-जन के आराध्य भगवान श्री राम के इस मन्दिर के लिए पाँच सौ वर्षो के संघर्ष के बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय और केन्द्र सरकार के सहयोग से जनवरी, 2024 में अयोध्या में राम मन्दिर का लोकार्पण होने जा रहा है। यह प्रदेशवासियों ही नहीं, बल्कि देशवासियों के लिए गौरव और सम्मान की बात है जहां करोड़ों लोग दर्शनार्थी आयेंगे। हमारे प्रदेश को करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त होगा और बेरोजगार नौजवानों को इस पौराणिक स्थल पर रोजगार के साधन मुहैया हो सकेंगे। पूरे देश में उत्तर प्रदेश की अच्छी कानून-व्यवस्था की चर्चा है और लोग कहते है कि उत्तर प्रदेश जैसी कानून-व्यवस्था पूरे देश में कहीं नहीं हैं। विदेशों में भी इसकी चर्चा हो रही है। भाजपा ने वर्ष 2017 के चुनाव के पहले नारा दिया था कि 'ना होगा गुण्डाराज, ना होगा भ्रष्टाचार, अब की बार भाजपा सरकार।' हमने यह दोनों काम अपनी सरकार में करके दिखाये हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुण्डाराज और जंगलराज को खत्म करने का काम किया है। योगी जी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार ने इसके प्रति सौ परसेण्ट जीरो टालरेन्स को लागू करने का काम किया है। आज गुण्डे, अपराधी और बड़े-बड़े माफिया जेलों के अन्दर पड़े हुये हैं वह योगी जी के नाम से भयभीत हैं। प्रदेश में आज जनमानस सुरक्षित है। माननीय पूर्व मुख्य मंत्री श्री कल्याण सिंह जी की सरकार के बारे में लोग कहते थे कि ऐसी कानून व्यवस्था कभी नहीं आई है। माननीय कल्याण सिंह जी कहा करते थे कि जब रात के 12 बजे हमारी बहन बेटियाँ एक किलो जेवर पहनकर रेलवे स्टेशन और बस स्टैण्ड से सुरक्षित अपने घर पर पहुँच जायें तब मानना की प्रदेश की कानून-व्यवस्था चुस्त और दुरूस्त है। आज वही स्थिति पैदा हो गई है कि रात के 12 बजे और 2 बजे बहन बेटियाँ आराम से रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और बस स्टैण्ड से अपने घर पहुँच रही हैं। इसी के कारण हत्या, लूट, डकैती, अपहरण, बलवा में पूरे प्रदेश के अन्दर भारी गिरावट आई है और हमारा प्रदेश दंगारहित प्रदेश बन गया है। अब हमको दंगा नहीं बल्कि विकास की ओर तेजी के साथ आगे बढ़ना है, लेकिन हमारे विपक्ष के लोग अभी भी हल्ला मचा रहे है। सुबह आपने देखा था कि यह लोग किस तरह से वेल में आ गये थे और इन्होंने क्या हालत कर दी थी। जिन्होंने अपराधियों को संरक्षण दिया वही आज हल्ला कर

रहे थे। इसलिये मैं कहना चाहता हूँ कि 'तुम्हें भी जिद है अगर बिजलियाँ गिराने की, तो हमें भी जिद है यहीं आसियाँ बनाने की।' माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट के समर्थन में बोलने का अवसर दिया जिसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

*** [02:20] श्री सिद्धार्थनाथ सिंह-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं वित्तीय वर्ष 2023-2024 के बजट के समर्थन पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ और आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने मुझे इस पर बोलने का अवसर दिया। इस बजट की जितनी भी प्रशंसा की जाये वह कम है। मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी और आदरणीय वित्त मंत्री जी को हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। मैं विपक्ष की बातें सुन रहा था जिसमें विपक्ष के लोग खन्ना जी से कुछ नाराज दिख रहे थे। मुझे निश्चित तौर पर लगता है कि खन्ना जी ने जो बजट दिया है वह 'सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास' वाला बजट है ना की टोपी पहनाने वाला बजट है। माननीय अध्यक्ष जी, मैंने आदरणीय वर्मा जी की बातें सुनीं और मैं इनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़े भी सुन रहा था। मैं एक शेर अर्ज करता हूँ। 'हम पर कमी निकालना भूल जायेंगे लोग, अगर उनको तोहफे में हमने आईना दे दिया' मैं सोच रहा हूँ कि मैं यह आईना इनको दे ही दूँ। इसलिये कुछ आंकड़े मैं भी प्रस्तुत कर देता हूँ। यह जो आंकड़े है वह मैं कहीं और से नहीं लाया हूँ, बल्कि यह आर0बी0आई0 के आंकड़े हैं जो कैग आडिट के समय लेता है। मैं तुलना करने के लिए माननीय अखिलेश जी की सरकार का आखिरी साल और माननीय योगी जी की पिछली सरकार का आखिरी साल ले लेता हूँ। जब मैं जलापूर्ति एवं स्वच्छता को देखता हूँ तो पाता हूँ कि वित्तीय वर्ष 2016-2017 में आपका बजट प्राविधान 4182 करोड़ रुपये था और आपने 3590 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। आपने भी अपना पूरा बजट इस्तेमाल नहीं किया था जिसका आप बार-बार उल्लेख कर रहे थे। इसी प्रकार से अगर हम चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को देखें तो वित्तीय वर्ष 2016-17 में आपकी सरकार के दौरान 19137 करोड़ का बजट था लेकिन आपने 15784 करोड़ रुपये खर्च किया और हमारी सरकार में यह 26388 करोड़ जो आपसे 2.5 गुना ज्यादा था।

मान्यवर, विषय है कि आपका कितना बजट था और आपने कितना खर्च किया। सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण के लिए वर्ष 2016-17 में आपने 16 हजार 940 करोड़ रुपये का बजट इस्टीमेट रखा था और आपने एक्चुअल में 15 हजार करोड़ रुपये ही खर्च किया था। इसी प्रकार से मैं पुलिस की भी बात कर लूँ तो आपने 14 हजार 579 करोड़ रुपये का बजट रखा था और आपने 13 हजार 61 करोड़ रुपये ही खर्च किया था। आपने 6 हजार 388 करोड़ रुपये नगर विकास के लिए बजट रखा था लेकिन आपने 4 हजार 848 करोड़ रुपये ही खर्च किया था। यह साफ दिखाता है कि हर वर्ष जो आपने बजट दिया था वह सौ

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

प्रतिशत खर्च नहीं हुआ। मैं आपकी सरकार के तीन साल ले लेता हूँ, मै इसलिए नहीं ले रहा हूँ क्योंकि शुरूआती दौर में कोरोना आ गया था और हम लोग उस बीमारी से बाहर निकले थे और पूरा विश्व उस बीमारी से बाहर निकला था तो एक मंदी का दौर था। मैं आपकी सरकार के पहले तीन साल ले लेता हूँ और हम योगी-1 की सरकार के तीन साल ले लेते हैं और मैं फिर कह रहा हूँ यहां आंकड़े आर0बी0आई0 के हैं। वर्ष 2012 से वर्ष 2015 तक मा0 अखिलेश जी की सरकार ने वास्तविक बजट 84.4 प्रतिशत ही खर्च किया था और योगी-1 की सरकार ने 91.1 प्रतिशत खर्च किया था तो यह आंकड़ें साफ दिखाते हैं कि आपकी सरकार ने कितना खर्च किया था और हमारी सरकार ने कितना खर्च किया था। यह आर0बी0आई0 के आंकड़े हैं जिनको आपने इस्तेमाल नहीं किया है। यह जो बड़े-बड़े दावे कर रहे है कि आपने पैसा खर्च नहीं किया हैं तो यह आंकड़ें यह भी दिखा रहे है कि जब आपकी सरकार थी तो आपने भी पूरा पैसा खर्च नहीं किया था। मा0 वर्मा जी थोड़ा परेशान हो रहे हैं तो उनके लिए एक शेर अर्ज कर देता हूँ कि-

आईना हूँ तेरा, क्यों इतना कतरा रहे हो,
सच ही कहूँगा, क्यों इतना घबरा रहे हो।

मान्यवर, मा0 नेता विपक्ष सदन में उपस्थित नहीं हैं। आगरा एक्सप्रेस-वे की बात हुई थी और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की बात हुई थी। उस समय जब बातचीत हुई थी तो जब मा0 वर्मा जी अपनी बात रख रहे थे तो उस समय मा0 अखिलेश जी कुछ टिप्पणियां भी कर रहे थे। मैं आपको बता दूं कि आपने सिर्फ एक ही एक्सप्रेस-वे बनाया था और मैं कहीं वर्ष 2007 से वर्ष 2017 के बीच के समय को लूंगा तो दस साल में 467 किलोमीटर ही एक्सप्रेस-वे बने थे और वर्ष 2017 से वर्ष 2022 के बीच में जो एक्सप्रेस-वे बने हैं और तैयार एवं संचालित है वह 733 किलोमीटर है और आगरा एक्सप्रेस-वे के बारे में बात कर रहे थे कि कुछ हिलता नहीं है, सिर लड़ता नहीं है तो आगरा एक्सप्रेस-वे के बारे में याद होगा कि जब वह एक्सप्रेस-वे बना था तो एक पांच सौ मीटर मकान के बराबर ही रोड धंस गयी थी।

यह भी लोगों को याद है। आदरणीय शिवपाल जी अभी यहां पर बैठे नहीं है, वे मेरी आवाज सुनेंगे तो अच्छा है, आशीर्वाद मिलेगा क्योंकि उनका आदर है। पूरा सदन ही उनको चाचा जी कहता है तो मैं भी चाचा जी ही कहूँगा। चिकित्सा शिक्षा के बारे में और स्वास्थ्य के बारे में कल चर्चा कर रहे थे। मैं ये थोड़े-से आंकड़े इसलिए रख रहा हूँ, जे0ई0 और ए0ई0एस0 के बारे में ज्यादा विस्तार से नहीं कहूँगा, मैं भी उस पीरियड का स्वास्थ्य मंत्री रहा हूँ। जे0ई0 और ए0ई0एस0 के बारे में यह बात सही है कि यह महामारी 40 साल पुरानी है और 38 जिलों में थी और वर्ष 2017 में मैने एक प्रकार से जनता और मीडिया का प्रकोप देखा था और 1500 से लेकर लगभग 2000 की संख्या में दुर्भाग्यपूर्ण मौतें हुई थी। हम लोगों ने कोल्ड चेन बनाकर वर्ष 2018 में एक करोड़ से ऊपर जे0ई0 के इंजेक्शन लगाये। हम लोगों ने दस्तक अभियान चलाकर, जिसे आज डब्ल्यू0एच0ओ0 भी रिकगनाइज करती है, आज जो

डेथ्स हैं उसको हम लोग दो या तीन प्रतिशत तक लेकर आ गये हैं और आने वाले समय में उसको समाप्त करेंगे। यहीं मैं मेडिकल कालेजेस की बात करता हूँ, वर्ष 2017 में जब हमारी सरकार आई थी तो प्राइवेट और सरकारी मेडिकल कालेज उत्तर प्रदेश में 33 थे और अब प्राइवेट और सरकारी की संख्या 65 है और 18 निर्माणाधीन हैं। इसका मतलब हम आपसे तीन गुना बढ़ जायेंगे। ये एम0बी0बी0एस0 की सीट की बात कर रहे हैं। वर्ष 2017 में आपकी एम0बी0बी0एस0 सीट जो सरकारी थी वह 1,990 थी, 2,550 सीटें प्राइवेट में थी और वर्ष 2022 में सरकारी सीटें 3,828 हो जाती हैं और 4,550 सीटें प्राईवेट में बढ़ी हैं। यह सब जो चीजें हैं वह व्यवस्था की दृष्टि से है, इंफास्ट्रक्चर उसका बढ़ रहा है। पी0जी0सी0, वर्ष 2017 में आपके पास सरकारी सीटें 741 थीं और वर्ष 2022 में हमारे पास सरकारी सीटें 1,441 हो जाती हैं। यह भी डबल है।

इसी तरह कहीं हम और क्षेत्रों की बात करें। अभी विपक्ष के लोग तो है नहीं, जनपदों, मुख्यालयों में हम 24 घण्टे बिजली की बात करते हैं, तहसीलों में भी 24 घण्टे हैं और ग्रामीण क्षेत्र में भी 18 घण्टे है और आपके समय में 17 घंटे, 11 घण्टे और 12 घण्टे बिजली आती थी। मगर आपके सामने मैं केवल वर्ष 2017 की बात करूं तो कुल उपभोक्ता 180.13 लाख थे और हमारे जनवरी 2023 को देखें तो 323. 60 लाख थे। इसी प्रकार जो मजरें को कनेक्ट किया था उसमें भी हम लोग आपसे मोर दैन डबल हुए, आपके पास एक लाख अट्ठाइस हजार चार सौ चौरासी लाख थे और हम आज उससे दो गुना ज्यादा है। हर क्षेत्र में कहीं-न-कही उत्तर प्रदेश ने अपने बजट का सही इस्तेमाल किया है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय विधायक जी, कृपया भाषण को संक्षेप में कहिए।

श्री सिद्धार्थनाथ सिंह-

जी मान्यवर, थोड़ा-सा दो-तीन मिनट और लेना चाहता हूँ। ये एक मोटे आंकड़े हैं और माइको-स्टैटिक्स है जो बजट की है। यह सबको पता है कि बजट 6 लाख 90 हजार 242 करोड़ का है और सकल राज्य घरेलू उत्पादन वह 16.8 प्रतिशत का है। और प्रस्तावित 19 प्रतिशत का है। जो राजकोषीय घाटा है, वह 3.48 है, इसका मतलब रिवेन्यू डिसेप्लिन या जिसे हम राजकोषीय अनुशासन कहते है, उसके अन्दर उत्तर प्रदेश सरकार है और सबसे महत्वपूर्ण जो चीज है, आज राजस्व अधिशेष है, यानी रिवेन्यू सरप्लस उत्तर प्रदेश बन गया है, 53,907.2 करोड़ का। यह जो दो फिगर हैं, इस पर वर्मा जी थोड़ा ध्यान देंगे और संदीप जी की बात बाद में सुन लेंगे तो इसमें आपको थोड़ा रुचि आ जायेगी कि रिवेन्यू सरप्लस और जो फिसिकल डेफिसिट है, वह कहीं अनुशासन में आ जाए तो उसका लाभ कैसे राज्य को मिलता है। इसका यह सही मतलब होता है कि हम लोग कैपिटल एसेट्स बनाने की तरफ जाने लगे हैं। इसका मतलब पूँजीगत परिसम्पत्ति होता है, उसको बना रहे हैं और ये एक प्रकार से

अर्थ-व्यवस्था का आधार बनता है और जब यह अर्थ-व्यवस्था का आधार बनता है तो एक मल्टीप्लायर इफेक्ट आता है, जिसको हम लोग आगे देखेंगे जो वन ट्रिलियन डालर इकोनॉमी की तरफ ले जायेगा और वन ट्रिलियन डालर इकोनॉमी के लिए यह भी आवश्यक है कि हम लोगों का जो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुआ, 33.5 लाख करोड़ के जो प्रस्ताव आए हैं, उसको भी जमीन पर उतारेंगे।

नए रोड, नए एयरपोर्ट, एक्सप्रेस-वे, इन्डस्ट्रियल पार्ट, ये जितनी भी नई परियोजनाएँ हैं, इस दफे सरकार ने उसके लिए लगभग 32 हजार करोड़ और अधिक रखा है। मेरा जो अपना अनुभव है, अर्थशास्त्र के अन्दर, मैं बताना चाहता हूँ कि जब मल्टीप्लायर इफेक्ट आता है, उस मल्टीप्लायर इफेक्ट के अन्दर और जो अर्थ व्यवस्था का बेस बढ़ता है, आधार बढ़ता है तो वह जब मल्टीप्लाई करता है तो वह और तेजी से करता है। यह 20-21 लाख करोड़ तक है। हम 2022 में आये, कहीं करोनाकाल नहीं होता, वह 24-25 लाख करोड़ होता। तो यह जो मल्टीप्लायर इफेक्ट है, यह आने वाले समय में 22 से 25 परसेण्ट रहेगा, स्टेट जीडीपी रहेगी तो यह एक ट्रिलियन डालर एकोनॉमी की तरफ, अर्थ व्यवस्था की तरफ उत्तर प्रदेश चला जायेगा। मान्यवर, एक समय होता था, 1980 के दशक के बाद, यह 2000 तक काफी चला। जब बजट आता था तो बजट पर एक जनरल प्रतिक्रिया विपक्ष की आती थी, वह आज भी मैंने सुनी कि किसान विरोधी है, महिला विरोधी है, युवा विरोधी है, पिछड़ा विरोधी है तो ऐसा करके विरोधी हैं, विरोधी हैं। मेरे ख्याल से अब वह समय नहीं है। जनता कहती है, उन्होंने तो यह दे दिया, आपका इसमें क्या सुझाव है, उसको तो बता दो, खाली विरोधी कहने से नहीं होगा। आपका सुझाव क्या है? इतना खर्च नहीं हुआ, इतना नहीं हुआ, आपने भी नहीं किया तो आप बताओ और बेहतर कैसे हो सकता है? वह विपक्ष रखता नहीं है, सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं होती है। इसलिए मैं उनसे आदरपूर्वक आग्रह करूँगा कि आप भी इस सकारात्मक बजट में अपने सुझाव दें। अधिष्ठाता जी, मैं आखिर में एक शेर के साथ अपनी बात को समाप्त कर देता हूँ।

''सीढ़ियाँ उन्हें मुबारक हों, जिन्हें छत पर जाना हो,
आसमाँ है जिसकी मंजिल, रास्ता स्वयं बनाना है।''

बहुत-बहुत धन्यवाद।

(श्री अधिष्ठाता द्वारा सदस्य सुश्री पूजा सरोज, श्री अताउररहमान तथा सुश्री ऊषा मौर्या का नाम पुकारा गया, लेकिन वह उपस्थित नहीं थी)

श्री अधिष्ठाता-

मा0 अध्यक्ष जी ने हमें संकेत दिया है कि दस से पन्द्रह मिनट के बीच में सभी मा0 सदस्य अपनी बात को समाप्त करें। मेरा अनुरोध है कि सभी मा0 सदस्य अपनी बात अपने टाइम पर खत्म करें।

डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा-

मान्यवर, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया मैं आपको धन्यवाद देता हूँ और मैं अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष परम आदरणीय अखिलेश यादव जी को धन्यवाद देता हूँ। एवं अपने क्षेत्र की जनता का भी आभार व्यक्त करता हूँ। परम पूज्य बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी और मा0 नेता जी के श्री चरणों में नमन करते हुए मैं कहना चाहता हूँ कि वर्तमान सरकार पिछड़ों की विरोधी सरकार है, वर्तमान सरकार दलित विरोधी सरकार है, वर्तमान सरकार महिला विरोधी सरकार है, वर्तमान सरकार रोजगार विरोधी सरकार है, नौजवान विरोधी सरकार है और बेटी विरोधी सरकार है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि आज से एक वर्ष पहले जब पी0डब्ल्यू0डी0 के मंत्री थे केशव मौर्या जी जिन्होंने गढी तिवारी से फरौल नगरीया के लिए अपने घोषणा-पत्र में कहा था कि यह रोड चौड़ी हो जाएगी और बन भी जाएगी। मै आपको बताना चाहता हूँ कि न तो वहां पर काम हुआ और वहां अभी तक सड़क ऐसे ही पड़ी हुई है। मा0 अध्यक्ष जी न सड़क का चौड़ीकरण हुआ और न ही उसकी सुदृढ़ीकरण का। मैं अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष परम आदरणीय अखिलेश यादव जी को बधाई देता हूँ कि फिरोजाबाद में अगर मीठा पानी लाने का काम किया तो आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी ने किया था। इतना ही नहीं मेडिकल कालेज की स्थापना अगर किसी ने कराई तो वह राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी ने कराई। मुझे मालूम है आदरणीय अध्यक्ष जी आप भी जानते हैं कि फिरोजाबाद से आगरा जब कोई मरीज मेडिकल कालेज एस0एन0 जाना चाहता था तो उसका रास्ते में ही दम निकल जाता था। जो काम राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने कराया वह किसी से छुपा हुआ नहीं है। राष्ट्रीय अध्यक्ष परम आदरणीय अखिलेश यादव जी ने इतना सुन्दर जो एक्सप्रेस-वे बनवाया जिस पर हम और आप तीन घण्टे में फिरोजाबाद से लखनऊ चले आते है।

साथियों मैं बताना चाहता हूँ कि आज मेडिकल कालेज की स्थिति क्या है उसमें प्रोफेसर और अस्सिटेंट प्रोफेसर हैं उनकी स्थिति क्या है न तो वहां दलितों की सीटें है न पिछड़ों की सीटें है अगर वहां सीट है तो एक जाति विशेष की सीट है। आदरणीय परम पूज्य पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी जहां भी होंगे उन्हें बेहद पीड़ा होगी कि मेरे खून और पसीने से भारतीय जनता पार्टी बनाई गई थी और भारतीय जनता पार्टी ने आज दलितों, पिछड़ों और शोषितों के साथ अन्याय करने का काम किया है। पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के आंखों से आंसू टपक रहे होंगे यह मैं कहना चाहता हूँ। इस बजट में न तो दलितों के लिए कोई इंतजाम हुआ, न शोषितों के लिए कोई इंतजाम हुआ और न ही अल्पसंख्यक और अनुसूचित जाति के लोगों के लिए कोई इंतजाम हुआ। पिछली बार जब मैं उधर था तब इसी सदन के जो मुख्य मंत्री जी थे उन्होंने यह वायदा किया था इसी सदन में कि हम मझवार जाति और धनगर जाति के प्रमाण-पत्र का कैम्प लगाकर उसे जारी करवाने का काम करेंगे। और आप अगर अभी की बात लें तो अभी भी इन्होंने यह कहा था कि हम हर विधायक को पांच करोड़ रुपए निधि देकर

गरीबों के हित में, शोषितों के हित में, वंचितों के हित में यह काम करने का काम करेंगे। साथियों यह सदन झूठ बोलने का सदन है मैं अध्यक्ष जी आपसे पूछना चाहता हूँ। एक दलित समाज का बेटा था, फिरोजाबाद में शैलेन्द्र कुमार जो कोरी समाज का एक बेटा था, उस बेटे ने मेडिकल कालेज के अत्याचारों की वजह से वहाँ पर फाँसी लगा ली और फाँसी लगाने के बाद सरकार ने कहा था कि हम नौकरी देंगे, उसके परिवार को अनुसूचित जाति के तहत आर्थिक सहायता देंगे। आज तक न तो कोई नौकरी मिली और न ही कोई आर्थिक सहायता जो मुकदमा उसमें दायर हुआ था तो किसी भी दोषी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि उसमें जो भी लोग दोषी हों, उनके खिलाफ कार्यवाही करने का काम करें। मैं बताना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में इतनी यूनिवर्सिटीज हैं, आप बताओ अगर किसी में बैकवर्ड का वी0सी0 हो, आप बताओ कहीं अनुसूचित जाति का वी0सी0 है और जो आगरा विश्वविद्यालय के एक वी0सी0 साहब थे, उन्होंने इतना बड़ा घोटाला किया कि पूरे देश और दुनिया में आपने अपना घोटाले वाली सरकारों में नाम किया है। हमारे यहाँ जो आगरा यूनिवर्सिटी है उसमें एक वाइस चांसलर ने लम्बा घोटाला करने का काम किया है और उन्होंने वहाँ जो नौकरियाँ थीं, उन नौकरियों में ऐसा जाल बिछाया कि उसमें न तो दलित आ पाए, न आदिवासी आ पाए, न पिछड़े आ पाए, न महिलाएँ आ पाईं। अगर आ पाए तो केवल एक ही जाति के लोग वहाँ पर आ पाए, उन्होंने वहाँ पर यह काम किया। साथियों मैं बताना चाहता हूँ कि सी0एच0सी0 की स्थिति क्या है, पी0एच0सी0 की स्थिति क्या है, एडिशनल पी0एच0सी0 की स्थिति क्या है, आज वहाँ पर कोई डाक्टर नहीं है। मैं आपके माध्यम से चाहता हूँ कि पापुलेशन के आधार पर जिन सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 और एडिशनल पी0एच0सी0 पर डाक्टर होने चाहिए, आप वहाँ उतने डाक्टर तैनात करने का काम करेंगे, ऐसा मेरा मानना है। मा0 अध्यक्ष जी, हमारे यहाँ पर बहुत बड़ी समस्या डार्क जोन की है। फरौल नगरिया पर अगर एक बाँध/बैराज बन जाएगा तो फिरोजाबाद की जनता को बहुत ज्यादा सहूलियत मिलेगी। ऊर्जा हेतु मु0 हसमत नगर, अब्बाद नगर, दुर्गेश नगर, नगला पचिया आदि क्षेत्रों में विद्युतीकरण कराया जाना। कच्ची नालियों का निर्माण, पानी निकासी हेतु नालों का निर्माण कराया जाए। मा0 अध्यक्ष जी, विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद में संयुक्त चिकित्सालय है, अगर आपके माध्यम से बिना कोई वित्तीय भार के वह जिला अस्पताल हो जाएगा तो वहाँ तमाम दलितों, पिछड़ों, शोषितों और अल्पसंख्यकों मरीजों को बड़ी संख्या में लाभ मिलेगा।

आदरणीय अध्यक्ष जी, भूड़ा नहर पर एक सेतु बनाया गया है एप्रोच मार्ग बनाने का काम किया जाए। साथ ही शिकोहाबाद स्टेशन तक के मार्ग का चौड़ीकरण कराने का काम किया जाए। मा0 अध्यक्ष जी, जातिगत जनगणना कराई जाए, जिससे कि मँझवार, गौड़, तुरहा, बाथम साथ ही सभी लोगों की भी पॉपुलेशन पता चल जाए और इन कास्ट के लोगों को भी सरकारी लाभ मिल सके। मा0 अध्यक्ष जी, शिकोहाबाद जनपद की फरौल नगरिया में यमुना पर एक बैराज बन जाएगा तो फिरोजाबाद जनपद के गरीबों को बहुत सारी सुविधा हो जाएगी। मैं

आपके माध्यम से अनुरोध करता हूँ कि फिरोजाबाद जनपद के राजा का ताल, अलीनगर, जरौली खुर्द को मिलाकर एक नगर पंचायत बनाई जाए। मेरी विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद में उच्च शिक्षा से वंचित लोगों के लिए यमुना की तलहटी पर एक महिला डिग्री कालेज अगर हो जाएगा तो मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद दूँगा। अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूँ कि जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के किन्नरपुर में एक इण्टर कालेज हेतु जमीन एक्वायर हो गई है, उसके बनने के लिए केवल वहाँ पर पैसा रह गया है। जमीनी हकीकत यह है कि अगर आपके माध्यम से डैक्च योजना के तहत केवल पैसा मिल जाएगा तो निश्चित रूप से किन्नरपुर में वहाँ एक इण्टर कालेज बन जाएगा। आपके माध्यम से मैं केवल दो लाइनें और पढ़ना चाहता हूँ कि लोहे की नाल जब पैरों में ठुकती है तो उसका स्वाद घोड़ा ही बता सकता है, उसी तरह से निषाद, केवट, मल्लाह, बिन्द का दर्द सदन में शोषित ही उठा सकता है। मैं यह कहना चाहता हूँ। अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपको दिल की अनन्त गहराईयों से धन्यवाद देता हूँ और हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष, मा0 अखिलेश यादव जी के लिए मैं कहता हूँ, मा0 अखिलेश यादव जिन्दाबाद।

(अधिष्ठाता महोदय द्वारा सदस्य अतुल गर्ग का नाम पुकारे जाने पर वह सदन में उपस्थित नहीं थे)

श्री महेश चन्द्र गुप्ता-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट की चर्चा पर बोलने का अवसर दिया आपको हृदय से बहुत धन्यवाद। मैं धन्यवाद देता हूँ अपने भाजपा नेतृत्व को कि उन्होंने मुझे पार्टी से प्रत्याशी बनाया और मैं धन्यवाद देता हूँ बदायूँ विधान सभा क्षेत्र की जनता को जिन्होंने आज मुझे इस पद पर पहुँचाया। यह बजट जो इतना अच्छा बजट है और एक ऐसे प्रदेश का बजट है जो भारत देश की सबसे बड़ी आबादी वाला प्रदेश है और देश का हृदय स्थल कहा जाने वाला हमारा प्रदेश है। इस प्रदेश ने वास्तव में विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाई है और ऐसा बजट हमारे मा0 खन्ना जी की संस्तुति से और मा0 खन्ना जी की सूझ-बूझ से और मा0 मुख्यमंत्री जी की सूझ-बूझ से बनाया गया है जो कि वास्तव में किसानों के हित का है, वास्तव में मजदूरों के हित का है, श्रमिकों के हित का है, हर एक के हित का बजट है। मैं अपने मा0 वित्त मंत्री खन्ना जी के और मा0 मुख्यमंत्री जी के चरणों में वंदन करते हुए इस बजट के बारे में यह कहना चाहता हूँ कि यह वास्तव में बहुत कल्याणकारी बजट है। वर्ष 2017 से पहले जो बेरोजगारी 14.4 प्रतिशत थी आज वह घटकर 4.2 रह गई है। हम कह सकते हैं कि आज हमारा प्रदेश का किस प्रकार से अच्छा हुआ है और हमारे मा0 मुख्यमंत्री जी ने सामूहिक विवाह के लिए 650 करोड़ से भी ज्यादा की बजट में व्यवस्था की है। यह ऐसा बजट है कि हम सोचते हैं कि पहले जब गरीब की बेटी की शादी होती थी तो वह कितना परेशान होता था। उसके मन में भाव होता था कि मैं बेटी की शादी कैसे करूँगा और जब वह शादी की बात सोचता था तो अपनी चीजें गिरवी रखने जाता था और लोगों से ब्याज पर रुपये

लेने जाता था। बाद में वह बेचारा परेशान होता था लेकिन आज हमें इस बात पर गर्व होता है। वह उस समय सोचता था कि मेरे यहाँ की शादी में कोई ब्लाक प्रमुख ही आ जाए, कोई विधायक आ जाए तो उसी पर बहुत खुश होता था लेकिन आज सामूहिक विवाह योजना के द्वारा गरीब कन्याओं का जो विवाह होता है उस विवाह में कितना अच्छा दृश्य होता है। वहाँ पर पूरा खर्चा सरकार उठाती है। बेटी के खाते में भी पैसा डालती है और एक से एक लोग शादी में पहुँचते हैं, वहाँ पर प्रधान भी पहुँचते हैं, प्रमुख भी पहुँचते हैं, वहाँ विधायक जी भी पहुँचते हैं, वहाँ डी0एम0 भी पहुँचते हैं, वहाँ एस0एस0पी0 पहुँचते हैं और वहाँ पर एस0डी0एम0 पहुँचते हैं सब अधिकारी रहते हैं तो उन बच्चों का सीना चौड़ा होता है। वास्तव में जिस प्रकार से हमारे मा0 मुख्यमंत्री जी ने उनकी चिंता की है, मैं कह सकता हूँ कि आज स्वाभिमान के साथ वह शादियाँ हो रही हैं। हमारी सरकार ने सामूहिक विवाह में जो कार्य किया है वह बहुत अच्छा कार्य हुआ है।

मैं यह कह सकता हूँ कि आज वन और पर्यावरण के लिए भी हमारी सरकार ने बहुत अच्छा बजट दिया है। मैं कभी-कभार सोचता हूँ कि वर्ष 2017 से पहले जंगल के जंगल कट गये थे। सब जगह धूप ही धूप दिखती थी, छाँव नहीं दिखती थी। आज हमारे प्रदेश में ऐसा वृक्षारोपण हुआ है कि हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी की जब से सरकार बनी तो उन्होंने विभिन्न समयों पर कहा कि आज 25 करोड़ पौधारोपण होगा, आज 30 करोड़ पौधारोपण होगा और अब 35 करोड़ का पौधारोपण होगा। आज प्रदेश में देखिए खुशहाली ही खुशहाली है और हरियाली ही हरियाली है तो मैं अपने मा0 मुख्य मंत्री जी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने इतना अच्छा बजट दिया है कि आज हमारे प्रदेश में हर तरफ हरियाली ही हरियाली है। मैं कह सकता हूँ कि आज पुलिस में जितनी अच्छी भर्ती हुई है और जितनी नौकरियाँ अच्छी हुई हैं और हमको जिस प्रकार से बजट दिया गया है, हमको इस बात का गर्व होता है। जब 2017 से पहले भर्ती होती थी तो किसान आता था, थैला लेकर आता था और कहता था कि मेरे लल्ला की नौकरी लग जाए, चाहे मैं अपनी जमीन बेच दूँ। ऐसा गड़बड़ होता था आज हम यह गर्व से कह सकते हैं कि हमारी इस मा0 योगी जी की सरकार में जो नौकरियाँ लग रही हैं वह बगैर भेद-भाव के लग रही है, बगैर पैसे के लग रही हैं, ईमानदारी से लग रही हैं। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मेरी अपनी विधान सभा क्षेत्र में एक गाँव मोहम्मदपुर बिहार है। वहाँ एक श्री अबरार थे, मैं भाषण दे रहा था, मेरी सभा चल रही थी, अबरार आए और उन्होंने कहा कि विधायक जी, इस सरकार को धन्यवाद, मा0 योगी जी को धन्यवाद, मेरे बेटे की नौकरी बगैर पैसे के लगी। तो मैं यह भी कह सकता हूँ कि वास्तव में कितना न्याय है। अभी पीछे हमने अपने जनपद बदायूं में 13 प्रमाण-पत्र जूनियर इंजीनियर के बाँटे, जिसमें से 06 हमारे मुस्लिम भाईयों के थे। ऐसी यह न्यायप्रिय सरकार है। मैं कह सकता हूँ कि जिस प्रकार से न्याय हमारी सरकार में हुआ है, वह कभी नहीं हुआ।

आज कोरोना के डोज के लिए जिस प्रकार से व्यवस्था की गयी है, उससे हमारे प्रदेश में कोरोना खत्म हो गया है, लेकिन कोरोना कहने मात्र से नहीं लगता है कि खत्म हो गया है। यदि आज आप देखें तो जब कोरोना था तो विश्व के अन्य देशों में चाहे वह अमेरिका हो, ब्राजील हो, तुर्की हो, चीन हो जो भी देश थे, जब वहां पर कोरोना था तो हाहाकार मच गया था। उस समय विदेशियों के मन में यह बात थी कि जिस दिन कोरोना भारत में पहुँचेगा तो भारत में हलचल मच जायेगी। दुनिया के लिए भारत हलचल पैदा कर देगा, लेकिन मैं कह सकता हूँ, हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी को और मुख्यमंत्री योगी जी को कि जब कोरोना की लहर यहां आयी और उस कोरोना काल में उन्होंने किस प्रकार से कंट्रोल किया। उन्होंने जब लॉक डाउन लगाया तो कहा कि 'मेरे देशवासियों तुम तो केवल अपने घरों में रहो, बकायदा तुम्हारी चिन्ता मैं करूँगा'। उस समय 1 लाख 75 हजार करोड़ का पैकेज दिया और इस प्रकार की, व्यवस्था की कि मातृशक्ति के खाते में, हर एक खाते में पैसे गये। मैं अपने मुख्यमंत्री जी के बारे में कह सकता हूँ कि वास्तव में मुख्यमंत्री जी ऐसे हों। चूंकि कोरोना काल में उनके स्वर्गीय पूज्य पिता जी का स्वर्गवास हो गया था और इसके बावजूद भी वह उनकी अन्त्येष्टि में नहीं गये। उनके मन में यह भाव था कि वह जो 23 करोड़ की जनता ने मुझे इस प्रदेश की जो जिम्मेदारी दी है, मुझे वह जिम्मेदारी निभानी है। उन्होंने जो दूसरे प्रदेशों में हमारे यहां के लोग रह रहे थे, वहां के मुख्यमंत्रियों से वार्ता की। वार्ता करने के बाद कहा कि उनकी सुरक्षा हम करेंगे। उन्होंने हमारे जो बच्चे चाहे वह प्रयागराज में पढ़ रहे हों, चाहे कोटा में पढ़ रहे थे, वहां से बसें भेजकर सबको बुलाया। माननीय मुख्यमंत्री जी का मैं कैसे और धन्यवाद दूँ, कैसे नमन करूँ, क्या करूँ, चूंकि दूसरे कोरोना काल में वह स्वयं संक्रमित हो गये थे, तो स्वयं कोरोना संक्रमित होते हुए भी उन्होंने फिर बगैर थके, बगैर रुके पूरी चिन्ता की। मैं कह सकता हूँ कि उन्होंने कोरोना पर कंट्रोल कर लिया। कंट्रोल करने के लिए उन्होंने जो जिम्मेदारी निभायी तो मैं उनकी जिम्मेदारी पर यह बात कह सकता हूँ कि जैसे एक शिष्य ने अपने स्वामी जी से कहा कि 'स्वामी जी हमारा भारत विश्वगुरू था, हमारा भारत विश्व शिखर पर था, हमारा भारत सोने की चिड़िया था, भारत की बात संसार मानता था, भारत के पीछे संसार चलता था, वह दिन कब आयेगा, जब भारत हमारा विश्व शिखर पर होगा तो स्वामी जी ने कहा कि सुन बच्चा, मैं इसका सूक्ष्म उत्तर देता हूँ तो उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति जिस जिम्मेदारी पर है, वह अपनी जिम्मेदारी बकायदा निभाने लगेगा, उसी दिन भारत हमारा विश्व शिखर पर होगा'। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी को यह जिम्मेदारी मिली, उन्होंने बकायदा वह जिम्मेदारी निभाई। मैं कह सकता हूँ कि उसी जिम्मेदारी की वजह से आज हमारे प्रदेश का नाम पूरे विश्व में हो रहा है। ऐसा क्यों हो रहा है, क्योंकि पूरे देश के अन्दर सबसे ज्यादा गेहूँ अगर कहीं होता है, तो वह हमारे प्रदेश के अन्दर होता है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय विधायक जी, संक्षिप्त करें।

श्री महेश चन्द्र गुप्ता-

मान्यवर, सबसे ज्यादा आम होता है तो वह हमारे प्रदेश में होता है। हमारे प्रदेश में सबसे ज्यादा गन्ना, सबसे ज्यादा चीनी होती है। मैं कह सकता हूँ कि जिस प्रधानमंत्री आवास की हम बात करते हैं उसमें बेचारा किसान, जिसकी छप्पर बरसात में टप-टप होती थी, खाने को परेशान होता था, उसमें प्रधानमंत्री आवास योजना और जितनी भी आवास योजनाएं हैं, उसमें देश में नम्बर वन पर हैं। एक जमाना था कि जब बेटी की शादी होती थी तो उसके मन में यह भाव आता था कि मैं ससुराल जा रही हूँ। ससुराल के सुख की अनुभूति होती थी और वह बेटी सुबह उठकर जब शौच को खेत में जाती थी तो उसके हृदय में धक्का लगता था। आज हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने व मा0 प्रधानमंत्री जी ने इसकी चिन्ता की तो अब वह बेटी शौच के लिए खेत में न जाकर शौचालय में जाती है। आज हम कह सकते हैं कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी खुले मंच से कहते हैं कि अगर भारत में कोई अच्छे मुख्यमंत्री हैं तो योगी आदित्यनाथ हैं तो हमें इस बात से बड़ा गर्व होता है। मैं कह सकता हूँ कि वास्तव में जो हम बोलते हैं, वह इस ब्रह्माण्ड के अन्दर गूँजता है। आज भारत माता की जय पूरे विश्व में हो रही है। आज हमारे एक-एक व्यक्ति हमारे बदायूँ विधायक मा0 हरीश शाक्य जी भारत माता की जय बोलते हैं, हमारे माननीय खन्ना जी भारत माता की जय बोलते हैं, हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी भारत माता की जय बोलते हैं, हमारे प्रधानमंत्री जी भारत माता की जय बोलते हैं और दल वाले लोग तो भारत माता की जय नहीं बोलते। पाकिस्तान की जमीन पर हमारा शेर अभिनन्दन सिंह भारत माता की जय बोलते हैं तो फिर आज हमारा भारत पूरे विश्व में विश्व गुरू बनेगा। आप सबको बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत, भारत माता की जय।

श्री साकेन्द्र प्रताप वर्मा-

माननीय अधिष्ठता महोदय, आपने मुझे सामान्य बजट की चर्चा पर बोलने का मौका दिया है, आपका आभार व्यक्त करता हूँ। वर्ष 2016-17 में इस सदन में रु0 3,46,935 करोड़ का बजट आया था। आज हमारी सरकार में रु0 6,90,242 करोड़ का उस समय का लगभग दोगुना बजट हमारे आदरणीय वित्त मंत्री जी ने माननीय मुख्यमंत्री जी के परामर्श से प्रस्तुत किया है। मैं ऐसे बजट को प्रस्तुत करने के लिए माननीय वित्त मंत्री जी का बहुत आभार व्यक्त करता हूँ और उनको धन्यवाद देता हूँ। इस बजट में सकल राज्य घरेलू उत्पाद 19 प्रतिशत प्रस्तावित है। वर्ष 2017 में 14.4 प्रतिशत महंगाई दर का उल्लेख है उसकी तुलना में आज 4.2 प्रतिशत महंगाई की स्थिति है। राजस्व प्राप्तियों का भी बहुत बेहतर प्रबंधन दिखाया गया है और स्वाभाविक रूप से उन्हीं राजस्व प्राप्तियों के आधार पर इस बजट में हम बहुत बेहतर व्यवस्थाएं ले करके आए हैं और उन बेहतर व्यवस्थाओं के आधार पर इस उत्तर

प्रदेश को बेहतर राह पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। बहुत सारे लोगों ने शेरो शायरी सुनाई है। मुझे शेरो-शायरी आती नहीं, लेकिन मैं एक गीत की दो पंक्तियां कहना चाहता हूँ-

'अरुण गगन पर महाप्रगति का अब फिर मंगलगान उठा,
करवट बदली अंगड़ाई ली सोया हिन्दुस्तान उठा।'

यह प्रगति का मार्ग आज प्रशस्त हुआ है और बजट के माध्यम से निश्चित रूप से एक योद्धा सन्यासी की सरकार का यह जो बजट है वह उत्तर प्रदेश को नयी राह पर ले जाने का काम करेगा। वर्ष 2022-23 में किसान सम्मान निधि का उल्लेख किया गया, जिसका हमने किसानों के खातों में सीधे रु0 51,639 करोड़ का भुगतान किया है। पिछली सरकार ने जितना कुल अपना बजट बनाया था यह उसका सातवां हिस्सा है। यानि कि जितना आप बजट में सोचते हैं उसका सातवां हिस्सा हम केवल किसाने को सीधे दे देते हैं। प्रधानमंत्री आवास के लिये 52,77,000 आवासों का प्राविधान वर्ष 2017 से लेकर आज तक हमने किया है। जिसके लिये 9000 करोड़ का प्रबन्धन इस बजट में किया गया है। पी0डब्लू0डी0 की 21,696 किलोमीटर की सड़कें ग्रामीण मार्ग हैं, अन्य अलग-अलग सड़कें हैं, ओ0डी0आर0, एम0डी0आर0, पी0एम0जी0एस0वाई0 और उपरिगामी सेतु इन सब प्रकार के लिये भी हमने व्यवस्था की है। वर्ष 2017 के बाद, जबसे हमारी सरकार सत्ता में आई है तब से ग्राम पंचायतों के अन्दर पंचायत भवन बनाने की भी व्यवस्था की है और हमने अन्त्येष्टि स्थल के लिये भी स्थान चिन्हित करके उनको एक धनराशि देने का काम किया है। वर्ष 2017 से पहले अन्त्येष्टि स्थल के नाम पर क्या-क्या होता था यह आप सबसे कहीं छिपा हुआ नहीं है।

स्कूलों का कायाकल्प किया गया है, प्राथमिक शिक्षा में व्यापक परिवर्तन करने की कोशिश की है। नौकरी और रोजगार की बड़ी चर्चा होती है। जब नौकरी और रोजगार की चर्चा होती है तो उसके साथ हमको यह भी ध्यान रखने की आवश्यकता होती कि अब ईमानदारी के साथ नौकरियों में भर्ती होती है तो नातेदार और रिश्तेदारों से कोई पैसा उधार नहीं लेना पड़ता है और जब नातेदार, रिश्तेदारों, पड़ोसी से कोई अपना खेत गिरवी रखकर पैसा नहीं लेता तो उसकी चर्चा नहीं चलती है। पहले चर्चा ज्यादा होती थी, भर्तियां कम होती थीं। नातेदार, रिश्तेदार और गांव वाले भी जान जाते थे कि कहां से किसके आधार पर किसकी पर्ची के आधार पर किसकी भर्ती हो रही है। हमने आस्था का भी सम्मान किया है।

कल सदन में आस्था के नाम पर काशी का मजाक उड़ाया गया, मैं समझता हूँ कि काशी का मजाक उड़ाना इस सदन में बैठा हुआ कोई भी सदस्य स्वीकार नहीं करेगा। काशी के नाम पर जिस तरह की मजाक की बातें की गयीं वह नहीं करनी चाहिए थीं। आपको भी सरकार में रहते हुए मौका मिला है, आपको भी मथुरा सजानी चाहिए थी, आपको भी अयोध्या सजाना चाहिए था, आपको भी काशी सजानी चाहिये थी, आपको भी नैमिषारण्य तीर्थ का विकास करना चाहिए था, आपको भी पर्यटन क्षेत्रों का विकास करना चाहिए था। परन्तु आपने

नहीं किया। अगर मैं केवल अपने विधान सभा क्षेत्र के विकास किये गये पर्यटन क्षेत्रों की बात करूँ तो चार पर्यटन क्षेत्र ऐसे हैं, जिसमें बाबा मस्तराम का स्थान है, धन्नाग तीर्थ है, मूर्त स्वामी मंदिर, बाबा साहब मंदिर है, इन चारों को मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश सरकार 2017 से 2022 तक जो हमारी सरकार चली है, उसके लिए पैसा मिला, जिससे उसका सौंदर्यीकरण हुआ और पर्यटन के रूप में यह तीर्थ स्थान विकसित हुए हैं। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना में अभी तक 35 हजार 9 सौ 50 जोड़ों का विवाह हुआ है और आपको जान करके आश्चर्य होगा कि 6 सौ करोड़ रुपये की व्यवस्था इस बजट में भी की गई है और मैं स्वयं अपने विधान सभा क्षेत्र का अगर उल्लेख करूँ तो पिछले तीन महीने में मैं तीसरी बार 11 मार्च को फिर से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में अपने विधान सभा क्षेत्र में जाने वाला हूँ। पहले 88 कन्याओं का विवाह हुआ, उसके बाद 105 कन्याओं का विवाह हुआ और आगे आने वाली 11 मार्च को फिर से 100 के ऊपर कन्याओं का विवाह होने वाला है। अगर एक विधान सभा क्षेत्र में इस प्रकार की स्थिति है तो 403 विधान सभा क्षेत्रों में भी इसी प्रकार की स्थिति होगी, ऐसा मैं मान करके चलता हूँ।

सिंचाई विभाग की अभी तक जो पुरानी नहरें थीं, उन नहरों पर किस प्रकार के पुल-पुलिया बन करके टूट गये थे, उन पुल-पुलिया का पुनर्निर्माण करने का काम हमारी सरकार ने किया है, अन्यथा उसमें गिर करके अनेक प्रकार की घटनायें हो जाया करती थीं। हमने सिल्ट की सफाई भी की है और सिल्ट बेंच करके राजस्व का अर्जन भी किया है। हमने कृषि कल्याण केन्द्र भी बनाये हैं, हमने पशु चिकित्सालय भी बनाये हैं, हमने गौ-संरक्षण केन्द्र भी बनाये हैं और युवाओं के लिए टैबलेट की व्यवस्था हेतु 36 सौ करोड़ रुपये का प्रावधान इस बजट में किया गया है। निश्चित रूप से जहाँ हमारे लिए किसान आदरणीय हैं, वहीं युवाओं के लिए भी इस प्रकार की व्यवस्था का प्रबन्ध कर रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों की बेहतर स्थिति बनाने के लिए 291 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान है। बजट को हम बहुत बेहतर ढंग से खर्च करने के लिए गुड गवर्नेंस का भी रास्ता अपनाते हैं। 2016 में बजट का जब यहाँ सत्र चल रहा था, तब उस पर बोलते हुए जो आज आपके साथ चले गये हैं, उस समय उन्होंने कहा था कि उत्तर प्रदेश की जनता को आप चाहे जितना कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से संतृप्त करने की कोशिश कीजिए, कुछ भी विकास कर लीजिए, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बना लीजिए, ग्रीन एक्सप्रेस-वे बना लीजिए, कल्याणकारी योजनायें भी प्रदान कर दीजिए। लेकिन जब तक उनकी सुरक्षा की गारण्टी नहीं रहेगी, तब तक आपके सारे किये-कराये पर अराजक तत्व पानी फेरते रहेंगे और इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा था कि आज पुलिस पर हमले हो रहे हैं, मैं यह 2016 का भाषण कोट कर रहा हूँ, जो सदन के पटल पर रखा हुआ है। इसमें उन्होंने पुलिस कर्मियों पर आक्रमण का ब्यौरा दिया है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय विधायक जी समाप्त करें।

श्री साकेन्द्र प्रताप वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, अभी तो सात मिनट हुए हैं, आपने 10 मिनट का समय दिया है, मैं 10 मिनट से पहले समाप्त कर दूँगा। पुलिस कर्मियों पर आक्रमण का जो ब्योरा है, उसमें 2011-12 में 144 पुलिस कर्मियों पर आक्रमण हुआ है, 2012-13 में 202 पर हुआ है, 2013-14 में 264 पर हुआ है, 2014-15 में 300 पर और 2015-16 में 278 पर। यानि इतने पुलिस कर्मियों पर आक्रमण हुआ है, कानून-व्यवस्था पर चर्चा करने वाले लोग आज अगर कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हैं, तो कानून-व्यवस्था के बारे में योगी सरकार को नसीहत और सीख देने की आवश्यकता नहीं है। उत्तर प्रदेश के अन्दर यह जो बजट आया है, इस बजट के माध्यम से हम पूरे प्रदेश का विकास करना चाहते हैं। लेकिन मैं केवल एक बात यहाँ सदन के पटल पर रखना चाहता हूँ। मैं बहुत सी बातों को बीच में छोड़ रहा हूँ। चूँकि माननीय अधिष्ठाता महोदय के निर्देश हैं। अविभाजित भारत में दो बड़े दलित नेता थे, उनसे पॉलिटिकल एग्रीमेंट हुए थे। इसलिये राजनीति में हम सब लोग जो पॉलिटिकल एग्रीमेण्ट करते हैं, वह पालिटिकल एग्रीमेण्ट जरा सोच-समझ कर किया करें।

एक का नाम है, जोगेन्द्र नाथ मंडल और दूसरे आदरणीय बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर आप सब गूगल में सर्च करके उन दोनों लोगों के बारे में जरूर पढ़िये। जोगेन्द्र नाथ मंडल ने जिन्ना के साथ एग्रीमेंट किया और एग्रीमेंट करने के बाद पाकिस्तान चले गए और पाकिस्तान में विधि मंत्री बने, श्रम मंत्री बने और वहाँ के संविधान सभा के अध्यक्ष बने। बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर इस हिन्दुस्तान में संविधान सभा के अध्यक्ष बने और विधि मंत्री बने, श्रम मंत्री बने, उसी समान स्थिति में रहे, लेकिन 8 अक्टूबर, 1950 को जिन लोगों से एग्रीमेंट करके जोगेन्द्र नाथ मण्डल गये थे, उनकी गुण्डागर्दी और दंगों से परेशान हो करके वहाँ के मंत्रि-मण्डल से त्याग-पत्र देकर हिन्दुस्तान आ जाते हैं और 18 साल तक गुमनामी की अवस्था में रह करके अपना जीवन त्याग देते हैं, बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर इस भारत माता के लिए जीते हैं और भारत माता के लिए जीवन समर्पित करते हैं और इसलिए बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर को इस हिन्दुस्तान के अन्दर भारतरत्न की उपाधि मिलती है। इसलिए हम पॉलिटिकल एग्रीमेण्ट जब भी करें, अपराधियों को संरक्षण देने का काम न करें, पिछली सरकार में जिस भी प्रकार से होता था उसे न करें। अच्छा बजट पेश करके हम उस बजट के आधार पर प्रदेश का विकास करना चाहते हैं, जो गुण्डे और माफिया इस प्रदेश के विकास में बाधक बनने की कोशिश करते हैं, उनके मंसूबे सफल नहीं होने देंगे। आपको फिर से धन्यवाद देते हुए, मैं इस बजट प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन करता हूँ।

श्रीमती पूजा-

मान्यवर, आपने मुझे इस बजट की आम चर्चा में बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूँ। मैं सबसे पहले परम् पूज्य बाबा साहब के चरणों में और श्रद्धेय नेता जी के चरणों में पुष्प अर्पित करना चाहती हूँ और यहाँ पर बैठे

सभी माननीय सदस्यों को सादर प्रणाम करती हूँ। न खाता न बही है, जो तुम बोलो वही है, न्यूज यह छप रही है, सब कुछ बिल्कुल सही है। मगर मेरे शहर के हैं सवाल कई। सिस्टम का बुरा हाल क्यों, सच पर एफ0आई0आर0 क्यों, बुलडोजर की मार क्यों, झूठ की जय-जयकार क्यों, निष्ठुर है सरकार क्यों, खाक हुये अरमान क्यों, परेशान है नौजवान क्यों, बेहाल हैं किसान क्यों, बनते हो अंजान क्यों, रैली ये आलीशन क्यों, ये दिखावा ये गुमान क्यों, होगा ये संयोग कब, बीतेगा ये शो कब, समझोगे तुम लोग कब। मेरे शहर के हैं सवाल कई, मेरे शहर के हैं सवाल कई। मुझे तो यह सिस्टम ही समझ में नहीं आता है कि यहाँ पर जब हम लोग उपस्थित होते हैं इतने बड़े-बड़े बजट पेश किये जाते हैं और जब हम अपनी विधान सभाओं में जाते है और किसी भी विभाग में काम करने की बात करते हैं तो फिर बजट नहीं रहता है, फिर चाहे वह पी0डब्लू0डी0, बिजली, स्वास्थ्य, विभाग हो।

मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र मेहनगर की ग्राम सभा मुस्तफाबाद की एक घटना बताना चाहूँगी। जहाँ पर पिछले 6 महीने से ट्रांसफार्मर जला हुआ है। अब यहाँ पर सब लोग कहेंगे कि जब वह 6 महीने से जला हुआ है तो उसको बनवाया क्यों नहीं क्योंकि हम थक चुके हैं उसको बनवाते-बनवाते जब लगवाते हैं तब फिर जल जाता है। वहाँ की जनता ने दूसरे गाँव से तार ला करके बिजली का जुगाड़ किया है। यही हाल मेंहनगर टाउन एरिया का भी है। वहाँ पर तारों की स्थिति बहुत जर्जर है। वहाँ पर केबिल लगे हुये हैं लेकिन ओवरलोड के कारण तार जल जाते हैं। वहाँ पर स्थानीय लोग पैसे कलेक्ट करके वहाँ पर तार लगवाते हैं और वह प्रायः जलते रहते हैं। उसके सम्बन्ध में मैंने कई बार पत्राचार के भी माध्यम से बात करके पूछा कि क्यों नहीं बन रहा है तो पता चला की बजट नहीं है। मान्यवर, हमारे क्षेत्र में एक शमसान घाट है वहाँ पर अभी तक विद्युतीकरण नहीं हुआ है। ग्राम सभा बड़या राजभर बस्ती में भी अभी तक विद्युतीकरण नहीं हुआ है। ग्राम सभा हथौड़ी के प्राथमिक विद्यालय में भी अभी तक विद्युतीकरण नहीं हुआ है। यही हाल पी0डब्लू0डी0 विभाग का भी है। हमारे क्षेत्र में चिरैयाकोट से बनारस जाने वाला एक मुख्य मार्ग है जो आजमगढ़ वाराणसी, गाजीपुर को जोड़ता है। वह राशेपुर तितरा मार्ग उसका मैंने पहले भी जिक्र किया था कि उसका बनना अति आवश्यक है। वह इतना खराब हैं कि समझ में नहीं आता है कि रोड में गड्ढा या गड्ढे में रोड उसका बनना अति आवश्यक है। गड्ढामुक्त सड़कों के लिए भी यही कहा जाता है कि बजट नहीं है। ठुटिया से डामा सम्पर्क मार्ग, सपनहर से रूद्रपुर सम्पर्क मार्ग, कोटेला मंगहरवा सम्पर्क मार्ग कितनी लम्बी लिस्ट है कि सब रोडें गड्ढेयुक्त हैं पर उनका गड्ढामुक्त करने के लिए सरकार के पास बजट नहीं है।

मैं आपके माध्यम से इस सदन में पूछना चाहूँगी कि जिले में कोई भी घटना हो जाती है तो उसके लिए जिलाधिकारी को ही जिम्मेदार व्यक्ति ठहराते है। कानुपर की घटना में अभी तक जिलाधिकारी के खिलाफ क्यों कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जब दो महिलाएं जल कर पुलिस के सामने ही मर गईं उसके बाद भी जिलाधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

मान्यवर, मुझे लगता है कि प्रदेश की सरकार को पता चल गया है कि कानपुर की पुलिस माँ-बेटियों की रक्षा नहीं कर सकती है, इसलिए उन्होंने उत्तर प्रदेश की बहू के लिए जो नोटिस भेजा, उसको दिल्ली भेज दिया कि वह वहाँ चली जाए।

मान्यवर, नवजवानों का भी यही हाल है। बेरोजगारी इतनी चरम पर है कि युवा अपने भविष्य के बारे में कुछ सोच भी नहीं पा रहा है। मैं पूर्वांचल के क्षेत्र से आती हूँ। प्रयागराज/इलाहाबाद में 8 बाई 8 के कमरों में युवा पढ़ाई में संघर्ष करके इंतजार कर रहा है कि वैकेंसी कब आयेगी ? वैकेंसी एक तो आती नहीं है, जितनी आती भी हैं, तो उनके पर्चे लीक हो जाते हैं। एकाध वैकेंसी आ गई और परीक्षायें हो भी गई तो उसको भी न्यायालय में घसीट दिया जाता है। मान्यवर, युवा अपना भविष्य कहां देखे? मुझे लगता है कि ये सरकार पेपर लीक के मामलों में नम्बर-1 ही होगी।

मान्यवर, मैं इस सदन के माध्यम से शिक्षा प्रेरकों के भुगतान की बात कहती हूँ। पूरे प्रदेश में एक लाख से ज्यादा शिक्षा प्रेरक हैं, जिनके अभी भुगतान नही हो पाएं हैं, जिसमें से 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। मान्यवर, हमारे आजमगढ़ जिले की एक घटना और है। क्रय नीति के अनुसार 28 फरवरी तक जितने भी किसान धान बिक्री के लिए जाते हैं, क्रय केन्द्र अपनी बिक्री के लिए उसको लेते हैं, मगर आजमगढ़ जनपद बिना किसी अग्रिम सूचना के 25 जनवरी को ही पी0सी0एफ0 ने पोर्टल बन्द कर दिया है। लगभग 6 सौ किसानों की खरीद पी0सी0एफ0 ने पोर्टल बन्द कर दिया है। लगभग 6 सौ किसानों की खरीद पी0सी0एफ0 की ऑनलाईन पोर्टल पर दर्ज होने से रह गयी है। जिसकी वजह से उनका भुगतान नहीं हो पा रहा है।

मान्यवर, 20 फरवरी, 2022 को जब महामहिम राज्यपाल महोदया अपना अभिभाषण पढ़ रही थीं, तब हमारी मेह नगर तहसील पर किसान धरने पर बैठे थे। ग्राम सभा कटाई के 60 वर्षीय ओम प्रकाश सिंह ने आत्मदाह का भी प्रयास किया। किसानों को समय से न यूरिया मिल रही है, न डाई मिल रही है।

मान्यवर, ये सेल्फ क्लेम देशभक्त समाजवादियों को देश की बात बताते हैं। हम वो समाजवादी हैं, जिसने देश के लिए, इस राष्ट्र के लिए कमजोर, मजलूमों, दलितों, पिछड़ों शोषितों और वंचितों के अधिकारों की आवाज बुलन्द करने का काम किया है। उनके हकों के लिए, उनके न्याय के लिए हम समाजवादियों ने हमेशा संघर्ष किया है, कर रहे हैं और करते रहेंगे।

मान्यवर, हमारे नेता मा0 अखिलेश यादव जी ने प्रदेश की उपलब्धियों को जिस ऊंचाई तक पहुँचाया है, वहाँ तक आप कभी सोच भी नहीं सकते, क्योंकि आपका वो प्वाइंट ऑफ व्यू ही नहीं है बताना चाहती हूँ कि समाजवादियों ने क्या किया है? एक्सप्रेस-वे, मेट्रो, वूमेन हेल्पलाईन 1090, समाजवादियों ने दिया, पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ समाजवादियों ने किया, डायल 100 समाजवादियों ने दिया, डायल 108 एम्बुलेन्स की सुविधा समाजवादियों ने दिया,

पावर प्लांट समाजवादियों ने लगाए, अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम किसने बनाया, समाजवादियों ने बनाया।

मान्यवर, आप योजनाओं की बात करते हैं, तो विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, बेरोजगारी भत्ता, कन्या विद्या धन, लैपटॉप समाजवादियों ने दिया। हमारे नेता मा0 अखिलेश यादव जी ने लखनऊ में लिखवा दिया था कि 'मुस्कुराइए, आप लखनऊ में हैं'। मान्यवर, आपके माध्यम से मैं कहना चाहूँगी कि सरकार को लिखवा देना चाहिए कि 'खामोश आप उत्तर प्रदेश में हैं'। मुझे लगता है कि पूर्वांचल की भाषा में अगर ये कहा जाए कि 'बोलला, तो गइला', तो ये ज्यादा सही रहेगा।

मान्यवर, मैं एक शेर के साथ अपनी बात को समाप्त करना चाहूँगी। 'ये दबदबा, ये हुकूमत, ये नशाए सत्ता, ये सब किरायेदार हैं, घर बदलते रहते हैं'। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य श्री राजीव गुम्बर जी।

***श्री राजीव गुम्बर-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, सर्वप्रथम मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझे बजट के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मैं आभार व्यक्त करता हूँ। मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का, जिनके नेतृत्व में अब तक का सबसे बड़ा बजट 6 लाख 90 हजार 242 करोड़ रूपए का बजट मा0 वित्त मंत्री जी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। मैं इतने बड़े बजट के लिए, प्रदेश के विकास के लिए, नारी के विकास/सम्मान के लिए, अन्य विभागों के लिए जो इतना बड़ा बजट दिया है, मैं इसके लिए मा0 मुख्यमंत्री जी का और वित्त मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ।

इस बजट के अन्दर प्रत्येक वर्ग का ध्यान रखा गया है, जहां युवाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था करने की बात रखी गयी है, स्वास्थ्य जो व्यक्ति के जीवन से संबंधित है उसके लिए एक बहुत बड़ी राशि स्वास्थ विभाग को आवंटित की गयी है। सामाजिक सुरक्षा हेतु विभिन्न पेंशन योजनाओं के लिए भी बड़ी धनराशि की व्यवस्था इसमें की गयी है। इसके अतिरिक्त श्रमिक के कल्याण के लिए, गरीब के कल्याण के लिए, महिलाओं के कल्याण के लिए, बाल कल्याण के लिए, श्रमिकों के लिए, उद्योग के लिए एक बड़े बजट की व्यवस्था इस बजट में की गयी है। जिससे इस प्रदेश में एक चहुमुखी विकास होगा और प्रदेश के अन्दर प्रत्येक वर्ग के रहने वाले व्यक्ति को उसका लाभ मिलेगा। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से मा0 मुख्यमंत्री जी का व मा0 वित्त मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने 51 शक्तिपीठ में से एक शक्तिपीठ मां शाकुंभरी देवी जो हमारे सहारनपुर में स्थित है,

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उस शक्तिपीठों के समुचित विकास के लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था इस बजट में की है। इसके साथ-साथ सहारनपुर में शहद उद्योग को बढ़ावा देने के लिए (सेंटर आफ एक्सीलेंस फॉर हनी) जिससे सहारनपुर में शहद का उद्योग बढ़ रहा है, इसके विकास कि लिए भी रु0 10 करोड़ की जो व्यवस्था की गयी है उसके लिए भी मैं मा0 मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। इसके अतिरिक्त जो स्पोर्ट्स कालेज सहारनपुर में निर्माणाधीन हो रहा है और प्रदेश में अन्य जगह जो स्पोर्ट्स कालेज निर्माणाधीन हो रहे हैं उसके लिए रु0 20 करोड़ की व्यवस्था की गयी है इसके लिए मैं समस्त सहारनपुर के खेल प्रेमियों की तरफ से मा0 मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ।

मान्यवर, जो इस वर्ष मा0 मुख्यमंत्री जी ने इन्वेस्टर समिट की है उसके लिए भी मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद और बधाई देता हूँ कि आज लगभग 33 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा की व्यवस्था उद्योग में निवेशकों ने अपना भरोसा जताते हुए उत्तर प्रदेश में की है। जिसमें सहारनपुर में भी 30 हजार करोड़ के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह प्रदेश की बदली हुयी व्यवस्था का परिणाम है जिसमें निवेशक उत्तर प्रदेश की नीतियों में आस्था व्यक्त करते हुए बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं। मान्यवर, उत्तर प्रदेश की उड्डयन नीति के फलस्वरूप आज सहारनपुर में जो हवाई अड्डे का निर्माण हो रहा है, मैं उसके लिए भी मा0 मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ। एक जनपद एक उत्पाद के तहत जो हमारे सहारनपुर में गुड़ फार्मिंग का उद्योग है उसके लिए भी मा0 मुख्यमंत्री जी के द्वारा पूर्व में रु0 10 करोड़ दिये थे तथा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए जो इण्डस्ट्रियल पार्क की व्यवस्था की गयी है क्योंकि प्रदेश मे भूमि उपलब्ध नहीं है जगह-जगह इण्डस्ट्रीज को भूमि की आवश्यकता पड़ती है, तो प्राइवेट इण्डस्ट्रीयल पार्क हैं उनमें जो सुविधाएं देने की मा0 मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की है उसके लिए भी मैं मा0 मुख्यमंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। प्रत्येक जनपद में एक मेडिकल कालेज खोले जाने का जो मा0 मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिये हैं उसके लिए भी मैं मा0 मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ और पर्यटन का बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत जो रु0 300 करोड़ की व्यवस्था की गयी है उसके लिए भी मैं मा0 मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, गरीब व्यक्ति जो अपनी लड़कियों की शादी नहीं कर पाते थे, उसके लिए इस बजट के अन्दर 600 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है, तथा युवाओं और विद्यार्थियों को पढ़ायी के अन्दर उच्च शिक्षा में जो स्मार्ट फोन व टेबलेट के लिए 3600 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है उसके लिए भी मैं मा0 मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ। ग्रामीण स्वास्थ्य योजना में 12631 करोड़ रूपये, आत्म निर्भर स्वास्थ्य योजना में 1655 करोड़ रुपये की जो इतनी बड़ी राशि दी गयी है जिससे प्रदेश के अन्दर रहने वाले व्यक्तियों को स्वास्थ लाभ मिल सके, उन्हें दर-दर न भटकना पड़े, उसके लिए भी मैं मा0 मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ। आई0टी0 सेक्टर में लगभग 3600 करोड़ रुपये की व्यवस्था, जिससे युवाओं को आगे बढ़ने का

मौका मिल सके इस प्रकार की व्यवस्था की गयी है, उसके लिए बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों के अन्दर जहाँ बच्चों को बहुत अधिक दिक्कत होती थी, ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से आज बड़े पैमाने पर बेसिक शिक्षा विभाग के लिए भी इस बजट में बहुत बड़ा प्राविधान किया गया है जिससे उन बेसिक शिक्षा के स्कूलों का कायाकल्प हो पाये, जो बिल्कुल खराब स्थिति में थे, उसके लिए भी आभार व्यक्त करता हूँ। दो करोड़ गरीब बच्चों के लिए निःशुल्क जूता, मोजा और यूनिफार्म के लिए भी 700 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है उसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार। खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं में 120 करोड़ रुपये की जो धनराशि आवंटित की गयी है उसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार। मान्यवर, जहाँ घर-घर के अन्दर बीमारी आती थी तो आज बड़े पैमाने पर हेल्थ वेलनेस सेण्टर नगरों और गाँवों के अन्दर खोले जा रहे हैं उसके लिए भी प्राविधान किया गया है, इसके लिए बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करिये।

श्री राजीव गुम्बर-

मान्यवर, यह आज उत्तर प्रदेश का बदला हुआ वातावरण है जिसमें नये नये एक्सप्रेस-वे नजर आ रहे हैं। जहाँ प्रदेश की प्रत्येक सड़क गड्ढ़ों में थी आज चाहे वह मेरठ-प्रयागराज एक्सप्रेस-वे हो, चाहे गोरखपुर एक्सप्रेस-वे हो, चाहे सहारनपुर-दिल्ली एक्सप्रेस-वे हो उसके माध्यम से आज प्रदेश की जनता को बहुत बड़ी सहूलियत मिल रही है। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार को अवगत कराना चाहता हूँ कि हमारे सहारनपुर में जो रेलवे का फाटक है उस पर एक पुल की व्यवस्था की जानी चाहिए। बालिका शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना की जानी चाहिए। मैं पुनः आपका आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। धन्यवाद।

***डॉ0 मंजू शिवाच-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट की चर्चा में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आभार। मुझे खुशी है कि जो वर्ष 2023-2024 का बजट है वह नागरिकों के भविष्य को ध्यान में रख करके बनाया गया है, जिससे उत्तर प्रदेश आगे बढ़े और उत्तर प्रदेश वन ट्रिलयन की इकोनॉमी बन सके, न कि यह वह बजट लालीपाप देने वाला और रेवड़ी बाँटने वाला है। क्योंकि पेट भरने के लिए गेहूँ और चावल चाहिए, लालीपाप और रेवड़ी से पेट भरने

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

वाला नहीं है। मुझे इस बात की खुशी है कि सरकार भरपूर मात्रा में जरूरतमंदों को गेहूँ और चावल बाँट रही है। साथ ही साथ गरीबों के लिए चाहे स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास योजना या चाहे गरीबों की बेटियों की शादी का विषय हो हर क्षेत्र में सरकार गरीबों के लिए काम कर रही है। बजट में विशेषकर गरीबों, ग्रामीणों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और बेटियों को पिछले पाँच साल के बजट में खासतौर से ध्यान में रखा गया और इस साल भी वो सारी सुविधायें आगे चालू रहेंगी जिससे कि बेटियाँ, गरीब और हमारे किसान आगे बढ़ें। जहाँ तक गरीबों की बात है, सरकार जहाँ एक तरफ भरपूर मात्रा में राशन देती है, चाहे कोरोना काल हो, चाहे कोरोना काल न हो। उसी के साथ-साथ सरकार यह भी चिन्तन करती है कि हमारे प्रदेश का बच्चा कितना कुपोषित है ? हमारे प्रदेश की गर्भवती महिला कितनी कुपोषित है। और यदि ऐसा है तो उसको पोषण आहार भी दिया जाये। सरकार खासतौर से इस बात का ध्यान रखती है कि यदि उत्तर प्रदेश का आज का बच्चा कुपोषित रह गया तो कल वह एक अच्छा उत्तर प्रदेश का युवा नहीं बन पायेगा। इसलिए सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिला एवं बाल कल्याण विभाग के माध्यम से इन सभी महिलाओं और बच्चों को पोषित अनाज और पैकेट बराबर देती आ रही है। उसी का नतीजा है कि आज उत्तर प्रदेश में यह भी ध्यान रखा जा रहा है कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ जो हमारे टी0बी0 के मरीज हैं, यह सबको पता है कि टी0बी0 के मरीज कुपोषण से ज्यादा हो जाते हैं, जो कुपोषित होते हैं उनको टी0बी0 का ज्यादा खतरा रहता है। आज देश का ही नहीं, उत्तर प्रदेश का नहीं, पूरी दुनिया और डब्ल्यू0एच0ओ0 का प्रेशर है कि टी0बी0 कम से कम हो और खासतौर से टी0बी0 के मरीजों को पकड़कर उनका इलाज किया जाये। माननीय अधिष्ठाता महोदय, इलाज के साथ-साथ उनको पोषित आहार भी दिया जाए। सरकार खुद तो उनके लिए काम कर ही रही है, उन्हें पोषण आहार दे ही रही है। साथ ही साथ सरकार सी0एस0आर0 के माध्यम से इन सभी मरीजों के लिए पोषण आहार भी मुहैया करा रही है। निश्चित ही जो डब्ल्यू0एच0ओ0 का क्राइटेरिया है, उससे पहले ही हमारे देश में जो टी0बी0 के मरीज हैं, वह बहुत कम हो जायेंगे।

प्राइमरी स्कूलों में सरकार ने पिछले पांच साल में कायाकल्प किया है, सरकार ने स्कूलों का स्तर बढ़ाया है, बच्चों का स्तर बढ़ाया है। आज बच्चों को स्कूल जाते हुए खुशी होती है, क्योंकि आज बच्चे अच्छी यूनीफार्म में जूते-मोजे पहनकर बस्ता लेकर स्कूल जाते हैं और उन्हें किसी तरह की परेशानी भी नहीं होती है। आज बच्चे भी पढ़ रहे हैं और शिक्षक भी उन्हें मन लगाकर प्राइमरी एजुकेशन दे रहे हैं। बड़े-बड़े महाविद्यालय, यूनिवर्सिटीज का तभी फायदा है जब हमारे प्राइमरी स्कूल के बच्चे खासतौर से गांव के बच्चे अच्छी शिक्षा लेकर मुख्यधारा में शामिल हों। सरकार ने प्राइमरी स्कूल के कायाकल्प से आगे बढ़कर यह भी सोचा कि आज हमारे गांवों में ग्राम पंचायतों के स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरीज बनायी जायें इसके लिए मैं सरकार को धन्यवाद देती हूँ। आज भी लगभग हमारे 68 प्रतिशत परिवार गांवों में ही रहते हैं, निश्चित ही उन सभी किसानों और गरीबों के बच्चों को शिक्षा में आगे बढ़ने का पूरा मौका

मिलना चाहिए। सरकार सभी वर्गों के लिए अच्छा सोचती है। सरकार खाद्यान्न और शिक्षा के मामले में अच्छा सोचती है। सरकार की यह मंशा है कि यू0पी0 का हर बच्चा आगे बढ़े और सरकार यह चाहती है कि चाहे मदरसे स्तर के स्कूल हों, वहां पर भी कम्प्यूटर की शिक्षा दी जाए, गणित पढ़ाई जाए, अंग्रेजी पढ़ाई जाए। हमारा जो अल्पसंख्यक बच्चा है, वह भी मुख्यधारा में सभी बच्चों के साथ शामिल हो और उत्तर प्रदेश की प्रगति में आगे बढ़े।

मैं स्वयं डॉक्टर हूँ तो मैं चिकित्सा के बारे में भी कुछ कहना चाहूँगी। सरकार का चिकित्सा और स्वास्थ्य के बारे में विशेष फोकस रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार को किसी से सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है कि उनकी चिकित्सा और स्वास्थ्य की सेवाएं कैसी हैं। यह हमारे उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता ने कोरोना में साबित कर दिया कि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं कितने उच्च स्तर की हैं। साथ ही साथ उत्तर प्रदेश की जनता ने ही नहीं, हिन्दुस्तान की जनता ने ही नहीं बल्कि विश्व में भी इसे सराहा गया है कि उत्तर प्रदेश का कोरोना मण्डल कितना अच्छा था, जिसके कारण यह 25 करोड़ की आबादी में मृत्युदर भी बहुत कम रही है और घर-घर तक दवाइयां भी पहुंचाई गई हैं। चाहे वह दवाइयां हमारे हेल्थ वर्कर्स के माध्यम से गयी हों, चाहे हेल्थ डाक्टर्स के माध्यम से गयी हों, चाहे ए0एन0एम0 और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से गयी हों। मैं उन सभी हेल्थ वर्कर्स, ए0एन0एम0, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, बहुओं को धन्यवाद देती हूँ, वह आज भी गांव में जाकर बच्चों का टीकाकरण कर रही हैं।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य संक्षेप में कर लें।

डॉ0 मन्जू शिवाच-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, जो बच्चों की बेसिक परेशानियां हैं वह लोग वह भी देख रही हैं। जो गर्भवती महिलाएं हैं, उनका पूरा चेकअप करती हैं और उन्हें प्रोत्साहित भी करती हैं कि वह हॉस्पिटल में ही डिलीवरी करायें। हास्पिटल में जो डिलीवरी होने के कारण डिलीवरी होने के दौरान महिलाओं की मृत्युदर में कमी आयी है। अभी आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने बताया था कि डिलीवरी होने के दौरान महिलाओं की जो मृत्युदर है, उसमें भी निश्चित रूप से कमी आयी है, और छोटे बच्चों की मृत्युदर में भी कमी आयी है। हमें देश या प्रदेश किसी भी जगह का हेल्थ सिस्टम देखना है कि कितना अच्छा काम करता है तो यह दो मानक हैं कि कितनी माताओं और कितने बच्चों की मृत्यु हुई। निश्चित ही उत्तर प्रदेश बहुत आगे बढ़ रहा है। काफी मेडिकल कालेज भी खुल गये हैं और 14 अभी खुलने बाकी हैं।

यू0पी0 में पर्यटन के साथ-साथ मेरा सरकार से निवेदन है कि मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए। हमारे आस-पास के बहुत सारे ऐसे देश हैं जो अपना इलाज कराना चाहते हैं, बहुत सारी बीमारियां ऐसी नहीं होती हैं कि उनको तुरन्त इलाज चाहिए, जैसे हार्निया है

और बहुत सारी आपरेशन की ऐसी बीमारियां हैं तो क्यों न उत्तर प्रदेश की सरकार मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा दे, जिससे अपने उत्तर प्रदेश में व्यापार बहुत जरूरी है और समिट भी बहुत जरूरी है। हमारा देश कभी सोने की चिड़िया हुआ करता था। हमारा देश सोने की चिड़िया तब था, जब हमारे किसान भी व्यापार करते थे। आदरणीय मुख्य मंत्री जी की भी यह मंशा है कि किसान भी व्यापार करे, आम गांव वाला भी व्यापार करे। वह अपने गांव में चाहे एम0एस0एम0ई0 का छोटा उद्योग लगाए चाहे बड़ा उद्योग लगाए उसके लिए सरकार भरपूर सहयोग कर रही है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 मन्जू शिवाच जी, अब आप समाप्त करें।

***डॉ0 मन्जू शिवाच-**

मान्यवर, मैं बस एक मिनट और लूँगी। मैं सरकार को धन्यवाद देती हूँ कि आर0आर0टी0सी0 जो मेरे मोदी नगर से जाता है उसके लिये 1308 करोड़ रुपये दिये। हम मेरठ मण्डल के लोग बहुत खुश हैं कि गंगा एक्सप्रेस-वे बनने से हमारा आधा घंटा और बच जायेगा। साथ ही साथ मोदी नगर के लिये मेरा एक और निवेदन है कि इण्डस्ट्री के लिये जो लैंड दिये गये थे। इण्डस्ट्रियल समिट में गाजियाबाद में बहुत व्यापार आया है तो जो जमीनें सरकार ने उद्योग के लिये दी थीं वह नये रूप से नये व्यापारियों को उद्योग के लिये दे दी जायें। इसके साथ ही मोदी नगर में एक इण्टर कालेज तथा एक आई0टी0आई0 कालेज के लिये मैं सरकार से मांग करती हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 अताउर रहमान जी, आपसे निवेदन है कि कृपया निर्धारित समय 07 मिनट में आप अपना वक्तव्य पूरा करें।

श्री अताउर रहमान-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिये आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। इस सरकार ने सातवीं बार बजट पेश किया है, लेकिन धरातल पर तो कुछ है ही नहीं। इसलिये यह बजट भी झूठ का पुलिन्दा ही साबित होगा। प्रदेश में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। कानून-व्यवस्था की स्थिति भी बिल्कुल चौपट है। आम आदमी बहुत दुःखी है, लेकिन सबसे ज्यादा परेशान किसान है। किसान अपनी फसल बचाने के लिये खेत पर बाड़ लगाये तो मुकदमा, किसान अगर पताई और पराली अपने खेत में जलाये तो मुकदमा, किसान अगर अपने ट्रैक्टर-ट्राली से बारात लेकर जाये अथवा लोगों को कहीं लेकर जाये तो उस पर मुकदमा, किसान अगर कर्जे को जमा न कर पाये तो उसको बेइज्जत होना

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पड़ता है, लेकिन अगर किसान के गन्ने का भुगतान न हो तो चीनी मिल मालिक पर कोई कार्यवाही नहीं होती है। किसान अपनी बेटी की शादी कहाँ से करवाये। किसान अपने परिवारीजनों का इलाज कहाँ से करवाये। गन्ने का रेट तो आपने बढ़ाया नहीं है। बजट में 196 करोड़ रुपये का भुगतान कराने की बात कही गयी है जबकि सिर्फ मेरी विधान सभा क्षेत्र में केसर इण्टरप्राईजेज चीनी मिल है जिस पर 200 करोड़ रुपये बकाया है और 15 दिन से वहाँ किसान गन्ना सोसायटी पर धरने पर बैठे हुये हैं। उन्हें धरने पर बैठे हुये 15 दिन हो गये। चीनी मिल मैनेजमेन्ट के लोग धरना स्थल पर गये और उन्होंने वहाँ पर कहा कि हम अभी भुगतान नहीं करा सकते, जबकि सरकार कहती है कि हम 14 दिन में गन्ने का भुगतान करा रहे हैं। सरकार से गुजारिश है कि बहेड़ी चीनी मिल का 200 करोड़ रुपये गन्ने का भुगतान दिलवा दें। बड़ी-बड़ी बातें करने से कुछ नहीं होता है।

मान्यवर, मेरे क्षेत्र बहेड़ी में हमारे नेता आदरणीय अखिलेश यादव जी ने 328 एकड़ में मेगा फूड पार्क स्वीकृत किया था जिसमें सड़कें बनी थीं तथा 50 एकड़ में पशु उत्थान केन्द्र समाजवादी पार्टी की सरकार में बना था। उसमें बीसियों फैक्ट्रियाँ लगनी थीं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार में आज तक एक ईंट भी नहीं लगी है। अगर वह फैक्ट्रियाँ लग जातीं तो दसों हजार बेरोजगारों को रोजगार मिल गया होता। बहेड़ी चीनी मिल रोड पर रेलवे क्रासिंग है, बड़ी परेशानी होती है। चाहता हूँ कि उस पर ओवरब्रिज बन जाये। बहेड़ी-मुड़िया कालोनी उत्तराखण्ड बार्डर से रोड जुड़ती है, मैं चाहता हूँ कि उसका चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण हो जाये। बहेड़ी-मुण्डिया नसीर सड़क का चौड़ीकरण एवं सृदृढ़ीकरण हो जाये। रिच्छा में एक स्टेशन है। पिछली गर्मियों में भी बड़ी परेशानी हुयी थी। ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि 5 से 10 के0वी0ए0 कराने के लिये मैं पावर कार्पोरेशन के चेयरमैन से भी मिला और उन्होंने आदेश भी कर दिया। जब 15 दिन बाद मैं उनसे फिर से मिला तो उन्होंने कहा कि आप चाहे मेरा आदेश देख लें, लेकिन हमारे पास धनराशि ही नहीं है तो कार्य कहाँ से करायें। मान्यवर, बहेड़ी में सी0एच0सी0 है, रिच्छा टाउन एरिया में पी0एच0सी0 है, फरीदपुर में पी0एच0सी0 है जो समाजवादी पार्टी की सरकार में बनीं, लेकिन वहाँ पर स्टाफ की कमी होने की वजह से गरीबों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। ग्राम नौली की नदी पर एक पुल का निर्माण करा दिया जाये। बहेड़ी कस्बे में एक स्टेडियम का निर्माण करा दिया जाये। ग्राम भैरपुरा में नदी पर एक पुल का निर्माण करा दिया जाये। इस सरकार ने बहुत बड़ी-बड़ी बातें की हैं कि हम तो अमर हैं हम तो जायेंगे ही नहीं, लेकिन मैं एक शेर के माध्यम से अपनी बात को समाप्त करूंगा। मैंने आपका बहुत कम समय लिया। 'शोहरत की बुलन्दी एक पल का तमाशा है। जिस शाख पर बैठे हो वह टूट भी सकती है।' बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सरिता भदौरिया जी।

***श्रीमती सरिता भदौरिया-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, उत्तर प्रदेश विधान सभा में प्रस्तुत बजट भाषण पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ। उत्तर प्रदेश के विद्वान वित्त मंत्री जी ने 6,90,282 करोड़ का जो बजट उत्तर प्रदेश की विधान सभा में प्रस्तुत किया है वह निश्चित ही उत्तर प्रदेश की जनता की तस्वीर और तकदीर को बदलने का काम करेगा। किसी भी देश की व्यवस्था को संभालने के लिए और किसी भी प्रदेश और देश को आगे ले जाने के लिए उस प्रदेश और देश की शिक्षा नीति को, उस प्रदेश और देश की आध्यात्मिक व्यवस्था को, धार्मिक स्थलों को और अपनी संस्कृति को संभालने का काम जो सरकार करती है या जो देश करता हैं वह निश्चित ही दुनिया के देशों में क्रमांक नम्बर एक पर जाने का अपना मार्ग प्रशस्त करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी उत्तर प्रदेश की विधान सभा में जो बजट प्रस्तुत हुआ है वह 1 ट्रिलियन डालर एकॉनमी को उत्तर प्रदेश की आर्थिक व्यवस्था को बनाते हुए देश की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने का काम करेगा और भारत जो आध्यात्म और संस्कृति व्यवस्था से दुनिया के देशों में अपना स्थान बनाते हुए नम्बर वन की स्थिति में पहुँचने का काम कर रहा है उसमें उत्तर प्रदेश सहयोगी साबित होगा।

शिक्षा के क्षेत्र में सार्वजनिक, समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत 255 करोड़ रुपये का प्राविधान हमारे बजट में प्रस्तुत किया गया है। आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत विद्यालयों को कानवेंट की तर्ज पर स्मार्ट बनाने का कानवेंट शिक्षा गरीबों को मिले, गरीब का बेटा भी इंग्लिश मीडियम की तरह शिक्षा प्राप्त करे इसके लिए भी 1 हजार करोड़ का प्राविधान हमारे बजट में किया गया है। निःशुल्क एवं बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के अन्तर्गत 40 करोड़ के बजट का प्राविधान परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को स्वेटर, जूता, मोजा देने के लिए 650 करोड़ रुपये की व्यवस्था और जो हमारी भारतीय संस्कृति थी, जो हमारे वेद और पुराण जिस संस्कृत भाषा में हमारी पहचान थी आज वह विलुप्त सी होने लगी है। हमारे बजट में संस्कृत विद्यालयों की परिस्थितियों के पुनर्म्रजन के लिए 100 करोड़ की व्यवस्था करने का काम उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री और आदरणीय वित्त मंत्री जी ने किया है। मैं उन्हें भारत की संस्कृत को बचाने के लिए संस्कृत भाषा का न पुनरूत्थान करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ।

इस सदन में खेल के ऊपर चर्चा करते हुए बार-बार छक्के मारने की बात की जा रही थी। मैं कहना चाहती हूँ कि कितने भी छक्के मारें, कितना भी अच्छा मैच खेलें लेकिन उन्होंने जो आस्तीन के सांप पाले हैं वह आस्तीन के सांप उन्हें मैच जीतने नहीं देंगे और न ही कोई मैच जीतने का काम कर पायेंगे। हमारा देश मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम के आचरण से और रामचरित मानस के माध्यम से पूरी दुनिया में पहचाना जाता है और हमारे रामचरित मानस पर एवं राम पर जो प्रश्नचिन्ह लगाने का काम करते हैं मैं उनको कहना चाहती हूँ कि 'हिन्दी अभिवादनों में सिर में जो है राम, कैसे मिलने पर राम राम भूल जाओगे फटिक सिला

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पर सीता माता के चरण चिन्ह, चित्रकूट जैसा पूर्णधाम भूल जाओगे, शबरी के जूठे बेर खाए श्रीराम जी ने राम के ऐसे भाव का प्रताप भूल जाओगे, और पुरखों के प्रताप को यूँ ही भूलते रहोगे तो एक दिन अपने बाप का भी नाम भूल जाओगे।'

यह भारत की संस्कृति है। भारत के कण-कण में राम व्याप्त है। हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी एक तपस्वी के रूप में अपने जीवन को जीते हुए उत्तर प्रदेश की जनता के लिए चिन्ता करने का काम कर रहे हैं। उनके लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है मुझे लगता है कि सदन में बैठे हुए किसी भी सदस्य को वे शब्द सहन नहीं होते होंगे। सदन की मर्यादा के अन्तर्गत रहते हुए मैं पूछना चाहती हूँ विपक्ष के लोगों से कि हमारे हिन्दू संस्कृति में कितने वेद हैं, कितने पुराण हैं, कितने धर्म ग्रन्थ है? क्या उन्हें इसका संज्ञान है? अगर आप बाल पर छक्का नहीं मार सकते, अगर हम टप्पे पर बाल नहीं मार सकते तो यह भी ऋगवेद की छः ऋचाओं का वर्णन इस सदन में खड़े होकर नहीं कर सकते। इनको गीता का एक भी श्लोक याद नहीं होगा। मैं कहना चाहती हूँ कि भगवान श्री कृष्ण ने इस देश की आध्यात्मिक शक्ति को सुदृढ़ रखने के लिए जो गीता का उपदेश दिया है, उन्होंने कहा है कि ''नान्त लिखे न समुद्र विच्चे न पविता नाम विवरण पविश्यतिः, गहनो कर्मणागतिः'' उसके बाद उन्होंने कहा कि ''कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'' फिर कहा है कि कर्म किये जा, फल की इच्छा मत कर ए इन्सान, जैसा कर्म करेगा वैसा फल देगा भगवान। हमें भी वैसा फल ईश्वर ने दिया है और तुम्हे भी वैसा फल ईश्वर ने दिया है। हम कहां बैठें हैं और तुम कहां बैठे हो। लगातार चार चुनावों से तुम्हारे कर्मों का परिणाम तुम्हें सीखने के लिए मजबूर नहीं करता। आदरणीय अध्यक्ष जी, हम जिस देश में रहते है उस देश की लगातार जय घोष करने का काम करते हैं। हम सब आदरणीय अटल जी के बताये हुए मार्ग पर चलने का काम करते है। अटल जी कहते थे कि यह वन्दन की भूमि हैं, अभिनन्दन की भूमि है। इसका कण-कण शंकर है, इसकी बूंद-बूंद गंगा जल है। हम जियेंगे तो इसके लिए हम मरेंगे तो इसके लिए और मरने के बाद भी हमारी अस्थियों से कोई पूछेगा तो हम भारत माता की जय का उदघोष करने का काम करेंगे। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय हम सब सदन में बैठे हुए इस पक्ष के लोग लगातार भारत माता की जय बोलने का काम करते हैं। भारत माता की जय केवल इसलिए नहीं बोलते कि हम भारत माता की जय करना चाहते हैं। हम भारत की जय इसलिए बोलते हैं कि हम भारत की 133 करोड़ जनता की जनभावनाओं की, इच्छाओं की, आकांक्षाओं की पूर्ति का संकल्प लेते हैं और तब हम बोलते है भारत माता की जय।

मैं अपने क्षेत्र की कुछ समस्याओं को आपके संज्ञान में लाते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूँ। हमारे यहां यमुना नदी है। मैं चाहती हूँ कि यमुना के घाट बनाये जायें। यमुना नदी के घाटों का सौन्दर्यीकरण हो और जिला चिकित्सालय को सिटी हास्पिटल में कन्वर्ट किया जाये। ये गोरखपुर के नाले का जिक कर रहे थे। इटावा तो चार-चार बार मुख्य मंत्री रहने के बावजूद भी आज तक जल भराव से ग्रसित है। मैं आपके माध्यम से मांग करती

हूँ कि इटावा के जल भराव की समस्या के लिए हमारी सरकार कुछ काम करने का काम करे। धन्यवाद।

श्री राजेश त्रिपाठी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं 2023-24 के इस बजट को जिसको माननीय संसदीय कार्य मंत्री, वित्त मंत्री जी ने प्रस्तुत किया है। इसके समर्थन में खड़ा हूँ। इस बजट को पहली नजर में सुनते-सुनते जो मन मे ख्याल आया वह यह है कि है 'वो कौन क्षेत्र जो छुआ नहीं, अब तक जो कुछ हुआ नहीं, वह सब कहना संकल्पित है, यह बजट उसी पर लक्षित है।' यह बजट जो आदरणीय वित्त मंत्री जी ने प्रस्तुत किया है। मैं कह सकता हूँ कि इस बजट में 'किसान हमारा समृद्ध हो, हो युवा के हाथों रोजगार, अबला नारी सबला हों अब हैं वचनबद्ध योगी सरकार।'

अधिष्ठाता महोदय, सर्व समाज के लिए उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता के हित के लिए 6 लाख 90248 करोड़ 45 लाख का यह बजट है। पिछली बार का जो बजट था हमारी सरकार का उससे 1 लाख 40 हजार करोड़ से अधिक का यह बजट है और जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी उस दौरान उन्होंने 3 लाख 46 हजार करोड़ का बजट पेश किया था। उनके बजट से दुगने से ज्यादा का यह बजट है और यह बताता है कि प्रधानमंत्री जी और योगी जी के नेतृत्व में ये प्रदेश किस दिशा को जा रहा है। अगर भारत दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश बनने की तरफ अग्रसर है तो यह योगी जी की सरकार के नेतृत्व में यह बजट बता रहा है कि पूरे देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदेश बनने की तरफ हमारा यह उत्तर प्रदेश बढ़ रहा है। अमृत काल में यह बजट है। ये सारी चीजें तभी हो पा रही हैं जब उत्तर प्रदेश की जनता का योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर भरोसा बढ़ा है मैं इनके बारे में यह कह सकता हूँ कि यहां जो सुबह चर्चा हो रही थी और जिस तरह का इन लोगों ने माहौल बना रखा था। मैं तो इस पर एक लाइन कहना चाहूँगा। मैं गोरखपुर से आता हूँ और गोरखपुर में इनके भी एक चहेते हैं। जिनकी वहां एक यूनिवर्सिटी है अपराध की और इसी सदन में यह बात कही भी गयी थी मैं उसी पर चार लाइन कहता हूँ। अपराधों की यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर तेरे चहेते हैं, बो रखे पेड़ बबूल अगर तो क्यो दोष आम को देते हैं। इसी नाते मैं कहता हूँ कि यह वही लोग हैं जो काटकर गैरो की टांगे खुद लगा लेते हैं ये लोग हमारे शहर में इस तरह भी कद बढ़ा लेते हैं। इसी नाते में कहता हूँ कि अपराध की यूनिवर्सिटी जहां-जहां पल्लवित हो रही थी समाजवादी पार्टी की सरकार में, उसको नेस्तनाबूद कर देना होगा जिसे आज शब्द दिया है मा0 योगी जी ने कि मिट्टी में मिला दूंगा। इसी तर्ज पर मा0 योगी जी की सरकार पिछले 6 वर्ष से काम कर रही है। इसी नाते मैं कह सकता हूँ कि कानून व्यवस्था का हाल सही से चल रहा है। अभी जो पौने दो लाख पुलिस की भर्ती व दरोगा की भर्ती व महिला कांस्टेबल की भर्ती हुई है और नए-नए थाने बनाये जा रहे हैं और नयी चौकियां खोली जा रही हैं। इन सभी चीजों के होने से उत्तर प्रदेश माफिया विहीन व अपराधी विहीन हो रहा है व गुंडा विहीन हो रहा है। यही

योगी सरकार का संकल्प है। इसी नाते मैं कह सकता हूँ कि कानून व्यवस्था शानदार हुई है तब जाकर के आशा की किरण जली कि चलो उत्तर प्रदेश चलते हैं कि योगी का बुलावा आया है।

उत्तर प्रदेश से जब हमारे योगी बुलावा भेजते हैं तो कोई एक जिले का तो कोई एक प्रदेश का तो कोई एक देश का ही नहीं पूरी दुनिया के उद्योगपति उत्तर प्रदेश की तरफ हमारे योगी के बुलावे पर दौड़े चले आते हैं कि चलो अब योगी का प्रदेश सुरक्षित प्रदेश बन चुका है और कानून का राज हो चुका है। हमारी चिल्लूपार विधान सभा क्षेत्र में 8000 हैक्टेयर भूमि योगी सरकार ने अधिग्रहण करने की योजना बनाई है। जैसे गीड़ा बना है वैसे ही हमारे क्षेत्र में ग्रेटर गीडा बनाकर उद्योगों का जाल बिछेगा। मुझे पूरा भरोसा है कि जो 40 हजार करोड़ पी0डब्ल्यू0डी0 का बजट आया है उससे हमारे चिल्लूपार क्षेत्र की जो सड़कें अभी निर्मित होनी बाकी हैं वह नई सड़कें बनेंगी तथा पुरानी जर्जर सड़कें चाहे वह हमारे उरवा-धुरियापार की सड़क हो, चाहे वह बड़गो से लेकर तिलसर और पकड़ी वाली रामपुर गड़री वाली सड़क हो, चाहे वह लखनउरी वाली सड़क हो, चाहे वह पकड़ी, डाढ़ी और चीनी मिल वाली सड़क हो हमारी इन सड़कों का भी भला होगा। गोला, बड़हलगंज, रामजानकी मार्ग की सड़कें हैं इनका भी भला होगा इसमें दो राय नहीं है। जिस हिसाब से जर्जर पोल एवं तार को हटाने की बजट में व्यवस्था की गई है उसमें चिल्लूपार के जर्जर पोल एवं तार हटेंगे इसमें कोई दो राय नहीं है। बेसहारा जो जानवर हैं, बेसहारा जो गौवंश हैं उनके लिए भी हमारे क्षेत्र में एक और गौशाला और पशु आश्रय केन्द्र बनाये जायेंगे। इससे उनका संरक्षण होगा। सिंचाई के क्षेत्र में हमारे यहाँ का सरयाआहीडीह बांध और सरयू नदी पर बल्थर के आसपास का जो रिंग बांध प्रस्तावित है उसको भी इस बजट में स्थान मिलेगा। इस बजट से लग रहा है कि हमारे क्षेत्र के दिन पलटेंगे और किसानों की जमीन सुरक्षित होगी। आपने हमें 7 मिनट का समय दिया मैंने प्रयास किया है मैं उस समय में अपनी बात रखूं। मैं योगी सरकार द्वारा प्रस्तुत इस बजट का चिल्लूपार की सात लाख जनता की तरफ से सौ प्रतिशत समर्थन करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री राम मूर्ति वर्मा-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने वर्ष 2023-24 के आय-व्ययक पर जो समाजवादी पार्टी के मा0 नेता द्वारा चर्चा शुरू की गयी है उसमें बोलने का अवसर दिया। मान्यवर, 06 लाख 90 हजार करोड़ से अधिक का बजट सदन में प्रस्तुत किया गया है। लेकिन बजट को पढ़ने के बाद मुझे बड़ा अफसोस हुआ कि बजट पेश करते समय मा0 वित्त मंत्री जी ने दुग्ध व्यवसाय के बारे में बहुत बड़ी-बड़ी बातें बोली थीं कि गरीबों को, छोटे-मझोले किसानों की आर्थिक स्थिति को ठीक करने के लिए उत्तर प्रदेश की सरकार दुग्ध व्यवसाय को बढ़ावा देकर इनकी आर्थिक स्थिति को ठीक करने का काम करेगी। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहता हूँ कि मा0 श्री अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में 2012-17 के बीच में प्रदेश के 14 मण्डल मुख्यालयों पर बहुत बड़ी-बड़ी आधुनिक डेयरियों के निर्माण का प्रस्ताव किया गया था। उसके लिए धनराशि की व्यवस्था की गयी थी

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जिसमें गोरखपुर मुख्यालय पर भी 100 करोड़ से अधिक की लागत का आधुनिक डेयरी प्लांट बनकर खड़ा है। डेयरियों को चलाने के लिए प्रतिदिन 21 लाख लीटर दूध...

(इसी मध्य 04 बजकर 01 मिनट पर अधिष्ठाता डॉ0 मंजू शिवाच पीठासीन हुईं)

की जरूरत है। जिसके लिए समाजवादी सरकार में यह तय किया गया था कि जो किसान पराग डेयरी पर दूध देते हैं उनको चार रुपये प्रति किलो सरकार की तरफ से प्रोत्साहन राशि देकर गरीब परिवार के बच्चों को भी पढ़ने-लिखने का उनके दवा इलाज का इंतजाम करने के लिए दुग्ध व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रोत्साहन देने का काम करेगी। लेकिन इस बजट में कहीं पर भी इसका उल्लेख नहीं है। हमने जनपद अम्बेडकरनगर में एक पशु आहार कारखाना 25 करोड़ की लागत से बनवाया था। मुझे जानकारी प्राप्त हुयी है कि सरकार ने उसको भी बेच दिया और यहाँ सदन में दूसरे तरीके की बातें हो रही हैं। तो इस तरीके की बातें सदन के अन्दर करना शोभा नहीं देता।

हमारा विधान सभा का क्षेत्र बुनकर बाहुल्य क्षेत्र है। बुनकरों का पूरे देश के अन्दर टांडा का जो मार्केट है पूरी दुनिया में टांडा में बनाये हुये कपड़े जाते हैं। कहीं पर भी हथकरघा और बुनकर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए टांडा में न कोई कामर्शियल हब बनाने की बात की गयी न बुनकरों को कोई रियायत देने की बात की गयी। यहाँ तक कि जो 65 रुपया फ्लैट रेट पर बिजली की दर हमारे श्री अखिलेश यादव जी ने निश्चित किया था उसको भी इस सरकार ने बन्द कर दिया है। जिससे हथकरघा और पावरलूम का कारोबारी बहुत ही परेशान है। इसके अलावा विद्युत विभाग के लोग बिजली चेकिंग के नाम पर अगर घर के अन्दर कोई भी पुरूष नहीं है तो 12 बजे, 01 बजे, दो बजे रात को भी बाहर की बाउंड्री से कूदकर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं और उसकी शिकायत करने पर उनके खिलाफ पांच लाख का जुर्माना भेज दिया जाता है। इस तरफ भी मैं सरकार को इंगित करना चाहता हूँ और जो झूठ बोलने का काम है। हमारे क्षेत्र में कहीं पर भी सड़कों का निर्माण नहीं हुआ। बिजली के तार बहुत दिनों से जर्जर स्थिति में हैं उनको बदलने के लिए बार-बार अनुरोध किया गया उस पर कहीं सुनवाई नहीं हुयी है। न ही इस बजट में जर्जर बिजली के तारों को बदलने की बात की गयी है। न हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बजट में कोई प्राविधान किया गया है। मा0 मुख्य मंत्री जी बोल रहे थे कि हम किसानों को सम्मान राशि दे रहे हैं। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ कि दो हजार के बदले 6 वर्ष के अन्दर उर्वरकों के दाम दोगुना से अधिक हो गये, बिजली का दाम चार गुना से अधिक हो गया, डीजल-पेट्रोल के दाम दोगुना से अधिक हो गये, कीटनाशक दवाओं के दाम दोगुना से अधिक हो गये। किसानों की आमदनी बढ़ने के बजाये कम हो रही है। हमारे यहाँ एक शुगर मिल है उस पर दस प्रतिशत की चोरी मेन गेट पर की जाती है। मेन गेट से जो भी गन्ना लेकर जाता है उस पर दस प्रतिशत की कटौती की जाती है। यह पूरे सिस्टम में निर्धारित है इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना

चाहिए। कपोल कल्पित बातें करके लोगों को गुमराह करके बहुत बार यह काम नहीं चलाया जा सकता है।

मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ कि जो सत्तापक्ष के विधायक हैं इनको तीन-तीन करोड़ रुपये का त्वरित विकास योजना के अन्तर्गत सड़कें बनाने का काम दिया गया है लेकिन जो विपक्ष के विधायक हैं इनके किसी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया गया। दो करोड़ की विधायक निधि बढ़ायी गयी थी उसमें 54 लाख रुपया कम कर दिया गया। मैंने दो करोड़ रुपये का बिजली का प्रस्ताव दे रखा है। इस्टीमेट बनकर रखा हुआ है। मान्यवर, अगर सरकार ईमानदारी से काम कर रही है तो दो करोड़ रुपये का इस्टीमेट मंगाकर बजट में प्राविधान करके टांडा के लोगों की बिजली की दुश्वारियों को दूर करना चाहिए। किसानों एवं बुनकरों की समस्याओं का निदान नहीं हो सकता है, कानून-व्यवस्था इतनी खराब है कि थाने और तहसील लूट के अड्डे बने हुए हैं, अगर आदमी मार खाकर जा रहा है तो कहीं पर भी बिना पैसे दिए काम नहीं हो रहा है। मान्यवर मैं आपके माध्यम से चाहूँगा कि कानून-व्यवस्था पर जो चर्चा निर्धारित की गयी है उसमें तहसीलों एवं थानों के भ्रष्टाचारों को भी जोड़ा जाए और जो इतना लम्बा-चौड़ा बजट दिया गया है उसमें टांडा क्षेत्र के विकास के लिए भी व्यवस्था की जाए। इन्हीं शब्दों के साथ अपनी बात को समाप्त करते हुए आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने में बजट चर्चा में शामिल होने के लिए समय दिया।

श्री सौरभ श्रीवास्तव-

मान्यवर, आदरणीय अध्यक्ष जी, आज आपने बजट 2023 के समर्थन में बोलने का समय दिया इसके लिए आपका हृदय से आभार। हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में, प्रदेश के कर्मठ मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में, प्रदेश के अत्यन्त अनुभवी माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है, सही मायने में यह बजट हमारी पार्टी के पितृ पुरुष श्रद्धेय दीनदयाल जी के अंत्योदय की परिकल्पना से ओतप्रोत बजट है। जनता पर कोई नया टैक्स नही है। इसमे समाज के हर वर्ग, चाहे वह गरीब हो, धनी हो, महिला हो, छात्र हो, किसान हो, कारीगर हो, उद्यमी हो, नौकरी-पेशा हो या बेरोजगार हो सभी को ध्यान में रखकर बजट का प्रावधान किया गया है। यह बजट धन के साथ साथ ध्यान का प्रावधान करने वाला बजट है। यह अमृत काल का पहला बजट है और इस बजट ने साबित कर दिया है कि कैसे उत्तर प्रदेश, आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में देश का ग्रोथ इंजन बन गया है। 2016-17 में प्रदेश का बजट लगभग 3 लाख 40 हजार करोड़ का था, मात्र 6 वर्षो में ही यह अब दोगुने से भी अधिक, लगभग 6 लाख 90 हजार करोड़ का बजट प्रस्ताव सरकार ने प्रस्तुत किया है। इससे स्पष्ट है कि हमें जनता का जनादेश जो उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए मिला है, उस पर यह सरकार शत प्रतिशत खरा उतरेगी और हम इसके लिए कृतसंकल्पित हैं। आज देश की जी0डी0पी0 में उत्तर प्रदेश का योगदान 8 प्रतिशत से अधिक है। और मुझे बताते हुये अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि वर्ष 2021-22 में

प्रदेश की जी0एस0डी0पी0 में 16.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो आज देश के विकास दर से भी ज्यादा है और निश्चित तौर पर इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह बढ़कर 19 प्रतिशत से ज्यादा होगी। जहां 2017 के पहले प्रदेश की बेरोजगारी दर 14.4 थी, आज इस सरकार की कुशल नीति, दूर-दृष्टि और परिश्रम का ही फल है कि प्रदेश में बेरोजगारी की दर अब घटकर 4.2 प्रतिशत हो गयी है। निश्चित रूप से यह इस सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। किन्तु यह भी सच है कि निरन्तर बढ़ती जनसंख्या में सभी को नौकरी नही मिल सकती। इसीलिए हमारी सरकार सूक्ष्म और लघु उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। भारत सरकार की स्टार्टअप रैंकिंग में यू0पी0 इंस्पायरिंग लीडर के रूप में पहले स्थान पर है। आज अटल पेंशन योजना के तहत सबसे ज्यादा रजिस्ट्रेशन करने में यू0पी0 पहले नम्बर पर है।

आज उत्तर प्रदेश संगठित अपराध के सफाये में भी नम्बर एक पर है। अधिकांश अपराधी या तो जेल में हैं या प्रदेश के बाहर हैं और अपराध के सफाये का ही यह असर है कि आज प्रदेश में उद्यम का अनुकूल वातावरण बना है। 2017 के पहले प्रदेश में भय का माहौल था। कोई बड़ा इन्वेस्टर यहां आना नहीं चाहता था। पर अब स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। बुनियादी ढांचागत विकास के कारण निवेशकों का विश्वास बढ़ा है, जिसके फलस्वरूप आज उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेश अपनी ऊँचाईयों पर पहुंच गया है और इसका जीता जागता उदाहरण अभी हाल में ही आयोजित अत्यंत सफल इन्वेस्टर्स समिट को पूरे देश ने देखा है।

मान्यवर, इस सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है 1 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था और इसके लिए सरकार ने इस बजट में 21,159 करोड़ रुपये केवल सड़को और पुलों के निर्माण के लिए और 6,209 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बुनियादी ढांचे के रख-रखाव के लिए किया है। इससे प्रदेश के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार द्वारा संस्कृति और विरासत को विकसित किया जा रहा है। पर्यटन द्वारा प्रदेशवासियों की आय और रोजगार दोनों की वृद्धि हो रही है। जैसे-जैसे लोग रोजगार पा रहे हैं, अपराधों की संख्या घट रही है। मान्यवर, नेता प्रतिपक्ष को यह बजट दिशाहीन लगता है। वैसे विपक्ष का धर्म ही आलोचना का है। लेकिन जनता सब जानती है। जो सत्य है उसे झुठलाया नहीं जा सकता। अभी कुछ ही वर्ष पहले प्रदेश में मात्र 2 एयरपोर्ट हुआ करते थे, मात्र 6 वर्षों में ही आज प्रदेश में 9 एयरपोर्ट क्रियाशील हैं और आने वाले 2 वर्षो में यह संख्या बढाकर 21 तक करने का लक्ष्य है। यू0पी0 पर्यटन नीति के तहत इस बजट में अगले 5 वर्षो में 20 हजार नौकरियों के सृजन के साथ साथ 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य भी रखा गया है। निश्चित रूप से यह बजट प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा।

मान्यवर, बजट में छात्रों और युवाओं का भी खास ध्यान रखा गया है। स्वामी विवेकानंद युवा अधिकारिता योजना के तहत पात्र छात्रों को स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध कराने के लिए इस बजट में 3,600 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है। प्रदेश का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र कृषि है। हमारी सरकार का उद्देश्य किसानों की आय को दोगुना करना है और

इस दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। जहां एक ओर हमारी सरकार ने गन्ने के मूल्य का रिकार्ड भुगतान किया है, वहीं दूसरी ओर रबी व खरीफ विपणन के मूल्य का निर्धारण समय से किया है। किसान सम्मान निधि का भुगतान भी सीधे किसानों के खाते में किया गया है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के युवा उद्यमियों के लिए भी एग्रीटेक स्टार्टअप के लिए भी धन आवंटित किए गए है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत योजना हेतु भी 1,655 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। इसके साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के लिए 12,631 करोड़ रुपये आवंटित किए गए है। हर जिले में मेडिकल कालेज खोलने का प्रस्ताव बताता है कि सरकार प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य के प्रति कितनी संवेदनशील है। मान्यवर, यह बजट एक लोक कल्याणकारी बजट है, जो संविधान के नीति निर्धारण के अनुरूप है। वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन के अलावा कुष्ठावस्था पेंशन, सामूहिक विवाह योजना, जन आरोग्य योजना, बालश्रम मुक्ति योजना सरकार के अंत्योदय के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करता है। इसके सिवा मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत 1050 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया है। बजट में निराश्रित और विधवा माताओं, बहनों के लिए भी 4,032 करोड़ रुपये का प्रस्ताव स्वागत योग्य है। सरकार गौमाता और गौवंश के लिए अत्यन्त संवेदनशील है। गौवंश के देखभाल के लिए भी 750 करोड़ का बजट प्रस्ताव है। इसके सिवा गन्ना विकास, चीनी उद्योग, डेयरी, पशुपालन और मत्स्य पालन के विकास हेतु भी ध्यान है, जिससे साबित होता है कि प्रदेश का समग्र और सम्यक विकास हो रहा है। प्रदेश में खेल का वातावरण एवं खिलाड़ियों के लिए सुविधाएं एवं प्रोत्साहन हेतु खेल विश्वविद्यालय की भी स्थापना की जा रही है। सहारनपुर, फतेहपुर और बलिया में स्पोर्ट्स कालेज का प्रस्ताव भी स्वागत योग्य है। क्योटो यानी हमारी काशी में पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोप-वे हेतु 150 करोड़ तथा काशी और गोरखपुर में मेट्रो हेतु 100 करोड़ का प्रस्ताव सराहनीय है। मान्यवर, सरकार का यह बजट घाटे का बजट नहीं है। सरकार जितना जनता से ले रही है, उससे ज्यादा जनता को दे रही है, जो लोककल्याण और प्रगतिशीलता का परिचायक है, मगर यह घाटा भी नियंत्रित है।

मान्यवर, हमारी सरकार का ध्यान अर्थव्यवस्था के हर अंग पर है। सरकार निरंतर प्रदेश को आगे बढ़ा रही है। हम भी भाग्यशाली हैं कि हम भी इस विकास के यात्रा के भागीदार है। कुल मिलाकर यह बजट प्रदेश के विकास के लिए उत्तम बजट है और मैं इसका पुरजोर समर्थन करता हूँ। मेरे निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी कैन्ट में आदरणीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्य मंत्री जी की कृपा से पिछले 6 वर्षो में लगभग 40 अरब के विकास कार्य हुए हैं। उनके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही मैं सरकार से मांग करता हूँ कि मेरे क्षेत्र के भगवानपुर, रामनगर और नगर निगम में जुड़े सभी नए क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के संयोजन के लिए विशेष पैकेज दिया जाय। देवपोखरी, सोनिया और सगरा, तीन बड़े जलाशयों पर भू-माफियाओं की नजर हैं, उनका संरक्षण व सौंदर्यीकरण कराया जाय। अस्सी घाट से सामने घाट तक पक्का घाट बनाया जाय। मान्यवर, इन पंक्तियों के साथ अपनी बात

समाप्त करूँगा। यूपी में का बा, यूपी में बाबा बा, बाबा का राज बा, बाबा कइलन काज बा, शिक्षा का प्रसार बा, उद्यमिता का माहौल बा, गुंडन का भइल हौ नाश बा, यूपी में विकास बा, यूपी में रोजगार बा, यूपी में सुरक्षा बा, यूपी में सम्मान बा।

श्री जगदीश नारायण-

अधिष्ठाता जी, कोरम नहीं है।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, एक तो कोरम पूरा नहीं है, फिर सत्तापक्ष के विधायक, विपक्ष के विधायकों की तुलना में 1/2 बचे हैं तो अब तो उपस्थिति के आधार पर 02 को इधर से बोलना चाहिए, 01 को उधर से बोलना चाहिए या 01-01 करके बोलवा लीजिए।

श्री अधिष्ठाता-

चलिए, देख लेते हैं। अभी कर देंगे। बीरेन्द्र सिंह राणा जी को बोल लेने दीजिए।

श्री बीरेन्द्र सिंह राणा-

अधिष्ठाता जी, आपने मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ। मैं माननीय मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में 6 लाख 90 हजार 242 करोड़ 43 लाख रुपये का अब तक का सबसे बड़ा बजट प्रस्तुत किए जाने के लिए माननीय वित्त मंत्री जी, श्री सुरेश खन्ना जी का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देना चाहता हूँ। इस बजट में किसानों, महिलाओं, युवाओं, उद्यमियों व समाज के सभी वर्गों का पूरा ध्यान रखा गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह बजट उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। पूर्व की सरकारें नारी सम्मान के प्रति असंवेदनशील रही हैं, लेकिन योगी सरकार ने प्रस्तुत बजट में महिला कल्याण और नारी शक्ति को पूरा सम्मान दिया गया है। इसमें कन्याओं के लिए विशेष रूप से धनराशि आवंटित की गयी है। निराश्रित विधवाओं के लिए भी बजट में भारी धनराशि का प्रावधान किया गया है। मान्यवर, पूर्व की सरकारों के कार्यकाल के दौरान हमारी चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी थी, जिसका खामियाजा हमें कोरोनाकाल जैसी वैश्विक आपदा में उठाना पड़ा। चिकित्सा व्यवस्था लचर होने का मुख्य कारण पूर्व की सरकारों का चिकित्सा के क्षेत्र में उदासीन दृष्टिकोण था और भ्रष्टाचार में लिप्त होना रहा है। मान्यवर, योगी जी ने चिकित्सा के क्षेत्र में हर जिले में मेडिकल कालेज स्थापित किए जाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें 45 जनपदों में योगी सरकार ने मेडिकल कालेजों की स्थापना किए जाने की दिशा में पूर्ण रूप से कार्य किया है।

मान्यवर, पूर्व की सरकारों में गुण्डों का बोलबाला रहता था, गुण्डे सरकारों से अधिक ताकतवर होते थे। योगी जी की सरकार ने गुण्डों को बताया कि सरकार अगर चाहे तो गुण्डे या तो जेल में होंगे या प्रदेश से भाग गए होंगे, यह सब आप समझते हैं। योगी जी की सरकार ने यह दिखाया है कि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। योगी जी ने प्रदेश में भयमुक्त

माहौल बना दिया है। प्रदेश हो या प्रदेश से बाहर हर जगह योगी मॉडल की चर्चा है। मान्यवर, हमने सुना है, विपक्ष कह रहा है कि बजट में कुछ नहीं है। मुझे याद है कि पिछली बार भी विपक्ष ने ऐसा ही कहा था और इस बार भी, लेकिन हमने देखा है कि पिछले बजट की विकासोन्मुखी योजनाओं का लाभ लेने को विपक्ष सत्ता के गलियारों में चक्कर लगाता रहा और मुझे विश्वास है कि इस बार भी विपक्ष ऐसा ही करेगा, यही योगी सरकार के बजट की स्वीकार्यता है। मान्यवर, सड़क मार्ग हो या उद्यम क्षेत्र, ऊर्जा क्षेत्र हो या औद्योगिक क्षेत्र या शिक्षा का क्षेत्र, सभी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। मान्यवर, मेरे क्षेत्र की कुछ मूलभूत समस्याएँ हैं, जिन्हें मैं आपके सामने रखना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र सिकन्दरा राऊ में बस स्टैंड न होने के कारण यात्रियों को अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यात्री चौराहे व रोड पर खड़े रहते हैं, आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। सिकन्दरा राऊ विधान सभा क्षेत्र में बस स्टैंड बनाया जाए तो स्थानीय जनता को फायदा होगा। ग्राम खिजरपुर के नगलाकोठी पर काली नदी है, जो जनपद अलीगढ़ की छर्रा विधान सभा क्षेत्र एवं जनपद हाथरस की सिकन्दरा राऊ विधान सभा क्षेत्र के मध्य है। नदी के दोनों तरफ एक-दूसरी विधान सभा क्षेत्र के किसानों की खेती-बाड़ी है। बरसात के समय किसानों को 20 से 25 किमी0 दूरी तय करके अपनी जमीन की देख-भाल के लिए आना-जाना पड़ता है। अतः जनहित में काली नदी पर पुल बनाया जाए। ब्लाक हसायन के कस्बा हसायन में कन्या इण्टर कालेज का निर्माण करवा दिया जाए तो स्थानीय नागरिकों को लाभ होगा। कस्बा बाजिदपुर को नगर पंचायत घोषित कर दिया जाए। पुरदिल नगर में एक भी सरकारी अस्पताल नहीं है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कराया जाय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जनहित में अति आवश्यक है।

पुरदिल नगर की जनसंख्या 20 से 25 हजार की है। सी0एच0सी0 की स्वीकृत अति आवश्यक है। मैं विपक्ष के नेताओं से कहना चाहता हूँ कि जनता को गुमराह न करें और बजट भाषण को तसल्ली से घर जाकर पढ़ें। बजट में दी गई योजनाओं से जनता को लाभ पहुंचाएं, ताकि जनता ही यह फिर से कहे कि आएंगे तो योगी जी, आएंगे तो मोदी जी। विपक्ष पूछता है कि यू0पी0 में का बा-का बा, यू0पी0 में बाबा-बा।

श्री हृदय नारायण सिंह पटेल-

अधिष्ठाता महोदय, ''बहुत देर से दर पर आंखें लगी थीं, हुजूर आते-आते बहुत देर कर दी'' मान्यवर आपने वर्ष 2023-24 के बजट अनुमानों पर हमें अपने विचार रखने का अवसर प्रदान किया है उसके लिए मैं आपको दिल की गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। सगड़ी आजमगढ़ की जनता ने अपना आशीर्वाद देकर मुझे इस सदन में पहली बार सदस्य बनाने का जो सौभाग्य दिया है अतः इस सदन के माध्यम से मैं सगड़ी की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने आजादी के बाद सगड़ी में हुए सारे चुनाव के रिकार्ड को ध्वस्त करते हुए सर्वाधिक मतों से ही नहीं अपितु सर्वाधिक अन्तर से जीत दिलाकर भेजा है। यह हमारा

नैतिक कर्तव्य भी उचित बनता है जिन्होंने हमें भेजा है उनकी समस्याओं को मैं यहां उद्धृत करूं। हमारी विधान सभा क्षेत्र रौनापार में चहटपत्ती बिलरियागंज जो रोड है वह इतना क्षत-विक्षत है, उसके लिए हम लोगों ने कई बार शासन को अवगत कराया, स्टीमेट भी आया, लेकिन अभी तक उसका निर्माण नहीं हो पाया है। आजमगढ़ और गोरखपुर को जोड़ने वाली टू लेन पर जो हाजीपुर और गोला के बीच एक पुल का निर्माण हो रहा था अभी तीन-चार दिन पहले धनाभाव में वहां से सारा सामान ठेकेदार लेकर वापस चले गए, इसलिए मैं चाहता हूँ कि धनाभाव में वह पुल जो नहीं बन पा रहा है उसको बनवाने की कृपा करें। अराजीदेवारा करखिया और हाजीपुर में वर्ष 1984 से सारे रिकार्ड जो चकबन्दी के थे वह सारे गायब हो गए हैं। वहां पर चकबन्दी आज तक नहीं हो पाई है, इसलिए आपके माध्यम से मैं चाहता हूँ कि रिकार्ड को पुनः खोज करके किसी तरह चकबन्दी कराई जाए। महुलागढ़वर बांध की लम्बाई करीब 20 किलोमीटर है वहां पर अभी कुछ दिनों पहले बाढ़ आई थी और पूरा बंधा जलमग्न हो गया था। अगर एक दिन भी पानी का लेवल बढ़ता तो करीब-करीब पूरी जनता सगड़ी की जलमग्न हो जाती, इसलिए लोग कहते हैं कि यह डूब क्षेत्र है। मैं उसके लिए पी0डब्ल्यू0डी0 में गया, सिंचाई विभाग में गया यह कहकर लोग टाल देते हैं कि वह डूब क्षेत्र में है, वहां पुल नहीं बन सकता।

मान्यवर जब नदी में पुल बन सकता है, तो वहां से जो 2 लेन की या 4 लेन की जो रोड जा रही है उस पर पुल बन सकता है तो वहां पुल क्यों नहीं बन सकता। महुलागढ़वल बांध की बाढ़ से अगर हमको परमानेंट निदान पाना है, तो उसका उच्चीकरण, चौड़ीकरण और नदी के साइड से पैचिंग का कार्य भी आवश्यक है। अभी ऊर्जा मंत्री जी सामने बैठे हुए हैं, मैं उन्हीं के जिले मऊ का रहने वाला हूँ। मा0 विधायक राजेश त्रिपाठी जी बैठे हैं एवं माननीय मंत्री जी के जिले गोरखपुर के दक्षिणांचल में स्थित बड़हलगंज कस्बे में प्रैक्टिस करता हूँ। और सगड़ी से विधायक हूँ और आपका जो सबसे मधुर रिश्ता है, यानि कि आपकी ससुराल हमारी सगड़ी में है। आपको मैंने ट्रांसफार्मर के लिए 34 की लिस्ट दी थी मैं आपको धन्यवाद देना चाहूँगा कि आपने वह 34 की लिस्ट भेज दी पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम वाराणसी को, वह लिस्ट हमारे पास भी आई, लेकिन जब मैंने इसको पता करना चाहा कि यह ट्रांसफार्मर क्यों नहीं लग रहे हैं। तो वहाँ से जवाब आता है कि धनाभाव में नहीं लग पा रहे हैं। मान्यवर, मै एक चीज और बताना चाहता हूँ कि 25 के0वी0ए0 का ट्रांसफार्मर अगर विद्युत विभाग लगाता है तो उसका बिल आता है 2.25 लाख रुपये और अगर वहीं विधायक निधि से लगता है तो उसका एस्टीमेट आता है लगभग 5.25 लाख रुपये। मैं यह जानना चाहता हूँ कि इसमें इतना डिफरेंस क्यों है ? मान्यवर, अभी-अभी बड़हलगंज में एक बहुत ही प्रतिष्ठित हास्पिटल जिसमें 40 के0वी0ए0 का कनेक्शन है, उसके कनेक्शन को काट दिया गया, कनेक्शन काटने की तिथि थी 25-01-2023, बिल आया था करीब एक लाख बीस हजार रुपये, एक महीने का भी बकाया नहीं था, तिथि थी 25-01-2023 को, लेकिन उसका कनेक्शन काट दिया गया

18 तारीख (18-01-2023) को ही। मान्यवर, इतनी अनियमितताएँ क्यों हैं और वह अस्पताल किसी और का नहीं, वह स्वयं मेरा है। जब हमारे साथ ऐसी घटना हो सकती है तो आम पब्लिक का क्या होता होगा, वह क्या कर सकती है ? मान्यवर, अभी विकास कार्य पर जो इतनी चर्चाएँ हो रही थीं, उस पक्ष के लोग, (सत्ता पक्ष के लोग) मा0 योगी जी के विकास कार्य की चर्चा नहीं कर पा रहे थे, उसकी चर्चा मैं अपनी इस कविता से कहना चाहता हूँ।

जोगी बाबा, जोगी बाबा, आपकै इहे उपलब्धी हवे जोगी बाबा
राम राज में पन्द्रह करोड़ जनता गरीब,
पाँच किलो राशन देके फोड़े नसीब, जोगी बाबा
शिक्षक नौजवान हवें परेशान, रात भर सँड़वन के हाँके किसान जोगी बाबा,

अब कोरोना पर बात हो जाये

लाखन गरिबवन के कोरोना लिहल लील,
लाशन से पटि गईली गंगा कई मील, जोगी बाबा

अब कानून व्यवस्था पर आइए

हाथरस की बिटिया के रात में जलावा,
गोरखपुर के होटल में हत्या करावा,
कानपुर के झोपड़ी पर बुल्डोजर चलावा, जोगी बाबा
जोगी बाबा आपकै इहे उपलब्धी हवे, जोगी बाबा

मा0 अधिष्ठाता महोदय, चूँकि मैं पहली बार बोल रहा हूँ तो हमारा थोड़ा सा समय बढ़ा दीजिए।

श्री अधिष्ठाता-

आप आधा मिनट में खत्म कर लें। आपके सात मिनट होने वाले हैं।

श्री हृदय नारायण सिंह पटेल-

मान्यवर, बजट भाषण की किताब के पेज नं0-1 पर मैं एक बात कहना चाहूँगा कि अगर झूठ भी बोलना है तो इतने कान्फिडेंस से बोलो कि सत्य भी शरमा जाए। इसके पेज नं0-4 पर और पेज नं0-17 पर लिखा है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य आपके सात मिनट हो गए, आप थोड़ा जल्दी कर लीजिए। अगर अपने क्षेत्र की कुछ प्राब्लम्स हों बता दीजिए। जल्दी से समराइज कर दीजिए।

श्री हृदय नारायण सिंह पटेल-

मान्यवर, डाक्टर होने के नाते थोड़ा देख लीजिए, आप भी डाक्टर हैं और मैं भी डाक्टर हूँ। आप गाइनोकोलॉजिस्ट हैं और मैं सर्जन हूँ। मैं गन्ना उत्पादन में बोलूँगा। गन्ना

उत्पादकता में एक लाख आठ सौ पचहत्तर टन प्रति हेक्टेयर गन्ने का उत्पादन हो सकता है क्या, लेकिन इस बजट में लिखा हुआ है। पेज नं0-17 पर आइए, इसमें लिखा हुआ है कि प्रदेश के विभिन्न 62 जनपदों में 21 नवीन राजकीय नलकूपों का निर्माण परियोजना नाबार्ड घोषित आगामी दो वर्षों की परियोजना के समस्त कार्यों को पूर्ण करते हुए 1.05 हेक्टेयर की सिंचन क्षमता के सृजन का लक्ष्य है, जिससे लगभग एक लाख तीन हजार कृषक परिवार लाभान्वित होंगे। आप यह बताइए कि 1.05 हेक्टेयर में एक लाख तीन हजार किसान लाभान्वित हो सकते हैं। इसीलिए मैं इसको झूठ का पुलिन्दा मानता हूँ। अब मैं थोड़ा सा मेडिकल पर आ जाता हूँ। मान्यवर, पहले बजट सत्र में कुछ भाइयों ने हमें ज्ञान दिया था उज्ज्वला योजना पर। उज्ज्वला योजना पर बोला गया था कि इससे फेफड़े की टी0बी0 में कमी आई है। एक डाक्टर होने के नाते मैं यह कह सकता हूं कि धुएं से फेफड़े के टी0वी0 का रिस्क बढ़ सकता है लेकिन टी0वी0 नहीं हो सकती है। टी0वी0 माइक्रोवैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस से होती है। दूसरा उदाहरण था कि स्वच्छता मिशन के तहत जो शौचालय बनाये गये हैं, पोलियो उन्मूलन में उससे सहायता मिली है। मान्यवर, पोलियो का अन्तिम केस 13 जनवरी, 2011 को हाबड़ा, कोलकत्ता में मिला था एवं भारत को पोलियों मुक्त देश का प्रमाण-पत्र 27-03-2014 को डब्लू0एच0ओ0 द्वारा दिया गया तो कैसे पोलियों के उन्मूलन में सहायता मिली ? जबकि केन्द्र सरकार का गठन मई, 2014 में हुआ।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, इस बजट पर चर्चा चल रही है, पिछले वाले बजट पर चर्चा नहीं चल रही है। इस बजट पर चर्चा करके आप आधे मिनट में भाषण खत्म कर दीजिये।

श्री हृदय नारायण सिंह पटेल-

पेज नं0-8 पर पैरा-7 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत 81.25 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण किया गया है जो इस पैरा नं0-7 में है। मान्यवर, नवम्बर, 2013 के एक भाषण का मैं उल्लेख करना चाहूंगा जिसमें हमारे मा0 प्रधानमंत्री जी ने उद्बोधित किया था, उस समय कांग्रेस की सत्ता थी और उसकी योजनायें चल रही थीं तो उन्होंने एक शब्द को कोड किया था और कहा 'ये अपने मामा के घर से लाये हैं क्या' तो मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या ये खाद्यान्न जो मुफ्त बंट रहा है यह खाद्यान्न कहां से आया है ?

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, अब आप प्लीज समाप्त करिये, 10 मिनट से अधिक समय हो गया है, बहुत ज्यादा समय हो गया है। मा0 सदस्य रमेश जी आप बजट पर बोल दें।

श्री हृदय नारायण सिंह पटेल-

बस एक लास्ट है पेज नं0-13 के पैरा-5 में लिखा है कि पूरे उत्तर प्रदेश की सी0एच0सी0 और पी0एच0सी0 की संख्या-3866 है (सी0एच0सी0 855 एवं पी0एच0सी0

3011) इन्हें सुदृढ़ीकरण हेतु इस बजट में 15 करोड़ रुपये का प्राविधान है। मान्यवर, यदि 15 करोड़ में 3866 को भाग दे तो प्रति सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 38,799.79 आता है। मान्यवर, मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या इतने कम पैसे में किसी पी0एच0सी0/सी0एच0सी0 का सुदृढ़ीकरण हो सकता है क्या ?

मान्यवर, आपने हमें 2023-24 के बजट अनुमान पर बोलने का अवसर दिया उसके लिये आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सदन में सदस्य का माइक बन्द हो जाने तथा दूसरे सदस्य श्री रमेश के बोलने पर)

***श्री रमेश-**

बहुत-बहुत धन्यवाद अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे वर्ष 2023-24 के उत्तर प्रदेश के बजट की चर्चा पर बोलने का अवसर दिया। मैं शाहगंज की देवतुल्य जनता की तरफ से हमारे वित्त मंत्री और हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी का हृदय से वंदन, अभिनन्दन करना चाहता हूं कि उन्होंने ऐसा ऐतिहासिक बजट आज उत्तर प्रदेश को दिया। यह बजट अमृत काल का बजट है। यह बजट हमारी माताओं, बहनों, युवाओं, किसानों और आम जनमानस का बजट है। इस बजट में छात्रों को टैबलेट, स्मार्टफोन के लिये 3600 करोड़, बुन्देलखण्ड में डिफेन्स कॉरीडोर के लिये 550 करोड़, पुलिस विभाग में आवासीय सुविधा के लिये 1000 करोड़ तथा 17000 पाठशालायें खोली जायेंगी। ऐसी सैकड़ों जनकल्याणकारी योजनाओं को इस बजट में सम्मिलित किया गया है।

अधिष्ठाता महोदय, आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री महाराज योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अपराधमुक्त प्रदेश है और विकास की एक नई गाथा लिख रहा है। यह मेरा सौभाग्य है कि राष्ट्र के प्रति चिन्तनशील पुरुषों के सानिध्य में जनता की सेवा करने का अवसर मिला है, जिनके लिये राष्ट्र ही प्रथम है। आज उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे प्रदेश के नाम से जाना जाता है। विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आज जनमानस को वास्तविक रूप में मिल रहा है जो कि पहले की सरकारों में महज कागज तक सीमित रह जाता था। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से करीब 33.50 लाख करोड़ का निवेश आज उत्तर प्रदेश में होने के कारण 1 करोड़ युवाओं को रोजगार की व्यवस्था होगी। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में मात्र 2 एयरपोर्ट थे। आज उत्तर प्रदेश में 9 एयरपोर्ट संचालित हैं और आने वाले कुछ ही सालों में 21 एयरपोर्ट वाला प्रदेश, हमारा उत्तर प्रदेश हो जायेगा। मा0 अधिष्ठाता महोदय शाहगंज की विधान सभा जिले के अन्तिम छोर पर होने के नाते और पिछले जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैये के कारण आज तक विकास के कार्यों से वंचित रहा।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

शाहगंज, जो हमारी विधान सभा क्षेत्र है, यह 3 जिलों से सटी हुई विधान सभा क्षेत्र है-सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर और आजमगढ़। हमारे यहां पूर्वांचल की दूसरी सबसे बड़ी गल्ला मण्डी शाहगंज में है। आज हमारे यहां सड़कों की हालत बहुत ही खराब है। जो हमारे पुराने जनप्रतिनिधि शाहगंज विधान सभा क्षेत्र के थे, उनके उदासीन रवैये के कारण हमारे क्षेत्र का विकास अभी तक नहीं हो पाया है।

मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि हमारे यहां जबसे मुझे शाहगंज की देवतुल्य जनता ने उनका प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया है और महाराज जी के आशीर्वाद से, मंत्रि-मण्डल के आशीर्वाद से आज शाहगंज विधान सभा क्षेत्र में काफी सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है। ए0एन0एम0 सेण्टर, पानी की टंकी की व्यवस्था, पंचायत भवनों की व्यवस्था, अन्त्येष्टि स्थल जो नदी से जुड़े हुए गांव हैं, उनमें यह कार्य चल रहे हैं। माननीय अधिष्ठाता महोदया, मैं आपके माध्यम से दो मांगें इस सदन में रखना चाहता हूँ कि हमारी एक प्राथमिक सड़क अरबूपुर कटार, जो इण्डस्ट्रियल बेल्ट में है, यह लगभग 8 किमी0 की सड़क है, जिसकी हालत बहुत ही खराब है। यह सड़क मात्र साढ़े 3 मीटर की है। इण्डस्ट्रियल बेल्ट होने के नाते वहां हैवी इण्डस्ट्रीज चल रही हैं जैसे- स्टील इण्डस्ट्री, बड़ी-बड़ी राइस मिलें चल रही हैं, रोलिंग मिल चल रही है, लेकिन सड़क की व्यवस्था ठीक न होने के कारण वहां आए दिन कोई न कोई घटनाएँ होती रहती हैं। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ कि वह सड़क जो लगभग 8 किमी0 की है, उस सड़क का निर्माण जल्द से जल्द हो जाये। जिले के अन्तिम छोर पर होने के नाते हमेशा हमारी शाहगंज विधान सभा क्षेत्र की उपेक्षा हुई है। मान्यवर, आपके माध्यम से मैं इस सदन से निवेदन करना चाहूँगा कि हमारी शाहगंज विधान सभा क्षेत्र को, जहां कई दशकों से यह मांग चली आ रही है कि शाहगंज को जिला घोषित कराया जाये ताकि हमारी शाहगंज की देवतुल्य जनता को उचित न्याय और इन्साफ मिल सके और जिस विकास की मुख्य धारा से वह लोग आज तक वंचित थे, उस विकास की मुख्य धारा से वह जुड़ सकें। धन्यवाद।

श्री हर्षवर्धन बाजपेयी-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। सबसे पहले मैं बताना चाहूँगा कि पूरे प्रदेश और देश को आज तक आजादी के बाद का, किसी भी प्रदेश का यह सबसे बड़ा बजट, जो अबकी बार 6.09 लाख करोड़ का है। इसमें यह याद रखें कि अभी इसमें सप्लीमेण्ट्री बजट जो साल में लिये जाते हैं, वह नहीं जोड़े गये हैं। यह फाइनल आँकड़ा 7 लाख करोड़ से कहीं ज्यादा आगे साढ़े 7 लाख करोड़ के करीब तक पहुँचेगा। यह एक ऐतिहासिक फिगर है। थोड़ा कम्पेरिजन के लिए आपको बता दूँ कि पाकिस्तान, ठीक है आज उनकी आर्थिक व्यवस्था खराब है, लेकिन साल दो साल पहले जब इतना बुरा हाल नहीं था, तब भी वह दुनिया के 10 सबसे ज्यादा आबादी के देशों में से एक है, लेकिन उनके डेढ़ गुना का बजट केवल उत्तर प्रदेश का है। यह साइज है हमारे बजट का एक बात मैं और बताना चाहता हूँ कि यह बड़ा गैप है कि यह अमृत काल का पहला बजट जरूर है, लेकिन हमारी

सरकार का यह ठीक एक पंचवर्षीय पार किया हुआ बजट है, फर्स्ट फुल बजट इस सरकार का है। अगर फर्स्ट फुल फाइनेंशियल ईयर का बजट देखा जाये तो पिछली बार का बजट फुल फाइनेंशियल ईयर का नहीं था। तो ऐसे में हम लोगों का बजट पिछले 5 साल पहले जब वर्ष 2017 में सरकार बनी थी, उससे डबल का हमारा बजट है, मतलब कि हमने 5 साल के अन्दर उत्तर प्रदेश के बजट को डबल करने का काम किया है। अगर केवल इसी को ग्रोथ का आँकड़ा माना जाये तो 14 परसेण्ट का नॉमिनल ग्रोथ रेट उत्तर प्रदेश का, प्रति वर्ष का है। अगर हम 14 परसेन्ट का नामिनल ग्रोथ रेट में महंगाई के आर0बी0आई0 के मानक को मान लें तो हमारा सी0पी0आई0 (कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स) पिछले 05 वर्ष का 06 प्रतिशत के आस-पास है। अगर 14 में से 6 हम घटा भी देते हैं तो 08 प्रतिशत का रियल ग्रोथ रेट उत्तर प्रदेश का है। याद रखिये किसी समय में कोरोना भी आया था जिसमें दुनिया में पाकिस्तान, श्री लंका जैसी अर्थ-व्यवथा कोलैप्स कर गयी और केन्द्र सरकार को भी 25 परसेन्ट का लॉस हुआ था।

उत्तर प्रदेश में माननीय योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में 08 परसेन्ट का लगातार ग्रोथ रेट देने का काम किया है यह बहुत ही काबिले तारीफ बात है कि कोरोना के बावजूद हमारी अर्थव्यवस्था कमजोर नहीं हुई और इसके साथ-साथ मैं यह भी बताना चाहता हूँ कि इस बजट में मेरे क्षेत्र प्रयागराज को बहुत ऐतिहासिक धनराशि प्राप्त हुई है। हमारे यहां ज्यादातर प्रदेशों में एक लॉ यूनिवर्सिटी होती है, उत्तर प्रदेश में लखनऊ में पहले से क्लैट की एक नेशनल यूनिवर्सिटी थी, लेकिन प्रयागराज में यह देखते हुए कि दुनिया के सबसे बड़े हाई कोर्ट्स में से एक हाई कोर्ट प्रयागराज में है, इसलिए प्रयागराज को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दी गयी है उसको भी फण्ड्स दिये गये हैं। कुंभ मेले के लिए 621 करोड़ के फण्ड्स एफ0वाई0-23 में दिये गये थे, यह अपने में छोटी राशि नहीं है, अगर 600 करोड़ रुपये मेरे क्षेत्र के लिए मुझे दिये जाते थे, तो मैं धन्यवाद कहता, लेकिन फाइनेन्शियल ईयर, 24 यानि इस साल के जिस बजट पर हम लोग डिश्कशन कर रहे हैं उसमें 621 करोड़ को बढ़ाकर ढाई हजार करोड़ रुपये कुम्भ मेले के लिए दिये जा रहे हैं और ढाई हजार करोड़ के साथ-साथ 1700 करोड़ आर0ओ0बी0 (रेलवे ओवर ब्रिजेज) को भी दिया जा रहा है जिसमें से प्रयागराज कुंभ क्षेत्र के मेरी विधान सभा उत्तरी क्षेत्र के सभी रेलवे फाटकों के ऊपर ब्रिज बना करके रेलवे फाटक के जाम से जनता को मुक्त करा दिया जा रहा है। यह मेरे लिए एक बहुत इमोशनल बात है।

मैं दिल से सरकार को धन्यवाद दूंगा, क्योंकि जब मैं छात्र जीवन में था तो हम लोगों को पढ़ाया जाता था प्रयागराज वो क्षेत्र है जहां से 5-5 प्रधानमंत्री रहे हैं और अगर देखा जाय कि चंद्रशेखर जी की एजुकेशन इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में रही है तो एक छठां प्रधानमंत्री भी आप जोड़ सकते हैं, क्योंकि उनकी एजुकेशन इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में रही है। मैं हमेशा सोचता था कि लोग 05 प्रधानमंत्री गिनाते हैं, जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, वी0पी0 सिंह और भी बहुत से तो मैं हमेशा यह कहता था कि अगर एक-एक प्रधानमंत्री एक फ्लाई ओवर

भी बना देता तो पाँचों रेलवे फाटक से हम लोग मुक्त हो जाते लेकिन जो 05-05 प्रधानमंत्री अन्य सरकारों के नहीं कर पाये वो डबल इंजन की मोदी-योगी सरकार ने करके दिखाया है।

अधिष्ठाता महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन को और पूरे सूबे को बताना चाहता हूँ कि फाफामऊ में गौरी फाटक के लिए फण्ड दे दिये गये हैं, इसके अलावा आई0आर0टी0 पर जो रेलवे फाटक है उसके लिए फण्ड दे दिये गये हैं। इसके साथ-साथ सलोरी में जो अर्द्धनिर्मित फलाई ओवर है उसको कंप्लीट करने के लिए फण्ड दे दिये गये हैं और दारागंज में जो पक्षी बांध है उसको भी पूरा करने के लिए फण्ड दे दिये गये हैं और इसके साथ-साथ सोने पे सुहागा है, डबल इंजन सरकार का फायदा है कि जो एक तन्हा रेलवे फाटक पूरी उत्तरी विधान सभा क्षेत्र में बच रहा था जिसको एनी बेसेन्ट फाटक कहते हैं छोटा बघाड़ा में उसमें वैष्णव रेल मंत्री जी ने खुद संज्ञान लेते हुए उसमें अण्डरपास बनाने के लिए पहला 20 करोड़ रीलीज कर दिया है। डबल इंजन की सरकार ने केन्द्र और प्रदेश में मिल करके वह काम करके दिखाया है जो 05 प्रधानमंत्री नहीं कर पाये।

मैं अब ज्यादा न बोलकर बस यह बोलना चाहूँगा कि हमारी सरकार ने जो इतना कुछ किया है, इतना विकास और जो 6 लाख 90 हजार करोड़ हम लोग खर्च कर रहे हैं, इसमें हमने फिस्कल डेफिसिट को नहीं छोड़ा है। जहाँ हमारा फिस्कल डेफिसिट चार परसेण्ट का पिछले फाइनेंशियल ईयर में था, वहीं पर हम लोग उसको साढ़े तीन परसेण्ट पर लाने जा रहे हैं। इसी टाइम में हमारा जो रेवेन्यू सरप्लस है, उसमें हम लोग एफ0वाई0-2022 के 1.1 परसेण्ट से एफ0वाई0-2023 में 2.1 परसेण्ट पर और अब 2.8 परसेण्ट पर आने जा रहे हैं। मैं आखिरी बहुत महत्वपूर्ण बात बोल रहा हूँ कि अभी जी-20 में दुनिया के सारे फाइनेंस मिनिस्टर दो दिन पहले भारत आये थे और निर्मला सीतारमण जी ने उनके लिए बैक्वेट रखा था। अगर यह आँकड़ा उनको भी बताया जायेगा तो दुनिया का हर फाइनेंस मिनिस्टर हमारे प्रदेश से ईर्ष्या करेगा कि हम इतना लम्बा बजट, 6 लाख 90 हजार करोड़ का दे रहे हैं, लेकिन साथ में हम अपना कर्जा हर साल कम करते जा रहे हैं। इसी वजह से हमारा रेवेन्यू सरप्लस होता जा रहा है और हमारा फिस्कल डेफिसिट कम होता जा रहा है। यह एक बहुत काबिले तारीफ बात है कि एक तरफ सरकार जॉब्स पर, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर, सब पर पैसा खर्चा कर रही है, एक्सप्रेस-वे बना रही है। अधिष्ठाता महोदया, मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने उत्तर प्रदेश के इस ऐतिहासिक बजट पर कुछ टिप्पणियाँ करने का मुझे मौका दिया।

***श्रीमती ऊषा मौर्या-**

नमो बुद्धाय जय भीम, जय संविधान। माननीय अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे सदन में बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। जो सरकार ने बजट पेश किया

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

है, मैं उसी में दो लाइनें कहूँगी, बढ़ती महँगाई को मद्देनजर रखते हुए आम-जनमानस के लिए किसी भी तरह की राहत इस बजट के माध्यम से नहीं दिखाई देती है। इस बजट में युवाओं और बेरोजगारों के लिए सरकार द्वारा कोई स्पष्ट नीति नहीं है केवल आँकड़े गिनवाए गए हैं जो अभी धरातल की वास्तविकता से कोसों दूर हैं। बेरोजगारी से लड़ने के लिए कोई पुख्ता नीति या योजना इस बजट में दिखाई नहीं देती है तथा सरकार के लोगों का यह दावा कि बेरोजगारी 14 परसेंट से घटकर 4 परसेंट हो गयी है, मुझे यह एक जुमला ही लगता है। मैं सरकार से कहना चाहती हूँ कि अगर 14 से घटकर 4 आ गई है तो शायद यह प्रदेश की दिशा बदल देती। मेरा मानना है कि उत्तर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के लिए तकनीकी विकास बेहद जरूरी है और इस बजट में उत्तर प्रदेश के तकनीकी विकास व टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट के लिए आवंटित किया गया बजट जरूरत से बहुत ही कम है। इस सदन के माध्यम से मेरा सरकार से निवेदन है कि उत्तर प्रदेश की दिशा और दशा तय करने के लिए सरकार और सरकार के मंत्रि-मण्डल को कई चीजों पर पुनः विचार करने की जरूरत है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदया, आज सदन के सामने मैं अपने विधान सभा क्षेत्र के कुछ बेहद जरूरी मुद्दे यहाँ उजाकर करना चाहूँगी। मैं जिस विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज से चुनकर आई हूँ, यह विधान सभा क्षेत्र माँ गंगा के किनारे लगभग 50 किलोमीटर की लम्बाई में पूर्वी दिशा में कौशाम्बी से मिलती है।

मान्यवर, गंगा के तलहटी क्षेत्र में आने-जाने के लिए समुचित साधन एवं सड़कें उपलब्ध नहीं हैं जो सड़कें हैं वह खस्ताहाल एवं टूटी हुई हैं। इसी प्रकार स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से बदतर स्थिति में हैं गंगा के किनारे से 14 से 15 किलोमीटर दूर चलकर इलाज के लिए जाना पड़ता है। मैं यह बात इसके पहले पूर्व में भी रख चुकी हूँ, लेकिन वहाँ पर कोई अभी तक ऐसा काम नहीं हुआ है। इसी प्रकार सिंचाई के लिए नलकूपों की आवश्यकता है, गंगा के किनारे निचले क्षेत्र में एवं जहाँ पर नहर नहीं है वहाँ नलकूपों की व्यवस्था कराए जाने की आवश्यकता है। गर्मी के मौसम में अक्सर आगजनी की वजह से फसलें एवं मकान बर्बाद हो जाते हैं क्योंकि अग्निशमन केन्द्र खागा एवं फतेहपुर में है तथा मेरी विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज के हथगाम एवं छिवलहा के आस-पास 15 से 20 किलोमीटर की रेंज में अग्निशमन की गाड़ियों को पहुंचने में काफी विलम्ब होता है, जिससे भारी तबाही हो जाती है। मेरी विधान सभा क्षेत्र हथगाम अथवा छिवलहा में एक अग्निशमन केन्द्र की स्थापना करना अति आवश्यक है। यह मुद्दा मैं पूर्व में भी उठा चुकी हूं लेकिन अभी तक कोई कार्य नहीं हुआ है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में जो सड़कें आज से 20 से 25 साल पहले आर0ई0एस0 विभाग से बनी हैं। वह पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी हैं वह सड़कें चलने लायक नहीं हैं। उन सड़कों की मरम्मत नहीं हो पा रही है। वहाँ पर समस्तजन को आने-जाने में बहुत परेशानी हो रही है। इन सड़कों को किसी अन्य विभाग को स्थानान्तरित करके निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है। उत्तर प्रदेश की सरकार इसको अपने संज्ञान में ले। इसके अलावा मेरी विधान सभा क्षेत्र

कृषक बाहुल्य है तथा जो फसलें सूखा, ओले एवं अधिक वर्षा की वजह से बर्बाद होती हैं उनके मुआवजे की रकम समय पर प्राप्त नहीं होती है। वहाँ पर इसकी जांच कराई जाये और इसका मुआवजा सही से किसानों को मिलना चाहिए। मैं यह सरकार से निवेदन करती हूँ। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अनिल कुमार सिंह-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आज मैं बजट के समर्थन पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। इसमें बहुत महत्वपूर्ण बातें हैं और बहुत सारा पैसा है। इस पर बहुत सारे लोग बोल चुके हैं। इसलिए मुझे लगता है कि बार-बार उसको दोहराना अच्छा नहीं होगा। कुछ जरूरी बातें हैं जैसे कि किसान, महिलाएं, नौजवान, गाँव-गरीब, सर्व समाज के लिए यह बजट है। मा0 प्रधानमंत्री जी का नारा है कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' इसी में सब कुछ समाहित हो जाता है।

मान्यवर, नीयत अगर साफ है, तो ईश्वर भी साथ देता है। मैं दो-तीन बातें बताना चाहूँगा कि मेरे यहाँ 20-30 वर्षों से नहरों में पानी नहीं आता था। उसमें बड़े-बड़े पेड़ खड़े थे। 20 साल से वहाँ समाजवादी पार्टी के विधायक थे, उनका विकास से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं था। जोकि आज गाँव के सब लोग कहय हैं कि भईया नहर बन्द कराय दो सब डूबा जाय रहा है। इसके लिए हम सरकार को धन्यवाद देते हैं।

दूसरा, आजादी के 75 वर्ष गुजर गये और हमारे विधान सभा क्षेत्र के किसी गाँव में बिजली नहीं थी, जबकि लखनऊ से मात्र 30 किमी0 दूरी पर हमारी विधान सभा क्षेत्र है। आज छः सौ मजरों में बिजली है। हमें हर्ष इतना ज्यादा हो रहा है कि हमारी सरकार द्वारा छः सौ मजरों में बिजली पहुँचाकर उन गाँव के लोगों को उजाले में लाने का काम किया गया है। कई स्कूल-कालेज दिए गए। एक हजार करोड़ की रोडें बनायी गईं। अभी कुछ रह गया है, लेकिन सरकार लगातार निरन्तर काम कर रही है और मुझे लगता है कि कभी काम से नहीं ऊबना चाहिए। जैसे हमारे मित्र कह रहे थे कि सब हैं होय गवा, तो काहें बताय रहे हो, इहाँ का करय आय हैं। गाँव की ही जनता भेजिस हय कि कुछ माँग-सांग के लाओ, हिंया व्यवस्था करो, जो थोड़ा-बहुत रहि गवा है, उहो, पूरा होइ जाय।

मान्यवर, इसलिए मैं आपसे बताना चाहता हूँ कि हमारे यहाँ 20-20 साल से छः-छः हजार बिगहा जमीन कुछ माफिया कब्जा किहे रहे, जमीन सबसे छीन लिया, सबसे वापस लइके सरकार के खाते में चढ़वाय दिया है और हम कहा है कि अगर वैसी देखेव, तो सीधा भू-माफिया में जेल के अन्दर होइहो, बहुत दिन तक छूट न पइहो। उसके बाद आप देखिए कि हमारी विधान सभा क्षेत्र के बगल में एक बहुत बड़ा एक्सप्रेस-वे बन रहा है। जिसे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे कहते हैं। उसके दोनों तरफ डिफेंस कॉरीडोर का प्रस्ताव है। अभी हमने मा0 मुख्य मंत्री जी से बात किया था, तो उन्होंने उसे एस0सी0 आर0 में ले लिया। जैसे

एन0सी0आर0, नेशनल कैपिटल वैसे एस0सी0आर0, स्टेट कैपिटल दोनों में हमारी विधान सभा ले ली गई है। इससे बहुत सारे रोजगार आएंगे, बहुत सारी चीजें आएंगी।

मान्यवर, हमारे यहाँ एक झील है, वह डेवलप हो जाए और तमाम ऐसी चीजें हैं, हम का बताऊँ। एक अम्मा हमकै रस्ते में मिल गई। हमने पूछा कि अम्मा राशन- वासन मिलत है कि नाय। अम्मा कहीं कि का कहये बाबू, बी0जे0पी0 की सरकार है, मशीन लिहे कोटेदार पीछे-पीछे घूम रहय हय कि अम्मा राशन लय लेव, नहि तो विधायकवा जेल भिजवाय देई, यह हाल है, अब का बताई।

मान्यवर, अबहि एक मा0 सदस्य कहत रहिन की सांड़ बहुत घूम रहय। अरे हम अपने विधान सभा की बात बताई कि हमने गौ-शाला बहुत बनवावा, लेकिन लाल टोपी लगाये कोई न कोई निकरि जात हय, तो वय सब सांड़ गौशाला से चढ़-चढ़कर कूद जा रहय है। तो हम अनुरोध करी है कि लाल टोपी लगाकर गौ-शाला के बगल से न निकरो भइया। बड़ी दिक्कत है। इन्होंने कहा कि अमरीका गइन रहा, वहाँ एको सांड़ नाहि मिलय। तो अमरीका गयव रहय, तो लाल टोपी लगाय न रहे होइवो। यहि लिए वहाँ एको सांड़ न दिखाय पड़े।

अधिष्ठाता महोदय, अब क्या बताएं किसी शब्दों में वर्णन नहीं हो सकता। आज एक मा0 सदस्य हेल्थ पर बात करि रहय हैं। एक-एक घर में पाँच-पाँच लाख रुपये का आयुष्मान कार्ड पहुँचा दिया गया है, जहाँ मन आवय, देखाव। मैं मा0 मंत्री जी से कहूँगा कि लिस्ट इनका पहुचाय दीन जाय कि कितने हास्पिटल इसमें जोड़ि लिये गये हैं। पढ़य तब न पता चली, इहां तो खाली हो-हल्ला काटय चलय आ रहय हय। मा0 मुख्य मंत्री जी के बारे में बोल रहे थे कि खेलिन नहि। अबय देखा फेचकुर निकल आवा होई। दुई घण्टा लगातार ठकर-ठकर रेले हय। सब भाग गइन, नहीं दिख रहिन। इसलिए सूप बोले, सूप बोले, चलनी का बोले, जेमें 72 छेद।

मतलब विकास पर वह क्या बात करें, जो उजाड़ने वाले लोग हैं। हमारे यहां तो गुण्डो का राज रहा है 45 साल, वह सीट सपा के हाथ में रही है, पहली बार इतिहास के पन्नों में मा0 प्रधानमंत्री जी की मीटिंग लगी और आज सीट भारतीय जनता पार्टी के हाथ में है और मुझे 40 हजार वोटों से जिताने का काम जनता ने किया है। बहुत सारी चीजें हैं राशन हो, बिजली हो, पानी हो, अब और क्या बताऊँ पहले विधायक लोग लड़ते थे कि यह करा दो वह करा दो, लेकिन अब हम लोगों को पकड़-पकड़ के लाना पड़ रहा है कि काका बिजली का कनेक्शन ले लो, तो इस तरह की व्यवस्था अद्भुत है, अकल्पनीय है इसकी जितनी सराहना कि जाए कम है और गरीब आदमी के लिए ऐसी बहुत सी व्यवस्था हैं, होम डिलवरी की व्यवस्था है कि घर पर बटन दबाओ और चीजें घर पर ही मंगा लो, अपने फोन से एफ0आई0आर0 दर्ज करा सकते हो, तो यह है भाजपा सरकार है।

आजकल इतना भय है कि मैंने एक काका से पूछा कि कालोनी आयी तो किसी ने कुछ मांगा तो नहीं। तब काका बोले कि अधिकारी ने बोला कि किसी से पैसे की बात ना करना

काका तुम ही ले जाओ मकान, तो यह भारतीय जनता पार्टी है। तथा ऐसी ही कितनी योजना है कि जिनसे घर बैठे-बैठे होम डिलीवरी हो रही है। मा0 अधिष्ठाता महोदया जी, आपने मुझे 7 मिनट दिया है बोलने के लिए तो 7 मिनट में 70 साल पुराने केस रखने हैं तो उनको संक्षिप्त करना पड़ेगा। दो तीन रोडें हैं जो कि मैंने अभी बनवायीं हैं 300-400 करोड़ की लेकिन इतना ज्यादा ट्रैफिक है कि मैं चाहता हूँ कि उनको 4 लेन कर दिया जाए, जो कि सूची मेरे पास है उसको मैं आपके पास पहुंचा दूंगा और अभी एक डाक्टर साहब बोल रहे थे और यह इन्ही डाक्टर साहब के लिए है (मरीजन को लिये हो तुम लूट डाक्टर साहब, कोरोना में एक-एक इंजेक्शन 10-10 हजार का, ओ डाक्टर साहबा) मैंने देखा इस कोरोना में जिसने भी गरीब को लूटने का काम किया है वह कभी फल फूल नहीं सकता, यह गरीब बददुआएं देगा। आज जिस तरह से योगी सरकार काम कर रही है वह बहुत सराहनीय है। मा0 अधिष्ठाता महोदया जी, मोहनलालगंज मौरावां मार्ग थोड़ा सा चौड़ा हो जाए, बछरांवा मार्ग वह भी चौड़ा हो जाए, ए0एम0यू बसाहा तिराहे से उडियार चौड़ीकरण में चला जाए, तथा दो तीन गौवंश आश्रय बन जाएं, विद्युत व्यवस्था के लिए पैसा दे दिया है मा0 मुख्य मंत्री जी ने जिसके लिये मैं उनको धन्यवाद दूंगा तथा मा0 प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद दूंगा कि ईमानदारी नीयत साफ करके जिस तरीके से हिन्दुस्तान और उत्तर प्रदेश की गरीब जनता के लिए काम कर रहे हैं, आपका नाम इतिहास के पन्ने में दर्ज किया जायेगा। जय, जय श्री राम।

*** श्री हरिओम-**

मा0 अधिष्ठाता महोदया, मैं सदन का आभार व्यक्त करता हूँ कि मुझे समाजसेवी बजट पर बोलने का मौका दिया, लोक कल्याणकारी बजट प्रस्तुत करने पर, मैं उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी तथा वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना जी का जिन्होंने यह बजट प्रस्तुत किया है। 6 लाख 90 हजार करोड़ रुपये का भारी भरकम बजट पेश किया जिसमें उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता के आशाओं व आकांक्षाओं के अनुरूप आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश एवं अन्त्योदय की संकल्पना को साकार करने वाला यह लोक कल्याणकारी बजट है। इस बजट के माध्यम से गांव, गरीब, किसान, महिला, मजदूर सहित अनेक वर्गों, के सर्वांगींण विकास को सुनिश्चित करने के लिए रखा गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत 51,639.68 करोड़ की धनराशि सीधे लाभार्थियों के खाते में भेजी गयी है। बालिकाओं हेतु सुमंगला योजना के अन्तर्गत प्रति लाभार्थी को 15 हजार रुपये की धनराशि से लाभान्वित किया जा रहा है। सभी वर्गों की पुत्रियों की शादी हेतु सामूहिक विवाह योजना हेतु 600 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान योजना में 150 करोड़ रुपये की धनराशि प्रस्तावित है। निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण हेतु अनुदान योजना में 32 लाख 62 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के लिए 36 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था है। मुख्य मंत्री जन-धन योजना के अन्तर्गत 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। मुख्य मंत्री दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत 12 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत वर्ष 2023-2024 में 9 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। मुख्य मंत्री ग्रामीण आवास योजना के अन्तर्गत 1203 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं जनपद कासगंज की 101 विधान सभा क्षेत्र अमाँपुर से प्रथम बार विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुआ हूँ। मैं अपनी विधान सभा की देवतुल्य जनता को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि मुझे अपना आशीर्वाद देकर विधान सभा भेजने का कार्य किया। मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरूँगा। मान्यवर, मुझे गर्व है कि मैं ऐसी विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ जो कि परम श्रद्धेय बाबू कल्याण सिंह जी की कर्म भूमि रही है जिनके आशीर्वाद और माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रयास से आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है।

महोदय, मेरी विधान सभा क्षेत्र के लोक प्रिय सांसद बाबू जी कल्याण सिंह जी के सुपुत्र राजवीर सिंह राजू भईया, छोटे बाबू जी इनके प्रयास से कासगंज व एटा को रेलवे लाइन से जोड़ने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया है। मेरी सरकार द्वारा किये गये प्रभावी प्रयासों के परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा संचालित अनेक योजनाओं के कियान्वयन में देश अग्रणी स्थान पर है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में हमारा प्रदेश नम्बर एक पर है। मान्यवर, मनरेगा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2022-23 में 26.29 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। महोदय, मेरी विधान सभा क्षेत्र में निःशुल्क राशन, गैस कनेक्शन व विद्युत कनेक्शन दिये गये हैं। हर घर जल योजना चलायी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में 52.77 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, जनपद कासगंज की कुछ समस्यायें आपके समक्ष रखना चाहता हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक बस स्टैंड की आवश्यकता है, यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अतः बस स्टैंड बनाने की माँग करता हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र में कोई खेल स्टेडियम नहीं है, एक स्टेडियम बनने से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकेगा। अतः मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र में स्टेडियम बनाने की माँग करता हूँ। जनपद मुख्यालय से कासगंज सिढ़पुरा-अमाँपुर मार्ग के चौड़ीकरण की माँग करता हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक कस्बा मानपुर नगरिया जहाँ चीनी मिल है जो बरेली कासगंज मार्ग पर स्थित है उसकी आबादी लगभग 25 हजार है जिसको नगर पंचायत बनाने की माँग करता हूँ। जनपद कासगंज व जनपद एटा दोनों जनपदों को जोड़ने के लिए मेरी विधान सभा क्षेत्र में रेलवे स्टेशन सहावर और एटा के बीच में 05 किमी0 चौड़ीकरण है उसे कराने की कृपा करें। नगर पंचायत मोहनपुर को ब्लाक बनाने की माँग करता हूँ।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, नगर पंचायत सहावर में रेलवे लाइन के पास स्थित बस्ती अवन्ती बाई नगर है, जिसको न ही नगर पंचायत अपना मानती है और न ही उससे लगने वाली ग्राम पंचायत उसको अपना मानती है, जिससे वह बस्ती विकास से अब तक वंचित है। मैं नगर पंचायत सहावर का विस्तार कराने की मांग करता हूँ। नगर पंचायत मोहनपुर में एक चौकी है, वहां पर बहुत ही समस्या रहती है। मैं वहां थाने का निर्माण कराना चाहता हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र में दो सिंचाई विभाग के जर्जर अवस्था में निरीक्षण भवन है- 1 अमांपुर में तथा दूसरा सेवनपुर में स्थित है, जिनके जीर्णोद्धार से मेरी विधान सभा क्षेत्र में आने वाले अतिथियों के ठहरने हेतु उचित व्यवस्था हो सकेगी व किसानों की समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य जल्दी समाप्त करिये।

श्री हरिओम-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, दो वर्ष पूर्व से मेरे यहां खतौली सिरसबा पर नहर का एक पुल टूटा हुआ है, उसके लिए धन की आवश्यकता है। धन दिलाने की कृपा करें। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

मो0 ताहिर खान-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। 6 लाख 90 हजार करोड़ के आस-पास का यह बजट है। बहुत बड़ा बजट है। अगर सरकार की सही नियत होगी तो यकीनन इस बजट से बहुत कुछ किया जा सकता है। अभी हमारे मा0 सिंह साहब वहां बैठे हुए हैं, नियत की बात कर रहे थे। नियत पर ही सारा दारोमदार है। मैं एक सोच के तहत अपने नेता मा0 अखिलेश यादव जी के लिए लिए कहना चाहूँगा कि वह एक सोच रखते हैं, दर्द रखते हैं। ''हयात लेकर चलो, कायनात लेकर चलो। चलो तो सारे जमाने को साथ लेकर चलो।'' यह दर्द हमारे नेता रखते हैं। मैं अपने साथियों से कहना चाहूँगा कि दरिया बनकर किसी को डुबाने से बेहतर है कि जरिया बनकर सबका समुचित विकास किया जाए। मैं मांग करता हूँ कि इतना बड़ा बजट है सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत, मुख्य मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 51 हजार रुपये दिये जाते हैं, जिसमें से 35 हजार रुपये गृहणी के खाते में जाते हैं, इतना बड़ा बजट है। 6 लाख 90 हजार करोड़ के लगभग का बजट है। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि यह बजट 1 लाख 51 हजार रुपये किया जाए और इसमें से 1 लाख 35 हजार रुपये गृहणी के खाते में जाने चाहिए ताकि वह उस पैसे से अपनी जरूरत को पूरा कर सके। आवास योजना में जो फण्ड दिया जाता है, यह ऊंट के मुंह में जीरा है। दिल अपना गनी कीजिये रकम को भी बढ़ाया जाए। आप लोगों का दिल बड़ा है और बड़ा करके रकम को भी बढ़ाकर दोगुना कीजिए ताकि

हालात अच्छे हों और वह बेहतर मकान बना सकें। अभी कल माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हम पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर और बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे पर मैन्यूफैक्चरिंग काम्प्लेक्स बनायेंगे।

मैं कहना चाहूँगा कि हमारी विधान सभा क्षेत्र इसौली में कोई कट नहीं है। एक बल्दी राय तहसील है, बल्दी राय से बौरेहवां मार्ग तक कोई कट नहीं है। आप चाहते हो कि उत्तर प्रदेश डेवलप हो, बौरेहवां डेवलप कैसे होगा ? हमारी 50 किमी0 के विधान सभा क्षेत्र के दायरे को काट दिया है। आप कैसे सोच रहे हो कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का डेवलप होगा? हमारी आवाम भी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चढ़ना चाहती है। सुल्तानपुर से हलियापुर मार्ग को फोर लेन कर दीजिए। फोर लेन के साथ-साथ मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाना चाहते हैं, इण्डस्ट्रियल हब बनाना चाहते हैं तो 90 किमी0 के दूरी पर हमारी विधान सभा क्षेत्र है। हमारे पास आईये। हमारे पास जमीनों का बहुत बड़ा हब है। आपको जितना बनाना हो आप बनाईये मगर हमको तो कम से कम पनाह दीजिये। मा0 अधिष्ठाता महोदय, उस पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने के लिये हमारे पास कोई रास्ता नहीं है। मैं बार-बार मांग कर रहा हूँ। पिछली बार महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर भी मैंने मांग की थी कि जल्द से जल्द कट बनाकर के हमारी विधान सभा क्षेत्र को मुख्यालय से जोड़ा जाये। हमारे यहाँ तहसील है मगर तहसील में रजिस्ट्री नहीं होती। हमारे यहाँ पर रजिस्ट्री आफिस यानी उप निबंधन कार्यालय बनाया जाये ताकि हमारी विधान सभा क्षेत्र डेवलप करे और सरकार को हम ताकत दे सकें। इससे हमारी जनता भी मजबूत होगी और सरकार की भी मजबूती होगी। मगर इसके बारे में सोंचा नहीं जा रहा। मान्यवर, हमारे यहाँ बन्धुआ एक बड़ी बाजार है। बन्धुआ तथा हसनपुर में पीतल, जस्ता, ब्रास तथा तांबे का काम बहुत बड़े पैमाने पर होता था, लेकिन वर्तमान में वह सारा उद्योग बन्द हो गया है और हजारों मजदूर पलायन कर गये हैं। अगर उस उद्योग को फिर से संचालित कर दिया जाये तो हमारे ख्याल से पूर्वांचल के हालात भी बेहतर होंगे और साथ ही साथ सुल्तानपुर में इसौली विधान सभा क्षेत्र में बन्धुआ तथा हसनपुर के हालात भी बेहतर होंगे। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हैं तो आपके माध्यम से उनसे मेरी एक और गुजारिश है कि अशरफपुर में गोमती नदी पर एक ब्रिज बना दिया जाये तथा अशरफपुर से लेकर के मीठनेघाट होते हुये जो तराई इलाका है उसमें वरामिन से होते हुये धनपतगंज तक इतना बुरा हाल है कि वहाँ पर हमारे हिन्दू व पिछड़े समाज के जो लोग रहते हैं उनके सारे खेत-खलिहान छुट्टा जानवर चर लेते हैं। इनके लिये भी कोई समुचित इंतजाम कर दिया जाये। आपके पास इतना बड़ा बजट है कि ब्लाक स्तर पर आप बहुत कुछ कर सकते हैं और बल्दीराय तथा धनपतगंज दोनों ब्लाक को आप काफी डेवलॅप कर सकते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, आप जल्दी समराईज कर लीजिये। साढ़े पाँच मिनट हो गये हैं।

मो0 ताहिर खान-

मान्यवर, एजुकेशन के मामले में मेरा एक और निवेदन है कि हमारे यहाँ इण्टर कालेज तथा महिला डिग्री कालेज नहीं है। हमारा इलाका बहुत पिछड़ा हुआ इलाका है। इसलिये मेरी गुजारिश है कि इस पर भी यह सरकार ध्यान दे और वरीयता क्रम में अगर हो सके तो हमारी विधान सभा क्षेत्र को तोहफे के रूप में एक विश्वविद्यालय दे दीजिये, सरकार का बहुत बड़ा एहसान होगा। सरकार के पास खजाने की कोई कमी नहीं है। मेरी एक और रिक्वेस्ट है कि एक सड़क है जो अलीगंज से मीठनेघाट-वघौना- देहली होते हुये यह दूसरे जनपद अयोध्या प्रभात नगर में जुड़ेगी, अगर इस सड़क को जल्द से जल्द बना दिया जाये तो इससे आवाम के हालात बहुत बेहतर हो जायेंगे और आवागमन का रास्ता बहुत अच्छा हो जायेगा और इससे कम से कम 15 से 20 किमी0 का डिस्टेंस बच जायेगा। मेरी एक और गुजारिश है कि हमारे चारों ब्लाकों के पावर हाउसों के हालात बद से बदतर हैं। जब मैं सांसद था तो उस समय मैंने धनपतगंज में बड़ा पावर हाउस दिया था। मैं चाहूँगा कि हमारे यहाँ पर जितने पावर हाउस हैं उनकी क्षमता वृद्धि कर दी जाये। दूसरा, तारों के हालात बद से बदतर और खस्ताहाल है। हमारा इलाका बहुत गरीब है। हम चाहेंगे कि जो जर्जर तार हैं और ट्रांसफार्मर हैं उनको भी अपग्रेड किया जाये और अपग्रेड करके जो पिछड़ा हुआ इलाका है बहुत गरीब इलाका है उसको कम से कम मुख्यधारा में जोड़ा जाये। मान्यवर, मेरी एक और गुजारिश है कि बजट में 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास' की बात कही गयी है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, आप जल्दी समाप्त करें। आपका साढ़े सात मिनट होने वाला है। पन्द्रह सेकेण्ड में आप समाप्त करें।

मो0 ताहिर खान-

मान्यवर, बजट में अल्पसंख्यकों के लिये जो बजट है वह पहले बड़ा बजट हुआ करता था, लेकिन अब उसको कम कर रहे हैं यानी बजट तो बढ़ रहा है लेकिन अल्पसंख्यकों के लिये जो बजट है उसको कम किया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि सरकार पक्षपात न करे, इंसाफ करे, न्याय करे।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, अब आप समाप्त करें। आपका समय पूरा हो गया। आप प्लीज लिखकर दे दीजियेगा।

मो0 ताहिर खान-

मान्यवर, अभी दो मिनट बाकी है। सबको 10 मिनट दिया गया है। मेरी आपसे एक और गुजारिश है कि ओ0बी0सी0, एस0सी0, एस0टी0 तथा सामान्य वर्ग के पद जो हर विभाग में खाली पड़े हैं उनको तत्काल युद्ध स्तर पर मजबूती के साथ अभियान चलाकर भरा जाये।

मेरी एक और रिक्वेस्ट है कि फासिस्टवादी ताकतें, साम्प्रदायिक ताकतें यह सोच रखती है। हम लोगों को मिटा देंगें। हम उनको यह कहना प्यार और मोहब्बत अपना बना लेंगें

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, आपका समय काफी ज्यादा हो चुका है। साढ़े आठ मिनट हो गया है। मा0 चन्द्रपाल जी, आप बोलना शुरू करें।

(श्री मो0 ताहिर खान माईक बन्द होने के बाद भी बोलते रहे)

श्री चन्द्रपाल सिंह-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मै आपको हृदय की गहराईयों से आभार व्यक्त करना चाहता हूँ कि आपने मुझे सर्वसमाजी बजट पर बोलने का अवसर दिया। मैं अपने क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मुझे जिताकर इस लोकतंत्र के पवित्र मन्दिर में भेजने का कार्य किया है। मैं मा0 वित्तमंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिन्होंने 6 लाख 90 हजार करोड़ का भारी भरकम बजट पेश किया है। जो उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की आकांक्षाओं और आशाओं के अनुरूप लाभकारी सिद्ध होगा। यह बजट गांव, गरीब, किसान, महिला, मजदूर एवं सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर बनाया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से आप देखते हैं तो समाजवादी पार्टी के समय में गुण्डा और माफियाओं का राज था लेकिन हमारी सरकार ने मा0 योगी जी की सरकार ने गुण्डों और माफियाओं को जेल में भेजने का कार्य किया है। इसी सुरक्षा के माहौल को देखते हुए हमारे प्रदेश में 40 देशों से भी अधिक इन्वेस्टरों ने भाग लिया है और 33 लाख 45 हजार करोड़ के निवेश पर हस्ताक्षर किए जिससे लगभग एक करोड़ युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। 2017 से पहले समाजवादी पार्टी की सरकार में गरीब की बेटियों के लिए कोई बजट नहीं था लेकिन मा0 योगी जी की सरकार ने 600 करोड़ का बजट गरीब बेटियों की शादी के लिए दिया है। मा0 योगी जी की सरकार ने किया है। 2017 से पहले हमारे प्रदेश के गिने-चुने चार-पाँच जनपदों में बिजली आती थी। लेकिन आज हमारे प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर 24 घंटे, तहसील स्तर पर 22 घण्टे और ग्रामीण क्षेत्र में 18 घण्टे बिजली की निर्बाध आपूर्ति की जा रही है। यह हमारे योगी जी की इच्छाशक्ति की सरकार है।

वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कालेज के हिसाब से हमारे प्रदेश में लगभग 45 मेडिकल कालेज इस समय कार्य कर रहे हैं और 14 मेडिकल कालेज निर्माणाधीन है। इनमें से एक मेडिकल कालेज मेरे जनपद बुलन्दशहर में बाबूजी कल्याण सिंह मेडिकल कालेज के नाम से है जो कि निर्माणाधीन है। समाजवादी सरकार के समय एक परिवार के इशारे पर सरकारी नौकरियों की लूट होती थी और मा0 योगी जी की सरकार में मेरिट के आधार पर बिना भेद-भाव के सभी वर्गों को नौकरी देने का कार्य हमारी योगी जी की सरकार ने किया है। मैं एक ऐसी विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ जो डिबाई विधान सभा क्षेत्र है, परम श्रद्धेय बाबूजी

कल्याण सिंह जी यहां से जीतकर मुख्य मंत्री बने थे जिनके आशीर्वाद से आज अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। मैं ऐसी विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ। मैं अवगत कराना चाहता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में 45 किलोमीटर गंगा बहती है और वहां पर काफी तीर्थस्थल हैं। एक महाभारत कालीन कर्णवास कर्ण का मन्दिर है, एक राजघाट पवित्र स्थान नरौरा और रामघाट जहां केन्द्र सरकार ने 40 एकड़ भूमि में एक पार्क का निर्माण कराया है। मैं सदन से मांग करता हूँ कि वहां पर एक गंगा कारिडोर रिवर फ्रंट की स्थापना की जाय। वहां पर एक साल में लगभग 42 मेले लगते हैं और 1 मेले पर लगभग लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। वहां पर श्रद्धालुओं के डूबने से बचाव हेतु प्रशिक्षित गोताखोर, सोनार सिस्टम प्लाटून आदि की व्यवस्था की जाय।

मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र डिबाई में शहर के अन्दर से लगभग 50 गांवों के लोग वहां अंत्येष्टि करने के लिए आते हैं। उनको शहर में मुख्य बाजार से गुजरना पड़ता है। वहां जाम की स्थिति बनी रहती है। मैं पिछली बार भी सदन में बोल चुका हूँ और आज भी कह रहा हूँ कि वहां नीम नदी है। छोटा सा 6 किलोमीटर का बाईपास बन जाये तो 50 गावों के लोगों को अंत्येष्टि करने में सुविधा होगी। मेरी विधान सभा क्षेत्र डिबाई में एक भी कन्या डिग्री कालेज नहीं है। मैंने पिछले सत्र में भी बोला था। मेरी विधान सभा क्षेत्र में बेटियों को पढ़ने के लिए अन्य जनपदों में जाना पड़ता है। मैं आपके माध्यम से एक डिग्री कालेज की मांग रखता हूँ। इसके अतिरिक्त वहां खेल-कूद के लिए कोई स्टेडियम नहीं है। यदि विधान सभा क्षेत्र में एक स्टेडियम का निर्माण हो जाये तो युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा। डिबाई के खैरपुर गांव में दुष्यंत चौधरी ने खेल कूद के क्षेत्र में 1600 मीटर की दौड़ में राज्य स्तरीय गोल्ड मैडल प्राप्त किया है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में स्टेडियम की कोई सुविधा नहीं है। मैं अपने क्षेत्र में आपके माध्यम से स्टेडियम की मांग करता हूँ।

मान्यवर, गंगा किनारे भृगु ऋषि का आश्रम है। गंगा किनारे नरौरा राजघाट और कर्णवास को जोड़कर एक साबरमती की तर्ज पर अगर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गंगा रिवर फ्रन्ट की स्थापना हो जाये तो वहां काफी पर्यटक आयेंगे। पहले से ही आते हैं लेकिन ऐसा करने से वहां और इजाफा होगा। वहां एक गंगा सफारी अभयारण्य नहीं है। अगर बन जाये तो उसको भी बल मिलेगा। मान्यवर मेरी विधान सभा क्षेत्र में पॉपुलर की खेती ज्यादा होती है। वहां पर पॉपुलर से सम्बन्धित कोई कारखाना लगे। मेरी विधान सभा में कोई शीतगृह और अनाज रखने का भण्डारण नहीं है वेयर हाउस की स्थापना कराई जाये किसानों की उपज सुरक्षित रखने के लिए। डिबाई विधान सभा क्षेत्र नगलामऊ में दो बार चुनाव का बहिष्कार हो चुका है। वहां पर एक पुल और सड़क की व्यवस्था हो जाये। हमें बार- बार चुनाव में परेशानी उठानी पड़ती है। हमारी विधान सभा क्षेत्र में 100 बेड का हास्पिटल है, वहां सुविधाओं की कमी है। मान्यवर वहां स्वास्थ्य सुविधायें हो जायें तो आपकी बहुत कृपा होगी।

(विधायक श्री चन्द्रपाल सिंह का माइक बन्द होने पर)

अधिष्ठाता-

माननीय विधायक जी, आप बाकी लिखकर दे दीजिएगा।

श्री अजय कुमार-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट अनुमानों पर बजट चर्चा में भाग लेने का मौका दिया। आपका बहुत-बहुत आभार। मेरे सत्ता पक्ष के साथी बजट पर बड़ी चर्चा कर रहे हैं और इसे सर्वहितकारी बता रहे हैं। मैं मानता हूँ कि भारी-भरकम बजट है। अगर पिछले बजटों का अनुमान लगाया जाये तो 2020-21, 2021-22, 2022-23 का जिसमें 2020-21 में बजट का 73 प्रतिशत ही खर्च हो पाया एवं 2021-22 में बजट का 79 प्रतिशत ही खर्च हो पाया और 2022-23 में अब एक माह शेष है इसमें बजट का 57 फीसदी ही खर्च हो पाया है। यानी जो दावे दिखाये जा रहे हैं वह एक आकड़ों की जादूगरी का सफल आयोजन है।

अधिष्ठाता महोदय, अगर मैं कहूँ कि कृषि, ग्रामीण विकास व शिक्षा पर जो बजट आंवटित हुआ है उत्तर प्रदेश का शिक्षा में पिछले साल के औसत के सापेक्ष उत्तर प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में 13 फीसदी बजट आंवटित हुआ है और जबकि राज्यों का औसत है 14.8 प्रतिशत और ग्रामीण विकास की अगर बात करें तो ग्रामीण विकास में भी हम सभी राज्यों से पीछे हैं और राज्यों का औसत 5.7 प्रतिशत है और उत्तर प्रदेश का 5 प्रतिशत ही है और कृषि क्षेत्र की बात की जाए तो किसानों के लिए बड़े-बड़े दावे किये जा रहे हैं और किसानों के उत्थान की बड़ी बात हो रही है कृषि के लिए 5.8 फीसदी अन्य राज्य का बजट आंवटन होता है और उत्तर प्रदेश में सिर्फ 2.9 प्रतिशत ही पास हुआ है यानि कि आधा है आप ही बताइये कि कैसे कृषि विकास होगा और कैसे किसान का उत्थान होगा ? यह बजट किसान विरोधी एवं ग्रामीण विरोधी है। प्रदेश की आबादी का 62 फीसदी किसान है जो खेती पर निर्भर है और उत्तर प्रदेश की जी0डी0पी0 में खासा योगदान कृषि क्षेत्र का है लेकिन खेद है कि आज के दौर में खेती व किसान बदहाल है और इनकी बदहाली का मैं जिक्र करूं तो किसान कर्जे में डूबा हुआ है। अभी हालिया नाबार्ड की रिपोर्ट है उस रिपोर्ट के हवाले से मैं बताना चाहूँगा कि देश में 52 फीसदी किसान कर्जे में डूबा हुआ है और उत्तर प्रदेश की स्थिति इससे भी बदतर है। देश के किसान की मासिक आमदनी अगर देखी जाए तो 8931 रुपये है और उत्तर प्रदेश के किसान की मासिक आय 6668 रुपये है और भाजपा कहती है कि किसान की आमदनी दोगुनी करेंगे। किसान की आमदनी दोगुनी कैसे होगी लागत तो बढ़ रही है और फसलों के सही दाम मिल ही नहीं रहे हैं और अगर गन्ने की बात करें, उत्तर प्रदेश में तो 46 लाख किसान परिवार हैं जो परिवार गन्ना उत्पादित करते हैं आज गन्ना किसान खून के आंसू रो रहे हैं गन्ने का भुगतान नहीं हुआ है 5 हजार 800 करोड़ रुपये अभी भी गन्ना भुगतान बचा हुआ है। इस साल दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि एक फूटी कौड़ी भी नहीं बढ़ाई है। गन्ने के मूल्य में, किसान हित के लिए आप ही बताईये कि क्या यह किसान विरोधी रवैया नहीं है। भाजपा के लोग कैसे आमदनी दुगनी करेंगे कौन-सा अर्थ शास्त्र लगायेंगे मेरी तो

समझ में ही नहीं आता है। यह सरकार पूंजीपतियों की सरकार है और यह पूंजीपतियों के हित में काम करती है शहरों में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है और महिलाओं के प्रति अपराध चरम पर है। सहारनपुर से आदमी चलता है 700 किलोमीटर दूर जाकर इलाहाबाद जाता है और लखनऊ में एक बेंच है लेकिन क्या पश्चिमी उत्तर प्रदेश व पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक और बेंच नहीं दी जा सकती है, दी जा सकती है और देनी चाहिए। हमारा सुझाव है पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश में हाई कोर्ट की एक-एक बेंच स्थापित की जाए। पुरानी पेंशन लागू कराने हेतु 22 लाख कर्मचारी परेशान है और आंदोलनरत है और पुरानी पेंशन की मांग हो रही है और पुरानी पेंशन बहाल नहीं की जा रही है। कोरोना में डाक्टर हो या नर्स हो या शिक्षक हो या पुलिसकर्मी हो सभी ने कोरोना वारियर्स के रूप में कार्य किया लेकिन इनको पुरानी पेंशन के लिए तरसाया जा रहा है।

जब पश्चिम बंगाल ने अपने यहाँ पुरानी पेंशन बहाल रखी है और आज तक नई पेंशन लागू नहीं की है तो फिर आपको पुरानी पेंशन लागू करने में क्या दिक्कत है। जब पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पंजाब राज्य पुरानी पेंशन दे सकते हैं तो फिर उत्तर प्रदेश इसे क्यों नहीं दे सकता है। मैं दावे के साथ कहना चाहता हूँ कि आपको पुरानी पेंशन देर सवेर बहाल करनी पड़ेगी और उस दिन यह सदन गवाह होगा कि मैंने यहाँ पर खड़े होकर यह बात कही थी। मैं जानता हूँ कि आप इसको तब लागू करोगे, जब ठीक हो जाओगे।

माननीय अधिष्ठाता महोदया, अमीरी-गरीबी का अंतर बढ़ता जा रहा है लेकिन सत्तारूढ़ दल के लोग बहुत खुश होकर और ढोल पीटकर कहते हैं कि हम 14 करोड़ लोगों को राशन दे रहे हैं। आप यह क्यों नहीं सोच रहे है कि आपके प्रदेश में 14 करोड़ लोग गरीब हैं। राशन कब तक दिया जा सकेगा, राशन तो एक दिन बन्द हो जायेगा आप इसकी जगह पर इन लोगों को रोजगार दो। रोजगार एक दुर्लभ चीज होती जा रही है। सरकारी विभागों में लाखों पद खाली पड़े हुये हैं, लेकिन आप भर्ती नहीं निकालते हैं और जब कभी भर्ती निकलती भी है तो पर्चा लीक हो जाता है। आम जनता इस सरकार को लीक सरकार कहने लगी है। मा0 अधिष्ठाता, महोदया, मेरे विधान सभा क्षेत्र और हरियाणा राज्य के बीच यमुना नदी पर एक पुल बन रहा है जो कई वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है जिसके कारण लोगों को बहुत ज्यादा कठिनाई हो रही है इसलिये मेरा सदन के माध्यम से अनुरोध है कि उस अधूरे पुल का निर्माण शीघ्रातिशीघ्र कराया जाये। कृष्णा और हिण्डन नदी के किनारे दर्जनों गांव हैं जिनमें प्रदूषित जल के कारण लोग असाध्य बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं इसलिये इस गंभीर समस्या का समुचित समाधान कराया जाये और कृष्णा और हिण्डन नदी को स्वच्छ बनाया जाये। हमारे यहाँ बामनौली से लेकर कन्डेरा तक सड़क की मरम्मत करा दिया जाये। इसके अलावा दर्जनों ऐसी सड़कें हैं जिनको बनवाने की जरूरत है और यह सभी बहुत करा जरूरी है।

मा0 अधिष्ठाता-

आप आपने क्षेत्र के सभी विकास कार्यों को अलग से लिखकर दे दीजिये जिसे कार्यवाही में जोड़ लिया जायेगा। अब मैं श्री देवेन्द्र सिंह लोधी जी को बुला रही हूँ।

श्री अजय कुमार-

ठीक है, मान्यवर। आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया जिसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

श्री देवेन्द्र सिंह लोधी-

मा0 अधिष्ठाता जी, आपने मुझे बजट के समर्थन में बोलने का मौका दिया जिसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ। माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा जो बजट प्रस्तुत किया गया है यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट हैं। यह बजट जाति, धर्म, मजहब से ऊपर उठकर बिना भेद-भाव के 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' को कायम करने वाला बजट है। मान्यवर, इस बजट से जहां एक ओर प्रदेश की तस्वीर बदलेगी, वहीं महिला, व्यापारी, गांव, गरीब, किसान मजदूर, उजड़े, पिछड़े, दलित और अधिकारों से वंचित हर वर्ग के लिए कल्याणकारी बजट है। यह बजट अन्नदाता किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। हमारा देश कृषि प्रधान देश है और यहाँ का किसान अपने खेतों में चौबीस घण्टे काम करता है। गर्मी, सर्दी और बरसात में वह पहाड़ों और पर्वतों से टकराकर अपने खून को पसीने में बदलकर वह अन्न और साग-सब्जी पैदा करता है और सारे देश का भरण-पोषण करने का कार्य करता है, लेकिन हमसे पीछे की जो सरकारें रही हैं वह किसान विरोधी सरकारें रही हैं। वह किसान का शोषण करती थी और उन्होंने किसान की स्थिति बद से बदतर बना दी, लेकिन किसान भाइयों ने भी चुनाव में हमारे विपक्षी भाइयों पर थर्ड डिग्री का प्रयोग किया। आप देख रहे होंगे कि उन्होंने भी विपक्षियों की स्थिति बद से बदतर कर दी। मैं अपने वित्त मंत्री जी को हार्दिक बधाई देता हूँ जिन्होंने किसान सम्मान निधि योजना के तहत 12 किस्तों में 51629 करोड़ रुपये किसानों के खाते में भेजा है। किसानों को कृषि से संबंधित तकनीकी ज्ञान देने के लिए किसान पाठशालाओं के आयोजन के लिए 17000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इस बजट में कृषि को केमिकल मुक्त करने और प्राकृतिक खेती के लिए 113.52 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। सिंचाई योजना के लिए 5400 करोड़ व नहर नलकूपों के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है।

मान्यवर, इस बजट में किसानों को निजी नलकूपों के लिए सस्ती दरों पर बिजली आपूर्ति के लिए 1950 करोड़ रुपये का प्राविधान है। मान्यवर, इस बजट में अटल पेंशन योजना के तहत 8000 करोड़ रुपये का प्राविधान एक ऐतिहासिक कदम है। इस बजट में किसानों के लिए खजाना खोलकर परम पूजनीय बाबू जी कल्याण सिंह जी के सपनों को साकार करने का काम किया गया है। वह कहा करते थे कि किसान उठेगा, तो गांव उठेगा और गांव उठेगा तो

देश उठेगा। यह बजट किसानों की तकदीर बदल देगा और गांवों में रहने वाले किसानों की जिदंगी बदल देगा। मान्यवर, मुझे गर्व है कि मैं ऐसी विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ जो बाबू जी कल्याण सिंह जी की कर्मभूमि रही है। वह एक ऐसी महान विभूति थे कि अगर सतयुग....

(इस समय 05 बजकर 38 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

में भरत ने भगवान राम के लिए सत्ता को लात मारी थी तो कलयुग में परम पूजनीय बाबू जी ने भगवान श्रीराम के मन्दिर के निर्माण के लिए सत्ता को लात मार दी थी। मान्यवर, इस बजट की जितनी तारीफ की जाये वह कम है। यह बजट उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बना देगा। मा0 अधिष्ठाता महोदया, मेरे विधान सभा क्षेत्र में कुछ विकास कार्य कराये जाने हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र में जहांगीराबाद से दौलतपुर मार्ग का चौड़ीकरण होना अति आवश्यक है। स्याना से गढरोड, लखावटी रोड से खानपुर होते हुए बसीघाट तक रोड का चौड़ीकरण होना बहुत जरूरी है। स्याना रोड से लखावटी नहर पटरी होते हुए औरंगाबाद-जहांगीराबाद रोड तक नहर पटरी का निर्माण होना जरूरी है। मेरे यहां पर कोई राजकीय डिग्री कालेज नहीं है इसलिये यहां पर एक राजकीय डिग्री कालेज स्थापित करा दिया जाये। मेरी विधान सभा क्षेत्र में कोई रोडवेज बस स्टैण्ड नहीं है जिसके कारण यात्रियों को काफी परेशानी होती है इसलिये अनुरोध है कि वहां पर रोडवेज का एक बस स्टैण्ड बनवाने की कृपा करें। माननीय अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया जिसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूँ। जय हिन्द, जय भारत।

***श्रीमती इन्द्राणी देवी-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया जिसके लिए मैं आपकी बहुत-बहुत आभारी हूँ। मैं नेपाल के बार्डर से सटे हुए जनपद श्रावस्ती के विधान सभा क्षेत्र भिनगा से चुनकर आती हूँ जिसके लिए मैं वहां की सम्मानित जनता और अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी को धन्यवाद देती हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, सरकार के द्वारा जो बजट रखा गया है वह किसानों के हित में नहीं है, नौजवानों के हित में नहीं है, बेरोजगारों के हित में नहीं है, मजदूरों के हित में नहीं है और यह पूरी तरह से लोक लुभावन बजट है। इस बजट में कोई बुनियादी मजबूती नहीं है। माननीय अध्यक्ष जी, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी जब प्रदेश के मुख्य मंत्री थे तो उन्होंने हमारे जिले की अधिकांश सड़कों को फोर लेन और टू लेन से जोड़ने, नई तहसील बनाने, ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत और नगर पालिका का दर्जा देने और लोहिया विकास योजना और जनेश्वर मिश्र योजना के तहत गांवों को विकसित करने का काम किया था जिसके कारण हमारे पूरे जनपद का चहुँमुखी विकास हुआ था,

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मान्यवर, मैं बड़े दुख के साथ बताना चाहती हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र भिनगा में वर्ष 2014 में जब बाढ़ आई थी तो हमारे नासिरगंज से पुंदली-पुंदला, ढोबिया लक्ष्मणपुर से पहेलिया तक 5 किमी0 रोड आज तक नहीं बन पायी है। उस क्षेत्र के लोगों का आवागमन एकदम बाधित है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी ने हमारी विधान सभा क्षेत्र भिनगा में लक्ष्मणपुर बाजार में एक ब्लाक दिया था, लेकिन दूसरी सरकार आते-आते उस ब्लाक को खत्म कर दिया गया। मेरी विशेष मांग है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र भिनगा में जो ब्लाक दिया गया था उसको चालू कराया जाए। मेरी सरकार से मांग है कि अगर लक्ष्मणपुर में एक ब्लाक बन जाता तो उस क्षेत्र के लोगों का और कई गांवों का विकास हो जाता। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र भिनगा के जमुनहा, सिरसिया, हरिहरपुर एवं रानी ब्लाकों के लिए मांग करती हूँ कि छुट्टा जानवरों के कारण हमारे किसानों को दिन-रात खेतों में बिताना पड़ता है। मैं सरकार से मांग करती हूँ कि वहां पर गौशाला बनाकर किसानों को छुट्टा जानवरों से निजात दिलाई जाए। किसान रात-दिन खेत में खड़ा रहता है तो घर के बुजुर्ग एवं बहनें उनको रात में रोते हुए खाना देने जाती हैं। मैं सरकार से मांग करती हूँ कि उनके बचाव की कोई व्यवस्था कराई जाए। मेरी विधान सभा क्षेत्र भिनगा में मुख्यालय है और खैरी मोड़ से पटेल चौराहा तक ओवरब्रिज बनवाया जाए क्योंकि जब लोग सुबह-शाम निकलते हैं तो बहुत ज्यादा भीड़ हो जाती है और भीड़ में बीमार लोगों की गाड़ियां फंस जाती है जिससे आवागमन बाधित होता है। इसलिए मैं सरकार से मांग करती हूँ कि खैरी मोड़ से पटेल चौराहा तक ओवरब्रिज बनवाया जाए जिससे वहां के लोगों को आने-जाने में सुविधा होगी। हमारे क्षेत्र में आए दिन बिजली की किल्लत रहती है चाहे वह रामपुर हो, चाहे चितईपुर हो, चाहे गौड़रा हो, चाहे वह बरथनवा हो। ऐसे गांवों में जहां पुरानी लाईन है वह बाधित रहती है और आए दिन बिजली खराब रहती है, छोटे ट्रांसफार्मर खराब हो जाते हैं इससे वहां के ग्रामीणों को बहुत ही ज्यादा समस्या का सामना करना पड़ता है। हमारे मा0 मंत्री जी सदन में बैठे हैं और मैं उनसे भी मांग करती हूँ कि भिनगा विधान सभा क्षेत्र के गांवों में जो समस्या है उसका समाधान किया जाए।

मैं सिरसिया ब्लाक के लिए फायर स्टेशन की मांग करती हूँ। मुख्यालय से सिरसिया ब्लाक की दूरी लगभग 50 किलोमीटर है। इसलिए अगर सिरसिया ब्लाक में फायर स्टेशन हो जायेगा तो गर्मी में जो आग लगती है उससे बचाव हो सकेगा। मेरे क्षेत्र में राजपुर मोड़ से तालमघौड़ा तक चौड़ीकरण कराया जाए जिसकी लम्बाई लगभग 25 किलोमीटर है। भिनगा विधान सभा क्षेत्र में एक नहर है, जो पनियाग्राम, हेमपुरग्राम, सायपुर बरगदवाग्राम के लोगों की बड़ी मांग है कि इस नहर पर पुल बन जाए। जिससे सैकड़ों गांवों का आवागमन सुनिश्चित हो जाए। मैंने सदन में सरकार के लोगों के द्वारा सुना कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, लेकिन मैं कहना चाहती हूँ कि जो सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास है तो क्या यह हमारे विपक्ष के विधायकों के लिए नहीं है ? अगर ऐसा है तो मेरी विधान सभा क्षेत्र की जो बद्तर हालत है, क्या हमारी जनता ने इन्द्राणी देवी को समाजवादी पार्टी का

विधायक बनाकर गुनाह किया है ? उन्होंने कोई गुनाह नहीं किया है, मेरा कोई निजी विकास नहीं है, यह जनता का विकास है और नेपाल बार्डर से भिनगा विधान सभा क्षेत्र जुड़ी हुई है और मेरी विधान सभा क्षेत्र पर्यटन स्थलों के नाम से जानी जाती है। और मैं मांग करती हूँ कि मेरे क्षेत्र का विकास जरूर कराया जाए। चाहे सड़क हो, चाहे शिक्षा हो, चाहे स्वास्थ्य हो और विशेषकर किसानों के छुट्टा जानवरों का उपाय कराया जाए। आय दिन गांव के लोग खेतों में खड़े दिखाई देते हैं, इसलिए मैं मांग करती हूँ कि आपका सबका साथ, सबका विकास और सबका सम्मान तब होगा जब हमारी समाजवादी पार्टी और सभी विधायकों का काम हो। ये मेरा खुद का काम नहीं है, ये क्षेत्र की जनता काम है और क्षेत्र की जनता का काम आपको जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

बहुत-बहुत धन्यवाद। श्री राम अवतार सिंह जी आप बोलिए।

श्रीमती इन्द्राणी देवी-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ कि आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया।

श्री राम अवतार सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे वर्ष 2023-24 के सामान्य बजट पर बोलने का अवसर दिया, उसके लिए मैं आपका सादर आभार व्यक्त करता हूँ। मान्यवर, इस सदन में जो 2023-24 का बजट रखा गया वह झूठ का पुलिंदा साबित हुआ। निश्चित रूप से जो धरातल पर है और जो कागज में है उसमें अंतर है। अभी सत्तापक्ष के लोग जब बोलते हैं, तो कहते हैं कि हमारा पेट इतना भर गया, गले तक आ गया, बहुत डेवलपमेण्ट हो गया और बाद में वही दो-दो रोटी मांगने का यहां पर काम करते हैं। हम विपक्ष के विधायक हैं, मान्यवर, आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि यह सदन है और इस लोकतंत्र के मंदिर में मैं पहली बार जीतकर आया हूँ, मैं नूरपुर की जनता का आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही कहना चाहता हूँ कि इसी सदन में सरकार द्वारा पांच करोड़ विधायक निधि की घोषणा की गयी थी और दो-दो बार उस बात को रिपीट किया गया था, लेकिन आज सरकार ने उसमें भी धोखा देने का काम किया है, ये छलावा ठीक नहीं है, क्योंकि क्षेत्र की जनता हमसे उम्मीद लगाये बैठी है। दूसरा, मैं ये कहना चाहता हूँ कि ऐसी घटनाओं से सदन की गरिमा घटती है। सरकार पर लोगों का अविश्वास पैदा होता है। मैं दो-तीन बिन्दु आपको बताना चाहता हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र नूरपुर में एक सी0एच0सी0 है, जिसमें बहुत सारे विशेषज्ञों के पद रिक्त हैं और लम्बे समय से रिक्त हैं, मेरे बार-बार मांग करने के बाद भी नियुक्ति नहीं की गयी है। एक मेडिकल अफसर उस चिकित्सालय को चलाता है और दुःखद बात यह है कि वहां प्रसव काफी होते हैं पर किसी महिला चिकित्सक की तैनाती नहीं है, महिलाओं को अपनी परेशानी पुरूष चिकित्सकों के सामने

बताते हुए निश्चित रूप से असमर्थता महसूस होती है। मेरा निवेदन है कि सी0एच0सी0 नुरपूर में महिला चिकित्सक की तत्काल नियुक्ति की जाय और वहां एक्स-रे मशीन और अल्ट्रासाउण्ड की व्यवस्था कराने का काम करें। दूसरी बात, एक पी0एच0सी0 नगर के बीच में है, वहां पर महिलाएं दवाई लेने बहुत ज्यादा जाती हैं, वहां पर केवल एक छोटा-सा शौचालय है जो कर्मचारी इस्तेमाल करते हैं और बाकी वह बन्द रहता है। मैंने पिछली बार भी मांग की थी, अनेक बार पत्र भी लिखा, विधान सभा में क्वेश्चन भी लगाया कि वहां पर एक सार्वजनिक शौचालय बनवा दें ताकि महिलाएं वहां निवृत्त हो सकें, लेकिन उस पर भी विचार नहीं किया गया।

मैं यह कहना चाहता हूँ कि मेरे जिले में एक जिला अस्पताल है, मेरे एक परिचित बीमार थे, मैं उन्हें देखने गया, वे प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे, उन्होंने मुझे बताया कि रोज मुझसे 20 हजार रुपये वेंटीलेटर का चार्ज लिया जाता है। मैंने सी0एम0एस0 से बात की तो उसने बताया कि वेंटीलेटर तो है, लेकिन ऑपरेटर नहीं है। जो हालत स्वास्थ्य सेवाओं की जिला मुख्यालय पर है उससे बुरी हालत कुछ नहीं हो सकती। ये सरकार के लिए निंदनीय है। अभी सदन में यह बात रखी गयी कि टू लेन- फोर लेन का निर्माण कराया जा रहा है। मैंने देखा कि मेरा जिला जो अन्य जिलों को जोड़ता है जैसे मुरादाबाद को जोड़ता है, कोई फोर लेन नहीं बना और न ही काम चल रहा है। तहसीलों और ब्लाकों को जोड़ने के लिए कोई टू लेन नहीं बनाया जा रहा है। दूसरी बात, मैं यह कहना चाहता हूँ कि इस प्रदेश की जनता आपकी तरफ देख रही है और लाखों पद रिक्त हैं। ये नौजवान जो आज पढ़-लिखकर तैयारी कर रहे है, उनके भविष्य को देखते हुए मैं आपसे यह अपेक्षा करता हूँ कि सरकार को निर्देश दिए जायें कि जो खाली पद हैं, वह तत्काल भरे जायें। मुझे मालूम है, यह सरकार नहीं भरेगी, क्योंकि सरकार का एक गुप्त एजेण्डा है। संविदा कर्मियों पर आरक्षण लागू नहीं होता, यदि आप उनकी नियुक्ति करेंगे तो आपको आरक्षण देना पड़ेगा, जो आपको कतई पसन्द नहीं है। पिछले बजट में अल्पसंख्यकों के लिए, एस0सी0/एस0टी0, ओ0बी0सी0 के बच्चों की छात्रवृत्ति के लिए पैसा रखा गया, लेकिन ताज्जुब की बात है, बड़े अफसोस की बात है कि ओ0बी0सी0 का केवल 16 प्रतिशत, एस0सी0 का 23 प्रतिशत और यही हाल अल्पसंख्यक का है, जिसे कम धनराशि दी गयी। इससे तो बेहतर यह हो कि आप उसे बजट में न रखें, कम से कम जनता को आपकी वास्तविकता का पता हो जाएगा कि इस देश में, प्रदेश में हमारे साथ क्या हो रहा है। दूसरी बात मैं आपसे यह कहना चाहता हूँ कि मैं एक पिछड़े समाज से आता हूँ, जो सैनी, मौर्य, शाक्य, कुशवाहा, माली समाज के बीच से आता हूँ। मैंने सोशल मीडिया पर देखा, छद्मवेष में एक आदमी प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री का नाम लेकर कह रहा है कि मुझे 12 घण्टे का समय दिलवा दो मैं इनकी अमरिया कर दूँगा। जब मैंने पूछा कि यह अमरिया क्या होता है, क्योंकि हम पश्चिम के रहने वाले हैं, उन्होंने कहा कि गर्दन काटने को कहते है। (सदस्यों ने शेम-शेम कहा) वह इतनी दुःखद घटना है, मेरे समाज के लोग उधर भी हैं, उप मुख्य मंत्री तक हैं, मंत्री हैं, लेकिन सत्ता के दबाव में वह उसकी निन्दा नहीं कर पा रहे हैं।

मेरा आपसे निवेदन है कि सरकार उसकी जाँच कराये और ऐसे दोषियों के खिलाफ जो ऐसी गाली देने का काम करे, उस व्यक्ति को पकड़ कर जेल में भेजने का काम करे।

मान्यवर, मैं दो बातें अपनी विधान सभा क्षेत्र के बारे में रखना चाहता हूँ। एक तो किसानों की समस्या है, किसानों की बहुत सारी चीजें आपके सामने आ गयी हैं। लेकिन एक चीज मैं बताना चाहता हूँ, चूँकि मैं भी किसान का बेटा हूँ। मैंने यह देखा कि जब किसान को डीएपी की जरूरत होती है तो यूरिया मिलता है और जब यूरिया की जरूरत होती है, तब कहते हैं डीएपी है, यूरिया नहीं है। किसान लाइन में लगते हैं, रात में भागते हैं, लठ बजता है। आप इसकी व्यवस्था करायें कि बुवाई के समय जिस खाद की आवश्यकता होती है, वह उपलब्ध हो सके। दूसरा धान खरीद के बारे में आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ, क्योंकि बहुत सी बातें हैं जो हमारी जानकारी में आती हैं, हमारी जिम्मेदारी है कि मैं उसे सदन में बताऊँ। जो क्रय केन्द्र हैं, वह फर्जी ढंग से चलाये जा रहे हैं। आप पता करा लीजिए कि जिन आदमियों के नाम से भुगतान किया गया है, उनके खसरे में उनकी फसल कितनी दर्ज है। अगर एक आदमी ने 80 बीघे में गन्ना बो रखा है और 04 बीघे में उसकी धान की फसल है, लेकिन उस 80 बीघे के हिसाब से दलाल उसके नाम से भुगतान कराते हैं। आप पता करा लीजिए। चूँकि मेरी विधान सभा क्षेत्र में काफी बुनकर रहते हैं। बुनकरों के बारे में आप विचार कर लें। उनको जो छूट मिलती थी, विद्युत कनेक्शन पर जो अनुदान मिलता था, उसको दोबारा दिलवाने का काम करें। साथ-साथ एक बात और कहना चाहता हूँ। विद्युत विभाग के अधिकारियों से मेरी बात होती है। विद्युत विभाग के अधिकारी कहते हैं कि हम मजबूर हैं। हमें महीने में कम से कम 50 चोरी पकड़कर देनी हैं, अगर तनख्वाह लेनी है। मान्यवर, यह कौन सा सिस्टम है ?

श्री अध्यक्ष-

राम अवतार जी, आप बहुत अच्छे हैं, अब समाप्त करें।

श्री राम अवतार सिंह-

मान्यवर, कुछ जरूरी बातें हैं। नूरपुर को तहसील बनाया जाए। बिजनौर की सबसे बड़ी आबादी का गाँव ताजपुर है, उसे नगर पंचायत बनाया जाए। मान्यवर, मैंने पहले भी कहा है और आज भी कह रहा हूँ, 110 मीटर गौलाखेड़ी का पुल बनवाया जाए, धन्यवाद।

श्री देवेन्द्र कुमार निम-

धन्यवाद, अध्यक्ष जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि इस ऐतिहासिक बजट पर बोलने के लिए आपने मुझे बुलाया। यह जो बजट है, यह आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की नींव डालने वाला बजट है। अपने इस बजट में मैं मुख्य मंत्री जी का भी धन्यवाद करता हूँ कि उनके कुशल नेतृत्व में अभी तक का सबसे बड़ा बजट 6 लाख 90 हजार 240 करोड़ का जो बजट पेश किया गया है, मैं अपनी सरकार का और माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ कि जिसमें युवाओं से लेकर, स्वास्थ्य से लेकर, सामाजिक सुरक्षा से लेकर, पेन्शन से लेकर

सारी जितनी लाभकारी योजनाएँ है, उन पर ध्यान दिया गया। जैसे हमारी सामूहिक विवाह योजना में 600 करोड़, युवाओं और विद्यार्थियों के लिए स्मार्ट फोन और टेबलेट के लिए 3600 करोड़, प्रधानमंत्री आवास में 17.62 लाख करोड़, ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत 631 करोड़। मैं धन्यवाद देना चाहूँगा अपनी सरकार को कि मैं जिस जिले सहारनपुर से आता हूँ वहां पर अभी-अभी हमारी सरकार के मा0 मुख्य मंत्री जी ने एक बहुत बड़ी घोषणा में पीठ मां शाकुंभरी देवी जी का मन्दिर है उसमें 50 करोड़ के इस बजट में प्राविधान किया गया। मैं आपको भी धन्यवाद देता हूँ कि जब से हमारी सरकार वर्ष 2017 में बनी तो मां शाकुंभरी देवी मन्दिर को एक पर्यटक स्थल घोषित किया गया और उसी के मद्देनजर यह घोषणा लगातार हो रही है और इस पर काम भी चल रहा है यह एक बहुत ही बड़ा काम हमारी सरकार ने किया है मैं एक बार फिर से धन्यवाद देना चाहता हूँ और मैं बताना चाहता हूँ कि अध्यक्ष जी जब हम चुनाव में जा रहे थे तो हमने संकल्प-पत्र दिया था जिसमें हमने संकल्प लिया था कि जो हमारे किसान भाई थे उनके जो ट्यूबवेल के कनेक्शन थे उसको मुफ्त करने का काम करेंगे और इस बजट में हमारी सरकार ने उसका प्रावधान भी किया है मैं इस काम के लिए अपनी सरकार का धन्यवाद भी करता हूँ और मैं बताना चाहता हूँ कि डबल इंजन की सरकार की ताकत क्या होती है।

मैं जिस क्षेत्र से आता हूँ वहां पर जब पहले की सरकार थी तो हमारे यहां खनन और ओवरलोडिंग की वजह से हमारी जो सड़कें थी वह सारी टूट चुकी थी और सहारनपुर एक टापू बनकर रह गया था। अगर हमें दिल्ली जाना हो या उत्तरांचल जाना हो या हरियाणा जाना हो तो हमें कई किलोमीटर का रास्ता तय करना पड़ता था, लेकिन जब से वर्ष 2014 में और 2017 में हमारी डबल इंजन की सरकार आई तो जिस सहारनपुर में सड़कों का अकाल था आज वहां पर भी एक्सप्रेस-वे बन गया है जो दिल्ली से नोएडा को जोड़ेगा और देहरादून को जाएगा उसी से हम लोग हरिद्धार जाएंगे, जो दूरी सात-सात घण्टों में तय होती थी वह ढ़ाई से लेकर तीन घण्टे में तय होगी और एक दूसरा एक्सप्रेस-वे जो चंडीगढ़ से देहरादून को जोड़ता है जो मेरी विधान सभा क्षेत्र को भी जोड़ता है वह भी हमारी सरकार ने बनाकर तैयार कर दिया है मैं उसके लिए भी सरकार का धन्यवाद करता हूँ और मैं धन्यवाद करना चाहता हूँ कि एक जो बहुत बड़ा दिल्ली को सहारनपुर से जोड़ने वाला एक फोरलेन एक्सप्रेस-वे है जिस पर पिछली कई सरकारों ने ध्यान नहीं दिया, लेकिन हमारी सरकार ने उसको बनाकर खड़ा कर दिया है जिससे लगातार सहारनपुर का विकास और अपनी रामपुर मनिहारन विधान सभा क्षेत्र का विकास हमारी सरकार करती आ रही है।

हमारी एक बहुत बड़ी डिमाण्ड थी कि हमारे यहां जो चार धाम की तीर्थ यात्रा है उसके लिए हेलीकाप्टर की सेवा सहारनपुर से चालू की जाए उसके लिए हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने हमें आश्वासन दिया है कि बहुत जल्द हम लोग चार धाम की यात्रा के लिए हेलीकाप्टर के माध्यम से अपने श्रद्धालुओं को वहां दर्शन कराने का काम भी शुरू करने वाले हैं। एक

बहुत बड़ी डिमाण्ड हमारे सहारनपुर के लोगों की थी कि यहां पर एक यूनिवर्सिटी बने, क्योंकि हम लोग जब पढ़ते थे तो 12वीं पास करने के बाद देखते थे कि हमें एडमीशन कहां लेना है तो कोई दिल्ली यूनिवर्सिटी का रूख करता था तो कोई उत्तरांचल जाता था तो कोई हरियाणा जाता था। हमारे सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रयास किया और मा0 मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से हमने एक बहुत बड़ी यूनिवर्सिटी वहां पर बनाने का काम शुरू कर दिया है। मैं उसके लिए भी अपनी सरकार को धन्यवाद। चाहता हूँ। बहुत जल्द हम लोग सहारनपुर से बाई एयर कनेक्टिविटी से भी जुड़ने जा रहे हैं जिसकी यहां पर अभी मा0 मुख्य मंत्री जी ने घोषणा भी की है मैं उसके लिए भी उनका धन्यवाद करता हूँ। जब से हमारी सरकार बनी है हम लोगों ने कैसे अपने किसान भाइयों की आय दोगुनी हो और कैसे हमारे व्यापारी सुरक्षित रहें इस पर काम करने का प्रयास किया है। जब हम लोग वर्ष 2017 में आए थे तो इन्वेस्टर समिट लखनऊ में हुआ था मैं धन्यवाद दूंगा मा0 मुख्य मंत्री जी का जो पूरा इन्वेस्टर समिट हुआ तो वह जिलों में हुआ तो उस जिले में जाकर जब हम लोग समिट में गए तो हमने व्यापारियों की ओर किसानों की समस्याओं को नजदीक से देखा और उनकी जो समस्याएं थीं उसको हमने वहां पर निस्तारण करने का काम किया है। मैं बताना चाहता हूँ कि उस सहारनपुर में जो निवेश आए है चाहे वह डेयरी विभाग में आया हो, चाहे हार्टीकल्चर में आया हो, चाहे पर्यटन का हो, चाहे मेडिकल एजुकेशन में आया हो लगभग 30 हजार करोड़ रुपए का निवेश हमारे सहारनपुर में इस इन्वेस्टर समिट से आया है। मैं उसके लिए भी सरकार का धन्यवाद करता हूँ।

एक बहुत बड़ी योजना हमारी सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की है जो हमारा सहारनपुर वुड कार्विंग के नाम से जाना जाता है उसके लिए लगातार हमारे जनप्रतिनिधि, हमारी सरकार हम सबने उस पर मिलकर काम किया और हमारी आज जो वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट में वुड कार्विंग है वह पूरी दुनिया में चाहे आप यूरोप की बात करें, चाहे आप इंग्लैण्ड की बात करें, पूरी दुनिया में आज हमारा वुड कार्विंग का एक्सपोर्ट हो रहा है। मैं यहां अपनी सरकार का धन्यवाद भी करना चाहूँगा कि मा0 मुख्य मंत्री जी ने हमें आश्वासन दिया है कि हमारे किसान भाइयों की आय दोगुनी करने का जो पापुलर हम लोग यहां सहारनपुर में उगाने का काम करते हैं उस पापुलर की वजह से जो प्लाईवुड बनती है।

अब हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि हम लोग बहुत जल्द सहारनपुर में प्लाईवुड इण्डस्ट्री बनाने जा रहे हैं, जिससे हमारे किसान भाइयों की आय दोगुनी होगी। कैसे हमारे किसानों की आय दोगुनी हो, कैसे हमारे व्यापारियों की आय दोगुनी हो, उसके लिए ऐसे कार्यक्रम लगातार चलते आ रहे हैं। मैं ज्यादा समय न लेते हुए क्योंकि समय की बाध्यता है। जो हमारी सरकार ने हमारे विधान सभा क्षेत्र में जो पिछले काम थे, वह दिए। मैं उसके लिए धन्यवाद करते हुए जो कुछ काम शेष हैं, उनके लिए आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

जो काम पहले बोलने चाहिए, वे बाद में बोलते हो। फिर जब समय खत्म हो जाता है तो आप कहते हो कि समय दे दीजिए।

श्री देवेन्द्र कुमार निम-

मान्यवर, हमारे यहाँ हिण्डन नदी पर हसनपुर, भलसवा और जो कल्लरपुर है वहाँ दो पुल बनने हैं। हमारे पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर बैठे हुए हैं, मैं उनसे यह अनुरोध करूँगा कि आप इसको अपने संज्ञान में ले लें, ये दो पुल हैं जो पिछले 25-30 साल से टूटे हुए हैं। अगर ये बन जाएँ तो जनता को बहुत सुविधा हो जाएगी। ऐसे ही जनेड़ा समदपुर से लेकर शुगर मिल तक का जो हमारा रास्ता है, आप उसको फोर लेन बनवा दें, क्योंकि उस पर किसान अपना गन्ना लेकर चलते हैं, अगर वह बन जाएगा तो मेरे किसानों का उससे बहुत भला हो जाएगा। मेरे यहाँ पर एक पशु चिकित्सालय है, जो हमारी सरकार ने बनाया है, अगर उसमें डाक्टर और फार्मासिस्ट की नियुक्ति हो जाए तो बहुत अच्छा होगा। साथ ही एक्स-रे मशीन से लेकर सारे उपकरण लग जाएँ। मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपनी सरकार का धन्यवाद करता हूँ।

श्री राज प्रसाद उपाध्याय-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत आभारी हूँ कि आपने मुझे उत्तर प्रदेश के इतिहास के सबसे बड़े चतुर्मुखी विकास वाले बजट पर बोलने का मौका दिया। मैं इस बजट का पुरजोर समर्थन करता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, अभी मेरे बोलने से पूर्व समाजवादी पार्टी के एक विधायक जो मेरे जनपद से आते हैं, वे बोल रहे थे कि यह सरकार जाति के नाम पर, धर्म के नाम पर और पार्टी के नाम पर भेद-भाव कर रही है। मैं उनको बताता हूँ कि मैं कल गया था पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग में अगर सबसे ज्यादा समग्र विकास की रोडें मिली हैं तो मो0 ताहिर खान साहब को मिली हैं। मैंने कल देखा कि सिंचाई विभाग से जनपद में केवल एक डिवाइस को आइडियल बनाने की योजना स्वीकृत होकर आयी है वह इनकी विधान सभा क्षेत्र को मिली है। मैं तो उसका जीता-जागता उदाहरण हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, मेरे गाँव में अल्पसंख्यक समाज के एक भाई हैं। उनके पाँच बच्चे हैं जिनमें तीन बालिग हैं उनकी शादियाँ हो गई हैं, क्योंकि शादी होने के बाद ये अलग हो जाते हैं अपने माता-पिता से। मेरे परिवार के लोग उस गाँव में आजादी से लेकर आज तक लगातार प्रधान रहे हैं, हम लोग प्रमुख भी रहते हैं। आजादी के बाद से बार-बार हम लोग ही वहाँ प्रधान रहे हैं। एक परिवार में तीन बच्चे जो बालिग हो गए थे, उनका भी आवास योजना में नाम था, उनके एक परिवार में पाँच बच्चे हैं जिसमें से तीन को आवास मिला और उनके पिता को पहले ही आवास मिल चुका है। यह है हमारी सरकार का काम जो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास पर आधारित है।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं जनपद सुल्तानपुर की विधान सभा क्षेत्र सदर सीट से पहली बार भाजपा के सिम्बल पर निषाद पार्टी के सहयोग से देवतुल्य जनता के आशीर्वाद से विधायक बनकर आया हूँ। आदरणीय अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा का सन् 1952 से इतिहास रहा है कि वहाँ से जिस पार्टी का विधायक जीतता है, उसी पार्टी की सरकार बनती है, यह वहाँ की जनता का आशीर्वाद रहा है। मा0 अध्यक्ष जी, ये मेरी वही विधान सभा क्षेत्र है जहाँ पर आज से लगभग 14 माह पूर्व आदरणीय मोदी जी और आदरणीय योगी जी विधान सभा चुनाव से पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करने के लिए गए थे। मैं अपनी देवतुल्य जनता के साथ-साथ पूरे प्रदेश की जनता को नमन करते हुए कहना चाहता हूँ कि देश की सेना के पराक्रम और फाइटर विमान की युद्ध कलाओं और विशेषताओं का वहाँ पर प्रदर्शन किया गया जिसे देश की जनता के साथ-साथ पूरे विश्व के लोग तथा पड़ोसी देश के लोगों ने भी देखा। जिसका परिणाम यह रहा कि वर्ष 2022 के चुनाव में जब सारी पार्टियाँ अन्दर से एक हो गई थीं, विदेशी शक्तियाँ भी लग गई थीं, लेकिन आदरणीय योगी जी के सुशासन के कारण उत्तर प्रदेश में योगी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार दोबारा बनी। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी से निवेदन कर रहा हूँ कि उस तपो भूमि पर जहाँ दो सन्त क्रमशः मा0 मोदी जी और मा0 योगी जी ने जाकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया तथा भारतीय सेना के जवानों तथा फाइटर विमानों का कौशल दिखाया गया तो उसके अगल-बगल कोई उद्योग लगाया जाए।

माननीय अध्यक्ष जी, हम लोग बड़े गर्व से कह सकते हैं कि यह बजट 2023-2024 का अन्त्योदय के संकल्प को सिद्धि तक पहुँचाने वाला बजट है। यह पंडित दीन दयाल उपाध्याय और पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी के सपनों को साकार करने वाला बजट है। मा0 अध्यक्ष जी, यह बजट प्रदेश के मुखिया सिद्ध योगी जी के कुशल निर्देशन में संत स्वरूप मा0 वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी के द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह बजट एक बुनियादी, ग्राम विकास मुखी, आत्मनिर्भरता वाला बजट है। जिसमें सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानी, पर्यावरण, वित्त व्यवस्था पर नियंत्रण आदि इस बजट का उद्देश्य है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किनारे 4 व बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के किनारे 2 उद्योग मेन्यूफैक्चरिंग बनाने की योजना प्रस्तावित है। कानून व्यवस्था में जीरो टालरेन्स की नीति का लोहा पूरा देश मानता है। हर जनपद में मेडिकल कालेज उसके लिए धन की व्यवस्था एवं नर्सिंग कालेजों की स्थापना एक सराहनीय कार्य है। एम0बी0बी0एस0 की सीटें बढ़ाकर 8528 कर दी गई हैं। 14 नये मेडिकल कालेजों के लिए धन की व्यवस्था सराहनीय है। इतना ही नहीं वर्तमान में सिंचाई व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए सड़कों का जाल बिछाने के लिए, सौन्दर्यीकरण करने के लिए भारी-भरकम बजट देना यह भी सरकार का मुख्य कार्य है। प्रदेश में 9 एयरपोर्ट क्रियाशील हैं जिसमें से 3 अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं। उत्तर प्रदेश के विकास को पंख लग रहे हैं। ऊर्जा में जिला मुख्यालय पर 24 घण्टे और तहसील मुख्यालय में 20-20 घण्टे बिजली तथा गाँव में

18-20 घण्टे बिजली देना सराहनीय है। विद्युतीकरण की सौभाग्य योजना बड़े जोरों पर कियाशील है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूँ कि समाजवादी पार्टी की सरकार में हम लोग बिजली के लिए तरसते थे। हमारे सदन में समाजवादी पार्टी के नेता भी हैं हमारे रिश्ते में साले भी हैं मा0 लालजी वर्मा जी बैठे हुए हैं, उनसे पता कर लीजिए कि क्या स्थिति हम लोगों की थी, लेकिन आज स्थिति बदल गई है। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में होलसेल फिश मार्केट के लिये 257.5 करोड़ की व्यवस्था सराहनीय है।

श्री लालजी वर्मा-

यदि हम साले हैं तो हमारी पत्नी इनकी क्या है यह तो बता दें ? उन्होंने कहा कि हम उनके साले हैं तो हमारी पत्नी इनकी क्या है ? यह पूछ लीजिए न।

श्री अध्यक्ष-

मेरे को क्या पूछना ? रिश्तेदारी में आपस में निपटिए मेरा कोई मतलब नहीं है। अब साला और जीजा आपस में निपटें। (सदन में हँसी)

श्री राज प्रसाद उपाध्याय-

मुख्य मंत्री मत्स्य योजना के लिए निषादराज बोट सब्सिडी योजना है उसमें धन देना सराहनीय है। बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा व कौशल विकास शिक्षा को संतुलित बजट देना एक सराहनीय कार्य है। खेलो इण्डिया, यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए 30 करोड़ की व्यवस्था सराहनीय कार्य है। बी0एच0यू0 में वैदिक विज्ञान केन्द्र की स्थापना संस्कृति एवं धर्मार्थ क्षेत्र के लिए बधाई योग्य है। अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा पर्यटन स्थल होने जा रहा है, उसे ट्रेन, प्लेन एवं रोड से जोड़ने का प्रयास सराहनीय है। इस दिशा में केन्द्र के साथ तालमेल भी सराहनीय है। पर्यावरण को ठीक करने के उद्देश्य से जहाँ 9 प्रतिशत वन क्षेत्र था, बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का कदम भी सराहनीय है। रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान कोष में धन व्यवस्था, नारी सशक्तिकरण का एक बड़ा कदम होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी पीठ के माध्यम से अपनी विधान सभा क्षेत्र सदर जनपद सुल्तानपुर की कुछ विशेष समस्याओं की ओर ले जाते हुए उसका अविलम्ब निराकरण चाहता हूँ। यद्यपि मेरी विधान सभा क्षेत्र में विगत पाँच वर्षों में बहुत से विकास कार्य कराये गये हैं और साथ ही साथ पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जैसी उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जो कि आज पूर्वांचल के गाजीपुर जनपद को सीधे लखनऊ यानि लक्ष्मणपुर नगरी से जोड़ रहा है, जिससे हम कम समय में लखनऊ पहुँच पाते हैं। इस पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का अधिकांश हिस्सा मेरी विधान सभा क्षेत्र से होकर जाता है, जिससे नियत समय में कोविड काल में कोरोना जैसी बीमारी.....

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य उपाध्याय जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। अब आप समाप्त करें। मा0 सैय्यदा खातून जी, अब आप बोलें।

(सदस्य का माइक बन्द कर दिये जाने तथा सदस्या श्रीमती सैय्यदा खातून का नाम ले लिये जाने पर।)

श्री राज प्रसाद उपाध्याय-

मान्यवर, मैं लिखित दे रहा हूँ, इसको मेरे भाषण में जुड़वा दें।

श्री अध्यक्ष-

आप दे दीजिए।

***श्रीमती सैय्यदा खातून-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ और शुक्रिया अदा करती हूँ। अभी जो बजट पेश हुआ है उसके सम्बन्ध में कहना है कि वर्ष 2023-2024 के बजट के संदर्भ में प्रदेश का युवा अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है। युवा वर्ग के कुशल रोजगार के बारे में कोई ठोस बात बजट में नहीं कही गयी है। पर्यावरण आज एक संवेदनशील मुद्दा है, परन्तु इस पर जो बजट दिया गया है वह ऊँट के मुँह में जीरा के समान है, जो कहावत के माध्यम से कहा जाता है। गाँव और शहरों में गड्ढों को भरने की बात अभी भी एक सपने की तरह है, जिसके कारण कितने ही लोग सड़क पर दम तोड़ रहे हैं और प्रदेश में खिलाड़ियों की लम्बी फौज है। उनके लिए दिया गया बजट दिखावा है। सरकार को विश्व में खेल ही नहीं, बस खिलाड़ियों की भावनाओं से खेलने का यह बजट था, मकसद था। युवा वर्ग में जो बच्चे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, वह नौकरी की प्रतीक्षा में हैं, उनके लिए बजट में किसी तरह की व्यवस्था नहीं हुई है। युवा रोजगार के लिए यह सरकार विरोधी मानसिकता रखती है। बाल श्रमिक विद्या योजना के अन्तर्गत प्रदेश सरकार द्वारा 2 हजार बच्चों को लाभान्वित करने की बात कही गयी है, जबकि करोड़ों बच्चे आज भी विद्या से वंचित हैं। उनकी बात न करके सरकार ने श्रमिक वर्ग को निराश किया है। महोदय, इस बजट में अल्पसंख्यक समाज को पूरी तरह से नजरअन्दाज किया गया है। शिक्षकों को जो 6 सौ रुपये मानदेय देने की बात की गयी है, क्या उसमें उनका जीवन-यापन होना सम्भव है ?

महोदय, पूर्वांचल के कई जिले खास करके जनपद सिद्धार्थनगर के सैकड़ों गांव इस वर्ष भीषण बाढ़ की चपेट में थे, परन्तु उसके लिए अलग से बजट कुछ नहीं दिया गया, उसकी जरूरत नहीं समझी गयी। महोदय, आज पूरे प्रदेश का किसान आवारा कुत्तों, पशुओं से परेशान है, क्या यह सरकार का कर्तव्य नहीं कि उनकी परेशानी को दूर करने के लिए अलग से कोई व्यवस्था बनाये ? हमारा क्षेत्र सिद्धार्थनगर जिसमें खासकर डुमरियागंज बाढ़ के प्रकोप से हमेशा परेशान रहता है और उनकी एक ही फसल होती है, जिसमें जो छुट्टा पशु होते हैं, वह दिन-रात खेतों को बर्बाद करते रहते हैं। किसान बेचारे पूरी रात उनको बचाते हैं। मैं सरकार

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

से चाहूँगी कि इस समस्या के निराकरण के लिए हर सम्भव प्रयास किये जायें। मेरे यहां डुमरियागंज में जो तीन हॉस्पिटल हैं, उन तीनों हास्पिटल में कोई महिला डाक्टर नहीं है, जबकि महिला डाक्टर की बहुत जरूरत है। हमारा ग्रामीण क्षेत्र है, पिछड़ा इलाका है, इसलिए हमें वहां महिला डाक्टर की बहुत जरूरत है। मैंने इस सम्बन्ध में कई बार लेटर भी लिखा है, लेकिन अभी तक कोई महिला डाक्टर वहां पर नहीं आ पायी हैं। अध्यक्ष जी, मैं चाहूँगी कि वहां पर महिला डाक्टर की भर्ती हो। शिक्षा मित्र के सम्बन्ध में कहना चाहूँगी कि उसमें ज्यादा से ज्यादा महिलाएँ हैं, उनको 10 हजार में परिवार चलाना बड़ा मुश्किल हो रहा है। इसमें मैं सरकार से चाहूँगी कि जो उनको मिलता था, उतनी तनख्वाह उनकी की जाये। हमारे यहां बाढ़ के लिए खास तौर से बजट दिया जाये, चूंकि जो पूर्वांचल का क्षेत्र है, वह बाढ़ से बहुत प्रभावित रहता है, वहां के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। हमारे डुमरियागंज में सड़कों की जो हालत है, वहां 3-3 नगर पंचायतें हैं, लेकिन नगर पंचायत में सड़कों की ऐसी हालत है कि वहां कोई चल नहीं सकता है। डुमरियागंज विधान सभा क्षेत्र में सड़कें बहुत जर्जर हैं, मैं चाहूँगी कि जैसा सरकार द्वारा कहा गया है कि गड्ढामुक्त सड़कें बनवायी जायें तो वहां की जांच कराकर उन्हें बनवाया जाये, चूंकि हम लोगों को क्षेत्र में जाने के लिए बहुत दिक्कतें होती हैं। तमाम परेशानियां हो रही हैं, जो भी लोग आते-जाते हैं, उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहां तमाम एक्सीडेण्ट होते हैं।

मैं अपनी डुमरियागंज की जनता का बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करती हूँ कि उन्होंने मुझे यहां पर अपनी आवाज उठाने के लिए भेजा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका भी बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करती हूँ कि आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया। माननीय अखिलेश यादव जी का मैं बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करती हूँ कि उन्होंने मुझे यहां तक पहुँचाने का काम किया। मैं चाहूँगी कि जिस तरह से समाजवादी सरकार में हमारे क्षेत्र में 3-3 पुल बनाये गये थे जिसमें एक गांव से दूसरे गांव को जोड़ा गया था, नदी में पुल बने थे, उसी तरह के कार्य किये जायें, जिस तरह से समाजवादी सरकार में काम किया गया था। इतने अच्छे-अच्छे पुल बन गये थे कि अब लोगों को कोई परेशानी नहीं होती है। तमाम शिक्षकों और सारे लोगों की जो भर्तियां की गयी थीं, जो हमारे क्षेत्र में पढ़े-लिखे बच्चे घूम रहे हैं, हमारा इलाका बहुत ही पढ़े-लिखे लोगों का है, हर तरह के, हर क्षेत्र में लोग पढ़े हैं, लेकिन उनको कोई नौकरियाँ नहीं मिल रही हैं। बच्चे हम लोगों के पास आते हैं तो कहते हैं कि हम लोगों का क्या होगा ? अब हम लोगों के लिए कोई नौकरी नहीं है, हम लोग क्या करें ? हम लोग कहाँ जायें ? इसके लिए मैं सरकार से मांग करती हूँ कि जो बच्चे पढ़कर घूम रहे हैं उनकी नौकरियों का बन्दोबस्त किया जाय। कम से कम वह रोजी-रोजगार में लग जायं ताकि उनको कोई परेशानी न हो, उनका भी अपना परिवार हो, उनका भी अपना घर हो, अपने माँ-बाप को वह सुविधाएं कैसे देंगे ? इसलिए मैं सरकार से मांग करती हूँ कि जो बच्चे हमारे पढ़-लिखकर घूम रहे हैं उनको नौकरी देने का काम करें। मैं सरकार से कहना चाहती हूँ कि हमारे यहां सड़कें बहुत ही खराब हैं उन्हें

बनवाने का काम करे। हमारे क्षेत्र में ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है, हमारे क्षेत्र की जनता जब एक्स0ई0एन0 के पास जाती है तो वह कहते हैं कि जाओ विधायक से लिखवाकर लाओ तब हम ट्रांसफार्मर लगायेंगे। मेरे क्षेत्र में इतने सारे कनेक्शन होने के बाद भी ट्रांसफार्मर की जो क्षमता होती है उसे बढ़ाया नहीं जा रहा है, जिसके कारण ट्रांसफार्मर जल जाते हैं। हम लोग जितना कर पाते हैं करते हैं। जब देश आजाद हुआ था तभी तार लगे थे मैं सरकार से मांग करती हूँ कि हमारे डुमरियागंज क्षेत्र में जितने जर्जर तार और खम्भे हैं उनको हटाकर नये तार और खम्भे लगवाये जायें।

श्री जगदीश नारायण-

मैं आपको धन्यवाद देना चाहूँगा कि बहुत देर इन्तजार करने के बाद आपकी दृष्टि छोटे से दल पर पड़ी, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मान्यवर, इस प्रदेश का जो बजट आया है वह निश्चित रूप से बहुत बड़ा एवं विशाल है। यह प्रदेश भी विशाल है और इस प्रदेश की आबादी की जनगणना 2011 में हुई है और आज की तारीख में आबादी बहुत ज्यादा बढ़ गयी है। जब जनगणना होगी तब इसका भयंकर रूप सामने आयेगा। हमारा देश गांव, गरीब किसान का देश है। हमारी इकाई गांव है, इस बजट में गांव के विकास के लिए बहुत कुछ देखने को नहीं मिला है। मैं वित्त मंत्री जी को अवगत करना चाहूँगा कि गांव में आज स्थिति यह है कि जो सड़कें बाबा अम्बेडकर के नाम से, लोहिया जी के नाम से बनी थीं, वह सब टूट चुकी हैं। पिछली बार लोक निर्माण मंत्री जी कह रहे थे कि पी0डब्लू0डी0 की रोड होगी। गांव में पी0डब्लू0डी0 की रोड कहां होती है, एजेन्सी वही भले रही होगी, उस पर धन देने का काम करें। भारत सरकार के बजट में जो ग्राम सभाओं को वित्त आयोग का पैसा मिलता था वह भी कम हो गया है। मनरेगा का भी पैसा कम हो गया है। इससे आने वाले समय में गांव का विकास बाधित होगा, इसलिए राज्य सरकार के इस भारी-भरकम बजट में गांव के विकास पर भी ध्यान देना होगा। अभी आंकड़ों का बड़ा खेल सुनने को मिला, बड़ी खुशी है कि इस विधान सभा में बड़े-बड़े विद्वान और बड़े अच्छे लोग आए हैं, उनसे काफी कुछ सीखने को मिल रहा है, लेकिन एक आंकड़ा मैं भी माननीय वित्त मंत्री जी से जवाब में जानना चाहूँगा कि इस प्रदेश में गरीबी रेखा के नीचे कितने लोग जीवन-यापन कर रहे हैं, इस प्रदेश में लघु कृषक कितने हैं, इस प्रदेश में किसानों के उत्पाद की लागत कितनी है, कितनी लागत में हम उत्पाद करते हैं ? जब तक हम इन सब बेसिक चीजों पर अपना ध्यान नहीं आकृष्ट करेंगे इस बजट का लाभ नहीं मिलेगा। अभी देखा गया है कि पिछला बजट खर्च नहीं किया गया है। इसके लिए जिम्मेदार कौन है, किसकी गलती से यह बजट रुका हुआ है ?

मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि जो लोग जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। यह प्रदेश की जनता के साथ धोखा है, समाज के साथ धोखा है, इसमें पक्ष-विपक्ष की बात नहीं होनी चाहिए। जिसने भी ये किया है उसके खिलाफ कार्रवाई हो, आप इतना बड़ा बजट दे रहे हैं वह खर्च नहीं होगा। आज के पेपरों में निकला है कि पी0डब्लू0डी0 विभाग का

कई हजार करोड़ रुपये वापस हो गया। वह भ्रष्टाचार के लिए वापस हुआ है, किसकी जिम्मेदारी है, उसको चिन्हित करके सरकार को सजा देनी चाहिए। मान्यवर, स्थापना सुविधा में बजट में बहुत पैसा दिया गया है, हम उस बजट का स्वागत करते हैं। मेरा जनपद जौनपुर है, वहां एक सेतु है, जो इलाहाबाद से गोरखपुर को जाता है। जौनपुर में माझी घाट पर शास्त्री ब्रिज वहां टूटा हुआ है, बहुत लिखने-पढ़ने के बाद भी आज तक उस पर बजट नहीं मिला, जिससे उस पर काम हो सके। उसके पैरलल (समानान्तर) एक पुल बनना है, जो आज तक नहीं बना। अवस्थापना सुविधा में जो धन दिया गया है मैं सरकार का ध्यान जौनपुर के उस शास्त्री ब्रिज पर आकृष्ट करना चाहूँगा नहीं तो आने वाले कुम्भ में पूर्वांचल के लोग प्रयागराज तक पहुंच नहीं पायेंगे। मैंने पिछली बार कहा था कि जौनपुर में चारों तरफ से रेलवे का बड़ा जाल है, वहाँ पर ओवरब्रिज बनना है। हमें खुशी है कि हमारे जनपद में माननीय गडकरी जी आने वाले हैं। अगर सरकार एन0ओ0सी0, नो आब्जेक्शन सर्टिफिकेट भेज दे तो शायद उनकी दृष्टि पड़ेगी और उन्होंने जौनपुर आने पर बयान भी दिया था, वह फिर आने वाले हैं। हो सकता है कि जौनपुर का कल्याण हो जाये। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूँगा कि जो भी एन0ओ0सी0 देना हो, उसको जल्दी देने का काम करें। युवाओं के लिए रोजगार की बात है और बजट में उसकी व्यवस्था की गई है। इस प्रदेश में रोजगार तभी सृजित हो पायेंगे, तभी प्रदेश उन्नति करेगा, जब हम कृषि आधारित रोजगार पर पैसा खर्च करेंगे। हम नौजवानों को कृषि पर आधारित रोजगार दें। हमारा कृषि प्रधान देश है। इस कृषि प्रधान देश में हम अगर रोजगार सृजन नहीं करेंगे तो कभी भी तरक्की नहीं होगी। मैं याद दिलाना चाहूँगा, मैं आँकड़ा तो नहीं पढ़ पाया हूँ। लेकिन जब पूरे विश्व में मन्दी का दौर था तो भारत मन्दी के दौर से इसीलिए उबरा, आदरणीय मोदी जी प्रधानमंत्री हो चुके थे और वह इसलिए उबरा क्योंकि यह कृषि प्रधान देश है और यहाँ कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था है। इस पर आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में रिसर्च हुआ कि आखिर भारत कैसे बचा ? वहाँ उन लोगों ने बताया कि यह कृषि प्रधान देश है और लोग कृषि पर आधारित हैं। लोग बैंकिंग व्यवस्था पर आधारित नहीं हैं। कृषि के सहारे जीते-खाते हैं, इसलिए इस देश में मन्दी नहीं आ पाई। कृषि हमारा बहुत बड़ा सेक्टर है और यह किसानों का ही प्रदेश और देश है। यह पूँजीपतियों के लिए नहीं बना हुआ है। यह जो हमारे उत्पाद हैं, इनका उचित मूल्य मिले, उचित मार्केटिंग मिले तो निश्चित रूप से हमको लाभ मिलेगा।

चिकित्सा की बात की गई है। मैं अपने जनपद की बात करूँगा। हमारे जनपद में जिला अस्पताल है। वहाँ डाइलेसिस हो रही है, लेकिन वहाँ बेड कम हैं, वहाँ 4 या 5 बेड हैं। वहाँ गरीबों की लम्बी लाइन लगी हुई है। इसलिए वहाँ बेड बढ़ाये जायें। हमारे अपने क्षेत्र में सी0एच0सी0 और पी0एच0सी0 की जो स्थिति है, पी0एच0सी0 पर एक भी डाक्टर नहीं है। मैं एक दिन पी0एच0सी0, चौरी पर गया तो वहाँ बेचारा एक कम्पाउण्डर बैठा हुआ था और वही पूरी पी0एच0सी0 चला रहा है। जो पी0एच0सी0 है, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है, वह सीधे जनता

और गाँव से जुड़े हुए हैं। उनको सुदृढ़ किया जाये। मेडिकल कालेज खोले जायें तो अच्छी बात है। हमारे जनपद के मेडिकल कालेज की स्थिति के बारे में कई बार चर्चा हो चुकी है। लेकिन अभी तक वह चला नहीं है और न ही चलने की स्थिति में है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने आश्वासन भी दिया था, लेकिन वह आश्वासन बनकर रह गया है और अभी वह चला नहीं है, उसको चलाया जाये। स्वास्थ्य एक बहुत महत्वपूर्ण बिन्दु बनता जा रहा है और इस समय उस पर ज्यादा खर्च किया जायेगा और उसके लिए सरकार ज्यादा व्यवस्था करेगी तो वह स्वागत योग्य होगा और प्रदेश की जनता का स्वास्थ्य सुधरेगा। दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर रोड है। अभी पक्ष-विपक्ष के सारे लोगों ने रोडों की चर्चा की और रोड की माँग बहुत ज्यादा बढ़ती जा रही है। मेरे क्षेत्र में ओ0डी0आर0 बना हुआ है। आज स्थिति यह है, 8 साल हो गये, लेकिन उसकी मरम्मत का पैसा नहीं दिया गया है। आजमगढ़ रोड से वाराणसी बार्डर तक 27 किमी0 की वह रोड जाती है। उसकी मरम्मत नहीं हो पा रही है और वह टूट गई है। विभाग की रोड होती है, परमानेंट उसकी देख-रेख होनी चाहिए। उसका उच्चीकरण और चौड़ीकरण होना चाहिए, लेकिन वह नहीं हो पा रहा है। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस पर भी आकृष्ट करना चाहता हूँ कि क्षेत्र के जो ओ0डी0आर0 रोड हैं, जो विभाग के रोड हैं, पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग की रोड हैं। उन पर काम हो, उन पर ध्यान दें और उनकी मरम्मत करायें। जनप्रतिनिधियों के प्रस्ताव पर काम होते हैं, जनप्रतिनिधि प्रस्ताव देते हैं, आप बजट देंगे तो हमारे माननीय सदस्यों के प्रस्ताव पर काम होंगे। आजकल एक नया फैशन देखने को मिल रहा है, जो उद्घाटन और शिलान्यास की तख्तियाँ लग रही हैं, क्षेत्र हमारा और उनमें नाम किसी और का लिखा जा रहा है।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करिये, धन्यवाद।

श्री जगदीश नारायण-

इतनी हद हो गई है कि जिला पंचायत के द्वारा कराये जाने वाले कार्यों में पूर्व विधायकों का नाम लिखा जा रहा है। मेरे जनपद में ऐसा हो रहा है, यह विधायिका का अपमान है। पता नहीं कि पूरे प्रदेश में ऐसा हो रहा है या नहीं।

श्री अध्यक्ष-

आप समाप्त करें। अब श्री राजेन्द्र सिंह पटेल जी बोलें।

***श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे इस सामान्य बजट की चर्चा पर बोलने का अवसर दिया है। आज इस बजट में पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सपनों को साकार किया गया है। 6 लाख 90 हजार करोड़ रुपये की इसमें व्यवस्था की गई है और सभी विभागों के लिए इस बजट में व्यवस्था है और उत्तर प्रदेश की 24 करोड़ जनता को लाभान्वित करने के लिए बजट की व्यवस्था की गई है। मान्यवर, निश्चित रूप से वर्ष 2017 के बाद से भारतीय जनता पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में आई है। जब से उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आई है तब से इस डबल इंजन की सरकार ने लगातार, बराबर उन गरीबों की योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है, उनको उसका लाभ पहुंच रहा है। जो गरीब कभी सपनों में भी नहीं सोच पाये थे। जो माननीय मुख्य मंत्री जी की सामूहिक विवाह योजना होती है, उन गरीबों के कल्याण के लिए इस बजट में व्यवस्था की गई है। इस बजट में तमाम नौजवान युवाओं के लिए व्यवस्था की गई है। किसानों की सिंचाई के लिए इस बजट में व्यवस्था की गई है। ब्लाकों में जहाँ पर डार्क जोन घोषित कर दिया गया था वह डार्क जोन खत्म करके इस बजट में व्यवस्था की गई है कि उनको नलकूप दिये जायेंगे।

मेरी विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद में गंगा और यमुना का क्षेत्र है और उस गंगा यमुना क्षेत्र में दोनों नदियों के किनारे बहुत-सी जमीन पड़ी हुई है, जो पानी के अभाव में उपजाऊ नहीं हो पाती है। फसलें खराब हो जाती हैं। इस बजट पर चर्चा के सुअवसर पर अपनी विधान सभा क्षेत्र की कुछ समस्यायें रखना चाहता हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत सिजौली है उसको नगर पंचायत का दर्जा दिया जाये। वह राष्ट्र कवि पण्डित सोहन लाल द्विवेदी जी का पैतृक गाँव है, जो सिजौली है, वहाँ पर अभी तक उनकी प्रतिमा नहीं लगाई गई है न उनके नाम से कोई खेल का मैदान बनाया गया है। ग्राम पंचायत हरूहा मुगल रोड से जो कमौली मार्ग जाता है वह 27 किलोमीटर का है। उसके चौड़ीकरण की व्यवस्था की जाये, क्योंकि आये दिन वहाँ पर दुर्घटनायें होती रहती हैं। मेरे जहानाबाद क्षेत्र में जो लोन नदी है वह विलुप्त हो चुकी है, तो वहाँ पर सिंचाई के अभाव में फसलें अच्छी नहीं होती हैं। इस लोन नदी की खुदाई कराई जाये। असिंचित क्षेत्र में नलकूप दिये जायें और माननीय मुख्य मंत्री आवास योजना भी वहाँ पर दी जाये। इसके साथ-साथ प्राकृतिक खेती यमुना नदी के किनारे कराई जाये। कृषि विज्ञान केन्द्र खोल करके वहाँ का विकास किया जाये। मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक बेरी खेड़ा गाँव है जो गंगा नदी के तट पर बसा हुआ है। वहीं पर पांडु नदी गंगा नदी में मिलती है और उस पांडु नदी के गाँव के किनारे जो बेरी खेड़ा गलाथा ग्राम पंचायत में पड़ता है वह बारिश के समय बाढ़ आने से बहुत प्रभावित हो जाता है। गाँव में कटान आ जाती है, जिससे वहाँ के घर बह जाते हैं। हर वर्ष वहाँ पर बहुत बड़ा नुकसान होता है। वहाँ पर बंधा बना करके इस कटान को रोका जाये। इस बजट में निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण के अनुदान की व्यवस्था की गई है। इस बजट के माध्यम से ही वर्ष 2022 में विधान सभा चुनाव जीत कर आये हैं। जो गाँव में विकास दिखाई दे रहा है इसी कारण हम वर्ष 2022 में जीत कर आये हैं। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना और माननीय मुख्य मंत्री आवास योजना के तहत लोग लाभान्वित हो रहे हैं। जिन गरीबों के बहुत दिनों से सपने थे कि हमें

आवास मिल जाये, हम पक्की छत के नीचे रहें। आज पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी के सपने पूरे हो रहे हैं। जो किसान सम्मान निधि है जिन किसानों के पास खाद बीज खरीदने के लिए धन का अभाव होता था आज उनको बहुत बड़ी राहत मिल रही है।

मा0 अध्यक्ष जी, लोगों को तमाम तरीके की भयंकर बीमारी जैसे कैंसर, किडनी खराब हो जाती है। मेरे जनपद फतेहपुर में मेडिकल कालेज में डायलिसिस की व्यवस्था की गयी है, इसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद दूँगा। इसके पहले लोग कानपुर, लखनऊ व इलाहाबाद डायलिसिस के लिए जाते थे। मा0 अध्यक्ष जी, आज जो उत्तर प्रदेश का विकास हो रहा है, आज डबल इंजन की सरकार ने डबल राशन देकर उन गरीबों का कल्याण किया है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ, जो आपने आज मुझे बोलने का अवसर दिया।

श्री अध्यक्ष-

श्री अभय सिंह जी।

***श्री अभय सिंह-**

आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे आज बजट पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूँ। सबसे पहले मैं अपने आपको मा0 लालजी वर्मा जी से संबंद्ध करता हूँ और हमारे समाजवादी पार्टी के जितने वक्ता रहे हैं, हम उनसे भी अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूँ कि भगवान राम को मानने वाले हम भी हैं और आप भी। भगवान राम और रामचरित मानस को आप भी मानते हो, हम भी मानते हैं। कबीरदास जी ने लिखा है कि 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय', लेकिन जब भी हम लोग कोई बात करते हैं, कोई चर्चा करते हैं। मान लीजिए कि यहाँ से कोई प्रश्न उठाया जाता है, चर्चा की जाती है, तो आपकी तरफ से गोल-मोल जवाब आता है। मुझे कोई दिक्कत नहीं। ये मत सोचिएगा कि हम विपक्ष में हैं, इसलिए कह रहे हैं। बहुत बुद्धिजीवी लोग कहते हैं, पत्रकार लोग कहते हैं। जो बाहर चर्चा होती है, उसको हम लोग यहाँ आकर बोलते हैं, तो डिबेट माना जाता है कि हाँ डिबेट हुई थी। उनकी चर्चा ये है, उनका परसेप्शन ये है कि देश में भले ही ''अमृत काल'' चल रहा है, लेकिन अधिकारियों का 'स्वर्णकाल' चल रहा है। अधिकारी जिस तरीके से उत्तर यहाँ पर घुमाकर देते हैं, उस तरीके से आप यहाँ जवाब देते हैं। हम लोग बोलते हैं, आप जान जाते हैं कि क्या सही है, क्या गलत है, लेकिन हमारा आप सभी लोगों से अनुरोध है कि जानने के बाद ठीक है आप यहाँ पर आकर हमको गुमराह कर दीजिए, लेकिन उसके बाद उन अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई करिए, जो आपके पास गलत जवाब भेजते हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मान्यवर, हम आपसे कहना चाहते हैं कि वर्ष 1977 में जय प्रकाश नारायण जी के नेतृत्व में गैर कांग्रेस वाद संगठनों का संगठन बना, सब तैयार हुए और वर्ष 1977 में पहली बार सरकार बनी। जिसमें जनसंघ, सोसलिस्ट सब लोग शामिल हुए। तत्समय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी विदेश मंत्री बने, आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी जी भी मंत्री बने। ये सब लोग जय प्रकाश नारायण जी की वजह से बने। आज जाकर देखिए कि एन0आई0सी0 सेंटर का क्या हाल है ? बिल्कुल बदहाल है। हम आप लोगों से माँग करते है कि उसके लिए बजट की व्यवस्था करें, जिससे वह अच्छी तरीके से संचालित हो सके। कम से कम लोकतंत्र के रक्षक लोग यह देखें कि किस तरीके से देश और प्रदेश में लोकतंत्र बचा है।

मान्यवर, हम इस सदन के माध्यम से आप से ये भी माँग करते हैं कि लोकतंत्र सेनानियों की संख्या बहुत कम बची है। अगर उनके पेंशन में रु0 5000/- बढ़ा दिया जायेगा, तो उनका बहुत भला हो जायेगा। बहुत से ऐसे लोग हैं, जो बहुत परेशान हैं।

मान्यवर, हम आपसे कहना चाहते हैं कि आपके मेडिकल का बजट बहुत कम है। आप भले ही कहीं और कटौती कर लीजिए, लेकिन उसको थोड़ा और बढ़ाइए। रात में 9-10-11 बजे हम लोगों के पास मदद के लिए क्षेत्र से लोग आते हैं। मा0 विधायक जी, फोन कर दीजिए भर्ती होना है। एस0जी0पी0जी0आई0, मेडिकल कालेज और राम मनोहर लोहिया में कोई भर्ती नहीं हो पाता है। जब डाक्टर से हम बात करते हैं, तो डाक्टर कहते हैं कि विधायक जी क्या करें, कोई मर जाए या ठीक हो जाए, जब बेड खाली होगा, तभी भर्ती कर पाएंगे ? उनकी ये बिल्कुल अमानवीय बातें होती हैं। हमारी ये सोच है, मैं आपको सलाह देना चाहता हूँ। हम चाहते हैं कि बेड की संख्या बढ़ जाए, नया अस्पताल बन जाए और कम से कम उन लोगों को चिकित्सीय सुविधाएं मिल जाएं, जो कि संविधान में हम लोगों का मौलिक अधिकार है।

मान्यवर, हम आपसे कहना चाहते हैं कि हमारे जिले में भी राजर्षि दशरथ ऑटोनॉमस स्टेट मेडिकल कालेज है। अयोध्या अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र बिन्दु है। वहाँ हर कोई जाता है। न वहाँ कोई हार्ट का डाक्टर है, न किडनी का डाक्टर है, न लीवर का डाक्टर है। मान्यवर, कहने का मतलब है कि कोई सुपर स्पेशियलिटी सुविधा नहीं है। 6 साल हो गए वहां मेडिकल कालेज खुले हुए, लेकिन वहां पर कोई सुपर स्पेशलिस्ट नहीं है और न ही न्यूरो सर्जन है, ऐसा नहीं है कि हम आपकी अलोचना कर रहे हैं, जो अच्छा काम है हम उसकी भी चर्चा करेंगे, हम पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री जी को भी बहुत-बहुत बधायी देना चाहेंगे। हमारे क्षेत्र में जितनी रोडें थीं गड्ढायुक्त थीं सभी गड्ढामुक्त कर दी हैं, इसके लिए हम आपको बधाई देना चाहते हैं। लेकिन आपसे हम अनुरोध करना चाहते हैं कि बहुत से इस्टीमेट हमारे यहां से बनकर आये हैं उनको भी स्वीकृत कर देंगे, तो अयोध्या जिले का विकास होगा, जिसमें आपका भी नाम होगा।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि बिजली की भी यही व्यवस्था है ट्रांसफार्मर जले रहते है, तार जर्जर पड़े हुए हैं, बहुत से स्थानों पर आजादी के बाद से बिजली

नहीं आयी है। जब भी चर्चा कीजिए तो कहा जाता है कि इसको रिवेम्प योजना में ले लिया गया है और यह तीन साल से चल रहे हैं, इसमें हम चाहते हैं कि इसमें समयबद्ध व्यवस्था हो जाए कि आखिर यह रिवेम्प योजना कब चालू होगी, तीन-तीन साल से टेंडर होकर परीक्षण चल रहा है और उसके बाद जब हमारी बात अधिकारियों से हुयी तो वह बोले कि परीक्षण कई चरण में होंगे, पहले चरण में तारों को देखा जाएगा, दूसरे चरण में ट्रांसफार्मर देखा जाएगा, अगर ऐसे ही चलता रहेगा तो कैसे किसान सिंचाई कर पायेगा, अभी देखना इतनी गरमी पड़ेगी, जिससे वाटर स्टेटस नीचे जाएगा, किसान सिंचाई नहीं कर पायेंगे, जनता त्राहि-त्राहि करेगी। हम आपसे कहना चाहते हैं कि बिजली की मद में चाहे थोड़ा बढ़ा लीजिए, लेकिन बिजली की व्यवस्था सुचारु रूप से हो जाए। हम आपसे कहना चाहते हैं कि जैसे नरेगा में आपका बजट कम है उस नरेगा में आप थोड़ा बजट बढ़ा लीजिए। बहुत सी कम्पनियां जो छोटी-छोटी फर्में हैं जिन्होंने निर्माण सामग्री सप्लाई की, उनको 2-2 साल से पेमेंट नहीं हुआ है।

श्री अध्यक्ष-

कम कहां से करें यह भी बता दीजिए।

श्री अभय सिंह-

मान्यवर, यह तो आपकी व्यवस्था है आप बढ़ा लीजिए कहीं से, अभी पिछले सत्र में चर्चा हुयी थी आई0जी0आर0एस0 की, हम यह चाहते हैं कि आई0जी0आर0एस0 में कोई अच्छा टेक्निकल अफसर बैठा दीजिए, इसमें मैंने खुद शिकायत की और जिसके खिलाफ शिकायत की उसी के पास फिर पोस्ट पहुंच गयी। फिर इसके लिए मैं माध्यमिक शिक्षा के जो ए0सी0एस0 साहब हैं उनसे मिला फिर उन्होंने उस कागज पर कमिश्नर और डी0एम0 को जांच के लिए आर्डर कर दिया। हर कोई अभय सिंह नहीं होता। कोई आदमी यह विश्वास करता है कि अगर हम मुख्य मंत्री के यहां शिकायत करेंगे तो हमारी शिकायत का निस्तारण होगा। तो हमारा आपसे अनुरोध है सरकार के द्वारा उसके विश्वास पर खरा उतरा जाए तथा मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि किसानों की आय दोगुनी हुयी नहीं, लेकिन उनका खर्चा दोगुना जरूर हो गया है, खाद महंगी, बिजली महंगी, बिजली तो 7-7 गुना महंगी होती जा रही है। कल मैं चर्चा कर रहा था तो कोई मुझसे कह रहा था कि सबसे ज्यादा महंगी बिजली हमारे उत्तर प्रदेश में है। मा0 अध्यक्ष जी, बस चार लाइन कह कर मैं खत्म करता हूँ। सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि सूरत बदलनी चाहिए, मेरे सीने में न सही तेरे सीने में हों कहीं से आग जलनी चाहिए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

मा0 सदस्यों के लिए दिनांक 26-02-2023 को मा0 अध्यक्ष की तरफ से मध्याह्न भोज हेतु सूचना

श्री अध्यक्ष-

बजट पर चर्चा जारी रहेगी।

सभी माननीय सदस्यों से आग्रह है कि कल (26-02-2023) दोपहर का लन्च आप सब मेरे साथ कीजिए।

अब हम उठते हैं दिनाँक 27-02-2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे पुनः मिलेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 06 बजकर 43 मिनट पर सोमवार, दिनांक 27 फरवरी, 2023 दिन के 11:00 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।

लखनऊ :
दिनांक 25 फरवरी, 2023 ई0

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव,
विधान सभा, उत्तर प्रदेश।

नत्थी 'क'

(मा0 राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में मा0 सदस्यों द्वारा दिये गये लिखित भाषण)

श्री आशु मलिक-

मान्यवर,

किन्तु खेद है कि महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने भाषण में मेरे विधान सभा क्षेत्र-04, सहारनपुर के विषय में निम्न का उल्लेख नहीं किया गया है। कृपया अभिभाषण में निम्न संशोधन जोड़ दिया जाय।

1-ब्लाक बलियाखेड़ी के ग्राम खजुरी अकबरपुर से उग्राहू के बीच हिंडन नदी पर सेतु निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

2-ब्लाक पुवांरका के ग्राम सलेमपुर में पीकी के बीच ढमोला नदी पर सेतु निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

3-ब्लाक पुवांरका के ग्राम ढमोला से जनता रोड के बीच ढमोला नदी पर सेतु निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

4-सहारनपुर शेखुल हिन्द मेडिकल कालेज, स्वास्थ्य सुविधायें बहुत ही बदहाल हैं जिन्हें ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में।

5-ब्लाह पुवांरका ग्राम चल्हेडा से नौगजा पीर रोड पर नागादेव नदी पर सेतु निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

6-सहारनपुर नागल मार्ग पर टपरी रेलवे लाइन पर सेतु निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

7-ब्लाह पुवांरका के ग्राम खतौली से ग्राम हरोडज्ञ सम्पर्क मार्ग पर सेतु निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

8-ब्लाक पुवांरका के चांदपुर से मन्दिर वाली पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

9-ब्लाक पुवांरका के ग्राम घान्ना से बौंदकी सम्पर्क पर पुलिया निर्माण के सम्बन्ध में।

10-ग्राम पंचायत कुसानी में नागादेव नदी पर रपटा निर्माण के सम्बन्ध में।

11-विधान सभा क्षेत्र-04, सहारनपुर के आस-पास की जिन 32 ग्राम पंचायतों को नगर निगम में शामिल कर लिया गया है, उनमें बिजली, पानी, सड़क एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी आदि सुविधायें दिये जाने के सम्बन्ध में।

12-नगर निगम क्षेत्र से जुड़े 32 ग्राम पंचायतों एवं मानकमऊ, हकीमपुरा एवं हलालपुर बिजली घर की विद्युत सप्लाई देहात से हटाकर शहरी क्षेत्र से जोड़ी जाये, जिससे उक्त क्षेत्रवासियों को नगर निगम की विद्युत सुविधा का लाभ दिये जाने के सम्बन्ध में।

13-नगर निगम क्षेत्र में सम्मिलित 32 ग्राम पंचायतों एवं मानकमऊ, हबीबगढ़ व आस-पास की कालोनी में सड़कों की जर्जर हालत में सुधार करते हुए उक्त सड़कों को अतिशीघ्र बनवाये जाने के सम्बन्ध में।

14-नगर निगम क्षेत्र में सम्मिलित 32 ग्राम पंचायतों एवं नगर निगम की कुछ प्रमुख कालोनियों के साथ मानकमऊ, हकीमपुरा, हलालपुरा बिजली घर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रों में जर्जर विद्युत तारों को अतिशीघ्र बदलवाये जाने के सम्बन्ध में।

15-विधान सभा क्षेत्र-04, सहारनपुर देहात में एक मात्र चीनी मिल दया शुगर प्रा0लि0 जिस पर अभी भी किसानों का पिछले पेराई सत्र का माह फरवरी, मार्च, अप्रैल का गन्ना भुगतान बकाया है, जिसे अविलम्ब कराये जाने के सम्बन्ध में।

16-विधान सभा क्षेत्र-04, सहारनपुर देहात में कोई नगर पालिका और नगर पंचायत नहीं है जिससे खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा नहीं मिल पा रहा है, विधान सभा क्षेत्र के बलियाखेड़ी ब्लाक व पुवांरका ब्लाक में एक-एक स्टेडियम की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में।

17-विधान सभा क्षेत्र-04, सहारनपुर देहात में ब्लाक बलियाखेड़ी के ग्राम पंचायत नन्हेडा गाजी एवं ब्लाक पुवारका में एक-एक बालिका इण्टर कालेजज की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में।

18-विधान सभा क्षेत्र सहारनपुर देहात में बालिका इण्टर कालेज गागलहेडी व बालिका इण्टर कालेज देवला की जर्जर इमारत की दोबारा स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में।

19-ब्लाक पुवांरका के ग्राम पंचायत के मुगल माजरा में निर्माणाधीन राजकीय इण्टर कालेज का कार्य पूरा कराते हुए वहां स्टाफ की उपलब्धता एवं शैक्षिक सत्र शुरू किये जाने के सम्बन्ध में।

20-नगर निगम क्षेत्र में सम्मिलित 32 ग्राम पंचायतों को नगर निगम द्वारा बिजली, पानी, सड़कें व स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवायें उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में।

21-ग्राम पंचायत गन्देवडा में मेन रोड से कब्रिस्तान के कोने की ओर सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

22-जयरामपुर उर्फ नानका मेन रोड से इकराम के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

23-ग्राम कलाहटी में रपटा (पुलिया निर्माण) कराये जाने के सम्बन्ध में।

24-ग्राम कोलकी में इमरान के मकान से रमेश के मकान तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

25-सैय्यद माजरा में साजिद के मकान से इलिया के मकान तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

26-माण्डे वॉस के मेन रोड से कब्रिस्तान तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

27-छाछरेकी में अखलाक के मकान से मेहरवान के घर से होते हुए ओमदत्त प्रधान के घर से जयगोपाल तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

28-ग्राम सड़क दूधली में इकबाल से अब्दुल वाहिद के मकान की ओर सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

29-ग्राम मुगल माजरा में अशरफ से पूर्व सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

30-चन्द्रोली में विक्रम से मोनू के मकान तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

31-चन्द्रोली में अहसान के मकान से गजन के पुल तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

32-कुतुबपुर कुसानी में इमरान से नागादेव नदी तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

33-कुतुबपुर कुसानी के नागादेव नदी पर रपटा (पुलिया) निर्माण के सम्बन्ध में।

34-ग्राम बेहड़ा सदब सिंह में शहजाद के मकान से ज्ञानेश्वर तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

35-ग्राम खुर्द में इन्तजार से पूर्व नाले की ओर सी0सी0 नाला निर्माण के सम्बन्ध में।

36-मोहल्ला गणेश विहार में महफूज के मकान से सदाकत के मकान तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

37-ककराला के अशरफ के मकान से नई मस्जिद होते हुए आरिफ से ट्रांसफार्मर तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

38-ग्राम भावुपुर में पाल समाज की चौपाल से विनीत की ओर सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

39-हलालपुर में राणा मार्बल से बड़ी मस्जिद तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

40-ग्राम पीकी में छोटा के मकान से चुम्बल तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

41-ग्राम चुनैटी शेख में मस्जिद से प्रमोद तक सी0सी0 मार्ग निर्माण के सम्बन्ध में।

42-ग्राम शाहपुर में शोयब से रामपाल तक सी0सी0 मार्ग निर्माण के सम्बन्ध में।

43-गागलहेड़ी में नसीर अहमद से कुरबान तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

44-गागलहेड़ी में मुनीर से शमीम तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

45-ग्राम रेहड़ी में सादिक के घर से प्राइमरी स्कूल तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

46-ग्राम माहेश्वरी खुर्द में जुलफान के मकान से शहजाद के मकान तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

47-सलेमपुर भूखड़ी में शमीम के मकान से अमरजीत के मकान तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में।

48-ग्राम चन्द्रोली मुगलमाजरा-गागलहेड़ी, विकास खण्ड पुवांरका में दो मिनी स्टेडियम निर्माण के सम्बन्ध में।

49-गर्ल्स इण्टर कालेज ग्राम नन्हेडा गाजी ग्राम बलिया खेड़ी गांव में निर्माण के सम्बन्ध में।

श्री छोटेलाल वर्मा-

मान्यवर महामहिम मा0 राज्यपाल के भाषण पर मा0 अध्यक्ष महोदय आपने मुझे बोलने का समय दिया है, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

1-हमारी सरकार जन-आकांक्षाओं की पूर्ति ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' के लक्ष्यों को सामने रखते हुए सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण एवं सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है, सुशासन, सुरक्षा एवं विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपराध एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेन्स की नीति के साथ शान्ति एवं सद्भाव का वातावरण सुनिश्चित किया जा रहा है। समाज के सभी वर्गों के हित तथा राज्य के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाएं एवं कल्याणकारी कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं।

2-हमारी सरकार तहसील स्तर पर 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' तथा थाना स्तर पर आयोजित किये जा रहे थाना दिवस' में शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है।

3-जी-20 की अध्यक्षता किया जाना सौभाग्यपूर्ण व अभूतपूर्व अवसर है। इसके अन्तर्गत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में होने वाली 04 जनपदों लखनऊ, आगरा, वाराणसी एवं गौतमबुद्धनगर में किया जायेगा ।

4-माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को 05 ट्रिलियन डालर बनाये जाने का संकल्प लिया गया है ।

5-प्रदेश के समग्र विकास हेतु यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में भागीदारी के लिए विभिन्न देशों से सम्पर्क किया गया। नीदरलैण्ड, डेनमार्क, सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, आस्ट्रेलिया, इटली, संयुक्त अरब अमीरात, यूनाइटेड किंगडम और मारीशस द्वारा इस आयोजन में पार्टनर कण्ट्री के रूप में सहभागिता की गयी। दुनिया के 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने इसमें शामिल होकर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को 'निवेश के महाकुम्भ' का स्वरूप प्रदान किया। तैंतीस लाख पचास हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश-आशय प्राप्त हुए हैं।

6-मा0 प्रधानमंत्री जनधन योजना के अन्तर्गत प्रदेश 8.51 करोड़ खातों के साथ देश में प्रथम स्थान पर है । मा0 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अन्तर्गत 4.29 करोड़ नामांकन के साथ उ0प्र0 प्रथम स्थान पर है।

7-उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक राज्य है, जिसका देश के सकल दुग्ध उत्पादन में योगदान लगभग 16 प्रतिशत है। मा0 प्रधानमंत्री/मुख्य मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 39.66 लाख आवास पूर्ण भी हो चुके हैं।

8-हमारी सरकार दिनांक 02 फरवरी, 2020 से प्रत्येक सप्ताह प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुख्य मंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले आयोजित कर रही है। जिसमें 11.69 करोड़ रोगी लाभान्वित हुए है ।

9-हमारी सरकार में लखनऊ से गाजीपुर तक 340.82 किमी0 लम्बे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र के समग्र विकास हेतु जनपद-चित्रकूट से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे तक 296.07 किमी0 लम्बे बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जनपद-मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी0 लम्बे गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य गतिमान है ।

10-हमारी सरकार वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर 100 से अधिक आबादी के समस्त राजस्व ग्राम में पक्के सम्पर्क मार्ग से जोड़ने की ओर अग्रसर है। वहीं अब 09 एयरपोर्ट पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं। 10 एयरपोर्ट का कार्य चल रहा है तथा अगले कुछ वर्षों में 21 एयरपोर्ट के साथ प्रदेश देश में सर्वाधिक एयरपोर्ट वाला राज्य हो जाएगा। उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक 5 अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य बन जाएगा।

11-हमारी सरकार द्वारा प्रदेश में बिजली आपूर्ति में अभूतपूर्व सुधार के साथ वर्तमान में जिला मुख्यालयों पर 24 घण्टे, तहसील मुख्यालयों पर 20-22 घण्टे व गाँवों में 18-20 घण्टे बिजली आपूर्ति की जा रही है। वर्ष 2017 से अब तक 1,21,324 मजरों का विद्युतीकरण करते हुए प्रदेश के शत-प्रतिशत मजरों का विद्युतीकरण कर दिया गया है।

12-हमारी सरकार पिछले पाँच वर्ष में 1.64 लाख शिक्षकों का चयन कर शिक्षकविहीन विद्यालयों में तैनाती की गई है । समस्त छात्र-छात्राओं को निःशुल्क यूनीफार्म, स्वेटर, जूता-मोजा, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी उपलब्ध कराने हेतु रु0 1,200 प्रति छात्र की दर से धनराशि उनके अभिभावकों के खातों में डी0बी0टी0 के माध्यम से अन्तरित की जा रही है। नकलविहीन परीक्षा एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के कार्यों में सुधार के लिए वर्ष 2023-2024 की बोर्ड परीक्षा में किए जाने की कार्यवाही की जा रही है। 'डिजिटल लिटरेसी' को बढ़ावा देने के लिए एक करोड़ से अधिक विद्यार्थियों की ई-मेल आई0डी0 सृजित की गई हैं।

13-हमारी सरकार स्नातक स्तर के निर्माणाधीन 04 इंजीनियरिंग कालजों मिर्जापुर, प्रतापगढ़, गोण्डा तथा में आगामी शैक्षिक सत्र से पठन-पाठन कार्य प्रारम्भ किए जाने हेतु कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं सामान्य वर्ग के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उत्थान के लिए भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा पूर्वदशम् एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग के अध्ययनरत कक्षा 9-10 के छात्र-छात्राओं तथा दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान की जा रही है।

14-हमारी सरकार ने निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत धनराशि रु0 500 से बढ़ाकर रु0 1,000 प्रतिमाह कर दी है।

15-प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) दिसम्बर, 2018 से संचालित है। वर्ष 2022 से 2023 में अब तक कुल 12 किश्तों में रु0 51,639.68 करोड़ की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से कृषकों के बैंक खातों में सीधे हस्तान्तरित की गयी है ।

16-सहकारी कृषि-निवेश योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सहकारी समितियों एवं अन्य सहकारी संस्थाओं के 8,496 बिक्री केन्द्रों के माध्यम से किसानों को सदस्य बनाकर उच्च कोटि के उर्वरक व प्रमाणित बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

17-हमारी सरकार में मत्स्यपालन से जुड़े मछुआरा समुदाय के व्यक्तियों के सामाजिक व आर्थिक उत्थान हेतु निषादराज बोट सब्सिडी योजना संचालित की जानी प्रस्तावित है।

18-मा0 हमारी डबल इंजन की सरकार ने जनहित में आयुष्मान कार्ड गरीबों को फ्री इलाज हेतु 5 लाख रुपये देने का कार्य किया है। मा0 हमारी सरकार ने जनकल्याण हेतु गरीबों को फायदा पहुंचाने हेतु एक माह में दो बार फ्री राशन दिया जा रहा है। यह पहली सरकार है अब तक किसी भी सरकार में गरीब जनता को फ्री राशन नहीं दिया गया। मा0 हमारी सरकार में गरीब जनता को फ्री आवास, शौचालय व ग्राम पंचायत में सचिवालय बनाने का कार्य प्राथमिकता पर रखा गया है। प्रा0वि0 व उच्च पूर्व माध्यमिक विद्यालय व परिषदों का रख-रखव का कार्य पिछली सरकार से प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। जिसमें छात्र-छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करने में स्वस्थ-साफ रहा जा रहा है।

19-मा0 मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र फतेहाबाद में पालीटेक्निक कालेज का भवन बन कर तैयार है कृपया शिक्षकों को तत्काल नियुक्त किये जाने की कृपा करें।

20-मा0 हमारी विधान सभा क्षेत्र फतेहाबाद में 116 एकड़ जमीन ग्राम पंचायत विचौला में चारागार की लगभग 56 वर्षों से बंजर पड़ी है, जिसमें सरकार की योजना नहीं बनी है। मैं मान्यवर से जनहित में मांग करता हूँ कि सरकारी या प्राइवेट विश्वविद्यालय व गौशाला का निर्माण कराने का कष्ट करें।

21-मा0 मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र-93 फतेहाबाद में लगभग 80 प्रतिशत आलू की खेती की जाती है, जो इस वर्ष आलू काफी सस्ता है, जिसके कारण किसानों की लागत भी नहीं निकल पा रही है। मान्यवर आपके माध्यम से अनुरोध करता हूँ कि सरकार आलू को विदेशों में व्यापार हेतु भिजवायें, जिससे किसानों की लागत का मूल्य मिल सके।

श्री पंकज-

मा0 अध्यक्ष जी आपको बहुत-बहुत धन्यवाद की आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया जी द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मा0 अध्यक्ष जी राज्यपाल जी का अभिभाषण सरकार की नीतियों व कार्यक्रमों का दर्पण होता है निश्चित तौर पर महामहिम राज्यपाल महोदया ने इस सदन में जब अपना अभिभाषण किया तो उन्होंने उ0प्र0 की 22 करोड़ से अधिक जनता के सामने सरकार की नीतियों व कार्यक्रमों को रखने का काम किया मा0 अध्यक्ष जी हमारी सरकार अपनी नीतियों व कार्यक्रमों

के माध्यम से प्रदेश को एक नये युग की ओर लेकर चली है एक ऐसा युग जहां एक ओर कानून व व्यवस्था सुदृढ़ीकरण हुई वहीं दूसरे ओर प्रदेश अपने तीव्र आर्थिक विकास के माध्यम से प्रगति के नये आयामों को छू रहा है। इस बजट में महिलाओं, किसानों, शोषितों, वंचितों, व्यापारियों, नौजावनों सभी के हितों का पूरा संरक्षण किया गया है। जहां एक ओर किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से सरकार ग्रामीण भारत के उत्थान के लिए प्रयासरत है। वही दूसरी ओर इन्वेस्टर समिट जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों के जरिये सरकार प्रदेश में निवेश व व्यापार का उत्तम वातावरण तैयार कर रही है। चाहे तीन नये राज्य विश्वविद्यालयों की स्थापना हो या स्टार्ट अप को बढ़ावा देना हो अपनी इन सारी गतिविधियों से सरकार युवाओं के हितों के संरक्षण की अपनी मंशा को जमीनी स्तर तक ले जा रही है। मुझे इस बात को कहते हुए अपार हर्ष है कि आज बेरोजगारी दर घटकर लगभग 4.2 प्रतिशत रह गयी है जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। हमारी सरकार का उद्देश्य यही है कि आखिरी छोर पर खड़े व्यक्तियों को सरकार का नीतियों का लाभ मिल सके और यह लाभ 100 प्रतिशत हमारे आखिरी व्यक्ति तक बिना किसी भ्रष्टाचार के पहुंचे। किसानों के लिए विभिन्न योजनाओं का निर्माण हो या उन्हे जमीनी स्तर तक किसानों तक पहुँचाना है हमारी सरकार हर मानक पर खरी उतरती है। डी0बी0टी0 के माध्यम से सीधे लाभ किसानों तक पहुँचाना या नयी-नयी योजनाओं से किसानों को परिचित कराना हो सरकार ने हर कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पन्न किया है। समाज के विभिन्न वर्गों का ध्यान रखकर हमारी सरकार पं0 दीन दयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के सपने को साकार कर रही है ।

अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश को द्रुत गति से विकास के पथ पर ले जाने वाले तथा सभी तबके के लोगों की जरूरतों को समाहित करने वाले समदर्शी बजट के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी तथा माननीय वित्त मंत्री जी का आभार ज्ञापित करता हूँ। देश के प्रधानमंत्री के सक्षम नेतृत्व में तथा प्रदेश के दूरदर्शी ऊर्जावान मुख्य मंत्री के अगुवाई में उत्तर प्रदेश उन्नति व खुशहाली की दिशा में अग्रसर है। प्रदेश को आगे ले जाने की दिशा में माननीय मुख्य मंत्री जी का अभिनव प्रयास सराहनीय है। प्रदेश का नेतृत्व जब माननीय मुख्य मंत्री जी ने संभाला तब परिस्थितियां विषम थीं। एक तरफ ध्वस्त कानून व्यवस्था तो दूसरी ओर जर्जर आर्थिक ढांचा था। भ्रष्टाचार कदाचार तथा भय का वातावरण सामने मुंह बाये खड़े खड़े थे । परन्तु मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ माननीय मुख्य मंत्री जी का जिन्होंने अपूर्व पराक्रम व पुरषार्थ का प्रदर्शन करते हुए प्रदेश को आज उस मुकाम पर पहुंचाया जहां भय भूख व भ्रष्टाचार का नामोनिशान नही है । आज देश के तमाम प्रदेश हमारे प्रदेश के मण्डल का अनुकरण कर रहे हैं। एक बार मैं पुनः माननीय मुख्य मंत्री जी श्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार ज्ञापित करता हूँ। माननीया महामाहिम ने अपने अभिभाषण में सरकार के जिन विकास कार्यों का उल्लेख किया उसके कुछ अंश मैं पटल पर रखना चाहता हूँ जिनसे प्रदेश के विकास को गति मिली है।

1-2018 में eco system इण्डिया में एस एम फोरम द्वारा ईज आफ डूइंग बिजनेस में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

2-नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदेश की झांकी को 2023 में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

3-वर्ष 2019-20 में ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जिओ मनरेगा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

4-प्रदेश में 2022 में (जनवरी से अक्टूबर तक) 24.87 करोड़ से अधिक पर्यटक आये जिनमे 4.10 लाख विदेशी पर्यटक भी सम्मिलित थे। ये आंकड़ा बताता है कि प्रदेश में शांति और सुरक्षा कायम है

5-2020-21 में जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मनरेगा नदियों के पुनरुद्धार हेतु जल संचयन व संरक्षण में प्रदेश के कई जिलों को प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है

6-सड़क, परिवहन, सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार, तकनीकी आत्मनिर्भरता तथा पर्यटन व स्वास्थ्य के क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य करते हुए नित नूतन आयाम स्थापित किये हैं।

समय कम है और विकास का लेखा विस्तृत है अतः संक्षिप्त में ही समाप्त करता हूँ।

पूर्व में इसका विवरण दिया जा चुका है लिहाजा इशारा काफी है।

मा0 अध्यक्ष जी दो अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ।

1-मा0 अध्यक्ष जी मेरी विधान सभा क्षेत्र में बाबा तामेश्वर नाथ एक प्रचीन एवं ऐतिहासिक शिव मन्दिर है जो लाखों-लाख श्रद्धालुओं की श्रद्धा का केन्द्र है एवं व्यापार वाणिज्य का भी केन्द्र है तथा जहां की जनसंख्या मानक अनुसार है । मेरा निवेदन है कि इस स्थान को नगर पंचायत की श्रेणी में लाया जाए।

2-हमारी विधान सभा क्षेत्र में सेमरियावाँ विकास खण्ड है जहां 113 ग्राम पंचायते हैं तथा जहां की कुल जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 242053 है। इस ब्लाक का संचालन प्रशासनिक दृष्टिकोण से एवं जनता की सुविधा को देखते हुए कठिन है। अतः इस ब्लाक का विभाजन करके काँटे नामक नए विकास खण्ड का सृजन किया जाए।

अध्यक्ष महोदय, कुछ बातों पर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। लोकतंत्र के इस मंदिर में मैं प्रथम बार अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहा हूँ । इस सदन में बैठे हमारे कई साथी बहुत दिनों से सदन में आते रहे हैं जिन्हें सदन की मर्यादा तथा परंपरा का ज्ञान मुझसे कहीं ज्यादा है। परन्तु महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान हमारे विपक्ष के साथियों द्वारा किया गया कार्य-व्यवहार सदन की मर्यादा को तार तार करने वाला था। मैं इसकी कड़े शब्दों में निंदा करता हूँ। विरोध करने के कई लोकतांत्रिक व नैतिक तरीके हैं पर विरोध का यह तरीका सदन सम्मत नही।

अध्यक्ष महोदय, पिछले कुछ दिनों से विपक्ष के द्वारा लगातार भगवान श्रीराम के चरित्र तथा रामचरित मानस के प्रति की गई टिप्पणी से समाज मे विघटन का माहौल पैदा करने की कोशिश की जा रही है। राम के जिस लोकमान्य आदर्शों के दम पर हम विश्वगुरु बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं उसी आदर्शों पर कुठाराघात करके आखिर विपक्ष क्या साबित करना चाहता है। मै इसकी भी निंदा करता हूँ। समाज के संतुलन तथा समरसता को बिगाड़ने का कार्य देशद्रोह से कम नही अध्यक्ष महोदय, इस पर संज्ञान लेने की आवश्कता है। समय कम होने के कारण अपनी बात समाप्त करने के पूर्व मैं अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय वित्त मंत्री जी, सदन के हमारे साथियों को धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे गंभीरता से सुना । जय हिंद, जय श्रीराम।

श्री सन्दीप सिंह-

महोदय, आपको अवगत कराना है कि जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र मेजा के निम्नलिखित ग्राम सभाओं में सड़कों/माइनरों का मरम्तीकरण एवं नवीनीकरण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

1-ग्राम डोहरिया चौराहे से शुक्लपुर माइनर पर नेवाजी का पूरा तक नहर की पटरी पर काली रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

2-ग्राम सभा उपड़ौरा में गौतम कोटेदार के सामने से राम गरीब के घर तक 400 मीटर काली रोड नहर पटरी पर काली रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

3-ग्राम सभा उपड़ौरा में जियालाल के घर से शिव अचल मास्टर के घर तक सड़क का निर्माण कार्य।

4-ग्राम गुड़गवाँ में पक्की सड़क से जय हिंद के घर तक सड़क का निर्माण कार्य।

5-ग्राम सहायपूरा राम नगर में नहर की पटरी से गरीब दास के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

6-ग्राम सभा बजहा तारा से राधे कृष्ण के घर तक 500 मीटर पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

7-ग्राम राम नगर से परानीपुर मार्ग से देवहरा मुख्य बस्ती तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

8-ग्राम राम नगर से परानीपुर मार्ग से छतवा बिडौरा सम्पर्क मार्ग से टेसहिया पूरा बस्ती तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

9-ग्राम सोनबरसा मुख्य बस्ती में निबैया एवं सहाय पूरा तक 1500 मीटर पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

10-ग्राम सोनबरसा नहर की पटरी से मुख्य बस्ती तक इंटरलाकिंग तक 1000 मीटर सड़क का निर्माण कार्य।

11-ग्राम अमिलहवां अमरेश के घर से ताड़क केशरी के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

12-राम नगर ओनौर माइनर से चप्पेपुर मुख्य बस्ती तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य।

13-रामनगर शक्ति पुर से झेंकुरपुरा मुख्य बस्ती होते हुऐ समोगरा तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य।

14-ग्राम नीबी भटान मुख्य मार्ग से ओनौर उपरहार पटेल बस्ती तक सम्पर्क मार्ग 1500 मीटर पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

15-ग्राम जेवनिया पक्की सड़क से शुक्लपुर डाड़ी बस्ती तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

16-ग्राम अमिलिया नहर से घूघा बारी तक 600 मीटर पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

17-ग्राम सिकरा नहर की पुलिया से शिवपूरा चमरौटी तक 1 किलोमीटर पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

18-ग्राम श्रीपुरा से सम्पर्क मार्ग पटेल बस्ती तक 600 मीटर पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

19-ग्राम गोसौरा सम्पर्क मार्ग से टुड़िहार बस्ती तक 1 किलोमीटर पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

20-ग्राम शिवशंराय का पूरा, राम नगर से केवटाहिया राम नगर 600 मीटर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

21-ग्राम सभा दिधिया से ढिलिया होते हुए मिश्रीरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण सात मीटर करते हुए नवीनीकरण करने के सम्बन्ध में।

22-ग्राम भुसका पदरहवा नहर से उत्तर संतलाल यादव के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

23-ग्राम गुड़गवां में पक्की सड़क से सुनील के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

24-ग्राम कोईलारी में पक्की सड़क से उमा शंकर के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

25-ग्राम कोईलारी में पक्की सड़क से तारा चन्द्र के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

26-ग्राम परागपुर में राम गढ़वा से हरिजन बस्ती तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

27-ग्राम परागपुर में राम गढ़वा से बम्बा देवी के चौरा तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

28-ग्राम परागपुर में राम गढ़वा से सुन्दर बिन्द के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

29-ग्राम पंचायत खुरमा में इण्टरलॉकिंग से राजाराम के घर तक सड़क का निर्माण कार्य।

30-ग्राम पंचायत खुरमा में इण्टरलॉकिंग से राजाराम के घर तक सड़क का निर्माण कार्य।

31-ग्राम खुरमा में हनुमान मन्दिर से तालाब से लोहारान बस्ती से नाला तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

32-ग्राम खुरमा में प्रधानमंत्री सड़क से गुलाब पासी के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

33-ग्राम कुकुर कटवा नहर से धर्मपुर मुस्लिम बस्ती में कल्लू के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

34-ग्राम मानपुर नेदुआं में पक्की सड़क से जितेन्द्र के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य।

35-ग्राम आहोपुर में गिरीश चन्द्र शुक्ल के घर के पास से रमा शंकर पाण्डेय के घर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य 500 मीटर।

36-ग्राम सभा उरनाह से भूईपारा तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

अतएव आपसे अनुरोध है कि उक्त ग्राम सभाओं में सड़कों का मरम्मतीकरण करवाने का कष्ट करें ।

महोदय, आपको अवगत कराना है कि जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र मेजा के निम्नलिखित ग्राम सभाओं में विद्युतीकरण/विद्युत कार्य कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। जिसका विवरण निम्नवत है :-

1-ग्राम छतवा में बजहा यादव बस्ती में।

2-ग्राम परानीपुर जमुना प्रसाद बस्ती में।

3-ग्राम दुलन का पुरा नहर पर 63 केवी0 से 100 के0वी0 ट्रांसफार्मर।

4-ग्राम उपड़ौरा के कमरा बस्ती में अवशेष विद्युतीकरण।

5-बजहाँ मुख्य सड़क के दक्षिण शहजाद बाबा की बस्ती में विद्युतीकरण।

6-टेसहिया का पूरा के उत्तर नई बस्ती में विद्युतीकरण 10 के0वी0 पोल तार।

7-टेसहिया का पूरा के सड़क पर 10 केवी0 से 25 के0वी0।

8-ग्राम समहन के प्रदीप पटेल के यहाँ 25 के0वी0 ट्रांसफार्मर पोल तार सहित।

9-ग्राम दिघिया चौराहे पर 63 के0वी0 ट्रासंफार्मर।

10-ग्राम चुप्पेपुर आर पी0 सिंह घर के पास 4 पोल ट्रांसफार्मर।

11-ग्राम टिकुरी समहन प्रजापति बस्ती में विद्युतीकरण

12-ग्राम अहिरन का पुरा दरी में प्रजापति बस्ती में अवशेष विद्युतीकरण।

13-ग्राम ट्राई सरैया में चिन्तामणि पटेल के यहां विद्युतीकरण।

14-ग्राम कुखुडी पसियान बस्ती में अवशेष विद्युतीकरण।

15-ग्राम मोनाई में अवशेष विद्युतीकरण।

16-ग्राम नरवर चौकठा में अवशेष विद्युतीकरण।

17-ग्राम अमिलिया पसियान बस्ती में विद्युतीकरण।

18-उंचडीह बस स्टाप विद्युतीकरण।

19-ग्राम खुरमा में हनुमान मंदिर में 25 के0वी0 ट्रांसफार्मर व पोल तार।

20-ग्राम गुडगवां में इन्द्रमणी की बस्ती में 25 के0वी0 ट्रांसफार्मर व पोल तार।

21-ग्राम मानपुर नेदुआ में बलराम के घर 25 के0वी0 ट्रांसफार्मर व पोल तार।

अतएव आपसे अनुरोध है कि उक्त ग्राम सभाओं में विद्युतीकरण करवाने का कष्ट करें।

महोदय,

आपको अवगत कराना है कि जनपद प्रयागराज के विधान सभा मेजा के निम्नलिखित ग्राम सभाओं में नलकूप (ट्यूबवेल) लगाया जाना जनहित में अति आवश्यक है । जिसका विवरण निम्न है :-

1-उपरौडा लोहारी, मेजा, प्रयागराज।

2-विशम्भर नाथ यादव, राम नगर मेजा।

3-अमर सिंह यादव, भुसका, मेजा।

4-बलुहा, समहन, मेजा ।

5-चिलबिला, शुक्लपुर, मेजा ।

6-सतीश यादव, शिवबाबू राय का पूरा, रामनगर।

7-कृष्ण बहादुर यादव, कुखुड़ी, माण्डा।

8-बेदौली, माण्डा प्रयागराज।

9-मोनाई, उरुवा, प्रयागराज।

अतएव आपसे अनुरोध है कि उक्त ग्रामस भाओं में नलकूल लगवाने का कष्ट करें।

महोदय,

आपको अवगत कराना है कि जनपद प्रयागराज के विधान सभा मेजा के निम्नलिखित ग्राम सभाओं में नहर की पुलियों/सड़क का मरम्तीकरण एवं नवीनीकरण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। जिसका विवरण निम्नवत हैः-

1-ग्राम तरवाई बिगहनी मार्ग के सामने तरवाई नहर पर पुलिया।

2-ग्राम ओनौर माईनर पर अनिल मार्केट के सामने।

3-ग्राम लोहारी में शीला देवी के सामने नहर पर पुलिया।

4-ग्राम ओनौर माईनर नहर पर कंचन भारतीया के घर पर पुलिया।

5-ग्राम मानपुर में गिरजापटेल के घर के पास नहर पर पुलिया।

6-ग्राम सभा दिघिया में राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल के घर के मार्ग पर पुलिया के पूरब की ओर नहर के बंधे पर बनी सड़क का चौड़ीकरण 5.5 मीटर करने के सम्बन्ध में।

अतएव आपसे अनुरोध है कि उक्त ग्राम सभाओं में पुलियों एवं सड़क का मरम्मतीकरण करवाने का कष्ट करें।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (श्रीमती रजनी तिवारी)-

मा0 अध्यक्ष जी आपने हमें महामहिम राज्यपाल जी के द्वारा रखे गये अभिभाषण पर मा0 सदस्य नीलकण्ठ तिवारी जी के प्रस्ताव के समर्थन पर बोलने अवसर दिया मैं आपका आभार व्यक्त करती हूँ।

मान्यवर हमारी सरकार जनआकांक्षाओं की पूर्ति ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' के लक्ष्य को सामने रखते हुए सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण एवं सर्वांगीण विकास के लिये कृतसंकल्पित है।

माननीय प्रधानमन्त्री जी के मार्गदर्शन में मुख्य मन्त्री श्री योगी आदित्य नाथ जी के कुशल नेतृत्व में नये भारत का ग्रोथ इंजन उत्तर प्रदेश, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारा प्रदेश राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 08 प्रतिशत से अधिक का योगदान करता है। माननीय प्रधानमन्त्री जी के द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डालर बनाये जाने का संकल्प लिया गया है इसके सापेक्ष माननीय मुख्य मन्त्री जी ने वर्ष 2022 से 2027 की अवधि में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर बनाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है इसके लिये हमारी सरकार नियोजित प्रयास कर रही है।

वर्ष 2017 में हमारी सरकार के गठन के समय राज्य की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में थी परन्तु आज हमारे प्रदेश का वार्षिक बजट तब से दो गुना से अधिक है। विगत 6 वर्षों में उत्तर प्रदेश सरकार वायु, जल, सड़क और रेल नेटवर्क के माध्यम से बेहतर कनेक्टीविटी के लिये तीव्रगति से बुनियादी ढांचे का विकास कर रही है, जिससे उद्योगों को वैश्विक व घरेलू बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। आज पूर्वी यू0पी0 के लिये पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे है, बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे बुन्देलखण्ड क्षेत्र को प्रगति दे रहा है, पूर्वी व पश्चिमी क्षेत्रों को जोड़ने के लिये गंगा एक्सप्रेस-वे बन रहा है। आज विश्वस्तरीय सड़क सम्पर्क के साथ ग्रामीण सम्पर्क मार्गों का निर्माण करके हमारी सरकार विकास को गति प्रदान का रही है। वर्ष 2017 से अंत तक प्रतिवर्ष 3773 किमी0 ग्रामीण मार्गों का निर्माण किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में 9 एयरपोर्ट पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं कुछ वर्षों में हमारा प्रदेश 5 अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य बन जायेगा।

मान्यवर, हमारी सरकार के द्वारा विगत 10 से 12 फरवरी तक यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया। माननीय मुख्य मन्त्री जी के कुशल नेतृत्व, सकारात्मक सोच व कठोर मेहनत से दुनिया के 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने इस आयोजन में शामिल होकर इसे निवेश के महाकुम्भ का स्वरूप प्रदान किया फलस्वरूप 35 लाख पचास हजार करोड़ रुपये के निवेश-आसय प्राप्त हुये।

माननीय प्रधानमन्त्री के नेतृत्व में भारत को जो पहचान मिली उसके कारण वैश्विक मंच पर उत्तर प्रदेश लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना। प्राचीन नगरी काशी, रामलला की भूमि अयोध्या, गंगा, जमुना का क्षेत्र एवं विकास के नये आयाम गढ़ता हमारा प्रदेश निवेशकों व उद्यमियों की पहली पसन्द बन गया है। उत्तर प्रदेश दुनिया का सबसे बड़ा श्रम बाजार बना है। प्रदेश की जीडीपी के लगभग डेढ़ गुना निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने के पश्चात प्रदेश के विकास की गति को समृद्धि के साथ उड़ान मिलेगी। लाखों की संख्या में रोजगारों का सृजन होगा व युवा प्रतिभाओं का पलायन रुकेगा।

अमृत काल के प्रथम वर्ष में भारत के द्वारा 01 दिसम्बर, 2022 से 30 नवम्बर, 2023 तक 01 वर्ष के लिये जी-20 की अध्यक्षता किया जाना सौभाग्यपूर्ण व अभूतपूर्व अवसर है।

प्रदेश के विकास और भविष्य के उत्तर प्रदेश की नीव जी-20 और ग्लोवल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से ही पड़ेगी। वर्ष 2023 इन दोनों महाआयोजनों के साथ उत्तर प्रदेश के लिये समृद्धि के द्वार खोलेगा। माननीय मुख्य मन्त्री जी के नेतृत्व में प्रदेश की जो विकास यात्रा शुरू हुई हैं उसमें 2023 में कई और नई व महत्वपूर्ण कड़ियाँ जुड़ेंगी।

इन्फ्रास्ट्रक्चर, डेवलपमेन्ट, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस वर्ष बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे माननीय मुख्य मन्त्री जी का विश्वास है कि प्रदेश में भारी निवेश के साथ अलग-अलग सेक्टर में प्रतिभावान युवाओं को लाखों की संख्या में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

एक तरफ जहाँ यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट प्रदेश की समृद्धि व अर्थव्यवस्था को गति देगा तो वहीं माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में होने वाली जी-20 की 200 से अधिक बैठकों में 11 बैठकों की मेजवानी प्रदेश को वैश्विक स्तर पर नयी पहचान देना।

मान्यवर, उत्तर प्रदेश को सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिये माननीय मुख्य मन्त्री जी ने कृषि विकास दर को वर्तमान दर से दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। देश की आबादी को 16 प्रतिशत हिस्सा हमारे प्रदेश में है तो 11 प्रतिशत कृषि भूमि है, यह देश में सबसे उपजाऊ भूमि है, सबसे अच्छा जल संसाधन भी हमारे पास है। पूरे देश के कुल खाद्यान्न का 20 प्रतिशत हमारे प्रदेश से आता है। अगर अपने संसाधनों का हम सही तरीके से नियोजन, कर लें तो इसे और आगे बढ़ाया जा सकता है। मा0 मुख्य मन्त्री जी के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने वर्ष 2017 में 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ रुपये के कर्ज को माफ किया।

पी0एम0 किसान सम्मान निधि या लागत का डेढ़ गुना एम0एस0पी0 दोनों ही प्रभावी ढंग से लागू हो रहे हैं। रिकार्ड मात्रा में बिना बिचौलियों के किसानों के उत्पाद को क्रय किया गया। माननीय मुख्य मत्री जो नेचुरल फार्मिंग के लिये लगातार प्रेरित कर रहे हैं इससे लागत कम आती है उत्पादकता में वृद्धि होती है तथा भूमि की उर्वरता भी बरकरार रहेगी।

माननीय प्रधानमंत्ती जी मिलेटस जैसे मोटे अनाजों के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाने के लिये जनान्दोलन चलाने के लिये कहा है। मोटे अनाज स्वास्थ्य में होने वाले लाभ व कुपोषण से लड़ने में महत्वपूर्ण है। जहाँ दूसरी फसलें पानी की कमी के कारण पूरी तरह बर्बाद हो जाती है वहीं मोटा अनाज खराब होने की स्थिति में भी पशुओं के चारे के काम आ सकता है।

मान्यवर महिलाओं की स्थिति को लेकर चिंता करना अथवा उनके नाम पर राजनीति करना तमाम राजनैतिक दलों के लिये आम बात है परन्तु ऐसे राजनैतिक दल महिलाओं की स्थिति को केवल मुद्दा बनाते है और चुनाव प्रचार का विषय बनाते है परन्तु जब वह सत्ता में थे तव उन्होंने महिलाओं के लिये क्या किया यह हम अच्छे से जानते हैं। मुझे गर्व है अपने नेतृत्व पर अपने प्रधानमन्त्री पर अपने मुख्य मन्त्री पर जिनकी सार्थक नीतियों व ईमानदार प्रयासों के चलते महिलाओं की स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन के साथ महत्वपूर्ण सुधार हुआ। यह परिवर्तन शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक के आंकड़ों में दिखाई दे रहा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की जारी रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। एक दशक पहले हुये सर्वेक्षण में शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी 64.4 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 70.3 प्रतिशत तक पहुँच गयी है।

2019-20 में भारत में उच्च शिक्षा में महिलाओं के लिये जी0ई0आर0 (सकल नामांकन दर) 27.3 प्रतिशत थी जोकि 2015-16 की अपेक्षा 18 प्रतिशत अधिक है। नई शिक्षा नीति के आधार पर 2035 तक 50 प्रतिशत जी0ई0आर0 रखा गया है। माननीय प्रधानमन्त्री जी कहते है कि नारी का गौरव राष्ट्र के सपने पूरे करने में बहुत बड़ी पूंजी बनने वाला है। यह सामर्थ्य मैं देख रहा हूँ। इस अमृत काल में सपने पूरे करने में जो मेहनत लगने वाली हैं उसमें अगर नारी शक्ति जुड़ जायेगी तो हमें मेहनत कम करनी पड़ेगी।

मान्यवर संविधान में प्रदत्त अधिकारों को तब तक पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं किया जा सकता जब तक संविधान का उचित तरीके से पालन करने वाली सरकार न हो तथा जनता के प्रति ईमानदारी पूर्वक नैतिकता का पालन करने वाला तंत्र न हो। कानून व्यवस्था सरकार की रीढ़ होती है और कानून व्यवस्था में सुधार कैसे किया जाता है, यह हमारे माननीय मुख्यमन्त्री जी ने करके दिखा दिया। कानून व्यवस्था पर यदि वास्तविक सर्वेक्षण कराना हो तो सबसे पहले महिलाओं की राय जानना आवश्यक होता है। महिलाओं की स्थिति जानने का आधार मुख्य रूप से उनका सामाजिक आदर, शिक्षा व्यवस्था, परिवार में स्थान, लैंगिक भेद-भाव का न होना,

आर्थिक संसाधनों पर नियन्त्रण निर्णय लेने की क्षमता का प्रयोग एवं स्वतंत्रता आदि में निहित होता होता है। हमारी सरकार में महिलायें बिना किसी भय के घरों से वाहर निकल रहीं हैं। उनके अन्दर निडरता का भाव माननीय मुख्य मन्त्री जी की जनता के प्रति ईमानदार सोच और अपराधियों के प्रति कठोर नीति के कारण आया है। आज अपराधी अपराध करने से पहले सोचता जरूर होगा कि मुख्य मन्त्री जी संत स्वरूप हैं पर अपराधियों के लिये शान्त स्वरूप नहीं हैं। हमारी सरकार द्वारा अपराधियों का सामाजिक बहिष्कार करने की नीति अपनायी जा रही है कोई भी अपराधी अपराध करने के बाद समाज में अपनी आपराधिक पहचान नहीं छिपा पायेगा हमारी सरकार अपराधियों को संरक्षण नहीं देती। मा0 मुख्य मन्त्री जी ने अपराधियों व अपराध पर नियंत्रण करके यह दिखा दिया है कि कानून व्यवस्था में कैसे सुधार किया जा सकता है। नहीं तो कभी कहा जाता था कि 'लड़के हैं गलती हो जाती है' और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त होता था तो ऐसी स्थिति में महिलायें अपने अधिकारों एवं सुरक्षा की आशा कैसे कर सकती थी। गैर भाजपा सरकारों की अपराधियों को संरक्षण देने की नीति के कारण 2017 से पूर्व प्रदेश में जंगलराज हो गया था। जंगलराज को समाप्त करने के लिये जनता ने उचित निर्णय लेकर 2017 में फिर 2022 में पुनः योगी सरकार को जनादेश देकर यह सिद्ध कर दिया कि ईमानदार सोच व दमदार काम हमारा एक नारा ही नहीं बल्कि संकल्प है और यह जनता के प्रति हमारा भाव है हमारी निष्ठा है।

ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना हेतु 300 करोड़ रुपये व्यवस्था प्रस्तावित है।

देवीपाटन मण्डल में, मुरादाबाद मण्डल, विन्ध्याचल धाम में राज्य विश्वविद्यालय के लिए 50 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है।

लखनऊ गोरखपुर विश्वविद्यालय A++ रैंक में ग्रेडिंग आयी है।

मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है
पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है।

(33,500 करोड़ निवेश)

जब हौसला बना लिया ऊँची उड़ान का
फिर देखना फिजूल है कद आसमान का।

(1 ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था)

इंजी0 बृजेश-

1-मेरी विधान सभा क्षेत्र किशनी में समाजवादी पार्टी सरकार में पॉलीटेक्निक की घोषणा मा0 मुख्य मंत्री जी के द्वारा की गयी थी, जोकि 2 वर्ष पूर्व बनकर तैयार हो गयी जिसमें आज तक पठन-पाठन का कार्य अभी शुरू नहीं हुआ सरकार से मेरी मांग है कि यथाशीघ्र इसकी सुचारु रुप से चालू किया जाय ।

2-मेरी विधान सभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की सरकार के समय पक्षी बिहार के किसानो की जमीन के मुआवजे हेतु लगभग 250 करोड़ रुपया दिया था जिसका वितरण आज तक नहीं किया गया मैं चाहूँगा कि उक्त पैसे का वितरण किसानों को भूमि के आज के सर्किल रेट के अनुसार भुगतान कर दिया जाय ।

3-मेरी विधान सभा क्षेत्र में सपा सरकार में मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन बनाये जाने की घोषणा की गयी थी जिसे आज तक सुचारु रूप से चालू नहीं किया गया। मैंने इस सम्बन्ध में विधान सभा में प्रश्न भी लगाया था जिसका अधिकारियों ने गलत जबाब भेज दिया अधिकारियों ने अपने जबाब में कहा कि निरीक्षण भवन तैयार होकर चालू है। जबकि ऐसा बिल्कुल ही नहीं है। उद्घाटन से पूर्व खिड़की, फर्श, टाइल्स आदि टूट-फूट चुके हैं। और न ही फर्नीचर आदि की व्यवस्था की गयी विद्युत का कनेक्शन भी नहीं लिया गया अधिकारी गलत जबाब देकर सरकार को और सदन को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। मैं चाहूँगा कि ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही हो तथा उक्त निरीक्षण भवन को जल्द से जल्द सुचारु रूप से चालू कर दिया जाय ।

4-मेरी विधान सभा क्षेत्र में राज्य निर्माण निगम द्वारा फायर स्टेशन बनाये जाने का कार्य शुरु किया गया था जिसमें सरकार का काफी पैसा लगने के बाद भी आज तक इसे पूर्ण नहीं कराया जिसके कारण आगजनी आदि के समय क्षेत्रीय जनता को परेशानी होती है मैं चाहूगा कि यथाशीघ्र इसको पूर्ण करके सुचारु रूप से प्रारम्भ किया जाय।

5-मेरी विधान सभा क्षेत्र में सपा सरकार में कुसमरा में नवीन थाना बनाये जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था, जिस आज तक स्वीकृत नहीं किया गया मैं चाहूँगा कि कुसमरा में नवीन थाने का निर्माण जल्द से जल्द कराया जाय।

6-सपा सरकार में मेरी विधान सभा क्षेत्र किशनी में नई तहसील को बनाया गया था जहां पर मुन्सिफ कोर्ट को बनाया जाना जनहित में बेहद आश्यक है जनहित को ध्यान में रखते हुए किशनी में मुन्सिफ कोर्ट बनाया जाय ।

7-मेरी विधान सभा क्षेत्र में एन0एच0-92 मार्ग इटावा बेबर मार्ग का नवीनीकरण का कार्य चल रहा है उक्त मार्ग निर्माण के कारण मेरी नगर पंचायत किशनी में मार्ग के किनारे बस्तियों के जल निकास की गम्भीर समस्या बनी है। मैं चाहूँगा कि मार्ग के किनारे बस्तियों के

जल निकासी हेतु दोनों तरफ सरकार द्वारा नगर पंचायत को धन की उपलब्धता कराकर इसे पूर्ण कराया जाय ।

8-मेरी विधान सभा क्षेत्र में बासग रजवाहा पर कुर्रा में पुल बना है इसके बगल में नगला मोती के लिये रजवाहा की पटरी पर सी0सी0 मार्ग बना है। जल कटाव के कारण बना हुआ मार्ग खोखला हो गया है। जिसमें एक व्यक्ति की गिरकर मृत्यु हो गयी है। मैंने कई बार इस पुल पर कैटल घाट बनाये जाने का विषय सदन के पटल पर रखा इसके बावजूद इसे आज तक नहीं बनवाया गया मैं चाहूँगा कि अग्रिम किसी दुर्घटना से बचाव के लिये यहां पर अतिशीघ्र कैटल घाट का निर्माण कराया जाय ।

9-मेरी विधान सभा क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किनारे हवेलिया बुगमपुर पर गल्ला मंडी बन रही थी जोकि भूमि अधिग्रहण के बाद अब तक अधूरी पड़ी है मैं चाहूँगा कि इस जल्द से जल्द बनाकर सुचारु रूप से चालू किया जाय ।

10-मेरी विधान सभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मंछना थाना तहसील भोगांव में ग्राम पंचायत की भूमि पर भू-माफिया कब्जा कर रहे है। मैंने स्वयं और क्षेत्रवासियों ने कई बार इसकी शिकायत अधिकारियों से की लेकिन किसी के कान में जूं तक नहीं रेंगी। इसी पंचायत के ग्राम शिव सिंहपुर निवासी राम औतार सिंह ने सैकड़ों बीघा जमीन फर्जी रूप से अभिलेखों में दर्ज करा ली है । जो खारिज होने के बाद कई बार न्यायालय ने भी इसे दोषी मानकर ग्राम पंचायत के पक्ष में फैसला दिया है। यह बहुत ही शातिर और तहसील का सबसे बड़ा भू-माफिया है। अपनी शातिरपन से किसी न किसी न्यायालय में उल्झाकर ग्राम पंचायत की जमीन को जबरन कब्जा किये है। मैं चाहूँगा कि राम औतार एवं इसके फर्जी वाडे में शामिल सभी लोगों पर भू-माफिया के प्रति कार्यवाही की जाय ।

11-मेरी विधान सभा क्षेत्र में थाना किशनी के अन्तर्गत रामनगर में स्थित पुलिस चौकी के पुलिस कर्मी वहां के दुकानदारों से प्रति दिन धन वसूली करते है। इससे लोगों में बहुत आक्रोश है। मै चाहूंगा कि ऐसे पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाय ।

12-मेरे जनपद मैनपरी में अभी हाल में लोक सभा का चुनाव हुआ है। जिसमें पुलिस ने सत्ताधारी दल के नेताओं के इशारे पर पूरे जनपद में खुला ताण्डव किया है। अकारण लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। जेल मैनुअल के विपरीत देर रात्रि में भी निर्दोष लोगो को जेल भेजा है। मैं चाहूँगा कि 14 नवम्बर, 2022 से 5 दिसम्बर, 2022 तक जिला कारागार में बन्दी प्रवेश की जांच करायी जाय और यदि मेरा आरोप सही है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये ।

श्री उमर अली खान-

राज्यपाल के अभिभाषण पर मुख्य बिन्दु

1. कन्या इण्टर कालेज,

2. डिग्री कालेज,

3. हाई कोर्ट बैंच (पश्चिम उत्तर प्रदेश),

4. टाईगर रिजर्व, ऐलीफैन्ट रिजर्व, पर्यटन स्थल के रूप में सहारनपुर घोषित किया जाये,

5. पौंटा साहिब से वाया खारा शाकूम्बर देवी मंदिर तक स्टेट हाइ-वे घोषित किया जाये,

6. शाकूम्बर देवी मंदिर से भूरा मंदिर तक नदी पर पुल का निर्माण,

7. खानका रायपुर व मिर्जापुर गांव के बीच में पुल का निर्माण,

8. मिर्जापुर गांव में फायर स्टेशन का निर्माण,

9. रोजगार के लिये पोप्लर पेड़ से निर्मित प्लाईवोर्ड फैक्टरियों के लिए सुविधाएं,

10. वन गुजरों को उत्तराखण्ड के स्वरूप पुर्नवास,

11. सहारनपुर बेहट रोड से देहरादून रोड के लिये रिंग रोड,

12. सहारनपुर शहर से बादशाही बाग तक चौड़ीकरण,

13. बरसाती नदियों के पानी को सिंचाई के लिए डैम की व्यवस्था,

14. पी0जी0आई0 सहारनपुर में कौन्ट्रक्ट वैस कर्मचारियों को स्थायी किया जाय,

15. शाकूम्बर देवी शुगर मील को चालू किया जाय,

16. मंगनपुरा से बादशाही बाग के बीच का पुल,

17. इंडिया मार्का हैंड पम्प सुखा ग्रस्त क्षेत्र के लिये,

18.इन्दरा कालोनी व फुल कालोनी को बेहट नगर पंचायत से जोड़ा जाए।

किन्तु खेद है कि श्री राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में निम्नलिखित का उल्लेख नहीं किया है।

अतः श्री राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण में निम्नलिखित संशोधन और जोड़ दिया जाय।

1. मेरे विधान सभा क्षेत्र शिवाल खास मेरठ के ग्राम रसूलपुर धोलडी को नगर पंचायत बनाने के सम्बन्ध में,

2. ग्राम रोहटा वि0ख0-रोहटा को नगर पंचायत बनाने के सम्बन्ध में,

3. नगर पंचायत खिवाई विकास खण्ड सरूरपुर में राजकीय हाई स्कूल को इण्टरमीडिएट का दर्जा दिये जाने के सम्बन्ध में,

4. ग्राम किनौनी वि0खं0-रोहटा में छात्राओं के लिए राजकीय इण्टर कालेज की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में,

5. ग्राम किनौनी वि0खं0-रोहटा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के स्थापना के सम्बन्ध में,

6. नगर पंचायत हर्रा में पशुचर की भूमि को बदलकर युवाओं के लिए स्टेडियम बनाये जाने के सम्बन्ध में,

7. नगर पंचायत खिवाई में उच्च शिक्षा व व्यवसायिक शिक्षा को प्राप्त करने के लिए आई0टी0आई0 संस्थान का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में,

8. नगर पंचायत हर्रा में नगरीय योजना के अन्तर्गत नगर पंचायत हर्रा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में,

9. नगर पंचायत करनावल में स्टेडियम बनाना,

10. ग्राम छुर में कुश्ती के लिये स्वीकृति प्रदान करें,

11. दबथुआ में महिला कबड्डी की प्रतियोगिता होती रहती है सुविधायें प्रदान करें।

श्री महेश चन्द्र गुप्ता-

हमारी विधान सभा क्षेत्र एवं जिला मुख्यालय की विधान सभायें

1-रिंग रोड पूर्ण हो जाए। 1/2 बन गया है। 1/2 बन जाय,

2-कुँवर गाँव राजकीय/डिग्री कालेज बन जाए जिससे छात्र-छात्राओं की शिक्षा पूर्ण हो जाय। जिला मुख्यालय से दूर है,

3-मंगला माता जहाँ हजारों लोग श्रद्धालु आते है बड़ा मेला लगता है पौराणिक स्थल घोषित कर उसका सौन्दर्यीकरण कराने की कृपा करें,

4-बदायूं से कुंवर गांव होती हुई आंवला तक प्लेन सड़क बन जाय,

5-राजकीय इंजीनियर कालेज जी0टी0आई0 के कैम्पस जिसमें कार्यालय की जगह है शिक्षा की दृष्टि से पिछड़ा क्षेत्र है,

6-हमारी विधान सभा क्षेत्र में वजीरगंज में खेल मैदान की जगह है मिनी स्टेडियम बनाया जाय,

7-1977 की किसान सहकारी व चीनी मिल शाखू पर बनी थी, 46 वर्ष पुरानी, कल-पुर्जे पुराने हो चुके हैं, क्षमता वृद्धि की जाय,

8-आई0सी0यू0 बन चुका है लेकिन स्टाफ की कमी से चालू नहीं हो पाया है,

9-पार्क की सुविधा।

श्री राम अवतार सैनी-

महोदय,

मुझे महामहिम राज्यपाल के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में दिये गये अभिभाषण पर अपने विचार रखने का समय नहीं मिल पाया है। मुझे अपने क्षेत्र की ज्वलन्त समस्याओं को सदन के समक्ष रखना चाहता था जो सदन के समयाभाव के कारण नहीं रखा पाया हूँ। मैं अपने क्षेत्र की महत्वपूर्ण समस्यायें आपके समक्ष लिखित रूप से प्रस्तुत कर रहा हूँ।

कृपया अपने माध्यम से समस्याओं का शासन स्तर से निस्तारण कराने का कष्ट करें-

1-मेरी विधान सभा क्षेत्र-24, नूरपुर के प्रमुख शहर नूरपुर को तहसील बनाया जाये,

2-ग्राम पंचायत-ताजपुर को नगर पंचायत घोषित किया जाये,

3-गल्लाखेड़ी के पास कडूला नदी पर 110 मीटर लम्बा पुल बनवाया जाये,

4-नूरपुर स्योहारा प्रान्तीय मार्ग पर स्योहारा में सम्पार सं0-446 बी पर आर0ओ0बी0 बनवाया जाये,

5-नूरपुर विकास खण्ड के ग्राम चांगीपुर में ग्राम समाज की रिक्त भूमि पर राजकीय कन्या इण्टर कालेज बनाया जाये,

6-नूरपुर विधान सभा क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र है जिसमें सड़कों के निर्माण के लिए विशेष पैकेज दिया जाये,

7-नूरपुर में एक मिनी स्टेडियम बनाया जाये,

8-ग्राम-दरियापुर वि0खं0-नूरपुर में घनी आबादी में बस्ती से मकानों के ऊपर गुजर रही 11000 हजार वोल्टेल लाइन को शिफ्ट कर गाँव के बाहर से गुजारा जाये।

कृपया उक्त कार्य उ0प्र0 सरकार को कराये जाने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।

पी0एस0यू0पी0-एल0 113 विधान सभा (189)-05-09-2023-76 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।